



31
10

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

67/87

सं० 23] नई दिल्ली, शनिवार, जून 6, 1987 (ज्येष्ठ 16, 1909)

No. 23] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 6, 1987 (JYAISTA 16, 1909)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और
भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

का० व० प्र० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, तथा विशेष पुलिस महानिरीक्षक,
विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

धर्मपाल भला

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई, 1987

प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

सं० 3/5/87-प्रशासन-5—राष्ट्रपति ने श्री आर० वालासुआमण्यम् पुलिस उपाधीक्षक को 27 अप्रैल 1987 पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 15 मई 1987

गृह मंत्रालय

सं० आ०-14/72-प्रशासन-5—मंत्रिमंडल सचिवालय से प्रत्यावर्तन होने पर श्री आर० के० वर्मा लोक अभियोजक ने 27-4-1987 से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में कार्यभार ग्रहण कर लिया।

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई, 1987

सं० ए-12011/5/86-प्रशा०-II—राष्ट्रपति, समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के श्री एम० के० मल्होदा, अतिरिक्त सहायक निदेशक को समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में सहायक निदेशक के पद पर रु० 2200+75-2800-द० रो०-100-4000 के वेतनमान में दिनांक 20-4-1987 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों, तक स्थानापन्न रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

व०० के० दुबे,
निदेशक पुलिस दूरसंचार

सं० 3/1/86-प्रशासन-5—राष्ट्रपति, श्री एम० डी० शर्मा भा० पु० सेवा (मध्य प्रदेश: 1962) को दिनांक 7 मई 1987 पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक संयुक्त निदेशक,
1-96GI/87

महानिदेशामय, के० रि० पू० बल

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

मं० ओ० दो-४/८५-प्रश्ना०-३--मेवा के वार्धक्य निवर्तन के फलस्थरूप श्री आ० डी० शर्मा, अनुभाग अधिकारी, कें० फ० पु० बल को ३० अप्रैल, १९८७ (अपग्राह) में अनुभाग अधिकारी के पद की भेवा से कार्यमुक्त किया गया।

मं० पी०-मात-6/8.-प्रश्ना०-३--श्री पी० सी० जैन, सूबेदार
मेजर (कार्यालय अधीक्षक) के अनुभाग अधिकारी के रूप
में पदोन्नत होने पर दिनांक 1-5-1987 (पूर्वापि) को
महानिदेशालय के० फि० प० बल, नड़ शिल्पी में अपना
कार्यभार सम्भाल लिया है।

मं० ई० एक-13/85-86-प्रणा-3—मंयुक्त महायक
निदेशक (लेखा) /लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर के० रि०
पु० बल में प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त के फसलवर्णप्रश्न श्री
एन० भौमिक, लेखा परीक्षक, मद्दलेखाकार (लेखा) शिलांग,
मेधालय ने लेखा परीक्षा अधिकारी, लेखा बल (पु०
उ० थेट्र) के० रि० पु० बल से० 4 शिलांग में 1-5-87
(पर्वती) में अपना पद भार संभाल लिया है।

५० अपठनीय

महानिदेशात्मक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1987

सं० ई-16013(2)/9/87-कार्मिक-I--प्रतिनियुक्ति पर
नियुक्ति होने पर, श्री एम० मोहन राज, भा० पु० से० (ग्र०
व म०: 75) ने 18 अप्रैल, 1987 के पूर्वाह्न से कर्मचार
के० औ० सु० ब० यूनिट, बी० सी० सी० प८०, झरिया के
पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक ८ मई १९८७

सं० ई-32015(4)/1/87-कार्यिक-I—ग्राम्पति, श्री एस०
मुद्रामणियम, निरीक्षक (कार्यपालक) को प्रोप्रति पर के० औ०
सु० ब० यूनिट, एस० पी० एम०, होर्सगाड़ाव मे 14 फरवरी,
1987 (पुर्वाक्ति) मे तदर्थ ग्राम्पति पर और अस्थाई स्प
से 18 अगस्त, 1987 तक या इस समय तक नियमित
नियुक्तिया होने तक, जो भी पहले हो, सहायक कमांडेट
के स्प मे नियमित करते हैं।

ह० अपठनीय

महानिदेशक/के० श्री० म० ब०

भारत के सहारजिहाद का कार्यालय

ਪੰਜਾਬ ਪ੍ਰਦੀਪ-110011 ਫਿਲੋਨ 8 ਸਤੰਬਰ 1987

सं० 11/5/84-प्रश्ना०—विभागीय प्रोश्नति भमिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित महायक निदेशक जनगणना कार्य/महायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) को उप निदेशक जनगणना कार्य के पद का कार्यभार नियमित आधार पर महसू करने की तारीख जो कि उनके नामों के सामने दर्शित कालम 3 में दी गई है, से अगले आदेशों तक प्राप्ति द्वारा नियमित आधार पर अस्थाई क्षमता में उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सत्र्वं नियक्त करते हैं।

क्रम सं.	नाम/वर्तमान धारित पद	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख	कार्यालय जिसमें तैनात किए गए व मुख्यालय
1	2	3	4
1.	श्री एमो जयशंकर, महायक विदेशक, जनगणना कार्य, (नकनीकी) केरल, त्रिवेन्द्रम	13-3-87 (पूर्वाह्न)	जनगणना विदेशालय केरल, त्रिवेन्द्रम
2.	थो कें वी० रामान्वामी, महायक विदेशक जनगणना कार्य, त्रिवेन्द्रम।	8-4-87 (पूर्वाह्न)	जनगणना विदेशालय महाराष्ट्र, बम्बई

1 2

3

4

3.	श्री वाई० जी० कुण्डामूर्ति, तदर्थे उप निवेशक, जनगणना कार्य, आनंध प्रदेश, हैदराबाद ।	13-3-87 (पूर्वाह्नि)	जनगणना निवेशालय आनंध प्रदेश, हैदराबाद
4.	श्री आर० के० मिह, तदर्थे उप निवेशक, जनगणना कार्य, उत्तर प्रदेश, लखनऊ	10-3-87 (पूर्वाह्नि)	जनगणना निवेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ
5.	श्री एस० पी० गोवर तदर्थे उप निवेशक, मध्य प्रदेश, भोपाल	17-3-87 (पूर्वाह्नि)	जनगणना निवेशालय मध्य प्रदेश-भोपाल
6.	श्री एम० सी० समेना, तदर्थे उप निवेशक, जनगणना कार्य, बिहार, पटना	13-3-87 (पूर्वाह्नि)	जनगणना निवेशालय बिहार, पटना
7.	श्री फूल मिह, तदर्थे उप निवेशक, जनगणना कार्य, भारत के महाराजस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	12-3-87 (पूर्वाह्नि)	भारत के महाराजस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली
8.	श्री आर० के० भाटिया, तदर्थे उप निवेशक, जनगणना कार्य आडमान और निकोबार द्वीपसमूह	13-3-87 (पूर्वाह्नि)	जनगणना निवेशालय अंडमान और निकोब द्वीपसमूह
9.	श्री ए० के० दत्ता तदर्थे उप निवेशक, जनगणना कार्य, पश्चिम बंगाल कलकत्ता ।	13-3-87 (पूर्वाह्नि)	जनगणना निवेशालय पश्चिम बंगाल, कलकत्ता ।
10.	श्री एच० के० कल्ला, तदर्थे उप निवेशक, जनगणना कार्य जम्मू और कश्मीर, श्रीनगर ।	16-3-87 (पूर्वाह्नि)	जनगणना निवेशालय जम्मू और कश्मीर, श्रीनगर ।
11.	डा० के० एस० डै०, तदर्थे उप निवेशक, जनगणना कार्य, पश्चिमी बंगाल, कलकत्ता ।	13-8-87 (पूर्वाह्नि)	जनगणना निवेशालय पश्चिमी बंगाल, कलकत्ता ।
12.	श्री एस० के० स्वैन तदर्थे उप निवेशक, जनगणना कार्य, उड़ीसा, भुवनेश्वर ।	17-3-87 (पूर्वाह्नि)	जनगणना निवेशालय उड़ीसा, भुवनेश्वर

1 2

3

4

13. श्री प० पिर्धे तदर्थ उप निदेशक, जनगणना कार्य, असुणाचल प्रदेश, शिलांग।	13-3-87 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय असुणाचल प्रदेश, शिलांग।
14. श्री राम सिंह, तदर्थ उप निदेशक, जनगणना कार्य, मध्य प्रदेश, भोपाल।	13-3-87 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय मध्य प्रदेश, भोपाल
15. श्री अर्जीत सिंह, तदर्थ उप निदेशक, जनगणना कार्य पंजाब, चंडीगढ़।	12-3-87 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय पंजाब, चंडीगढ़।

वी० एस० वर्मा
भारत के महारजिस्ट्रार

वित्त मंत्रालय

(ग्राहिक कार्य विभाग)

प्रतिभूति कागज कारबाहा

होमंगाबाद, दिनांक 28 अप्रैल, 1987

सं० 7(66)/1012—इस कार्यालय के अधिसूचना क्रमांक 7(66)/7230 दिनांक 3/1/1987 के तारतम्य में श्री सी० पी० भाटिया का, वेतनमान रु० 2375-75-3200-द० रो०-100-3500 में, सहायक कार्य प्रबन्धक के पद पर की गई नियुक्ति की अवधि दिनांक 1-2-1987 से 31-7-1987 तक या जब तक वह पद नियमित रूप से नहीं भरा जाता, इनमें से जो भी पहले हो, महर्ष बढ़ाई जाती है।

दिनांक 29 अप्रैल 1987

क्रमांक सं०-1/1017—इस कार्यालय के अधिसूचना क्रमांक सी०-1/7323 दिनांक 6-1-87 के तारतम्य में श्री जगदीश प्रसाद का, वेतनमान रु० 2200-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 में, सहायक मुख्य नियंत्रण अधिकारी के पद पर की गई नियुक्ति की अवधि दिनांक 1-4-87 से तीन माह तक या जब तक यह पद नियमित रूप से नहीं भरा जाना, इनमें से जो भी पहले हो, महर्ष बढ़ाई जाती है।

श० रा० पाठक,
जनरल मैनेजर

कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई, 1987

सं० प्रशासन/का० आ० सं० 39—निदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय राजस्व-1, इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी श्री ओ० पी० परथी को 2375-3500 रु० के वेतनमान में दिनांक 1-5-1987 से स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

मोहन खुराना,
उपनिदेशक लेखापरीक्षा (प्रशा०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा जम्मू व कश्मीर

श्रीनगर), दिनांक 30 अप्रैल, 1987

स०—प्रशासन-1/लेखापरीक्षा/6—महालेखाकार के आदेशा-नुमार श्री भृष्ण लाल जोतिपी, अनुभाग अधिकारी (जन्म तिथि 1-9-1947) जो मंप्रति भृटान की नायल मर्कार में प्रति-नियुक्ति पर है को 27-4-1987 (पू० आ०) से नेष्टस्ट बिलो नियम के अंतर्गत 2000-60-2300-द० रो०-75-3200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न धर्मिता में सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नत माना जाता है। किन्तु वास्तविक पदोन्नति का लाभ उन्हें मूल कार्यालय में कार्यभार ग्रहण करने की नियम से ही ग्राह्य होगा।

2 महालेखाकार ने श्री दया कृष्ण शर्मा अनुभाग अधिकारी (जन्म तिथि 1-1-1947) को भी 27-4-1987

(पू० आ०) से 2000-60-2300-द०रो०-75-3200 रु० के बेतनमान में स्थानापन्न धारिता में सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी (वर्ग "ख" राजपत्रित) के रूप में सहर्ष पदशन्त किया है।

श्री भूषण लाल जोतिही सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों के ग्रेड में श्री दया कृष्ण शर्मा से वरिष्ठ होगे।

सं० प्रशासन-1/लेखापरीक्षा/9—महालेखाकार ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को 1-5-1987 (पू० आ०) में 2000-60-2300-द० रो०-75-3200 रु० के बेतनमान में स्थानापन्न धारिता में सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों (वर्ग "ख" राजपत्रित) के रूप में सहर्ष नियुक्त किया है।

क्रमांक	नाम	जन्म	तिथि
1.	श्री अशोक कुमार रैना		14-6-1945
2.	श्री चमन लाल भट्ट		21-12-1947

दिनांक 7 मई 1987

सं० प्रशासन-1/लेखापरीक्षा/12—महालेखाकार (लेखा परीक्षा) जम्मू बैकश्मीर ने निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न धारिता में 2375-75-3200-द० रो०-100-3500 रु० के बेतनमान में 8-5-1987 (पू० आ०) से लेखापरीक्षा अधिकारियों (वर्ग "ख" राजपत्रित) के रूप में सहर्ष नियुक्त किया है—

क्रमांक	नाम	जन्म	तिथि
1.	श्री मखन लाल कौल-II	22-6-1933	
2.	श्री उजागर राम डोगरा (अनु० जा०)	20-3-1943	
3.	श्री प्राण नाथ	8-9-1935	

क्रमांक 2 से सम्बद्ध वरिष्ठता अलग से निर्धारित की जाएगी।

दिनांक 8 मई 1987

सं० प्रशासन-1/लेखापरीक्षा/13—महालेखाकार ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न धारिता में 2000-60-2300-द० रो०-75-3200 रु० के बेतनमान में 8-5-87 (पू० आ०) में सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों (वर्ग "ख" राजपत्रित) के रूप में सहर्ष नियुक्त किया है—

क्रमांक	नाम	जन्म	तिथि
1.	श्री अवतार कृष्ण मुंशी	2-10-1950	
2.	श्री अब्दुल मजीद शाह	7-8-1949	
3.	श्री सुरेन्द्र सिंह जामवलि	15-06-1951	

बलविदर मिह,
उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हक्कारी) प्रथम मध्य प्रदेश विधानसभा, दिनांक 5 मई, 1987

सं० प्रशासन-1/जो० ओ०/पी० एफ०/वी० एन०/53/226ए—
कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हक्कारी) प्रथम म० प्र०, भोपाल के श्री क्षी नारायण (01/121) स्थाई लेखा अधिकारी अपनी अधिवर्पिता आयु के कारण दिनांक 31-12-1987 को अपराह्न केन्द्रीय सेवा में निवृत्त होगे।

(प्राधिकार महालेखाकार (लेखा एवं हक्कारी) प्रथम के आदेश दिनांक 5-5-1987)

निरन्जन पंत,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आईनेंस फैक्टरियां सेवा

आईनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 5 मई, 1987

सं० 9/भी/87—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री एम० एन० छटर्जी, सहायक निदेशक, मौलिक एवं स्थायी फोरमैन (दिनांक 30 अप्रैल, 1987 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० ए० अलहन
संयुक्त निदेशक

कलकत्ता-1, दिनांक 11 मई 87

सं० 6/87/०/इ-१(एन जी)—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर श्री सुनील कुमार भट्टाचार्जी स्थानापन्न सहायक स्टाफ अधिकारी (मौ० एवं स्थाई सहायक) दिनांक 30-4-87 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एस० दासगुप्ता,
उपमहानिदेशक/प्रशासन
कृते महानिदेशक आईनेंस फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रित का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल, 1987

आयात एवं नियंत्रित व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/1250/78-प्रशासन (गज०) 2308—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रित का कार्यालय (केन्द्रीय लाइसेंस थेन्डर) नई दिल्ली के कार्यालय में श्री बलवन्त सिंह, नियंत्रक, आयात नियंत्रित सेवा निवृत्ति वी आयु पूरी कर लेने पर 31 मार्च, 1987 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 7 मई 1987

सं० 6/1009/73—प्रशासन(राज)/2422—इस कार्यालय के श्री एन० डी० टुटेजा, उप मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियाति सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर 30 अप्रैल, 1987 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 11 मई 1987

सं० 6/1641/86—प्रशा० (राज०)/2393—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियाति के कार्यालय, बम्बई में श्री एन० आर० पंडेकर, नियंत्रक, आयात-नियाति सेवा निवृत्ति की आयु होने पर 28 फरवरी, 1987 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

शंकर चन्द

उप मुख्य नियंत्रक, आयात-नियाति कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-नियाति

वस्त्र मंत्रालय

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

सं० 10/1/87—प्रशा०—I—अधिकारीषिता की आयु प्राप्त होने पर, भारतीय अर्थात् सेवा के ग्रेड-I अधिकारी तथा इस समय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, वस्त्र मंत्रालय में संयुक्त विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के रूप में कार्यरत, श्री ज्ञान प्रकाश 30 अप्रैल, 1987 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

प्रबोध के० बत्ता,
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1987

सं० 1/6/86—प्रशा०—I—श्री मुकेश चन्द, स्थायी लागत लेखा अधिकारी को, जो इस समय इस कार्यालय से तदर्थ आधार पर उप निदेशक (बजट एवं लेखा) के रूप में स्थानापन्न आधार पर नियुक्त हैं, दिनांक 6-5-1987 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक रु 3000-100-3500-125-4500 के वेतनमान में इसी कार्यालय में उप निदेशक (बजट एवं लेखा) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियमित रूप से नियुक्त किया जाता है।

वे उक्त वेतनमान में उप निदेशक (बजट एवं लेखा) के रूप में पहले से प्राप्त कर रहे वेतन की प्राप्त करते रहेंगे।

नीरा यादव
अपर विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1987

सं० 12 (364)/62—प्रशा० (राज०) खण्ड-II—सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई के उप निदेशक (यांत्रिक) श्री के० एस० कृष्ण गाव, दिनांक 31-3-87 (अपराह्न) को, सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 7 मई 1987

सं० ए-19018 (777)/85—प्रशा० (राज०)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग) अपने कार्यालय के लघु उद्योग संबंधन अधिकारी (खाद्य) श्री अर्जय कुमार सेठ को, लघु उद्योग सेवा संस्थान, गुवाहाटी के अधीन शाखा संस्थान, अमलपट्टी डीफू. में सहायक निदेशक ग्रेड-2 (खाद्य संरक्षण) के रूप में दिनांक 8-7-86 (पूर्वी) से अगले आदेश जारी होने तक, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 मई 1987

सं० 12(347)/62—प्रशासन (राजपत्रित)---राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान गुवाहाटी के निदेशक, ग्रेड-2 (जी० ए० डी०) श्री एम० ए० बारी को दिनांक 4 अप्रैल, 1987 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्त कर है।

सं० ए-19018(813)/87—प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति कार्यकारी अभियन्ता का कार्यालय (केन्द्रीय प्रभाग) दण्ड कारण्य प्रोजेक्ट (म० प्र०) के श्री प्रणव दास, को लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रीनगर में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (आ० प्र० प्र०) दिनांक 13-4-87 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 मई 1987

सं० ए-19018(30)/73—प्रशा० (राज०)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग) लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी के अधीन शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, सिलचर के श्री बी० गोपालकृष्णन, महायक निदेशक, ग्रेड-II (यांत्रिकी) को दिनांक 6 अप्रैल, 1987 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से अनिवार्यतः सेवा निवृत्त करते हैं।

सी० सी० राय
उप निदेशक (प्रशा०)

पूर्णि तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1987

सं० ए-6/247 (224)—पूर्णि तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थाई सहायक निरीक्षण अधिकारी

(अधिकारी) और स्थानापन्न सहायक निदेशक निरीक्षण (अभिः० (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप “ए” के ग्रेड-III अधिकारी) श्री टी० एन० उबवेजा, निवृत्तन की आग्रह प्राप्त कर लेने पर 30 अप्रैल, 1987 के अपराह्न से सरकारी सेवा में निवृत्त हो गये हैं।

आर० पी० शाही
उपनिदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, विनांक 15 मई 1987

सं० ए-19011/104/87—स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, श्री एम० सी० जैटली, संपादक की भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में रु० 3000-100-3500-125-4500 के बेतनमान में दिनांक 16-4-1987 (पूर्वाह्न) से वरिष्ठ संपादक के पद पर पदोन्नति की गई।

सं० ए-19012/233/87—स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री एम० एम० गमचंद्रा, अधिकारी की भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर दिनांक 30 मार्च, 1987 के पूर्वाह्न से पदोन्नति की गई।

जी० सी० शर्मा,
सहायक प्रशासन अधिकारी
कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो

—

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली, विनांक 14 मई 1987

सं० एफ० 8-15/86—स्था०—राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा नामित किए जाने पर, अभिलेख निदेशक, भारत द्वारा एतद्वारा कम्पनी कार्य विभाग के श्री मुख्यत्वार सिह तहलान, सहायक निदेशक की राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली में, 24 अप्रैल, 1987 पूर्वाह्न में, नियमित आधार पर, हिन्दी अधिकारी (ग्रुप “बी” राजपत्रित) (अनुसंचितीय) के पद पर नियुक्ति करते हैं।

डा० गजेण कुमार परती,
अभिलेख निदेशक

मूलना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-400026, विनांक 12 मई 1987

सं० ए-20012/16/76-ई-1—मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग श्री आर० एस० काशिद, सहायक कैमरामैन, फिल्म प्रभाग को उसी कार्यालय में दिनांक 6 मई, 1987 से कैमरामैन

के पद पर नियुक्त किया है क्योंकि श्री ए० एस० पाटिल, स्थानापन्न कैमरामैन को छुट्टी प्रदान की गई है।

बी० आर० पेमवान ८
सहायक प्रशासनीय अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

कृषि मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 15 मई 1987

सं० ए०-19025 / 10/83-प्र०-3/1—इस निदेशालय में श्री सन्तन सिह फक्लियाल द्वारा सहायक विपणन अधिकारी (बर्ग-2) के पद से दिया गया त्यागपत्र, दिनांक 14-4-1987 (अपराह्न) से स्वीकृत किया गया है।

बुखारीश राम, निदेशक प्रशा०
कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

टाउनशिप, दिनांक 12 मई 1987

क० न०प० वि०प०/भर्ती/11(6)/87/एस/5097-ए—परियोजना निदेशक, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के स्थाई चयन श्रेणी लिपिक श्री ओउम प्रकाश की श्री आर० एन० शुक्ला, सहायक कार्मिक अधिकारी के न्यकिलयर फ्यूल कम्पलेक्स, हैदराबाद के स्थानान्तरण हो जाने पर दि० 1-4-87 की अग्रिम आदेशोंतक उनके स्थान पर नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में तदर्थ आधार पर रु० 2000-3200 के बेतनमान में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में नियुक्ति करते हैं।

समीर दुक्कु
मुख्य प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

इन्सैट-1 प्रधान नियंत्रण सुविधा

हस्त-573201, दिनांक 21 अप्रैल 1987

सं० एम० सी० एफ० ए० डी० एस० ई० एस० टी०-जी० एन०-34—परियोजना निदेशक, इन्सैट-1 अंतरिक्ष खण्ड परियोजना, अंतरिक्ष विभाग, श्री पी० मुरलीधर को इन्सैट-1 प्रधान नियंत्रण सुविधा, हसन में 1 अप्रैल, 1987 से आगामी आदेशोंतक वैज्ञानिक/इंजीनियर-एस० बी० के पद पर नियुक्ति करते हैं।

एस० पी० कुमारन
प्रशासन अधिकारी
कृते परियोजना निदेशक

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 15 मई, 1987

सं० 3-791/87-मु० जल भू० (स्था०) —श्री लक्ष्मी नारायण माथुर को दिनांक 10-4-1987 (पूर्वांक) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जल भविज्ञानी के पद पर, जी० सी० एम० (समूह-ब) (राजपत्रित) मूल वेतन 2000 रु० प्रति माह, परियोधित वेतनमान रु० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, पश्चिम झेंट्र, जयपुर में होगा।

सं० 3-795/87-मु० जल मु० (स्था०) —श्री मधीरा वेंकटा गोपाल को दिनांक 1-4-1987 (पूर्वांक) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में महायक जल भविज्ञानी के पद पर, जी० सी० एम० (समूह-ब) (राजपत्रित) मूल वेतन 2000 रु० प्रति माह, परियोधित वेतनमान रुपए 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, उत्तर मध्य झेंट्र, भोपाल में होगा।

बी० पी० सी० मिन
मुख्य जल भविज्ञानी एवं सदस्य

केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला

पुणे-24, दिनांक 12 मई, 1987

सं० 608/191/87-प्रगामन—इस कार्यालय के दिनांक 19-9-83, 25-8-84, 22-2-1985, 25-11-1985 तथा 12-3-1987 के समसंबंधक अधिसूचना के मिलमिले में निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पुणे, एतद्वारा श्रीमती रो० श्री० कारखानीस, हिन्दी अनुवादक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, की हिन्दी अधिकारी के पद

पर पांचवे वर्ष के लिए, प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर वेतनमान रु० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 पर दिनांक 17-3-1987 से 16-3-1988 तक या अगले आदेशों तक, इनमें से जो पहले होगा तब तक के लिए प्रतिनियुक्ति की अवधि बढ़ाने हैं। श्रीमती कारखानीस उमके, हिन्दी अधिकारी, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पुणे, 24 में प्रतिनियुक्ति के पांचवे वर्ष के लिए प्रतिनियुक्ति (कार्य) भत्ता पाने के लिए हकदार नहीं है।

(प्राधिकार : जल संसाधन मंत्रालय, नई दिल्ली के पत्र संख्या 5/3/1986-स्था-II दिनांक 28 अप्रैल, 1987)

धो० ना० जागडे, प्रशासनिक अधिकारी
कृते निदेशक

उद्योग तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और मै० दिल्ली य० पी० फ़िल्म चैम्बर्स आफ कार्मस के विषय में
नई दिल्ली, दिनांक 1 मई, 1987

सं० 11987/12737—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर मै० दिल्ली य० पी० फ़िल्म चैम्बर्स आफ कार्मस का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

टी० पी० शम्मी
महायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
दिल्ली एवं हरियाणा

प्रस्तुत आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई, 1987

निर्देश सं. आई-1स/37ई-12764/85-86:—अतः मुझे,
जी० पी० गुजराती,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु से अधिक हैआर जिसकी गंडा फ्लैट नं. 12/274, बुन्दावन, साधन
गोड (पु.), बम्बई-22 में स्थित है (आर इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिस गुजरात
नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख
19-9-1986।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पंडह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे उन्तरण के लिए तथा गया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अन्तिम
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हाई किसी आय की शावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बनें के अनुसूची में दायित्व
में कमी करने या उसमें बदलने में सहाय्य करें; तथा;
और/मा(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर)
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सहाय्य के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धतः :—
2-96 GI/87

1. के० वी वैद्यनाथन

(अन्तरक)

2. श्रीमती विरनाला मफतलाल पटीवाना और
श्री जयंश मफतलाल पटीवाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्वाक्षरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लग्नसूची

फ्लैट नं. 12/274, जो बुन्दावन, माटूंगा, को० ग्राम०
हाउसरोमोसायटी लिमिटेड, साधन गोड, (पु०), बम्बई
-400022 में स्थित है।अनुसूची | जैसा कि म० अई-1/सी/37ई-1/0769/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
19-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।जी० पी० गुजराती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्बोलिय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 सी, बम्बई]

बम्बई, दिनांक 1 मई, 1987

निर्देश सं० आई-1मी/37ई/39940/85-86:—आतः मुझे,
जी० पी० गुजराती,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 1, मंगलया, माटूगा (प),
बम्बई-16 में स्थित है (और इसमें उपाबूद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है और 'जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टरी है तारीख 14-11-1986
को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छथमान प्रतिफल से एसे छथमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
कामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

1. श्री शासांक प्रभाकर वर्ती और
कल्पना शासांक वर्ती
(अन्तरक)
2. जबूराव दादा थोटे और अनिल बाबू राघ थोटे
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यधार्यांहर्या करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो, मंगलया, बाल गोविन्ददास रोड,
माटूगा, (प), बम्बई-400016 में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि श० मं० आई-1 सी/37ई-39940/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
14-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1 सी, बम्बई

(क) अन्तरण से हृद्द किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

धरत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, उथति :—

तारीख: 1-5-1987

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

1. मैमर्म गलेक्सी बिल्डर्स।

(अन्तरक)

काल्पनिक, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) की अधीन स्थावर

पारंपरिक**काल्पनिक, सहायक काल्पनिक काल्पनिक (पिरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निर्देश स० आई-1 सी/37ई-40218/85-86:— अतः
 मुझे, जी० पी० गुजराती,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मांड्या फ्लैट नं० 506, गेलेक्सी अपार्टमेंट,
 माटूगा (प) बम्बई-16 में स्थित है (और इसमें उपावड़
 अनुसूची में श्रौत पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-
 नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के अधीन
 सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख
 20-11-1986।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विषयास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके अव्याप्त प्रतिफल से, एसे अव्याप्त प्रतिफल के पश्चात्
 प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-
 रितियों) के बीच एसे अंतरण के निष्पत्ति पाया गया प्रतिफल,
 निम्नलिखित उद्घारण से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बावत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
 वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/वा

(ख) हेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आंसूतया
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या भवकर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
 अन्तरिती इपारा इकट्ठ नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. सुभाष शक्तराव कोस्के

(अन्तरिती)

को यह सूचना त्रारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 काल्पनिक बनाता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्दर्भ में कोइँ भी आशेष ---

(१) इस सूचना के गुजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि या भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्राप्त;

(२) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमुद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 506, जो, पांचवी मंजिल, बि विंग, लेक्सी
 अपार्टमेंट, एफ० पी० नं० 231, झेवेरी होस्पिटल के पास,
 102, ऑफ टी एच कटारीया मार्ग, मांटूंगा। (प), बम्बई-
 400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र मं० आई-1 सी/37ई-40218/
 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
 20-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-1 सी बम्बई

दिनांक: 1-5-1987

मोहर:

प्रध्य शाई.टी.एन.एस.-----

बापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 मी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई, 1987।

निर्देश सं. प्रई-1 सी/37ई/37936/85-86:—अतः मुझे,
जी० पी० गुजराती,

बापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मौजूदा फ्लैट नं. 501, पूर्वदरे वाडी, दादर,
बम्बई-28 में स्थित है (आगे इसमें उपावड़ अनुसूची में
प्रांग पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आय-
कर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-9-

1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान
प्रतिफल के लिए अन्तरत की गई है और
यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान
प्रतिफल सं, एसे स्थमान प्रतिफल के एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है
और बंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितिया) के
बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित पै वास्तविक रूप से की गया है:—

(१) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन वर दने के उत्तरक के
वायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने पै मूलिका
के लिए; और/या

(२) एसी किसी आय एग किसी भग दा कन्द अधिनियम
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 न 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरी ती द्वारा प्रकट नहीं कया गया
था या किसा आना आहिए था, छिपाने में मूलिका
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
उ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

1. श्रीमती चाहूशीला रमाकांत विचारे और
उमेश रमाकांत विचारे

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्रलाल बी० कूबाडीया और
श्रीमती सुशीला सी कूबाडीया

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर¹ सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित पै किए जा सकेंगे।

स्थानोकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 501, जो पाचवी मंजिल, पूर्वदरे वाडी,
गोवले रोड (एन), दादर, बम्बई-400028 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं. प्रई-1 सी/37ई/37936/
85-86 आगे जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
2-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 सी, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना
दरबार विवरण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 सी, बम्बई
बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निर्देश सं० अर्ह-1 सी/37ई-40732/85-86.—अतः
मुझे, जी० पी० गुजराती,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ('अस्त्रे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भाय
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण करने का
पारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उद्दिष्ट बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्ता न्यू सर्वे न० 1/ए-2008, है तथा जो
दादर बम्बई में स्थित है
(और इसमें उपावच अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्वप में वर्णित है),
और जिसका करार न्या आयकर अधिनियम की धारा 269
के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है तारीख 28-11-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के अवधार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विवरण

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उद्दिष्ट बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत स अधिक है और अतरक (अतरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्निकृत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय को बाहर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण अ
वार्षिक दे करने या उक्त समय पर अवधार
के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
का 111 या उसके अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा दृष्ट तथा
गया था या किया जाना चाहिए था, दिनांक में
तुलिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपलब्ध (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जल एफ० एच० दास्ताला
केनी डी० दास्ताला,
फेडी डी० दास्ताला और
विली जे० दावाचांजी ।

(अन्तरक)

2. फ्रेमरोजकोर्ट टेनेन्ट्स को-श्राप हाउसिंग सोसायटी
लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्द्धन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है ।

दरबार वस्त्रित के वर्षन के संबंध में कांडे भी जाक्षण

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की वापील से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाहे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास विविध में किए आ सकेंगे।

प्रत्यक्षीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिक्षा
देता है।

अनुसूची

जमीन का हिस्मा जिसका न्यू सर्वे न० 1/ए- 2008,
सी० एम० नं० 96, दादर नायगांव डिवीजन, दादर रोड,
बम्बई में है।

अनुसूची जैसा कि के स. अर्ह-1 सी/37ई-40732/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
28-11-1986 उको रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1 सी बम्बई

तारीख . 1-5-1987

मोहर :

प्रध्य बाई दी एस.एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाबकर बापूजी (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निर्देश स० अई-1/सी/37ईई/12528/85-86.— अत
मुझे, जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके विषयात् 'उसके अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी० एस० टी० 16, है तथा जो मादूगा
डिवीजन दादर, बम्बई-14 में स्थित है (ओर इसने उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है,
तारीख 1-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विवादास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह दशितात् से अधिक है और अतरक (अतरक) और आ
रिती (अतरिती) — दोष एवं बतरण के लिए तय पाया
गया श्रीतका निम्नलिखित उत्तरोत्तर द्वारा बतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है। —

1. मैमर्स भारत वेरहार्डिंग को।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सनी कन्स्ट्रक्शन को।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी बाबूले पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन वे निय
कार्यालय करता है।

उत्तर इसीलिए वे बर्बन वे सम्पत्ति में कोई भी बाध्येष्ट ...

(क) इस सूचना के राबपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन की वर्षीय वा तत्सम्बन्धित व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की वर्षीय, वा वी
वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राबपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में लिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर
अधिनियम के अधीन कर इन क मन्त्रालय क
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहिता
के लिए; और/या

(ख) दोष किसी आय या किसी धन या अन्य वार्तासामान्यों का,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त वर्धानियम, या उन
के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे
प्रवोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विविध
के लिए।

जमीन का हिस्सा जिसका सी० एस० टी० नं० 16,
मादूगा डिवीजन, दादर, बम्बई-400014 में है।

अनुसूची जैसा कि क्र स० अई-1/सी/37ईई-10704/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 सी, बम्बई

बत: बत, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रन्तरण
में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षात् है—

दिनांक: 1-5-1987

मोहर:

इस बाईंटी एवं पदः

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत कार्यालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

और जिसकी संख्या श्री-1/सी/37ई/12088/85-86:—
श्रतः मुझे, जी० पी० गुजराती,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० बी-1, रसमेहर बिल्डिंग,
दादर, बम्बई-14 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख
11-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लघ्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि मध्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके लघ्यमान प्रतिफल से ऐसे लघ्यमान प्रतिफल का
पहले प्रतिशत में अधिक है और अतरक (अंतरक) और अतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) नगराने में हूँ जिसी आय की दावत, उक्त
अधिनियम के वधीन कर दने के अन्तरक वे
एवं पञ्च में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा
के लिए; और/या

(ब) एसी एकसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यावितयों, अधोतः —

1. श्री रीहीटिन रस्तम इंजीनियर और
श्री सायरस रस्तम इंजीनियर

(अन्तरक)

2. श्री दोसाभाई खेरशेद जी मरेना।
श्री परवेज दोमाभाई भथेना और
श्री होरमज दोमाभाई भथेना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहर्ड भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या उत्तममध्ये व्यक्तियों पर
मूँचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति ने हृष्टवृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वयाग्रहान्तराभार। के दाव
निवारण में किए जा सकें।

प्रत्यक्षकरण:—इसमें प्रथम वर्षों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के से शीरभाषण
हैं वहों अर्थ हांगा जो उम् अध्याय प विद्य
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-1, जो पहली मंजिल, रसमेहर बिल्डिंग,
दादर एन० ज० वाडीया को-आप हाऊसिंग सोसायटी,
लिमिटेड, 629-ए, वी होमावजीर रोड, पारसी कालोनी,
दादर, बम्बई-400014 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र स० श्री-1/सी/37ई/10747/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
11-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1 सी, बम्बई

दिनांक: 1-5-1987

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1 सी, बम्बई
बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निर्देश मं. आई-1 सी/37ई/12529/85-86-- अतः
मुझे, जी. पी. गुजराती,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं. 12, पालम स्प्रिंग, प्रभादेवी,
बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269 के खिलाफी; सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मूक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उत्तर या उत्तर या उत्तर
की भावी वास्तविक रूप से किया गया है।
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था,
छिपाने में संविधा के जिए,

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैमर्म रीजेसी कन्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
(अन्तरक)
2. श्री मूल मोली मूम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़े भी आश्रेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उक्त अधिनियम की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 12, जो पहली मजिल, पालम स्प्रिंग, कैडल
रोड, प्रभादेवी, बम्बई में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि क्र मं. आई-1 सी/37ई/10705/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी. पी. गुजराती;
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आगुन्त (निरीक्षण)
अर्ज 1 रेज-1 सी, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्रेरुप आई.टी.एन.एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर व्यायक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1सी, बम्बई

बम्बई दिनांक 1 मई 1987

निदेश सं ० आई-१सी/३७ई-१२५३०/८५-८६—अन्तःमुझे,
जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें उक्त व्यायकरण 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मालिया फ्लैट नं० 11, पालम स्प्रिंग, प्रभादेवी, बम्बई में स्थित है (आंग इमें उपाबद्ध अनुसूची में आंग पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-९-

1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के फ्रैंड्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरिताँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्यापक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने ला उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सूविधा के लिए;

इस उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-96 GI/87

1. मैसर्स रीजेमी कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
(अन्तरक)
2. सोली आरदेशीर मूस और महीयार सोली मूस
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के विषय कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के विषय में कोई भी वापरेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविलत में किए जा सकेंगे।

प्रबंधनकरण --- इसमें प्रयुक्त सम्बो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित है, वही अर्थ होंगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 11, जो पहली मंजिल, पालम स्प्रिंग, केंडेल रोड, प्रभादेवी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जेमा फि क्र मं० आई-१सी/३७ई/ 10706/ 85-86 आंग जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
मक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयक्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1सी, बम्बई

दिनांक: 1-5-1987

मोहर:

प्रकृष्ट बाइ¹. टी. एन. एस. -----

1. वल्पतरु इण्डोसायगोन वन्स्ट्रिकेशन

(अन्तर्राष्ट्रीय)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 260 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेज-1सी, बम्बई

बम्बई, चिनांक 1 मई, 1987

निवेद सं० अई-1सी/37ई/12547/85-86—अतः मुझे,
जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पात्र 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
उत्तरण कि व्यापार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संज्ञा फ्लैट नं० 191, अन्तरिक्ष, प्रभादेवी,
बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाध्य अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269 के खंड के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवास
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि व्यापारीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके व्यवास प्रतिफल से, ऐसे व्यवास प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उन सम्पत्ति के अर्जन के सबूत में काइ भी वाक्यप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अर्थात् या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त व्यापार सम्पत्ति में तितवध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षेत्री के पास
लिखित में जिए जा सकेंगे।

व्यापारिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
अधिकारियम के अधीन कर दने के अन्तरण के
वायित्व में करी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

(छ) जामी किसी आय पा। किसी भन पा। भन्य जास्तियाँ
का, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वा उसी अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ जलारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या
किसी द्वारा बाह्य भा छिपाने में सहित के जिए;

फ्लैट नं० 191, जो, उपीसवी मंजिल, अन्तरिक्ष,
काकासाहेब शाडगिल मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि क म० अई-1सी/37ई/ 10712/
85-86 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1986 को रस्टिर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1सी बम्बई

अतः अवै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 1-5-1987

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई, 1987

निवेश सं० आई-1सी/37ई-12600/85-86—अन मुझे,
जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सूचना पद्धति 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), को भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी मध्यमा फ्लैट नं० एन-6, प्रथमेण, प्रभादेवी,
बम्बई-25 में स्थित है (और इसमें उपाग्रह अनुसूची में
'और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका उत्तरान्तरा आयकर
अधिनियम की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 11-9-1986
इ। पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
.तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित आई.
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, पूर्ण रूप से छोड़ा जाएगा।
अन्तरित सम्पत्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती
.तिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में
शास्त्रीय रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(112 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा इकट्ठ नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की जपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री केसरी एस गाह और
श्रीमती रंजन के० शाह

(अन्तरक)

2 श्री जीमी डब्ल्यू० अलमोड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
रखया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० एन-6, जो छठवीं मंजिल, प्रथमेण को०
आप० हाउसिंग सोसायटी आफ वीर सावरकर मार्ग, प्रभादेवी,
बम्बई-400025 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० आई-1सी/37ई-10724/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक
11-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1सी, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्रस्तुति—टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई, 1987

निर्देश सं० अई-1सी/37ईई/12653/85-86— अतः मुझे,

जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंजुषा फ्लैट नं० 181, अन्तरिक्ष, प्रभादेवी
बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारना सा आयकर
अधिनियम की धारा 269 का ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 11-9-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इथमान प्रतिफल से, ऐसे इथमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा उक्त नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कल्पनह इण्डोमायगोन कन्स्ट्रक्शन
(अन्तरक)
2. श्रीमती मेहसूनीमा सेराजूल हक खान,
श्री इश्तयाक अहमद सेराजूल हक खान और
श्री जावेद अहमद सेराजूल हक खान
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां श्रूत करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षय —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तिया १९
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रदर्शित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
षित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 181 जो अठरवीं मंजिल, अन्तरिक्ष काका
साहेब, गाडगिल मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० अई-1सी/37ईई/10740/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
11-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1सी बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1 सी, बम्बई

बम्बई, विनांक 1 मई, 1987

सं० आई-1/सी/37ई/12878/85-86— अतः मुझे,
जी० पी० गुजराती,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 63, प्रभा मन्दिर, प्रभावेवी,
बम्बई-25 में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है और जिसका कगारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269 के खंड के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख
25-9-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से एसे दूर्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व
में कभी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों व्यर्थतः :—

1. श्रीमती मोहनी जयन्त भावे।

(अन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द्र केड़ीया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वादश में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भे से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जाएंगे।स्पष्टोकरण :—इरामे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में ऐसियाँ
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 63, जो छठवीं मंजिल, प्रभा मन्दिर को
आप० हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, प्रभानगर, प्रभावेवी,
बम्बई-400025 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/सी/37ई/10817/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
25-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।जी० पी० गुजराती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1 सी, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस -----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय भारतीय आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज १ सी, बम्बई
बम्बई, दिनांक १ मई, १९८७म. आई-१/सी/३७८८/१२७८८/८५-८६— अत मुझे,
जी० पी० गुजराती,आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा २६९-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य १,००,०००/-
रुपये से अधिक हैऔर जिसकी संख्या फ्लैट न० ३२, कामता, इमारत न०
४, प्रभादेवी, बम्बई-२८ में स्थित है और इसमें उपावद्ध
ग्रन्तुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम की धारा २६९ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख
१९-९-१९८७को पूर्वोक्त हमेशा के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यवान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि
पह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त हमेशा के उचित बाजार मूल्य, इसके इष्य-
मान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स
दांपत्र है और अन्तरक (मन्तरकों) और अंतरिती (अतिरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
सिद्धि उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप
की भित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से कुछ किसी आय की बाबत उक्ते
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करन या उसमें बचने में सुविधा
के लिए, और/या(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) ऐसे
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा इवट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा
के लिए,अत अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अन्तरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१)
में अधीन, निम्नसिद्धि व्यविधयों, दूर्त :—

१. श्रीमती लीलावाई रघुनाथ कोर और
श्रीमती मालिनी भाऊराव पाटिल।
(अन्तरक)
२. महेन्द्र छोटे लाल श्रोफ
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काइ भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित
है, वही वर्त होगा, जो उस अध्याय में विद्या
रखा है।

ग्रन्तुची

फ्लैट न० ३२, जो दसवी मजिल, इमारत न० ४,
कामता का आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, गजानन
पुरी बाड़ी, प्रभादेवी, सिद्धी विधायक के पीछे, बम्बई-
४०००२८ में स्थित है।अनुसूची जपा कि क्र० म० आई-१/सी/३७८८/१२७८८/
८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
१९-९-१९८७ को रजिस्टर्ड किया गया है।जी० पी० गुजराती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज १ सी, बम्बईवि. १.क १-५-१९८७
मोहरः

प्रस्तुप बाहू.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज १ सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक १ मई, 1987

सं० अर्ड-१/सी/३७८८/१०८९४/८६-८७— अतः मुझे,
जी० पी० गुजराती,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या फ्लैट नं० ८, जयगी प्रीमायसेस, वर्ली
इस्टेट, बम्बई-१८ में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269 के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख
18-९-1987को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए मन्तीरत को गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल सं, एवं दृश्यमान प्रांतफल का
"म्याह प्रतिशत से अधिक है" और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिरी
(अंतरीरीदौषियों) के द्वारा एवं अन्तरण के लिए उम्म पाता पाता प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिन्द्र
में कमी करने या उससे बेसन में सरिधा के लिए;
और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिरी इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. श्री नन्द कुमार मूल चन्द रामचन्द्रानी और
श्री अशोक मूल चन्द रामचन्द्रानी ।
(अन्तरक)
२. श्री युसुफ अब्दुफला पटेल ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पंचांशी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
प्रदाय कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोद्यताभावी वा
पाप लिंगिन में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ८, जो चौथी मंजिल, जयगी प्रीमायसेस
को आप० सोमायटी लिमिटेड, मौलाना अब्दुल गफारखान
रोड, प्लाट नं० २२, स्कीम नं० ५२, वर्ली इस्टेट, बम्बई-
४०००१८ में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्ड-१/सी/३७८८/१०८००/
८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक १८-९-
१९८६ को रजिस्टर्ड किया गया है।जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज १ सी, बम्बई

तारीख: १-५-१९८७

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एम. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

1. श्री पेंटा गोन बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. पी० एम० बी० कन्स्ट्रक्शन को० लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई, 1987

सं० आई-1/सी/37ई/12388/85-86— अत. मुझे

जी० पी० गुजराती,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 2, पी० एम० बी० अपार्टमेंट, बर्ली नामक, बम्बई में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के खंड के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1986।

को पर्वोंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हस्यमान प्रतिफल से ऐसे हस्यमान प्रतिफल का प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तवीकृत रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के असरक के शायत्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने पर्यावधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

को यह सूचना जारी करके पर्वोंकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोंकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयोग शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 9, पी० एम० बी० अपार्टमेंट, बी० जी० खैर रोड, बर्ली रोड, बर्ली नामा बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/सी/37ई/10706ग/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज 1 सी, बम्बई

दिनांक: 1-5-1987

मोहर:

प्रकाश बाहौद. टी., एन. पर्स.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

साक्षण्य

कार्यालय, सहायक आयकर वायव्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई, 1987

सं० अई-1/सी/37ईई/12515/85-86— अतः मुझे,
जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० बी/708, पूनम अपार्टमेंट,
बल्ली, बम्बई 18 में स्थित है और इससे उपावद अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की भारा 269 के ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख
1-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और यह विवाह स
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से ऐसे उद्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरिताओं) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अंतरण निर्दिष्ट
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(a) अंतरण से हुई किसी वाय की वायत उक्त अधि-
नियम के क्षेत्र में दर्शक के इन्स्पेक्टर
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
नहीं।

(b) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
एवं कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रदोषनार्थ अंतरिती द्वाय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
उपेक्षा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उन्न अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती भारती डी० दलाल

(अन्तरक)

2. श्री दिनेश डी० दलाल और
श्री घिरजलाल एच० दलाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाटों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यालयों पर भरता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वापरेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा वात्सल्यमयी अविक्षयों वा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, वा यी
अवधि वाले वर्षे वाले वर्षे होती है, वे शीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्बात वर्षे हिस्तवृप
किसी वस्त्र व्यक्ति द्वारा व्योहारा भारती के नाम
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्थायीकरण :—इसमें प्रपूर्वत लालों वारे वर्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्यात् 20-क में परिभाषित है,
वही वर्ष होता था जो इस स्थायर में विता
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी/708, जो पूनम अपार्टमेंट, डॉ० एनी
बेसन्ट रोड, बल्ली, बम्बई 400018 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० अई-1/सी/37ईई/10701/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, सी, बम्बई

दिनांक 1-5-1987 :
मोहर :

प्रस्तुप आर्हे.टी.एन.एस.-----

१. श्री जगदीश वर्मा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा)
269-प (1) के अधीन सूचना

२. श्री गोविन्द नारायण व्ही और
श्री कमल नारायण व्ही

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज १ मी, बम्बई

बम्बई, दिनांक १ मई, १९८७

सं० आर्हे-१/३७ई-१२५४५/८५-८६— अतः मुझे,
जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 15, शिव मार्ग बिल्डिंग,
बर्ली बम्बई-25 में स्थित है और इसमें उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धा। 269 क ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में जिस्ट्री है, तारीख
1-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के दीचं ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष्य की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के बायित्य
में कमी करते या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छानने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांश भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोहम्माक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 15, जो पहले मंजिल, शिव मार्ग बिल्डिंग,
प्लाट नं० 19, सीफेन, बर्ली बम्बई-400025 में स्थित
है।

अनुसूची जैमा कि क्र० सं० आर्हे-१/सी/३७ई/१२५४५/
८५-८६ और को सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक
1-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकृत निरीक्षण)
अर्जन रेज १ सी, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्ररूप जाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई, 1987

सं. अई-1/सी/37ई/12554/85-86-- अतः मुझे,
जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० एन-4, ईडन हाल, वर्ली,
बम्बई-18 में स्थित है और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करणनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269 के खंड के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-

1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः :—

1. श्री अहमद जाफ, मन्त्री

(अन्तरक)

2. श्रीमती नीनू आर० धण्डनी

(अन्तर्भिती)

कों मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयत्न शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० एन०-4, जो चौदवी मंजिल, ईडन हाल,
डा० ए० बी० रोड, वर्ली, बम्बई-400018 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/सी/37ई-10715/
85-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1 सी बम्बई

दिनांक : 1-6-1987
मोहर .

प्रस्तुत आई. ई. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 सी. बम्बई

बम्बई, विमानक 1 मई 1987

सं. आई-1/सी/37ई/12607/85-86 :— अत मुझे,
जी पी० गुजराती,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं. ए/16, विन्स अपार्टमेंट,
वर्ली सीफेस साउथ, बम्बई-18 में स्थित है और इसमें
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री
है, तारीख 11-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त हृषीकेतु का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एक इश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत ते अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
द्वितीय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यतः
हो किया था है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी जाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जान गया था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः ज्ञा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मती पुष्पा श्रसानदास केवलरभानी
(अन्तरक)
2. श्री सुनिल कुमार गोपीनाथ सेक्सारिया और
श्री गोपीनाथ ईश्वर दास सेक्सारिया
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापरेष ।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में विभागित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. ए-16, जो विन्स अपार्टमेंट, वर्ली सीफेस
साउथ, बम्बई-400018 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. आई- सी/37ई-10727/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विमान
11-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 सी. बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्रस्तुत जाहेरी टी.इन.एम. ——————.

भायकर बैंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

क्रमांक, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निवेश सं० श्री—1/सी/37ई/12619/85-86— अत
मुझे जी० पी० गुजराती,
भायकर बैंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
तारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट सं० एम-4, इडन होल, वर्ली बम्बई
18 में स्थित है और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रू
से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा
269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, दिनांक 11-9-1986.
ते पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
विकल के निव अन्तरित की गई है और भूमि के विवास
तरंग वा कारण है कि व्यापूर्वक सम्पत्ति वा उचित बाजार
उसके दृश्यमान प्रतिकल के दृश्यमान प्रतिकल के
प्रतिकल वे अधिक हैं और बंदरक (बंदरकों)
और अन्तरिती
अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया यदा
विकल निम्नलिखित उद्घोषणा से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(म) बदलते हुए किसी बाब की वापर, जल
बहिर्भवन के वर्षीय कर दर्ते के बस्तरव वा
दावेन्द्र वे कमी करने वा उद्दर्द बदलने में सूचिता
आर/वा

(म) ऐसी किसी बाब वा किसी बदल वा अन्य वार्ताओं
को जिन्हे भारतीय भायकर बैंधिनियम 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवान एक तहीं किया गया
वा आ किया जाना चाहिए वा फ़िल्म में ग्राम्या
में लिखा।

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अधिकारों, अर्थात् ह—

(1) श्री महमद जाफर मनसूरी ।

४ (प्रत्यक्ष)

(2) श्री राम पूर्ण घडानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरौ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीद्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, वो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षियाँ;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षियाँ द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भायकर
बैंधिनियम के अध्याय 20 के पर्याप्त अवधियाँ
हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मानसूची

"फ्लैट सं० एम-4, जो तेरहवीं मंजिल, इडन होल,
डा० ए० बी० रोड, वर्ली, बम्बई-400018 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्री—1/सी/37ई/10732/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

दिनांक 1-5-87

मोहर :

प्ररूप आई. टी.एन.एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प. (1) के अधीन सूचना

(1) श्री जी० जी० केवास दस्तूर

(अस्त्रक)

(2) महमद जफार मनसूरी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निदेश सं० अई-1सी/37ईई/12628/85-86—अतः

मुझे, जी० पी० गुजराती,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहांविश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट सं० 6-बी, साकेर अपार्टमेंट, वर्ली, बम्बई
25 में स्थित है और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है और जिभका करानामा आयकर अधिनियम की धारा
269 कथ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई
रजिस्ट्री है, दिनांक 11-9-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह संकरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इथमान प्रतिफल से ऐसे इथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नत वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमतुभ किसी अन्य विकित द्वारा अधोहस्ताकरी के पास तिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वैही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई, किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के यांत्रिक में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/एवं

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सहायता के लिए;

अनुसूची

"फ्लैट सं० 6-बी, जो छठवी मंजिल, 71, पोछखाना बाला रोड, साकेर अपार्टमेंट, वर्ली, बम्बई-400025 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1सी/37ईई/10734/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

इस बाइंदू टी. पट. एवं ———
बालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

सारांश पृष्ठांचल

आर्थिक सहायक बालकर बालकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निवेश सं० अई-1सी/37ई-12672/85-86—ग्रत.
मुझे जी० पी० गुजराती,

बालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्हें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), को धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विचार का उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 58, विनस, एफविंग, वर्ली, बम्बई-18 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची यमें और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करानामा प्रायकर अधिनियम की धारा 269 काव के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-9-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारण प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है। आर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से इससे इश्यमान प्रतिफल का पंचवां प्रतिशत से अधिक है और वर्त-एक (बन्तरक) और बन्तरिती (बन्तरितिय) के बीच इससे बन्त-एक के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त बंतरण लिखित वै सास्त्रिक रूप से कीर्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देव के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, 41 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने वाले वौक्ति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवस्थाएँ, अपराह्न ८—

- (1) श्रीमती कमला लालचन्द्र पंजाबी ।
(ग्रन्तरक)
(2) श्रीमती नवाज खुशरुद स्तूर ।
(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तमान के विषय कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोइ भी व्याप्तियें —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तात्पीत ते 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभात होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वधु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविष्ट भूमि किए जा सकेंगे।

लक्षणकरणः—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में 'दिया गया है' :

बन्सूची

"फ्लैट सं० 58, जो पंद्रहवी मंजिल, एफ विंग, विनस बिल्डिंग, डा० आर० जी० थडानी मार्ग, वर्ली, बम्बई-400018 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1सी/37ई-10754ए/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

दिनांक : 1-5-87

1मोहर :

प्रलूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निदेश सं. अई-1सी/37ई/12748/85-86—अतः मुझे,
जी० पी० गुजराती,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लैट नं० डी-23, सागर दर्शन, वर्ली, बम्बई—
18 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की
धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-9-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हर्दौ किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के शायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
हूँ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्जतः :—

(1) श्रीमती उषा वामन नाथने और नितिन वामन
नाथने।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गयात्रीदेवी जी टीव्रेवाल और नथमल
टीव्रेवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें पूर्वोक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जनसूची

"प्लैट सं० डी-23, जो सागर दर्शन को० प्राप० हाउसिंग
सोसायटी लिमिटेड, 106, सीफेस रोड, वर्ली, बम्बई-400018
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1सी/37ई/10762/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्राहन रोड-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निवेश सं० आई-1सी/37ई/12752/85-86—अतः मुझे,
जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 47 विनस, वर्ली सीफेस, बम्बई-
18 में स्थित है और इसमें उपावद्ध प्रतुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा
269 कथ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, दिनांक 18-9-86

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की पहुँच है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) भार अंतरिकी
(अंतरीक्षीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्राप्तावक रूप से कार्यरत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में भाविता
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिलदण्ड
को... जिसके भारतीय नायकर अधिनियम, 1952
(1952 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीयां द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुरक्षा के
लिए;

अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनावण
में, म उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5-96 GT/87

(1) श्रीमती एस० ए० रामचन्द्रानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा असानदास केवलरमानी ।

(प्रत्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए
कार्यबाह्यां दर्श करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उर्जन के संबंध में कांहौर भीकाशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वधिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की वधिय, जो भी
वधिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अधिक द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में, प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टि
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तोभरी के
राम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होता है जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जनसूची

फ्लैट नं० ज०-५०, जो विनस को ग्रांप हाउसिंग सोसायटी
लिमिटेड, फ्लैट सं० ४७, वाहवीं मंजिल, वर्ली सीफेस, बम्बई-
४०००१८ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-1सी/37ई-10764/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-
9-1986 को जिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्राहन रोड-1सी, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती बोहीना एम० शाह ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मोनी ह्ली० जन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निवेदग सं० आई-1सी/37ई/12784/85-86—अतः मुझे,
जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ए/603, पूनम अपार्टमेंट्स, वर्ली, बम्बई-
18 में स्थित है और इसमें उत्तरवाह अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप
में अधिक है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की
धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्री है, दिनांक 19-9-1986

को प्रवृत्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास
करने का कारण है कि विधाप्रवेक्षित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके प्रवृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृत्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए ला सकेंगे।

स्पष्टोकरण :——इसमें प्रवृत्ति शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूल्यी

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसने देने में सुविधा
के लिए; और/या

"फ्लट सं० ए/603, जो पूनम अपार्टमेंट्स, वर्ली, बम्बई-
400018 में स्थित है।

अनुमूल्यी जैसा कि क्र० म० आई-1सी/37ई-10774/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा
दिनांक 19-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर)
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
आयकर आयुक्त सहायक (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1सी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री चिमन नाल मनीलाल सेठ ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री घसीलाल एन० बूबना और श्रीमती गीतादेवी
जी० बूबना ।

(अन्तर्पति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निवेदण सं० आई-1सी/37ई-12803/85-86—अतः
मूँझे, जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसने इसमें
अपेक्षक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा था है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से ऊपरीक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 3, बी० व्हाय अपार्टमेंट, बी०
जी० खेर रोड, बम्बई-18 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269 के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 19-9-
1986,

को नूर्वैकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मूँझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वैकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हूँ इं किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः वथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, गैर, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ज्ञानेण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समर्पित में हित-
बद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लेट सं० 3, जो बीथी मॉनिल, बिन्डिंग सं० 3, बी०
व्हाय अपार्टमेंट, बी० जी० खेर रोड, बम्बई-400018 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1सी/37ई-10781/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-
9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फोर्मलिय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निर्देश सं. आई—1सी/37ई/12817/85—86—अतः मुझे,
जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीष्मीय सं. ५, सी ब्रीज, वर्ली इस्टेट, बम्बई—
18 में स्थित है (ग्रीष्मीय उपायकरण सूची में ग्रीष्मीय रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की
धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 19—9—1986,

क्वो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके क्षमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृशि किसी आय की आवश्यकीय अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/मा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री क्लेरेंस आलफान्सो रोडरीक्स।

(अन्तरक)

(2) बोल्टास इण्टरनेशनल लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को अह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वर्त सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लेट सं. ५, जो पहली मंजिल, जो सी ब्रीज को० आ०प० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, २७ वर्ली इस्टेट, बम्बई—४०००१८ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि को० सं. आई—1सी/37ई/10784/85—86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19—9—1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज—1सी, बम्बई

दिनांक : 1—5—1987

मोहर :

प्रम्मय आई.टी.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निवेदा सं० आई-1सी/37ई-12840/85-86—अतः
मुझे, जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट सं० 5, न्यू पुष्पा मिलन, बर्ली हिल्स,
बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 19-9-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हथयान
प्रतिफल के लिए अत्यारित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हथयान प्रतिफल में सौ दस दस दस प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित
में घास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबते, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यवित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
ले लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्व
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1921
(1921 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट होनी किया गया था या या किया
गया था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अविनाश रानी राम प्रकाश खोसला।

(अन्तरक)

(2) श्री अजय रविंद्र भंडारे और श्रीमती उत्तरा अजय
भंडारे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्बोरिंग्स शूल करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या दसम्बात्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टाकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति
हैं, वही वर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मालवी

"फ्लैट सं० 5, जो न्यू पुष्पा मिलन को० आ०प० हाउसिंग
सोसायटी लिमिटेड, 67 बर्ली हिल्स, बम्बई-400018 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-1सी/37ई/10787/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1स, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्रकल्प बाई. दी. इन. एव.

(1) श्रीमती मुधामेन सी. पाड़या।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के वर्तीय पृष्ठा

भारत लग्जर

सहायक, महायक आद्यकर लाभवल (प्रोटोकल)

अर्जन रेज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निदेश में अई-1मी/37ई-38135/85-86—अतः

मुझे, जी० पी० गुजराती,

आपका १ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उल्लेख पाया है 'उक्त अधिनियम' कहा या है), की भाग 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवरण बताने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. स अधिक है

और जिसकी स० पॉर्ट स० 1, ई बिल्डिंग, माहीम, बम्बई-16
में स्थित है (प्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है (प्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा
269 काँख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, दिनांक 12-9-1986,

को पूरोक्त संपत्ति के इच्छित बाजार मूल्य से कम के स्थान
शांतिकल के जिए अन्तरित की गई है और मैंने यह दिशवास
करने का कारण है कि वथाप्तोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थान प्रतिफल से, ऐसे स्थान प्रतिफल का
पद्ध प्रतिवारा से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरीतकों) के बीच ऐसे अंतरण के जिए तब पाया गया अतिरिक्त
सम्पत्ति विभिन्न उक्त व्यक्ति से उक्त अवधारण लिखित में कास्त-
विक है किंतु नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके प्रबोक्त संपत्ति के अवधि के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवधि में कोई भी वापर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किए अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहम्साधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने वा उससे बचने में सहिता के लिए,
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहिता
के लिए;

"फ्लैट स० 1, जो दूसरी मंजील, ई बिल्डिंग, स० १० एस०
स० ५०७, माहीम डिवीजन, वीर सावरकर मार्ग, बम्बई-
400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० स० अई-०-१मी/37ई-38135/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1सी, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री जगदीशवन्द्र रमीकुलाने देसाई और
श्रीमती चंद्रकान्ता रमीकुलाल देसाई

(अन्तरक)

आवाहन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) कोनोराइड इनस्ट्रमीमेंट्स (इंडिया) प्राइवेट
लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1सी, बम्बई

बम्बई, विनांक 1 मई 1987

निदेश सं० अई-1सी/37ई-38571/85-86—अतः . .
मस्ते, जी० पी० गंगराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारत
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थापत्र सम्पत्ति, विज्ञता उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10, ओनर्स इण्डस्ट्रियल इस्टेट,
माहिम, बम्बई-16 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करानामा आयकर
अधिनियम की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 26-9-1986,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्ट्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी बाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक को
वायिक्त में कमी करने या उससे बचने में अविधा
के लिए; और/वा

(ल) एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर और्नियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके प्र्वोक्ता सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
यथाधिक बाद में मापात्म होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से 1 कोपी व्यक्ति द्वारा,

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
उपलब्ध से किए जा सकेंगे :

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"गाला सं० 10, जो तन मंजिल, ओनर्स इण्डस्ट्रियल
इस्टेट, 505, पीताम्बर लेन, माहिम, बम्बई-400016 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1सी/37ई-38571/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
26-9-1986, को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गंगराती
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1सी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के उच्ची निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् :—

दिनांक : 1-5-87

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निदेश सं० आई-1सी/37ई/38599/85-86—अतः
मुझे, जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट सं० बी/6, डिनीटी, माहिम, बम्बई
16 में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्णकूप
विवरित है (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की
धारा 269 कथ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 26-9-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के दीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उ(1) श्रीमती इंदिराबाई गजानन वैऊडे, कुमारी रेवती
गजानन वैऊडे और कुमारी सूमती गजानन
वैऊडे ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ग्लोरिया कोलको और श्री हेलरीयन
कोलको ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यदारीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर
मचना की हासिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
शदृष्टि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अंतरक के दायित्व
में कभी करने या उसमें बचने में संविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

"फ्लैट सं० बी/6 जो तीमरी मंजिन, डीनीटी को०आप०
मोनायटी निमिटेड, मोगर लेन, माहिम, बम्बई-400016 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० आई-1सी/37ई/38599/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-
9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपर्याप्त :—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री बन्दू हंडी० शिंगी

वे

(अन्तरक)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष के अधीन सूचना

(2) श्रीमती विद्या बसंत शाम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंचे-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निदेण सं० अर्द्ध-1सी/37ई-39774प/85-86—अतः
मुझे, जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० डी-१, रतन प्रीया, वीर सावरकर
मार्ग, बम्बई-१६ में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269 कब्द के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, दिनांक 7-11-1986,
को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तराभीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को जिह्वा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अनुसूची

"फ्लाट सं० डी:-१, जो रतन प्रीया, 216, वीर सावरकर
मार्ग, बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि क्र० सं० अर्द्ध-1सी/237ई/39774
प/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
7-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेज-१ सी, पूना

अत. ८व उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अक्षय :—
6-96 GI/87

दिनांक : 1-5-1987
मोहर :

प्रस्तुत वाइ.टी.एल.एस. -----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत बाबत

कार्यालय, सहायक आयकर बाबत (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज—1सी, बम्बई

बम्बई दिनांक 1 मई, 1987

निवेश सं. 0 अई०- सी०-37ई०-39782ए/85-86—

अतः मुझे, जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, विवाद उचित बाबत मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 0 फ्लैट सं. 302, तीसरी मंजिल, माहिम,
बम्बई में स्थित है (और इससे उपायदू अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है और जिसका कारानामा आयकर अधिनियम की
धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कायलिय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-11-1986,

को प्रतीक्षित संपत्ति के उचित बाबत मूल्य से कम के स्थानान्तरिक
प्रतीक्षित के लिए अन्तरिक्ष की गई है और युक्त यह विवाद
युक्त यह विवाद करने का कारण है कि
वथा प्रतीक्षित संपत्ति के उचित बाबत मूल्य, उसके स्थानान्तर
प्रतीक्षित से, ऐसे स्थानान्तरिक्ष का पश्चात् प्रतीक्षित से अधिक
है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के
बीच ऐसे बन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतीक्षित, निम्नलिखित
उद्दरेश्य से उक्त बन्तरण निवाद में धारात्विक रूप से कठित नहीं
किया गया है :—

(अ) अन्तरण से ही किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय का किसी धन या जन्य वास्तियों
को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत :—

- (1) मेसर्स ग्रायडीयल प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड
(अन्तरक)
(2) श्री विजयरामग एम० चव्हाण।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रतीक्षित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
स्वाक्षरता दिलायें करता है।

उक्त सूचना के बर्द्धम वे सम्बन्ध में कोई भी बाबत :—

- (अ) इह सूचना के उपरान्त वे स्थानान्तरिक्ष की तारीख वे
45 दिन की अधिक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
दृष्टिकोण की तारीख से 30 दिन की अधिक, या भी
व्यक्तिकोण में ते किसी व्यक्तित्व द्वारा;

(ब) इह सूचना के उपरान्त वे प्रकाशित की तारीख वे
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हित-
वृभ किसी अन्य व्यक्तित्व द्वारा जबोहस्ताकरी के
पास प्रकाशित वे किसी बाबत में

स्वाक्षरता :—इसमें प्रबृक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में वर्णित हैं, वही बर्द्धे होना जो उक्त सम्बन्ध में विद्या
क्या है॥

मृत्यु

फ्लैट सं. 302, जो तीसरी मंजिल, सी० एम० सं. 316
(पाटी), फाइनल ब्लॉट सं. 697, टी० पी० एस० 4, एच०
एम० पाटिल, मार्ग, आंक रानडे रोड, माहिम, बम्बई में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. 0 अई०-1सी०/37ई० 39782ए/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
7-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज-1पोई

दिनांक : 1-5-1987
मोहर :

प्रकृष्ट जाइ. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निर्देश सं० अई-1सी/37ई-39800ए 85-86—ग्रतः
मझे, जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विरुद्ध इसके प्रत्यक्ष 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला सं० 9, न्यू उद्योग मन्दिर, माहिम, बम्बई -16 में स्थित है (और इससे उपाधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनाभा आयकर अधिनियम की धारा 269 का क्षेत्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-11-1986) को पूर्वोत्तर लंपट्टि के उचित बाजार मूल्य से कम हो इसलिये प्रतिफल के लिए अन्तरित ही नहीं है और यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोत्तर वस्त्रपति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्तेवान प्रतिफल से, ऐसे अस्तमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ही अधिक है और बम्बरक (बन्सरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब गाला प्रतिफल निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त बम्बरक निवित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं दाया जाया है ॥

(अ) अन्तरण ही है किसी बाबत की बाबत, उक्त अधिनियम के बीच कर हने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकनार्थ बन्सरी इवार्य प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में शुद्धिता नहीं किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) जयको प्रेस प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) करोना साहू कम्पनी लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्त्वांशी अविक्षितयों पर बचता की दायीन हे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद वाले हाती हैं, के भीतर एवं अविक्षित अविक्षितयों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान उस्त्रांशी अविक्षित अविक्षित इवार, अधोहस्तांशरों के बावजूद अविक्षित में किए जा रहे हैं।

लक्ष्यकरण :—इसमें प्रथम अन्दों बार पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही जर्ह होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वास्तुकी

"गाला सं० 9, जो तल मंजिल, न्यू उद्योग मन्दिर को० अंगोप० सोसायटी लिमिटेड, 7-सी, पीताम्बर लेन, माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1सी/37ई-39800ए/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.-----

(1) मेसर्सं रीटा डेवलोपर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) श्री चन्द्रहसा पी० शेट्टी और श्रीमती शारदा सी० शेट्टी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निवेश सं० आई-1सी/37ई/39906/85-86—अतः
मुझे, जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 402, ब्लूबर्ड, दादर (प), बम्बई-28 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 10-11-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छथमान प्रतिफल से एसे छथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्झ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अकांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 402, जो चौथी मंजिल, ब्लूबर्ड, टी० पी० सं० 761, टी० पी० एस० मं० 4, वी० एस० मार्ग, सी० एस० सं० 4/106, माहिम डिविजन, दादर (प), बम्बई-400028 में स्थित है।

अनुसूची के क्र० सं० आई-1सी/37ई-39906 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1सी, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्रस्तुप शाई.टी.एन.एस.-----

(1) मेमर्स रीटा डेवलोपर्स ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लीना नवीन देसाई और डॉ. श्रीमती
अरुणा अस्वीन देसाई ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई
बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निर्देश मं० अई-1 सी/37ई-40112/85-86—अतः
मुझे, जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 502, ब्लूबर्ड, दादर (प), बम्बई-
28 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की
भारा 269 काख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 20-11-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्घान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) लंबीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पार्था गदा प्रतिफल, निम्नांकित उदाहरण से उक्त अन्तरण
निर्दित भौतिक रूप से को त नहीं किया गया है :—

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर होने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जी० पा.

फ्लैट सं० 502, जो पाचवीं मंजिल, ब्लूबर्ड, टी० पी०
सं० 761, टी० पी० एस. 4, वी०, एस० मार्ग, सी० एस०
सं० 4/106, माहिम डिविजन, दादर (प), बम्बई-400028
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० मं० अई-1 सी/37ई-40112/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
20-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स रीटा डेवलोपर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रमोद पीताम्बर शेठ ।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निदेश सं० आई-1सी/37ई/40113/85-86—अतः मुझे,
जी० पी० गुजराती,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ष में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट सं० 102, ब्लूबैंड, दादर (प), बम्बई-
28 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में अं० पूर्ण
रूप से वर्णित है और जिसका कागजामा प्राप्तकर अधिनियम
की धारा 269 कब्जे के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 20-11-1986का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, रिम्लिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदृश्य
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोल्लस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

‘फ्लैट सं० 102, जो पहली मंजिल, ब्लूबैंड, टी० पी०
सं० 761, टी० पी० एस० सं० 4, वी० एस० मार्ग, सी० एस०
सं० 4/106, माहिम डिविजन, दादर (प), बम्बई-400028
में स्थित है।अनुसूची जसा कि क्र० सं० आई- सी/37ई/40113/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-
11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।(क) अन्तरण से हृहृ किसी बाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

जी० पी० गुजराती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1सी, बम्बईअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण,
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्रधन प्रधान, टी. एम. एवं एस. ———

(1) श्री बी० एच० के० हेगडे ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० एस० भावे, श्रीमती पो० ए० भावे और
श्रीमती एन० एस० भावे ।

(घन्तान्त्रिती)

प्राइवेट बट्टुकम्प

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रोज़—1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निदेश सं० अर्द्ध—1सी/37ई/40257/85-86—अतः
मुझे, जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 1, प्रसाद सोसायटी, माहिम,
बम्बई में स्थित है और इसमें उपाखद अनुसूची में और पूर्ण-
रूप में वर्णित है और जिसका कागजानामा आयकर अधिनियम की
धारा 2669 के अधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 21-11-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से एस उद्यमान प्रतिफल का
है प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तद पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्छ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

"फ्लैट सं० 1, जो प्रसाद को—ग्राम० हाउसिंग सोसायटी
लिमिटेड, प्लौट सं० 162बी, एम० बी० गड्ढत रोड, माहिम,
बम्बई में अस्थान है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्द्ध—1सी/37ई/40257/
85-86 और जो मन्त्र प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-
11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रोज़—1सी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 20-4-1987
मोहर

प्रधान बाईं.डी.एस.एस.-----

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत लैटकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर आवृत्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई
बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निदेश सं० अई-1सी/37ई/40347/85-86--श्रावत मुझे,
जी० पी० गुजराती,

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फायनल प्लॉट सं० 494सी, 494ई, माहिम
डिवीजन, बम्बई में स्थित है और इसमें उपावृत्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका कागजानामा श्रावकर
अधिनियम की धारा 269 कवच के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 21-11-1986

को १५वें सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थिरमान
प्रतिशत के लिए बंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करना कुन लालक है कि व्यापक रूप से खास बाजार
मूल्य, उसके स्थिरमान प्रतिफल से, ऐसे स्थिरमान प्रतिफल का
पर्याप्त गतिशील से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती
(बंतरीतीयों) के बीच ऐसे बंतरण के सिए तथा पाया गया प्रति-
क्षम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) बंतरण सं० ४९४ किसी आम की बाबत, उक्त सम्पत्ति की अन्तरण के अधीन कर दिये जा सकते हैं वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिनका नामिंग आय-कर नामांकनम् १९२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

लक्षण: जब, उक्त अधिनियम का भाग 269-ग के अनुसार
में १ उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स बेरीलेंड कन्स्ट्रक्शन को० प्रायवेट लिमिटेड ।
(अन्तर्का)

(2) श्री थोमस राजन ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करने पर्याप्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि तक सत्सम्बन्धी व्यक्तियों एवं
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पर्याप्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ए) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर्याप्त हिस्से
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम द्वारा अन्तर्कारण 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा. जो उस अन्तर्कारण में किया गया
है ।

अनुसूची

"जमीन का हिस्सा जिसका फायनल प्लॉट सं० 494सी"
494ई, टी० पी० एप० 3, सी० एस० सं० 840, माहिम
डिवीजन, भागोजी कीरा रोड, आफनेडी जमशेहजी रोड,
बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० म० ग्राई-1सी/37ई-40347/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-
11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

दिनांक : 1-5-87

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन एस -----

(1) श्रीमति उत्तरा श्रीकांत नूत।

(अन्तरक)

शासकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के संधीन सूचना

(2) श्री रोड एन. के. हेगडे और श्रीमति श्रवाणी के.
हेगडे।

(अन्तरिक्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई, 1987

निर्देश सं० अई-1 सी/37ई/40402/85-86—अतः
मुझे, जी० पी० गुजराती,

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके संधीन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के संधीन सूचना प्राधिकारी के यह विवरण करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीष्म जिसकी सं० फ्लेट नं० ए-4, असावरी, माहीम, बम्बई-16
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूल्य से भूमूल्य से अधिक
है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सूचना प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-11-1986

में एकोक्त सम्पत्ति के उचित वाचार मूल्य ८ करों रुपयाल
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह नि.वार
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित वाचार
मूल्य, उसके अव्याप्ति प्रतिफल से, एसे अव्याप्ति प्रतिफल का
मूल्य प्रतिष्ठित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती
(अंतरांतरा) के बीच एसे अन्तरण के लिए क्षमा प्राप्त गया
प्रतिफल नियमितिवाल उद्देश्यों से उक्त अव्याप्ति प्रतिष्ठित में
नहीं बहुत बहुत छोटी छिपा रहा है ।—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के संधीन के अन्तरक के वायत एसे
कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय में किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भाग्यी आए कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा अन्तरक के वायत एसे
उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्राप्त अन्तरक द्वारा प्राप्त रहा किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
नहीं रहा ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
संघर्षालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में यहाँ भी बातें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वे
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सबसे होती हो, के भीतर पूर्णकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुप्रिय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित रूपे किए या सक्ते।

लाइसेन्स:—इसमें प्रदूषित घटनों वाले वही का, जो अन्य
अधिनियम, के अध्याय 20-के अन्तर्गत परिभाषित
है, वही अर्थ होता है कि उस अध्याय के दिक्षा
दल है।

बनसूरी

फ्लेट नं० ए-4, जो असावरी ए० बिल्डिंग, मृत्युजय को०-
ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी नं०, एनोट नं० 214, वीर सावरकर
मार्ग, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है।

अनुमूल्य त्रैमासिक, स० प्रई-1गी/37ई/40402/85-86
और जो सूचना प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
सूचना प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1सी, बम्बई

तारीख : 1-5-1987

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, नियमितिवाल व्यक्तियों, अर्थात् :—
7-96 GI/87

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई, 1987

निरेश सं० आई-1सी/37ई/12828/85-86— अतः
मुझे, जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० एन०-2, इडन होल, वली, बम्बई-18
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), और जिसका करानामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में
रजिस्ट्री है तारीख 19-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधि-
कार के अधीन कर इने के अंतरक के दायित्व
में कभी करने या उससे अंतरण में सुविधा के लिए;
और, या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगमार्य अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, लिपान में सुविधा दे
तिए;

वक्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री फिलिप लोबो ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स वाया इन्वेस्टमेंट प्रा० लि० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यालय द्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की बवाधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की बवाधि, जो भी बवाधि
बाद में समाप्त होती है, वे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्पति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोकरण.—इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
उनीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० एन०-2, जो 12वीं मंजिल, इडन होल वली, बम्बई
-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि श्र० स० आई-1सी/37ई/10785/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-86 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज-1सी, बम्बई

तारीख 1-5-1987

मोहर

श्रावण आर्ह.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमति रजिया शिराज सीयामवाला।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्री असपा डी० कोटवाल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूलत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निदेश सं० अर्ह-1सी/37ई०/22786/85-86—ग्रातः मुझे,
जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० बी०/606, पूनम अपार्टमेंट, बम्बई-18 में स्थित है (और इसमें उत्तरवाह अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनाम, आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 का, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 19-9-1986,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्क) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
नास्तिक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
पूर्विक ने करने वा उससे बचने वे सुविधा
के लिए; और/वा

(घ) ऐसी किसी नाम या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य.
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अनुसूची

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्या शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

फ्लेट नं० बी०/606, पूनम अपार्टमेंट, डा० ए० बी० रोड,
बर्ली, बम्बई-400018 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्ह-1मी०/37ई०/10775/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-86 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

तारीख : 1-5-1987

म।

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रूप बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री आपसी डो० कोटवाल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री चन्द्रकात कातीलाल शाह और श्रीमति हंसा सी०
शाह ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई, 1987

निदेश सं० अई-1सी/37ई/12796/85-86— अतः मुझे,
जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० फ्लैट न० बी०-605, पूनम अपार्टमेंट, वर्ली
बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनाम आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 कथ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 19-9-86

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि बथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
यद्युप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यों

(क) अन्तरण से है इसी किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/ या

फ्लैट न० बी०/605 जो पूनम अपार्टमेंट, वर्ली, बम्बई-18
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1सी०/37ई/10778/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-86
को रजिस्टर्ड किया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बह: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :—

तारीख : 8-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेमसं सोनी बिलडर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० एम० पुजारी ।

(अन्तरिति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल, 1987

निर्देश स० आई-3/37-ई/42465/86-87:—उक्त मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह संकरने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी म० दुकान न० 37, भारत नगर, सरीता इस्टेट्स के
पास, ए० के० रोड़, बम्बई-400072 में स्थित है (और इसे
उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

1-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विवाह सं
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचह प्रतिशत से अधिक है और (बंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिसित
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जौर/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के ऊसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान न० 37, भारत नगर, सरीता इस्टेट के पास, ए० के०
रोड़, बम्बई-400072 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० स० आई-3/37-ई/42465/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण),
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 14-4-1987.

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सार्वजनिक, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 मई, 1987

निवेश सं० आई-3/37-ई 42277/86-87—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० बंगला के साथ प्लाट न० 6, जो ग्रीन गार्डन अपार्ट-
मेंट्स को-ओप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, देवनार, बम्बई में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 गकी धारा
269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके छश्यमान प्रतिफल से, ऐसे अक्षयान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(1) यशविरसिंग मकड़ी श्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) भगतसिंह प्रतापसिंह और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांग्रेस भी आकंप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या अत्यंत अधिक तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समाप्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होग जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनूतूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाढ़त उक्त अधि-
नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तवियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

बंगला के साथ प्लाट न० 6, जो ग्रीन गार्डन अपार्टमेंट्स
को-ओप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, देवनार, बम्बई में स्थित
है।

अनुसूची जैसाकी शं० मं० आई-3/37-ई/42277/86-87
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 4-5-1987.

मोहर :

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्हतः :—

मुख्य वाहन, टी.एस.एस. ---

(1) श्री के० आर० डी० दयानन्द राव .

आवकड़ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
पाठा 269-ग (1) के अधीन उच्चा

(अन्तरक)

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कावीलव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल, 1987

निवेश स० अई-3/37ई/42077/86-87— अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
लप्ये से अधिक है।

और जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा और प्रिमायसेस जिसका
सी० टी० एस० न० 1513, "संध्या ज्योति बगला के साथ प्लॉट
नं 12, सर्वे न० 85, हिस्सा 2 (अश), सी० टी० एस० न० 1513
साई नगर, हाउसिंग कालोनी, आफ सेंट अन्थानी रोड, चेवूर, में
स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 कथ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है। तारीख 1-9-1986

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उक्ते इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उचित अन्तरण लिखित
वातावरण रूप से की थी नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आप की मावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था, या किया जाना आहिए था, छिपाते में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
तार्याद्यां करता हूँ।

उच्च सम्पत्ति के अर्जन के मध्यम से कोई भी जाली।—

(क) इच्छा के राजपत्र में उक्त वाहन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तमान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इच्छा के राजपत्र में वकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त उच्चवर समीक्षा का दिन
द्वारा किसी वस्तु अधिकृत द्वारा ज्ञात होता है।
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उल्लेखन्वयः—इसमें प्रदूषत वस्तु और पदों को, जो उल्लेख
निधिनियम, के बधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ण होता, जो उन वस्तुओं में दिला
देता है।

बन्धुसूची

खुला जमीन का हिस्सा, प्रिमायसेस जिसका प्लॉट न० 12,
सर्वे न० 85, हिस्सा न० 2 (अश), और सी० टी० एस० न०
1513, जो "संध्या ज्योति बगला, स्ट्रक्चर के साथ, साई नगर,
हाउसिंग कालोनी, आफ सेंट अन्थानी रोड, चेवूर, बम्बई-71 में
स्थित है।

अनुसूची जैमा कि क्र० सं० अई-3/37ई/42257/86-87
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-86 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, बम्बई

तारीख : 14-4-1987

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री चमण लाल गुप्ता और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती चुनीदेवी एस० कोठारी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, बहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल, 1987

निदेश सं० अई-3/37ई/42285/86-87— अतः मुझे,
ए० प्रसाद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० रॉ हाउम नं० 4, रुनवाल शार्पिंग सेंटर, प्लॉट
नं० 42, 15वां रास्ता, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (और इससे
उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के
प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रजिस्ट्री है
तारीख : 1-9-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
पासीनिक रूप से कर्त्तव्य नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बात, उक्त
प्रतिफल के अधीन अन्तरण के अन्तरक का अनुसन्धान
करने के दृश्यमान व्यक्ति के लिए,
जी०/शा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;कों यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त उम्मीद के बर्बन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोइं पी माझेप .—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किमी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।प्रबंधोक्तम्.—इसमें प्रयुक्त क्रमांक और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 25 के अनुसार १०, वही कार्य होंगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

रॉ हाउम नं० 4, रुनवाल शार्पिंग सेंटर, प्लॉट नं० 42,
15 वां रास्ता, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि अ० स० अई-3/37ई/42285/86-87
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-86 को
रजिस्टर्ड किया गया है।ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 14-4-1987

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल 1987

निदेश सं० अर्थ-3/37-ईई/41940/86-87—अनुः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 'की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है,

और जि इसी सं० प्लाट सं० 11, मधुबन देवनाराया प० को०
हाउस ग्रोवरी सोपायटी लि०, गोवडी स्टेशन रोड, देवनार, बम्बई-3, में स्थित है (और इसे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है) और जि का करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 के अधीन बम्बई नियम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्टर है, दिनांक 1-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
दास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) डा० लखी प्रित्तिलदान खेमानी।

(अन्तर

(2) श्रीमती मुक्ता चन्द्रशुभर राव।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृष्टबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण में हूँड़ - किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सूचिधा के लिए;
और/या

अनुसूची

: १००८

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीय
को, जिसके भागीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा इकान नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सूचिधा के लिए,

प्लाट सं० 11, मधुबन देवनार को० आप० हाउसिंग
सोपायटी लि०, गोवडी स्टेशन रोड, देवनार, बम्बई-88 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्थ-3/37-ईई/41940
86-87 और जो अक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1986 को रजिस्टर है किया गया है।

ए० प्रसाद

अक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-3, बम्बई

दिनांक : 14-4-87

मोहर :

अस. अम., उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाधान (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-96 GI/87

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

(1) श्री जगजीवन ललूभाई पटेल।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स आ कार्ड विलिंग

(अन्तरिटी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल 1987

निदेश सं 0 अई-3/37-ईई/42204/86-87—अतः मुझे

ए० प्राप्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 71 जमीन जिसका मर्वे सं० 71, हिस्सा सं० 5
सी० टी० एस० सं० 174(अंश), जो विलेज पहाड़ी, गोरेंगांव
(पूर्व) के पां०, बम्बई-63 में स्थित है (और इससे उपांचंद्र
अनुसूची में और पूर्ण रूपमूल्य वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के क्षेत्र के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
दिनांक 1-9-1986

का पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वभाव
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्भाल का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पांच गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की गयी नहीं किया गया है ।—

(१) अन्तरण से दूर रिस्ट्री आव दो आव उक्त उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक सं० 71
में कमी करने या उक्त उक्त उक्त में सुविधा के लिए;
और/या

(२) ऐसी किसी आव या किसी धन या बन्ध शास्त्रियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त आयुक्तिगत
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2) ।
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, हिपाते अंतरण
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसंदर्भ
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उर्ध्वतः ---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यान्वयन शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कांडे रिपोर्ट :

(३) इस सूचना के उचित में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(४) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निविलित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के पौराणिक
हैं, वही वर्त होगा जो उस अध्याय में दिक्षा
करा है ।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे सं० 71, हिस्सा सं० 5, सी० टी०
एस० सं० 174 (अंश), विलेज पहाड़ी, गोरेंगांव (पूर्व) के पास,
बम्बई-63 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/42204/
86-87 और जो यक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्राप्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 14-4-87

मोहर :

प्रस्तुप आई.टो.एन.एस. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 प्रैल 1987

निवेदण सं० अई-3/37-ई/42150/86-87—अतः मुझे
ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थानीय संघीन जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे सं० 334,
हिस्सा सं० 6 (अंश), सी० टी० ए० सं० 4486, विलेज
कोले कल्याण, पांताकुज, बम्बई में स्थित है (और इसे उपाध्य
प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कदम के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
दिनांक 1-9-1986

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यान
प्रतिफल के लिए अंतीरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-
स्थिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण सं.हॉर्ने किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सूचिता के लिए,
आरु/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिता के लिए।

अतः इसे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—

(1) श्रीमती लक्ष्मीवाई अमरशी मिस्त्री और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सुरेश इण्टरप्रायजैस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
गार्फार्डिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हित-
बहूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
गाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

ममूसवी

खुला जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे सं० 334, हिस्सा
सं० 6, (अंश), सी० टी० ए० सं० 4486, विलेज कोले
कल्याण, पांताकुज, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० स० अई-3/37-ई/42150/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 14-4-1987

मोहर :

प्रक्ष प बाहौद. टी. एम्. एस.: ४-८-८७

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ए (1) के अधीन सूचना

बायोल सुचना
कर्तव्यालय, सहायक आयकर बायोल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल 1987

निदेश मं० अर्ड-3/37-ई/42138/86-87—अनः मुझे,
ग० प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, प्लाट मं० 12, संध्या ज्योती
बंगला, भाई नगर, हाउर्टिंग कालनी, आफ मेट एन्ड एन्डोनी रोड,
चेम्बूर, सी०टी० ए० सं० 1513, हिस्सा मं० 2 (अंग),
बम्बई-71 में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर प्रधि-
नियम 1961 की धारा 269 कव्र के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-

1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि
पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय याय गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण । नोब्ल
में वास्तविक रूप से कठित नहो किया गया है —

(क) अन्तरण से हाउड किसी याय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी याय या किसी धन या अन्य मासियों
को, जिन्हें भारतीय याय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहो किया गया था
या किसी बाना बाहिए था, छिपाएं लक्षित के
लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अनुसरण
में, द्वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अनुभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कें० आर० ध्यानन्द राव।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरन राजिंद्र विजन और प्रन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

इकत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, प्रिमायमें जिसका प्लाट मं० 12, सर्वे
मं० 85, हिस्सा मं० 2 (अंग) और सी०टी० ए० सं० 1513
जो बंगला के थाय, "मन्धा ज्योति", भाई नगर हाउर्टिंग
कालनी, आफ सेंट एन्डोनी रोड, चेम्बूर, बम्बई-71 में स्थित
है।

प्रनुसूची जैसा कि श्र० सं० अर्ड-3/37-ई/42138/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ग० प्रपाद

प्रभम प्राधिकारी

प्रभायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 14-4-87

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री महीजीभाई गुलाबभाई पटेल और अन्य ।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) म.स.स्टे-ब्लैल इंस्टरेक्ट्रायजेम ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सचिवक आयकर आयकर नियम (नियमित)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-3/37-ईई/41926/86-87—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इष्टके पश्चात् 'वज्ञ अधिनियम' कहा गया है),** की धारा
269-घ के अधीन सदम प्राधिकारी वारे यह विश्वास करने का
कारण है कि व्यापक अधिनियम, इष्टका उत्तराधिकारी भूम्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० जमीन के माथ स्ट्रक्चर जिसका सी० टी० एम० सं० 512 में 523 और 530 (अंश) जो, पाईप लाईन रोड, विलेज वाकोला मानाकुरु (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और है में उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के के अधीन बम्बई स्थित यक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1986

को पूर्वोक्त वस्तु के उचित बाबर भूम्य से कम के व्यवाह
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबर
भूम्य, उसके व्यवाह प्रतिफल में, एसे व्यवाह प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है वारे अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी आय की बाबत, उक्त
वास्तविक के दर्जन के इन के बतारक के
दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय का किसी भूमि या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उत्तराधिकारी अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में स्थापित होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताधीरी के पाल
नियित में किया था सहेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उछ व्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

“जमीन के माथ स्ट्रक्चर जिसका सी० टी० एम० सं० 512 में 523 और 530 (अंश), जो वाकोला पाईप लाईन
रोड, नारीयेलवाडी, मानाकुरु (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/41926/
86-87 और जो सदम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सदम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयकर (नियमित),
अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 14-4; 1987
मोहर :

प्रधान आहे टी. एन. एव. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा
१९७०-ष (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल 1987

निदोष सं. अह-3/37-दृष्टि/41997/86-87—अतः मूल्य, ए. प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. खुला जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे में 312, हिस्सा सं. 24, 28 और 23, सी. टी. एस. सं. 4883, 4884 और 4905 कालिना, कोलेकल्याण, सांताक्रूज (पूर्व), बम्बई-98 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारानामा आयकर अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य दह विश्वास का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शतांशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीचे अन्दर अन्दर के लिए तथा पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य में उक्त अन्तरण निर्माता में बास्तविक रूप से कीभत नहीं किया गया है :—

(क) बन्दरगाह से हुए किसी आय की वापर, उक्त अधिनियम के अधीन कर इनके बन्दरगाह के दायित्व में कमी करने या उभयं उन्हें उन्हें की लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आप, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के बन्दरगाह में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा :

(1) श्री अवध पांड और अन्य।

(अन्तरक)

(2) मंसरा पटटाश ब्रदर्स।

(अन्तरिती)

को मह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्द्ध तो सम्पत्ति के अर्द्ध को अन्तर्वाही भी आजोप :— लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने ये किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मूलसंघी

खुला जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे सं. 312, हिस्सा सं. 24, 28 और 23, सा. टी. एस. सं. 4883, 4884 और 4905 कालिना कोलेकल्याण, सांताक्रूज (पूर्व), बम्बई-98 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अह-3/37-दृष्टि/41997/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए. प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रोड-3, बम्बई

दिनांक : 14-4-1987
माहर

प्रकृति नाइट्रो एन एस

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन दृष्टवा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाबकर अधिकारी (प्रिवेट)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-3/37-ई/42033/86-87—अतः मुझे,
ए० प्राप्ति,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पूरा दुकान प्रिमायरी जो तल भालेपर,
उदयभानु अपार्टमेंट, एम० जी० रोड, घाटकोपर, बम्बई में
स्थित है (और इसमें उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) और जिसका करनामा प्रायकर अधिनियम 1961
की धारा 269 कब्ज़े, अधीन बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे वह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त दृष्टिकोण का उचित बाजार
मूल्य, इसके अथवान प्रतिफल से, एवं अथवान प्रतिफल का
ग्लूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरीतियाँ) के बीच एवं अंतरण के लिए तथ यात्रा गया गया प्रति-
फल, निम्नालौकिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
है ० इसका अधिकत नहीं किया गया है ०

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक अ-
प्रतिफल में कभी कहने तो उक्त दृष्टवा में प्रतिफल
है ० तरुण, अई/ए।

(ख) एसी किसी आय या किसी अन्य ग्राहकदेव
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा अधिनियम द्वारा
बाबकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
द्वारा व्यवसार्य अन्तरिती दृष्टवा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, जिसने उसे
संविधान की लिए।

वह अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण
में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नान्तरित व्यक्तियाँ, अधीन :—

(1) श्री रमेशकुमार चोउथमल जैन और अन्य ।
(अन्तरक)

(2) श्री अमरशी हरधोर शहा (कारीया) और अन्य ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है ०

उक्त दृष्टिकोण के बर्दन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव

(ए) इस दृष्टवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो जीव
व्यक्ति द्वारा में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस दृष्टवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितदद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के तह
लिखित में किए जा सकते हैं।

प्रतिकरण :—इसमें प्रभृति दृष्टवा और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं,
यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

वनस्पति

पूरा दुकान प्रिमायरी जो तल या लेतर, श्रावे खुली जगह
के साथ, जो उदयभानु अपार्टमेंट, एम० जी० रोड, घाटकोपर,
बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसे कि अ० सं० अई-3/37-ई/42033/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 01-
09-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्राप्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 14-4-1987
मोहर :

प्रध्याय बाई^१, टी. एन. एच. ॥

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-3/37-ईई/42233/86-87—ग्रन्त मुझे,
ए० प्रमाण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का
कारण है^२ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 111 (अंश), मेंट्रल एवेन्यू रोड,
सन्मीलाइड, 16वां रोड, चैम्बूर, बम्बई-71 में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण सूच में वर्णित है) और
जिसका कागरनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
का के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के ५५.५८८
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास
करने का कारण है कि प्रभापूर्वक समर्पित वा उचित बाजार
मूल्य उसके अध्ययन प्रतिफल से, एंस अध्यभान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अतरका) और अंतरेती
(अंतरीतियों) के बीच एंसे अंतरण अं लिए तथा यामा गया रूप
का अधिनियम उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित भा ५०८८८
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हूँ^३ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक, के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या
पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोजनार्थ बनारिती तृवारण प्रकट नहीं किया
या या किया जाना चाहिए या, अलान
दरविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) इंग्रीक स्टन्पे मार्टियर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुधिर वामु जेट्टी, सोल प्रापर्टी आफ मेरे
चरित्मा विलडम ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बाबत के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उद्देश सम्पत्ति के ग्रान्ड कोड भी बास्त्रेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तारीखी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर ५५५ अप्रैल में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के ग्रास
प्रियतम में किए जा सकेंगे।

स्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों वाले पदों का, शा उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रष्ट
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 111 (अंश), मेंट्रल एवेन्यू रोड, सन्मीलाइड,
16वां रोड, चैम्बूर, बम्बई-400 071 में स्थित है।

अनुसूची जै-ना कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/42233/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ग० प्रा.द
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 14-4-1987

मोहर :

इष्ट भावै दी. पर. एव.

भाष्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) में अधीन संघा
भाष्यकार

आर्थिक, सामुदायिक आयकर आयकल (प्राधिकार)

श्रीजन रोज़-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल 1987

निवेश मं. अई-3/37-ईई/42077/86-87—अतः मुझे,
ए. प्रसाद,

भाष्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर मूल्यता, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. जमीन का हिस्सा जो, टेनामेट्स, हाउस, इमारत
और स्टूचर के भाग, जिसका एम० एम० मं० 3, एन० ए०
प्लाट सं० 411, 564, एन० ए० 18, 412, 387, 386,
385, एन० ए० 19-37, सी० टी० एम० मं० 1311, सायन
ट्राम्बे रोड, चेम्बूर, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार नामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कानून के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
1-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिशत के सिल्ह अन्वारिस की पट्टी है और उसे वह विश्वास
करने का कारण है कि विधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उक्त दद्यमान प्रतिशत में, ऐसा दद्यमान प्रतिशत का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिशत विवरित बुद्धिमत्ता से उक्त बद्यकाल विवित वे
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हटा किसी भाव की वादत, उक्त
अधिनियम के अपील कर देने के अन्तरक के
विवित वे कमी करने या उक्त विवित में विविध
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर आधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनामी अन्तरिती दद्यान प्रदृढ़ नहीं किया
गया था या किया जाना आविहए था, छिपाने में
सुनिश्चित किया;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-96 OT/87

- (1) मेरीलैण्ड कल्द्रस्कण कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड।
(अन्तरक)
- (2) गुडविल कन्स्ट्रक्शन।
(अंतरिती)

वाँ यह सूचना आठी करने पूर्वक समीक्षा के बाबत वे नियम
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सूचीवाले वर्षों वे उक्त सूचना वे वार्ष तक वाली है—

- (क) इह सूचना के उक्तवर्ष में प्रकाशन की सारीवाले
45 दिन की वर्तीया तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सारील वे 30 दिन की वर्तीया भी भी
अन्तरित वर्ष वे समाप्त होती है, जो बीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों वे वे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इह सूचना वे उक्तवर्ष में प्रकाशन की सारीवाले से 45
दिन के बीतर उक्त स्थावर मूल्यता में हितवद्य
किसी वर्तीय व्यक्ति द्वारा, अभोद्यमान्तरी के वाल
निविद वे किए जा सकते।

स्वीकारण :—इसमें प्रदृढ़ता सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही वर्तीय होंगा जो उस अध्याय में विवा
पाया है।

प्राप्ति

जमीन का हिस्सा जो टेनामेट्स हाउस, इमारत और
स्टूचर के साथ, जिसका एम० ए० 3, एन० ए० प्लाट सं०
411, 564, एन० ए० 18, 412, 387, 386, 385, एन०
ए० 19-37, सी० टी० एम० म० 1311, सायन
ट्राम्बे रोड, चेम्बूर, बम्बई में स्थित है।

अग्रुसूची जैसा कि क्र० मं० अई-3/37-ईई/42077/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकल (F. गीक्षण)

श्रीजन रोज़-3, बम्बई

दिनांक : 14-4-1987

मोहर :

प्रस्तुत आइ.डी.एम.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन नंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

फिदेश सं. अई-1/37-ईई/10750/86-87—अत. मुझे,
पी० एन० वंसल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं. 28, दूसरी मंजिल, स्पेण्ट, 1 को—
आप० हाउसिंग सोमायटी (फिरणाधीन इमारत) बी०
जी० जी० खेर मार्ग) गिरज रोड, बम्बई-6 में स्थित है) और इससे
उपावश्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
कारणामा बायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, दिनांक 17-9-1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से ऐसे इयमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा प्राया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भौ
गोमूर्खिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (१) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सामित्त में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (२) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी आना चाहए भा, छिपान में सुविधा
के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन विस्तृतिकृत व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) द्रम्स्टीज आफ दी पारसी पंचायत फण्डस एण्ड
प्रापर्टीज ।

(अन्तरक)

(2) डा० केकी अस्तमजी हाथी और श्रीमती नागम
केकी हाथी

(अन्तरिती)

(3) अन्तरको ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यबाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंदूबृश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिन्हित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथमत शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूसूची

फ्लैट सं० 28, दूसरी मंजिल, स्पेण्ट को—आप० हाउसिंग
सोमायटी (फिरणाधीन इमारत) बी० जी० जी० खेर मार्ग (गिर्ज
रोड), बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/10793/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-
9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० वंसल
सक्षम प्राधिकारी
महायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन नंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

ममूसूची

प्रस्तुप माइंट्री.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निवेश में श्रद्धा-1/37-ईडी/10753/86-87—अतः मुझे,
पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी में प्लैट सं. जी-2, तल माला, निर्माणाधीन
इमारत, स्पेण्टा, बी-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बी०
जी० खेर मार्ग (गिल्ड रोड), बम्बई-6 में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 के कानून के अधीन; बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्टर्ड है, दिनांक 18-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
विवरण से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और
बन्तरिती (बन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तब
वाया गया प्रतिफल, निम्ननिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में दास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी बाय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दों के बन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) द्रस्टीज आफ दि पारसी पंचायन फण्डस एण्ड
प्रापर्टीज ।

(2) श्रीमती पेरीन मिनू मेहता, कुमारी नवाश मिनू
मेहता, कुमारी बैनिफर मिनू मेहता और श्रीमती
मेहर करसी मसदार ।

(3) अन्तरकों ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचने के सम्बन्ध में कोई भी वालोंप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं. जी-2, तल माला, निर्माणाधीन इमारत, स्पेण्टा
को-आप० हाउसिंग सोसायटी, बी० जी० खेर मार्ग (गिल्ड
रोड), बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० में श्रद्धा-1/37-ईडी/10795/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्राधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्राप्ति आई.टी.एन.एस.-----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निवेश सं. आई-1/37-ई/10767/86-87—ग्रतः
मुझे, पी० एन० बंसल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 वाँके अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट सं. 66, 6ठी मंजिल, और गैरेज
जो इमारत स्पेण्टा को—आप० हाउसिंग सोसायटी (निर्माण-
धीन इमारत) बी० जी० खेर मार्ग (गिल्ड रोड), बम्बई—
6 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप
में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-9-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पूर्व ही प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
घासांविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरें द्वारा द्वारा की शायक की शायक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर द्वारे के बदलक के अधिनियम
द्वारा की शायक द्वारा उक्त द्वारे के संविधा के लिए
द्वारा/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय शायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्र
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) इस्टीज आफ दी पारसी पंचायत फाईम एण्ड
प्रापर्टीज ।

(अन्तरक)

(2) श्री जिमी जहांगिर मारकर और श्रीमती फरीदा
जिमी मारकर ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यकारी होना करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
धूम्रपान की वारीन से 30 दिन तक अधीक्षित जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
प्राप्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुष्यसूची

फ्लैट सं. 66, 6ठी मंजिल, और गैरज जो स्पेन्टा को—
आप० हाउसिंग सोसायटी (निर्माणधीन इमारत) बी० जी०
खेर मार्ग (गिल्ड रोड), बम्बई-6 में स्थित है।

अनुमूल्यी जैसा कि क्र० सं. आई-1/37-ई/10804/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-
9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी,सहायक शायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निदेश सं० आई-1/37-ईई/10770/86-87—ग्रातः मुझे,

पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 54, 5वीं मजिल, और गैरेज
जो स्पेण्टा को०-आप० हाउसिंग सोसायटी (निर्माणाधीन
इमारत), बी० जी० खेर मार्ग (गिल्ज रोड), बम्बई-6
में स्थित है) और इसमें उपांच अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) /और जिसका करारात्मा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 17-9-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित दुवेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृढ़ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के द्वायत्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(घ) एंटी कॉम्पनी द्वाया की अधीन कर दने के अन्तरक के द्वायत्व
में, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

ग्रातः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ट्रस्टीज आफ दि पारसी पंचायत फंड्स एण्ड प्रापर्टीज।
(अन्तरक)

(2) श्री फिरोज़ दाराशा दामानिया और श्रीमती दिनू
फिरोज़ दामानिया।
(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तन के लिए
कार्यालयांकरता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्तन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वर्तीय या उत्तमवन्धी व्यक्तियों वह
सूचना की तारीख से 30 दिन की वर्तीय, जो भी
वर्तीय बाब वर्ते बनाए होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर रसम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पाल
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
है, वही अर्थ द्वाया जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 54, 5वीं मजिल, और गैरेज जो स्पेण्टा को०-
आप० हाउसिंग सोसायटी (निर्माणाधीन इमारत), बी० जी०
खेर मार्ग (गिल्ज रोड), बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ० सं० आई-1/37-ईई/10792/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वाया दिनांक
17-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीण),
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एम. एस.-----

(1) श्री विनोदकुमार गजानन्द लायथ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष के अधीन सूचना

(2) श्री चन्द्रकांत टी० खटाव, श्री ढी० सी० खटाव,
और श्रीमती पूर्णिमा डी० खटाव।

(अन्तरती)

भारत सरकार

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-1/37-ई०/11135/86-87—प्रतः मुझे,
पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 10, सनबिम, में फ्लावर को०-
आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 3ए, डा० जी० देशमुख
मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है)/और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 का ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-9-
1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त सम्पत्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय गया गया
प्रतिफल निम्नलिखित दस्यदेश से उक्त अन्तरण लिखित है
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी भाग की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भर या अन्य भास्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आदि था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अविक्त बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीकृताकारी के पाल
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में विभागित
हैं, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनूसूची

“फ्लैट सं० 10, सनबिम, में फ्लावर को०-आप० हाउसिंग
सोसायटी लि०, 3ए, डा० जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-26 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० आई-1/37-ई०/10797/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-
9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 27-4-1987

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अप्रैल 1987

निवेश सं० अर्द्ध-1/37-ई/11136/86-87—अतः मुझे,
पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट सं० 27, 4थी मंजिल, सनविम, में
फ्लावर को०-ए०प० हाउसिंग मोसायटी लि०, 3ए, डा०
जी० डी० मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपावदू
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
18-9-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चन्द्रकांत टी० खटाव, श्रीमती इंदू सी० खटाव
और श्री डी० मी० खटाव।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार जी० नाथ, श्रीमती सरोज वि०
नाथ और मास्टर लक्ष्मीकांत वि० नाथ (मायनर)
(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्णतः
विक्षित में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थापत्र सम्पत्ति में हुतबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 27, 4थी मंजिल, सनविम न्यू फ्लावर को०
ए०प० हाउसिंग मोसायटी लि०, 3ए, डा० जी० डी० मार्ग,
बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्द्ध-1/37-ई/10798/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 27-4-1987

मोहर :

प्रस्तुत आइ^१ डी. एम्. एव. 1987

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-व (1) के वधीन बदला

भारत उत्तरकाश

काव्यशिल्प, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 27 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-1/37-ई/11175/86-87—अतः मुझे,
पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आयकर 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० बी-2, 15वीं मंजिल, न्यू बुडलैण्ड को०—आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, जी० डी० वेशमुख मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का ख के अधी॒। बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-9-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमात्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बहुत, उसके द्वयमात्र प्रतिफल से, ऐसे द्वयमात्र प्रतिफल का अनुष्ठान प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितैलयों) के बीच एह अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हरौ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के वधीन कर देने के अन्तरक लोकायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वै विद्यु; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपते में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धादः :—

(1) ग्रैंड फाउण्डी प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री विरजलाल बाबूलाल जगला और श्रीमती लीलावती बाबूलाल जंगला।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास विविध रूप से किए जा रहे हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममसूची

फ्लैट सं० बी-2, 15वीं मंजिल, न्यू बुडलैण्ड को०—आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, जी० वेशमुख रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि क्र. सं० आई-1/37ई/10789/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 27-4-1987

मोहर :

प्रकृष्ट शाई.टी.एस.-----

(1) मलबार इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री अकोर एल दोशी और श्रीमती अंपा सी०

दोशी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

प्रार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अप्रैल 1987

निवेश सं० अई-1/37-ई/11273/86-87—अतः मुझे,
पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थायीर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 344, डी०-इमारत, पेटीट हॉल,
सी० एस० सं० 356, मलबार एण्ड खंबाला डिवीजन,
बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है) है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-9-1986,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से एसे छयमान प्रतिफल का
पंद्रह ग्रामिणत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रासादिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है जिसी वाय की वादत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व वा
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10-96 GI/87

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशालियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायीर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कांधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 344, डी०-इमारत, पेटीट हॉल, सी० एस०
सं० 356, मलबार एण्ड खंबाला डिवीजन, बम्बई में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ई/10799/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-
9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 29-4-1987

मोहर :

प्रकाशन अधिकारी, एवं एक्स-
प्रकाशन अधिकारी, एवं एक्स-

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-1/37-ई/12360 और 12418/

86-87-अतः मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पदधार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट सं० 301, बी० बी० ब्लाक, सिमला
हाउस, सिमला हाउसिंग को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०,
बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपावट अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कागड़नामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में जिस्ट्री है, दिनांक 1-9-
1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पूर्व विश्वास से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और
अन्तरित (अंतरितात्याँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
वैष्वासिक रूप से कीचित नहीं किया जाया है ४—

(क) अन्तरण से हृदृढ़ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(4). उभी निम्नलिखित या किसी भूमि या अन्य वासिताएँ
से, चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, द
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दलपतराम रेखांशुकर मट्ट।

(अन्तरक)

(2) श्री वलेरीयन नारेंस पिटो और श्री पियुम नारेंस
पिटो ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
मम्पति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के नियन के लिए
कार्यालयां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के अवधारण में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
मूच्छा की तासील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद में स्माप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
नियमित में किए जा सकेंगे।

साप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही वर्त हुए और उस अध्याय में दिया
गया है।

बम्बई

पलैट सं० 301, बी० बी० ब्लाक, सिमला हाउस, सिमला
हाउसिंग को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बम्बई-36
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ई/10702-
ए/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 29-4-1987

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री मोहनलाल मूलचन्द तेजूजा और श्रीमती मोहनलाल तेजूजा ।

(अन्तरक)

(2) टायो इंजीनियरिंग इंडिया लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-1/37-ई/12461/86-87:—प्रतः
मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 62-64, 6ठी मंजिल, विजय अपार्टमेंट, 16, कारमायकेल रोड, बम्बई-400 026 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करान्नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-व के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में नजिस्टी है, दिनांक 5-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तररकी (अन्तरितियों) के दीप्त एसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा है निए; और/वा

(ख) देखी किसी बाय या किसी अन्य अधिनियम को बिन्हे भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या उसके अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था। या एकमात्र आना साहिए था। छपाने में सुविधा है निए।

अनुसूची

फ्लैट सं० 62-64, 6ठी मंजिल, विजय अपार्टमेंट, 16 कारमायकेल रोड, बम्बई-400 026 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ई/10722-ए/86-87 और जो मअम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 28-4-1987

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण प्रैं, गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल 1987

निवेश सं० आई-1/37-ई/12512/86-87—अर्तः
मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 95, मातृ मन्दिर को०—आप०
हाउर्सिंग सोसायटी लि०, 278, ताडेव रोड, बम्बई-400 007
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1986,

को प्रवेक्षित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापवेक्षित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वद्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती स्नेहलता प्रतापराव शिंगाला ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री मोहनलाल के० जैन, 2. श्रीमती सरोज
राजेन्द्र पड़लिया और 3. श्री अर्नाल मोहनलाल
पड़लिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्षित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव भी समाप्त होती है, के भीतर प्रवेक्षित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमुखसूची

फ्लैट सं० 95, मातृ मन्दिर को०—आप० हाउर्सिंग सोसायटी
लि०; 278, ताडेव रोड, बम्बई-400 007 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ई/10700/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 28-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अप्रैल 1987

निवेश सं. अई-1/37-ईई/12516/86-87—अतः
मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पृष्ठात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लैट सं. 7, पहली मंजिल, सुख शांती-2,
19, पेड़र रोड, बम्बई और कार पार्किंग स्पेस, में स्थित है
और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ इ किसी ओप की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शांतीलाल शामजी ठाकर और शारदाबेन
शांतीलाल ठाकर।

(अन्तरक)

(2) श्री समीर मनहरलाल शहा और पल्लवी समीर
शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट सं. 7, पहली मंजिल, सुख शांती -2, 19, पेड़र
रोड, बम्बई और कार पार्किंग स्टेपेस में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-1/37-ईई/10702/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 27-4-1987

मोहर :

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की भारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल 1987

निवेश सं० श्री-1/37-ई/12555/86-87—अतः मुझे,
पी० एन० बंसल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा या है), की भारा
269-के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० ई-11, 6ठी मंजिल, वालकेश्वर
विवेणी को०-ग्राम० हाउसिंग सोसायटी लि०, 66, वालकेश्वर
रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 का के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-
1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

(1) श्री प्राणलाल दमानी और भागरथीबेन पी०
दमानी।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश कांतीलाल दोशी और मंजूला डी०
डा० दोशी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग
सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यबाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितद्वय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
नियमित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० ई-11, 6ठी वालकेश्वर रोड, विवेणी को०-
ग्राम० हाउसिंग सोसायटी लि०, बम्बई-6 में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्री-1/37-ई/10716/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, बम्बई
दिनांक : 28-4-1987
मोहर :

शक्ति वाही, टी. एम. एड., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजनन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अप्रैल 1987

निवेश सं. आई-1/37-ई/12556/86-87—अतः मुझे,
पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
फलाण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट सं. 18ए जो गैरेज के साथ, बूडलैण्ड
अपार्टमेंट्स, पेल्हर रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे
उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, दिनांक 1-9-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिक
अधिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकान प्रतिफल से, ऐसे अधिकान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिक्रिया से अधिक है और अतरक (अंतरकों)
और अंतरिकी (अंतरिकाओं) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ता अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से की गयी नहीं किया गया है ।

(अ) बम्बई सं. 18ए की कार्यालय का बाजार, उच्चत
अधिनियम के अधीन कुड़े हरे वै दंगाक वै
दारित्य वै कमी करने वा उत्तर उत्तर में दीरिता
वै लिए; और/या

(ब) एसी किसी वाय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उच्चत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अंतरिको द्वारा प्रकाट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपान में संविधा
वै लिए;

अतः अब, उच्चत अधिनियम की धारा 269-व के अनुसर
में, मैं, उच्चत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ।

(1) एस० एल० एम०—माणेकलाल इण्डस्ट्री लिमिटेड ।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती लिना वाय० माणेकलाल, नेवल गांडियन
श्राफ मास्टर आशुतोष वाय० माणेकलाल और
मास्टर माधव वाय माणेकलाल और विरहना
ट्रेडिंग कम्पनी ।

(अन्तर्स्ती)

(3) श्रीमती लिना वाय० मा० माणेकलाल और श्री
वाय० टी० माणेकलाल और फैमिली ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

यह सूचना आरौ करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थमें विषय
कार्यालयां द्वारा है ।

उच्चत सम्पत्ति के अर्थमें कोइ भी जाकेव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तमवन्धी अविक्षितों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो श्री
बवारी नल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षितों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हित-
द्वारा किसी अविक्षित द्वारा, ज्ञाहस्टान्डरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयोग सार्वदौ और पद्धति का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
नियम द्वारा है ।

अनुसूची

फ्लैट सं. 18ए, गैरेज के साथ, बूडलैण्ड, अपार्टमेंट्स,
बम्बई-26 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. आई-1/37-ई/10717/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजनन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 27-4-1987

मोहर :

प्रकल्प बाइ', टी., एवं पए : ——————

आशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

सूचना बरकात

कार्यालय, सहायक आशकर बाबूपत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-1/37-ई/12557/86-87—प्रतः मुझे,
पी० एन० बंसल,

आशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाहास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 17-बी, 17वीं मंजिल, वूडलैण्ड अपार्टमेंट्स, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपावट अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आशकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तररत की गई है और मुझे यह विवाहास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, एसे दद्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपलेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित रही किया गया है :—

(ल) अन्तरण वे हैं किसी आय की बाबत, उक्त अधिकारी के वर्तीय कर हैं तो के अंतरक के दद्यमान में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, विन्दू भारतीय आशकर अधिनियम, 1927 (1912 वा 11) द्वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उत्तरान्तर्यां अंतरिती देवारा एक नहा किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) एस० एल० एस० माणेकलाल इष्टस्ट्री लि०
- (2) कुमारी पारुल एस० माणेकलाल और ममता इन्वेस्टमेंट्स एण्ड शेअर ट्रेडिंग कम्पनी लिमिटेड।
(अन्तरिती)
- (3) श्रीमती इन्द्रबेन एस० माणेकलाल एण्ड फैमिली।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के रखपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;
- (ख) इस सूचना के रखपत्र की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धय किसी अन्य व्यक्ति द्वाया अधोहस्ताकारी के वाले निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों वारे वर्षों का, जो उक्त अधिकारी, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 17-बी,, 17वीं मंजिल, वूडलैण्ड अपार्टमेंट्स पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ई/10718 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आशकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 27-4-1987

मोहर :

प्रस्तुत वाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल 1987

सं. अई-1/37ई/12560/86-87 --- अत मुझे,

पी० एन० बसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं. 2 बिट्टुल कोट, बिट्टुल कोट
को आप० हाउसिंग सोमायटी लि० छंदाला हिल कम्स कार्नेर
के पास बम्बई-36 में स्थित है (और इसमें उपांचड अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है और जिसका करानामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 कानून के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
1-9-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मूक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय व्यापारी वाहत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन वा अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

11-96 GI/87

1. अहमद मुजे

2. आरिफ मुजे और झगिना मुजे।

(अन्तरक)

1. मैसर्स एनविआय इंजीनियरिंग कम्पनी प्रा० लि० और

2. मुकी इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लि०।

(अन्तरिती)

3. अन्तरकों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4 अन्तरकों

(वह व्यक्ति जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध
वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में छिए जा सकें।

स्वाक्षरण:--इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2 बिट्टुल कोट, बिट्टुल कोट अपार्टमेंट्स,
को०० आप० हाउसिंग सोमायटी लि० छंदाला हिल कम्स कार्नेर
के पास, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि क्र० सं. अई-1/37ई/10720/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 28-4-1987

सोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल, 1987

सं० आई-1/37ई/12565/86-87 —अतः मुझे,
पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 86 दरीया महल-ए, सागर¹
तिर को० आप० हाउर्सिंग सोसायटी लि०, 80 नेपियन-सी
रोड, बम्बई-6 में रस्थित है (और इसमें उपावद्वा अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारणनामा आयकर²
अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई³
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख

1-9-1986

को प्रवृत्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने भा सविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. फरांग के० अटाई और फराह एफ० अटाई।
(अन्तरक)
2. डायमो इन्डस्ट्रीजल इंडस्ट्रिल प्राइवेट लि०।
(अन्तरिती)
3. अन्तरको
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके प्रवृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
जबाबद्ध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृत्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 86, दरीया महल-ए, सागर तिर को० आप०
हाउर्सिंग सोसायटी लि०. 80, नेपियन-सी रोड, बम्बई-6
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ई/10718/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 28-4-1987

मोहर :

प्रसूप बाहु, दी. एन. एस. पटेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल 1987

स० प्राई-1/37ई/12589/86-87—श्रः पुस्ते, पी०
एन० वसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सख्त फ्लैट नं० 17, वर्षा को-आप० हाउसिंग
सोसायटी लि०, 69/बी नेपियन-सी रोड बम्बई-6 में
स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका कुलगणनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है तारीख
11-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि अधिकारीका सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अतिरिक्त (अंतरको) और अंतरिक्षी
(अन्तरितायें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यांत्र गया प्रति-
क्षम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्धारित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण में हूँ एकी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/मा

(ख) एसी किसी आय या किसी खन या कन्या वासिय,
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के शब्दों
का अन्तरिक्षी द्वाय प्रकट नहीं किया गया था
वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः बध, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुबंध
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री नवीन चन्द्र आनन्द जी शाहा।

(अन्तरक)

2 श्रीमती पूरी बैन एम० पटेल,
श्री रमेश चन्द्र जी० पटेल,
श्रीमती अमा बैन जी० पटेल।

(अन्तरक्ति)

3 अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

वे यह सूचना आरी करके पूर्वित सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आप्तीप .—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहु
किसी अन्य व्यक्ति द्वाया अधोहस्ताक्षरी की पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

अस्तोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 17 वर्षा को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०
नेपियन-सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि श० स० अर्द-1/37ई/10723/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वाय दिनांक 11-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० वसल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक 28-4-1987
मोहर .

प्रश्न वाइ. ट्री. एवं एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत ब्राह्मण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल, 1987

निर्देश सं० अई-1/37ई/12602/86-87—ग्रतः मुझे,
पी० एन० बसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/
रुपये से अधिक है

और जिसकी मण्डा फ्लैट नं० 14-डी, कीम्टल, 36,
ग्रल्टामाउन्ट रोड, बम्बई-400026 में स्थित है और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क.
वा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 11-9-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबित्व में कमी करने वा उसके बजाए वे सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या धन या अन्य बास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भूपेन्द्र रमेशलाल शाहा।

(अन्तरक)

2. श्री बलभद्रास जमनावास आशर और
मालती बलभद्रास आशर।

(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर त्रित्रयामुख
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास
तिवित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रथम सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
जया है।

अन्तस्त्री

फ्लैट नं० 14-डी, कीम्टल, 36, ग्रल्टामाउन्ट रोड,
बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र म० अई-1/37ई/10725/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
11-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बसल,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, बम्बई

दिनांक 28-4-1987

मोहर :

प्रदेश बाई.टी.एन.एच.-----
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

आयोग
सहायक आयकर आवक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 1 मई, 1987

निर्देश सं० अई-1/37ई/12612/86-87:— अतः मुझे,
पी० एन० बंसल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 21, सुमेर विला, न्यू सुमेर
विला प्रियापेस सोमायटी लि, भूलाभाई देसाई
रोड, महालक्ष्मी बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपावड
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
के ब्र के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, नारीब 11-9-1986

वह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के अवधार
शीतकल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रखायन प्रतिफल से, ऐसे अवधार प्रतिफल के
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण निर्दित में बास्त-
विक रूप में कार्यित नहीं किया या है ।

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बासितयों
के, जिन्हें आरायी बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या
या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चेत्य एस० मेहता और
देवाशु एम० मेहता।

(अन्तरक)

2. एम० डी० एम० ट्रेडिंग एण्ड एजेंसीज प्राइवेट
लिं।

(अन्तरिती)

3. अन्तरकों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. अन्तरकों

(वह व्यक्ति जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कव्य यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवधार के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव
निर्दित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 21, सुमेर विला, न्यू सुमेर विला, प्रिमाय-
मेम को-ग्राम० सोमायटी लि०, भूलाभाई देसाई रोड, महा-
लक्ष्मी, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० अई-1/37ई/10730/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
11-9-1986 को रजिस्टर्ड फिया गया है।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर

प्रस्तुप बाहर, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल, 1987

निर्देश मं० अर्द्ध-1/37ई/12626/86-87:—अनः मुझे,
पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु में अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 30, 5वीं मंजिल, नव दिल्ली
महल को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 80, नेपियन-सी
रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की ५ धारा 269 क, ख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायनिय में रजिस्टरी
है, तारीख 1-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छूट्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छूट्यमान प्रतिफल से ऐसे छूट्यमान प्रतिफल का
गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में
वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्य में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बासितयों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

जहाँ अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृतः:—

1 श्री मत्यनारायण मी० श्रगरबाल।

(अन्तरक)

2 दि० मोरारजी गोकुलदास स्पिनिंग एण्ड विहिंग
कम्पनी निं०।

(अन्तरिती)

3 अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथवा हस्ताक्षरी के पास
लिप्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के उद्धाय 20-के में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस उद्धाय में विद्या
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 30, 5वीं मंजिल, दिल्ली महल, नव दिल्ली
महल को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 80, नेपियन-सी
रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र मं० अर्द्ध-1/37ई/10746-ए/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
11-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 28-4-1987।

मोहर:

प्रस्तुत आहे. टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

प्रारंत वरकार

कार्यालय, महायकर बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल 1987

निर्देश सं ३७१/१२६२७/८६-८७—अतः मुझे,
पी० एन० बम्बल,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी मछ्या फ्लट नं 25, 5वी मजिल, नव दर्या
महल को-आप० हार्डसिग सोमायटी लि०, 80, नेपियन-सी,
रोड, बम्बई-६ में स्थित है (आप० इसमें उपादान अनुसूची
में और पूर्ण स्वप्न से वर्णित है) श्रीगं जिसका करारना-मा
बायकर अधिनियम, 1961 की भारा 269 क, ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 11-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(५) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के द्वायत्व में
सूची करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(६) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्रीमती द्रोणद्री देवी सतीश चन्द्र अगरवाल।
(अन्तरक)
2. दि मोरारजी गोकुल दाम स्पिनिंग एण्ड विहिविंग
कम्पनी लि०।
(अन्तरिती)
3. अन्तरक
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोहौ भी जाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तात्पुर से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तात्पुर से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
मा से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
उही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 25, 5वी मजिल, नव दर्यमहल को-आप०
हार्डसिग सोमायटी लि०, 80, नेपियन-सी रोड, बम्बई-६
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं ३७१/१०७३८-ए/८६-८७ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्ब द्वारा दिनांक दिनांक
11-9-1986 को रजिस्टर्ड दिया गया है।

पी० एन० बम्बल,
सक्षम प्राधिकारी
महायकर बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक 28-1-1987
मोहर।

प्रयोग वाले, टी. एव. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत राजपत्र

कार्यालय, महायक आयकर वायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अप्रैल 1987

सं. अर्ह-1/37ई/12632/86-87— अन्तः मुझे,
पी० एन० बंसन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंजुरी फ्लैट नं. 802 और गरेज नं. 3,
जो सिटीइल को आप हाउसिंग सोसायटी लिं. 18/बी,
एल० डी० रूपारेल मार्ग, मलबार हिल, बम्बई-6 में
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करानामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क, घ के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
11-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधार
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरक) और बंतरीती
(अंतरितियां) के बीच ऐसे प्रतिशत के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिहित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था वा किसी भावा वाला चाहिए था, छिपाने में त्रुटिया
के लिए;

अत. अब, उक्से अधिनियम की धारा 269-ए की, अनुश्वल
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों में से —

1. लायका लभ्य लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. चन्द्रकांत ईश्वर लाल गांधी,
कर्ता आंक सी० आई गांधी,
एच० य० एफ० हममुख ईश्वर लाल गांधी,
कर्ता आंक एच० आई गांधी, एच० य० एफ०,
3. नरेन्द्र ईश्वर लाल गांधी, (अन्तरिती)
कर्ता आंक एच० आई गांधी, एच० य० एफ०,
एच० आई० गांधी और परिवार।

(वह विवित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

इक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिहित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :— इसमें प्रयोग कर्त्ता और पर्याप्त का, जो सिरडिल
को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिं. 18/बी, एल० डी०
रूपारेल मार्ग, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि क्र० सं. अर्ह-1/37ई/10735/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
11-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 802 आर० गरेज नं. 3, जो सिरडिल
को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिं. 18/बी, एल० डी०
रूपारेल मार्ग, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. अर्ह-1/37ई/10735/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
11-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसन,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 29-4-1987

मूहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

शास्त्रीय, सहायक आयकर आयकर उचित (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई, 1987

निर्देश सं० अई-1/37ई/12048/86-87:— अतः मुझे,
पी० एन० वंसल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु में अधिक है
और जिसकी मंजूरी प्लैट नं० 24, समर्सेट हाउस, तपवंजी
वाग को-आप० हाउसिंग सोसायटी निं०, 61-जी, भुला-
भाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है (ओर इसे
उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका उत्तरानन्द आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 के द्वारा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूल यह विश्वास
करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
द्वह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरका) और अतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रौद्योगिक, निम्नलिखित उद्दृष्टि के उक्त बत्तरण विविध
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अतरप म है किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दन के अवरक के दायित्व
में कम करन या उसम बचन में संविधा के लिए,
और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपने में संविधा
के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के बन्दरग
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 209-व की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

12—96 GJ/87

1. श्रीमती गुल ज़ज़गीर इंजीनियर।

(प्रत्यारक)

2. श्री एफ० के० उगाणी और
श्रीमती एफ० एफ० अगाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आगे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में भास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 24, समर्सेट हाउस, तपवंजी वाग को-आप०
हाउसिंग सोसायटी निं०, 61-जी, भुलाभाई देसाई रोड,
बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैमा फि क रं० अई-1/37ई/10738/
86-87 आर जो गक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक
11-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० वंसल,
सक्षम प्राधिकारी
महाप्रद आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनाक: 1-5-1987

मोहर:

प्रलेप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अप्रैल 1987

निवेश भंग 1/37ई/12693/86-87:— अतः मुझे,
पी. एन. बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ('जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. रु. उचित है

ओर जिसकी संखा. प्लैट नं. 22-बी, 2गी मंजिल,
श्रीकोपोलीस को-आप० हाउसिंग मोमायटी न्ह०, लिट्स
गिड्ज रोड, बम्बई-6 में स्थित है (ओर इसमें उपावद्ध
अनुमूल्य में ओर पूर्ण लक्ष से वर्णित है) (ओर जिसका
करारनामा आगाहर अधिनियम, 1961 की धारा 269
के ख के अधीन बम्बई निया सभन प्राधिकारी के अधिनियम
में रक्तिर्थी है, तारीख 11-9-1986

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से एसे इयमान प्रतिफल का
पूर्व होने के अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से की थी कि यह नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आप की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती शिला हरावारेन मजूमदार, और
श्री हरावारेन नवनितराम मजूमदार

(अन्तरक)

2. श्रीमती इन्दिरा दिलीप ठकार और
श्री दिलीप जे० ठकार (हि० श्र० कु०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीर्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूल्य

प्लैट नं. 22-बी, 2गी मंजिल, श्रीकोपोलीस को-आप०
हाउसिंग मोमायटी न्ह०, लिट्स गिड्ज रोड, बम्बई-6 में
स्थित है।

अनुमूल्य जैसा हि क्र मं, अई-1/37ई/10745/
86-87 ओर जो मधम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
11-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. बंसल,
मधम प्राधिकारी
माना आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 29-4-1987
मोहर:

प्रसूप आई. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल, 1987

निर्देश मं० आई-1/37ई/12687/86-87:—आजः मुझे,

पी० एन० बंसन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या फैट नं० डी/9, ओस्टन को-प्राप०
हाउर्सिंग सोसायटी नि०, अल्टामाउण्ट रोड, बम्बई-26
में स्थित है (ओर इसमें उपाख्य अनुमूली में ओर पूर्ण,
लघु में वर्णित है) आ० जिसा नुगरनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
11-9-1986 के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रासादिक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बचत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में करी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बाबरा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बी० एम० ब्रामा०,
सी० एम० ब्रामका०,
लुईस एम० ब्रामंसा०,
श्रीमती अक्षीला श्रीनिवास राजे,
श्रीमती गीता अनील राजे और
श्रीमती अनालिया एम० मिस्क्युटा०।

(अन्तरक)

2. सुरेश वि० शाहा अवेर बल्लभदास जे० शाहा।

(अन्तरिती)

(वह वर्कित, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्योप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फैट नं० डी/9, ओस्टन को० आप-हाउर्सिंग सोसायटी
लि०, 36, अल्टामाउण्ट रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुमूली जमा कि क्र मं० आई-1/37ई/10746/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
11-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसन,
गक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 28-4-1987

मोहर:

प्रस्तुत बाइंदी एवं एवं

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत लक्षण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अप्रैल 1987

निर्देश नं. अई-1/37ई/12691/86-87.—ग्रन. मुझे,
पी० एन० बम्बल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंजुआ फैट नं० 5, इण्डिया हाउस नं०
4, 76, बेडर रोड, कम्स कार्नर, बम्बई-36 में स्थित है
और इसे उत्तरद्वा अनुसूची में और पूर्णत्व से वर्णि
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई एवं मन्त्र
प्राधिकारी के कायलिय में रजिस्ट्री है, तारीख 11-9-

1986

को पत्रोंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापत्रोंकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के
लिए प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तथा पाया
एया प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाता है—

(क) बन्तरण के हुए किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने वा बन्तरक वा
वायित्व में कमी करने या उससे वचन वा सुनियन
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी इन या अन्य जारीतयों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बहुत अधिनियम की धारा 269-ष के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त :—

1. श्रीमती काचन किशनलाल जैन।

(अन्तरक)

2. श्री भरन हिरालाल पाणीख और
श्रीमती प्रभावनी कन्हैयालाल पाणीख

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से
45 दिन की अवधि या तत्पञ्चन्धी व्यक्तियों पर
सूचना के रामेल से 30 दिन की अवधि, जो भी भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाह,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
बहुती या अन्तरिती द्वारा प्रदृढ़तात्मका के पास
नियन्त्रण में भरा जा सकता है।

स्पष्टीकरण :—इसमें यकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फैट नं० 5, इण्डिया हाउस नं० 4, 76, बड़र
रोड, कम्स कार्नर, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि श० म० अई-1/37ई/10748/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
11-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बम्बल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रोज़-1, बम्बई

दिनांक : 27-4-1987

मोहर :

प्रकृष्ट लाइ.टी.एन.एस.-----

1. श्री राजीव शात्रीलाल मोदी।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारत संघ कानून संख्या 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत व्यापार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक १ मई 1987

सं० आई-1/37ई/12703/86-87:— अतः मुझे,
पी० एन० बंसल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है,

और जिसकी मूल्य फ्लैट नं० 48, 7वी मंजिल, सागर
तरंग, न्यू सागर तरंग को-आप० साउसिंग मोसायी लि०,
भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-36 में स्थित है (अंत इसमें
उपावढ़ अनुसूची में और पूर्णस्पष्ट से वर्णित है) और जिसका
करारामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का
ख के अधीन बम्बई प्रिंसिपल मैनेजर प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 11-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
नक्तह ब्रीतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब
या गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
प्रिंसिपल में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से है किसी आय की, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया गया अहिए था, छिपाने में दुविधा
के सिए;

अतः मात्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजीव शात्रीलाल मोदी।

(अन्तरक)

2. श्री प्रफुल मोहन लाल धारीया और
श्रीमती पूर्णिमा प्रफुल धारीया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालोप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्याप्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

लप्पाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
दर्शा है :

अनुसूची

फ्लैट नं० 48, 7वी मंजिल, सागर तरंग, न्यू सागर
तरंग को-आप० हाउसिंग मोसायी लि०, भुलाभाई देसाई
रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकि शं० आई-1/37ई/10751/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
11-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 1-5-1987

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 29 अप्रैल 1987

सं० आई-1/37ई/12710/86-87:— अतः मुझे,
पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

आंतर जिसकी संज्ञा फ्लैट नं० 603, 6ठों मंजिल, जमूना निकेतन को-आप० हाउसिंग सोसायटी निं०, मानव मन्दिर रोड मलवार हिल, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में आंतर पूर्णरूप में वर्णित है) आंतर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 196 की धारा 269 के खिलाफ अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 18-9-1987।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वात्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अर्थात्

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आपस्तियों को बिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मंजुला अमरतलाल।

(अन्तरक)

2. श्री गिरीश धरमजी गोराडिया और
श्री शंकरलाल मरमिगमल शहा।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 603, 6ठों मंजिल, जमूनानिकेतन को-आप० हाउसिंग सीमायटी निं०, मलवार हिल, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ई/10752/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 29-4-1987

मोहर:

प्रस्तुप आहौ. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अप्रैल 1987

मं. अर्ड-1/37ई/12720/86-87— अतः मुझे,
पी० एन० वंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी मंदिर फ्लट नं० 102, 1ली मंजिल, समाट
ग्रामोक को-प्राप० हाऊसिंग सोसायटी निं०, रतिलाल आर०
ठक्कर मार्ग, मलवार हिल, बम्बई-6 में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 18-9-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्यान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतररक्ष के लिए तय पासा वजा
वजा प्रतिफल निम्नलिखित इकाईय में उक्त अंतररक विविध वे
पासविक रूप हैं कि वहाँ किया जाता है—

1. श्रीमती दिपीका राजेश शाहा।

(अन्तरक)

2. दिनेश प्रताप चन्द्र शाहा और
जयेश पी० शाहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, वे भीतर दर्बार
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृश्यवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधारूपताकरी के पास
निवित बैंक के किए जा रहे हैं।

प्रबंधकरण:—इसमें प्रबंधक वस्त्रों और पहों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभासित
है, वही वर्ष होंगा जो उस अध्याप के विषय
परा है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से कुहौ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः वज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

फ्लट नं० 102, 1ली मंजिल, समाट ग्रामोक को-प्राप०

हाऊसिंग सोसायटी निं०, रतिलाल आर० ठक्कर मार्ग
मलवार हिल, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० मं. अर्ड-1/37ई/10761/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
18-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० वंसल,
सक्षम प्राधिकारी,
मंडायन आगरा आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 29-4-1987

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल, 1987

सं. अर्द्ध-1/37ई/12743/83-87:— अतः मुझे,
पी० एन० बंसल,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लैट नं० 46 ठी० मंजिल, आम
दरिया महल को-आप० हाउसिंग सोमायटी निं०, 80,
नेपियन सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इसमें उपा-
मूल्य अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है और जिसका
करारनामा आपकर अधिनियम 1961 की धारा 269
के ख के अधीन बम्बई स्थित मकान प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 18-9-1987

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदूष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण ने कभी करने वा उसके अन्तर्गत में सुनिभा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1925
(1925 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुनिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पालेन आर० भनाकिया और
श्री रद्दिक लाल सी० भना लाकिया (हि० अ० कु०)
(अन्तरक)
2. श्री रमणकांत वि० दोशी,
श्रीमती जयाबन आर० दोशी और
श्रीमती वर्षा वि० दोशी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या हत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भातृ उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताकरी के पात्र
निवापित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 46, ठी० मंजिल, ओम दरीया महल को आप
हाउसिंग सोमायटी निं०, 80, नेपियन सी रोड, बम्बई
6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्द्ध-1/37ई/10757/86-87 और जो रक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा
दिनांक 18-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 28-4-1987

मोहर:

प्रकल्प बाई, टी.एन.एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कर्मसिंह, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अप्रैल, 1987
निर्देश सं. अई-1/37ई/12744/86-87.— उक्त मुद्रे पी०

एन० बंगल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट न० 2, 1 ली मजिल, हिमागिरी
को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 755/6, पेडर रोड,
बम्बई-26 में स्थित है (और इसमें उपाखड़ अनुसूची में
और पृष्ठ स्पष्ट में वर्णित है,) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी ने कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 18-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वास्तविक में कमी करने या उसमें बदले में सूचित
के लिए; वारि/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या बन्ध अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) ना उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सूचित
के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13-96 GI/87

1. श्रीमती नविना चौधरी

(अन्तरक)

2. श्री प्रदीप डी० गाधी और
श्रीमती अरुणा प० गाधी।

(अन्तरिती)

(3).अन्तरितियाँ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यपाल्या शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तविक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण ——इगम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट न० 2, 1 ली मजिल, हिमागिरी को आप० हाउसिंग
सोसायटी लि०, 755/6, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि शम० अई-1/37ई/10758/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक
18-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंगल,
सक्षम प्राधिकारी
महाप्रद आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 27-4-1987
मोदूर ;

दस्तावेज़ आई.डी.एस.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बारठ बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अप्रैल, 1987

निर्देश सं० अई-1/37ई/12746/86-87:— अत मुझे,
पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' भहा गया है), की धारा
269-के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने जा
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 26, 1 ली मंजिल, बिमला
महल, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इसे
उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसकम करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 क, खं के अधीन बम्बई स्थित नियम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 18-9-1986

को प्रवृत्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हैर्स किसी आय या बन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अह. अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षीय —

1. मैसर्स श्रमित अलाइज, प्राइवेट लिं।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मिना राजेन्द्र मेहता ।

(अन्तरिती)

3. एम० भटाचार्य

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. एम० भटाचार्य और अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
(वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्रवृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृत्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परिभ्राष्ट
हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 26, 1 ली मंजिल, बिमला महल, पेडर
रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० अई-1/37ई/10759/86-
87 और जो नियम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक
18-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी०एन० बंसल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 27-4-1987

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल, 1987

सं० अई-1/37ई/12753/86-87-- अत. मुझे,
पी० एन० बंसल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 5 प., ताहेर मैन्यान, को०
ग्राम० हाउर्टिंग सोपायटी लि०, 8/10, नेपियन - सी रोड,
बम्बई-6 में स्थित है (और इप्से उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खंड के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख 10-9-1986

को प्रवृक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और बंतरक्ष (बंतरक्षों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित अंतर्विक्रम रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) कलरम तं हूर्द किसी वाय की वावत, उक्त
निभिनियम के अधीन कर देने के अनुरण के
द्वारा वाय करने या उससे वायने में स्विभा
दे लिए; और/या

(ब) एसे किसी वाय या किसी वन या अन्य आलियाँ
के, जिन्हे भारतीय नाम-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 41
नाम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रकार वार्ता अन्तरिती इयारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री आरीफ अदमजी पिरमाय।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मुमतकुमारी जैन और
श्रीमती मरिता जैन।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके प्रवृक्ष संपत्ति के अर्जन के लिए
उपयोगिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षणेपें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवैध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5 प., ताहेर मैन्यान को—ग्राम० हाउर्टिंग
सोपायटी लि०, 8/10, नेपियन सी रोड, बम्बई-6 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र मं० अई-1/37ई/10765/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
18-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 28-4-1987

मोहर :

प्रलूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर निगमन

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल, 1987

निर्देश सं० अई-1/37ई/12754/86-87— अतः मुझे,
पी० एन० ब०ल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंख्या फ्लैट नं० 25, 5वीं मंजिल, नव
दरिया महल को-आप० हाउसिंग सोनायरी लि० 80, नेपियन
सी रोड, बम्बई-6 में स्थित (है और इसे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जि का कलग्रामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 के द्वारा के अधीन बम्बई
स्थावर सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
18-9-1986।

को प्रवृत्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरवर्द्ध) और अन्तरिती
(अंतर्रातिय) के बीच एस अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्न द्वारा द्वारा
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण सं० हुइ निसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके दृचने में सुविधा
के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या धन या उन्य आस्तियों को,
जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा इकूल नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित जाकितयों अधार्त :—

1. दि मोरारजी दोऽुलदाप स्पिनिंग एण्ड विहिंग
कम्पनी लि०।

(अन्तरक

2. श्री मनकरन देवकरन लखोटिया आर
श्रीमती रत्नादेवी एम० लखोटिया।

(अन्तरक

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
मैंन्यता है)।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांदे भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्थानोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में विद्या
रखया है।

अन्तर्की

फ्लैट नं० 25, 5वीं मंजिल, नव दरिया, महल
को० आप० हाउसिंग सोनायरी लि० 80, नेपियन-सी रोड,
बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र म० अई-1/37ई/10766/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
18-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० ब०ल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर निगमन
अर्जन रेंज -1, बम्बई

दिनांक: 28-4-1987

मोहर:

प्रक्रम संख्या ३०८८ संख्या १४५

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

प्रातुल सूचना

आयकर, तदायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अप्रैल, 1987

निदेश सं. अई-1/37-ईई/12756/86-87—अतः मुझे,
पी० एन० बंसल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसके सं. एफ० एम० आई० टू दी एक्सटेंट आफ 650
चौरस फूट इन प्राप्टी, बाम्बे मार्केट, ताडेव रोड
बम्बई जिसका सी० एन० नं. 730 और 1/731 मन्दिरार
और खांगा हिन डिवीजन में स्थित है (और इसमें उपावस्थ
आनुसूची में और पर्ग लू. में वर्णित है), और जिसका करातामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क्षेत्र के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
दिनांक 18-9-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
वस्तुके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यथा यथा
प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी भाय की आवत, उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ल) ऐसी किसी भाय या किसी धन या जन्म जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आविष्ट था, लिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) बाम्बे मार्केट एग्रार्टमेंट्स को-ऑपरेटिव सोसायटी सिं०
(अन्तरक)
- (2) मैसर्स कटचिस।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में छोड़ भी जानेव :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एफ० एम० आई० टू दी एक्सटेंट आफ 650 चौरस फूट
इन प्राप्टी बाम्बे मार्केट ताडेव रोड, बम्बई जिसका सी०
एम० नं. 730 और 1/731 मन्दिरार एण्ड खंडाला हीन
डिवीजन में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. अई-1/37ईई०/10767-
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
18-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 29-4-1987

मोहर :

राजसंघ विधि विभाग, एम.एच. -----

काल्पनिक विधि, 1961 (1961 का 43) की
वाय 269-ग (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती कुलदीप कौर बेदी।

(अन्तरक)

(2) श्री जितेन्द्र एच. कोठारी, श्रीमती रेखा जे. कोठारी और मास्टर निकुंज जे. कोठारी।

(अन्तरिती)

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल, 1987

निदेश सं. अई-1/37-ई/12772/86-87—अतः मुझे,
पी. एन. बन्सल,

काल्पनिक विधि, 1961 (1961 का 43) (कित्ते इन्हें
संलग्न पत्रालूप 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 93 है तथा जो 9वीं मञ्जिल
प्रशोका प्रार्टमेट्स, रुगटा लेन, नेपियन-सी रोड,
बम्बई-6 में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण
सूची में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क द्वारा की अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रजिस्ट्री है दिनांक,
19-9-1986

को एक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थावर
प्रतिक्रिया के लिए अनुसूची की पर्दे और यहाँ पर्याप्त विवाद
करने का कारण है कि वस्तुवालौकिक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्ते वस्तुवालौकिक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य इकाइयाँ हैं और उक्ते वस्तुवालौकिक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य एवं प्रतिक्रिया के लिए उक्ते वस्तुवालौकिक सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(ए) वस्तुवालौकिकी वाय की वाय, उक्त
विधिनियम के अधीन कर दर्ते हैं वस्तुवालौकिक के
उचित वाय में कोई वर्तने वा बदलने वाय सूची
के लिए; और/या

(इ) ऐसी किसी अन्य वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अनुसूची व्यावारा प्रकट नहीं किया गया था या
किसी वाया वायीहै या किसी धन में सूचिता के भिन्न

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके प्रवृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाइप्रे —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा तत्त्वावधी व्यक्तियों पर
सूचना की वारीत से 30 दिन की अवधि, जो अवधि वाय में स्थान्त छोटी हों, के भीतर प्रवृत्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृता,
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपौष्टिकारी के या
विवित में विक्री वा सहेजे।

विवरण :—इसमें व्यक्ति सभ्यों और पक्षों का, जो उक्त
विधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित
हैं, वही अर्थ होता, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 93, 9वीं मजिल प्रशोका प्रार्टमेट, रुगटा
लेन, नेपियन-सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-1/37-ई/10770/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
19-9-1986 को रद्दिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन. बन्सल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अनुसूची रेज 1, बम्बई

दिनांक: 28-4-1987
मोहर:

प्रस्तुत बाई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अप्रैल, 1987

निवेदण मं० अई-1/37-३६८/12781/86-87—ग्राह: मुझे,
पी० एन० बस्तु,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० पर्सनल नं० 62, 6ठी मंजिल, खटाऊ अपार्ट-
मेंट, वालकेश्वर खटरव को-आप० हाउसिंग सोसायटी नि०,
वालकेश्वर रोड, बाणगंगा, बम्बई 6 में स्थित है
(और इस उपाधि अमुमूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
और जिसका कारण नामा आयकर अधिनियम, 1961, की
धारा 269-घ, वा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 19-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत भी अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण मुहूर्दे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायालय
वा कमी करने वा उसके अन्तरण में सुविधा के लिए,
कारण है

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आदकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
प्रतिक्रिया अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी आय या अस्ति का उपर्याप्त
प्रविधि नहीं किया गया है

जस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षान् १९-

- (1) श्री महेन्द्र खीमजी खटाऊ, फादर एण्ड नैनुरल
गार्डियन आफ मास्टर हरेन महेन्द्र खटाऊ।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती फेनी नरीमन पारझीवाला और श्री
गजेन्द्र किशनराव शिंदे।
(अन्तरिती)

- (3) अन्तरक श्रवणे माता-पिता के साथ
(वह अवित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसस्वन्धनी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
प्रविधियों में से किसी अवित द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लघूकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट और पर्सन का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभासित है,
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

पर्सन नं० 62, 6ठी मंजिल, खटाऊ अपार्टमेंट, वालकेश्वर
खटाऊ को-आप० हाउसिंग सोसायटी नि०, 243, वालकेश्वर
रोड, बाणगंगा, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-३६८/10773/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बस्तु

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुष्म (निरीक्षण)

अर्जन रोड-1, बम्बई

दिनांक: 29-4-1987

मोहर:

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल, 1987

निदेश सं० अई-1/37-ई/12790/86-87—अतः मुझे,
पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से बाहर है
और जिसकी सं० 50 प्रतिशत हिस्सा जो फ्लैट नं० ए/२ में है
तथा जा ३री मंजिन, मात आशीग, नेपियन सी रोड, बम्बई-
36 में स्थित है (और इससे उभावद्वा अनुसूची में और पूर्ण-
रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक
19-9-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यह प्रतिशत से अधिक है और बल्लरक (अन्तरक) और
बन्तरिती (बन्तरितीयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ
पादा वा अतिक्रम, विमलिक्षित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण
प्रतिक्रिया में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

(1) श्रीमती लिली धीरजलाल भसाली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दूष्प्री मनोहरनान भसाली।

(अन्नगिरी)

(3) अन्नरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सप्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर संपत्ति में
हातबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास प्रविहित में किया जा सकेंगे।

एष्टोकरण:—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

50 प्रतिशत हिस्पा जो फ्लैट नं० ए/२ में, 3री मंजिन
मातृ आशीग, नेपियन सी रोड, बम्बई-36 में स्थित
अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37-ई/10777
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
19-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
मध्यम प्राधिकारीसहायक आयकर आयकर (निरीकण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 28/4/1987

मोहर :

संसद प्राप्ति अधिकारी

महायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(1) भरत के ० शेठ और रवि के० शेठ।

(अन्तरक)

(2) डि. मेट ईस्टर्न शिपिंग कम्पनी लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-13/7ई-1/12801 86/87—अतः मुझे,
पी० एन० बंसल,

महायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रशास्त्र 'उचित अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है
श्रीर जिसकी मं० फैलैट नं० १-बी०, १ वी० मंजिल, जीघन इमारत,
प्रेट इस्टर्न को-आप, हाउसिंग सोमायडी निं०, एन० डी०
ख्लापा नेल मार्ग, बम्बई में विन स्थित है (योर इससे उपावड
अनुसूची में श्रीर पूर्ण वर्ष से वर्गित है) और जिसका करारनामा
महायकर अधिनियम को धारा 269-ष के अधीनबम्बई
स्थित सक्रम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
19-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिकल है तिए अतिरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दरमान प्रतिकल १०, ऐसे दरमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरको) और
बन्तरिती (बन्तरितिय) के बीच ऐसे बन्तरण के तिए तथा पाया
पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त बन्तरण लिखित
में "स्वाधिक रूप से कार्यित नहीं किया जवा है" —

(क) बन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, अं अधीन कर दन के बन्तरक अं
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूदिशा
के तिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तीया
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
बन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयाजनार्थ बन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया
जया था ता किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मूदिशा नहीं किए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त उम्मति के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त संपर्क के बजन के सम्बन्ध में कोई भी वापरेष —

(क) इस सूचना के राज्यान्तर में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन वीं अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिनियम से किए व्यक्तिर द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज्यान्तर में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन वीं अवधि उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाप्त
व्यक्ति वाय व्यक्ति द्वारा अनुस्तानटी वा पाप
विविद में किए जा सकते हैं।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, वी अध्याय 20-क में पर्याप्ति
है, वही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया
दृष्टा है।

अनुसूची

फैलैट नं० १-बी०, मंजिल, जिवन इमारत, प्रेट इस्टर्न को-
आप, हाउसिंग सोमायडी निं०, एन० डी० ख्लापा नेल मार्ग,
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37-ई 10779/86-
87 और जो सक्रम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दियांक 19-9-
1986 को रजिस्टर किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्रम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 29-4-1987

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) दी ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कंपनी लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री भरत के० शेठ और रवि के० शेठ।

(अन्तरिनी)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर व्यायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-1/37-ई/12802/86-87—अतः मुझे,
पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12बी है, 12बी मंजिल
माणेक इमारत, ग्रेट ईस्टर्न को-आप० हाउसिंग सोमायटी
लि०, एल० डो० रूपारेल मार्ग, बम्बई में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्णस्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
और जिसका करारनाम: आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269क, ख के अधीन बम्बई मिथन सक्षम प्राधिकारी के कार्या-
लय में रजिस्ट्री है दिनांक 19-9-86

क्वो पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से दूर है किसी आय की बाबत उक्त
कार्यालय के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसने उधने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा उक्त नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

फ्लैट नं० 12 बी, 12बी मंजिल, माणेक इमारत, ग्रेट
ईस्टर्न को-आप० हाउसिंग सोमायटी नि०, एल० डी रूपा रेल
मार्ग, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं० आईबी/37-ई/10780/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुध (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 29-4-1987

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, इसे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री एम० जगजीत सिंह चावला।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-घ के अधीन सूचना(2) मैमर्से एकार बिलडर्म पार्ड इंजीनियर्स प्रा०
लि०।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निदेश सं० अर्ब१/३७-ई१/१२८०५/८६-८७—अतः मुझे,
पी० एन० बंसल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैश्री जिसकी सं० फ्लैट नं० 101 है तथा जो 1ली मंजिल, दि
जल अपार्टमेंट, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-6 में स्थित है
(श्री इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में दर्शित है)
श्री जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, दिनांक 19-७-८६को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिंगिकत में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुल्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तस्त्री

फ्लैट नं० 101, 1ली मंजिल, दि जच अपार्टमेंट, भूला-
भाई देसाई रोड, बम्बई-6 में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि क्र० स० अर्ब१/३७-ई१/१०७८२/८६-
८७ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-७-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, बम्बई

दिनांक : 1-५-१९८७

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकृष्ट बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

उक्त संपत्ति

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निदेश सं० अई-1/37-ई/12836/86-87—अत मुझे,
पी० एन० बमल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसकी पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० दुकान न० 105, हीरा पन्ना को-आप०
हाउसिंग सोसायटी लि०, हीरा पन्ना शापिंग मेटर, भूलाभाई
देसाई रोड, बम्बई-25 में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनु-
मूल्य में और पूर्णस्वं में वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के अधीन,
दिनांक 19-9-1986को पूर्वोक्त मर्यादा के उन्निस बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मूले यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इयमान प्रतिफल से एसे इयमान प्रतिफल का पत्तह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने व्हे
सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैर्स लक्ष्मा किंचन वेयर्स पाइंट लि०।
(अन्तरक)
(2) श्रीमती माया बसीलाल फरवानी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित हैं,
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

दुकान न० 105, हीरा पन्ना को-आप० हाउसिंग सोसायटी
लि०, हीरा पन्ना शापिंग मेटर, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-
26 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ई/10786/86-87
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई डाग दिनांक 19-9-1986
को रजिस्टर्ड किया है।पी० एन० बमल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई।

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्रलुप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

(1) श्री मुरेश आर० खेमानी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
की धारा 269 घ (1) के अधीन सचना

(2) हिंदुस्तान लीवर लिमिटेड।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियाँ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) अन्तरितियाँ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी चौनना है कि वह संपत्ति में तिबद्ध है)।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-1/37-ई/12849/86-87—अतः मुझे,
पी० एन० बंसन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12-ए, गुलमार्ग को-आप० हाउसिंग
सोसायटी नि०, नेपियन-सी रोड, बम्बई-६ में स्थित है (शांति
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-७-1986

को प्रवृक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि शथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ
नियत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके प्रवृक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृक्त
स्विकृतियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय अधिकृत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाल
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ॥

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विवित
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

बन्दूसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय बन्तीर्णी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा
के लिए,

फ्लैट नं० 12-ए, गुलमार्ग को-आप० हाउसिंग सोसायटी
नि०, नेपियन-सी रोड, बम्बई-६ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० स० अई-1/37-ई/10806/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-९-
86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार :—

दिनांक : 28-४-1987

मोहर :

प्रकृष्ट बाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निवेदण सं० अर्द्ध-1/37-ई/12862/86-87—ग्रन्ति: मुझे,
पी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 404, है तथा जो 4थी मंजिल,
आशीष "सी" इमारत, तिहरनि महालक्ष्मी को-आप० हाउसिंग
सोसायटी लि०, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित
है (और इसमें उन्नाबद्ध अनुगृहीत में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269व व के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल से यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
दन्तव्य प्रतिवेश से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के विवित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या फ़िर्मी धन या कन्या क्रांतियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

वहाँ बत, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कथात् :—

(1) श्री हिमनाल प्रभूदाम शहा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हेमा आर० जरीवाला और मुरुशंग एम०
जरीवाला।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

नो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन व
लए कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमुद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास
प्रिव्हेट में किये जा सकते।

स्पष्टाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों वारे पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
या है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 404, मंजिन, आशीष "सी" इमारत, तिरुपति
महालक्ष्मी को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, भुलाभाई
देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

ग्रुप्सची जैसा कि क्र० सं० अर्द्ध-1/37 ई/10810/
86-87 और जो मैं सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
25-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 1-5-1987

मोहर :

प्रकाश भाई टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

वापर संस्करण

अधिनियम, राष्ट्रीय बायकर वापर (हिन्दी)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल, 1987

निदेश सं० अई-1/37-ईई/12864/86-87—अतः मुझे,
पी० एन० बंसल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 172 पुण्यक आपार्टमेंट इंद्रामन को-
आप० हाउसिंग सोमायटी निं० 31 अल्टामाउंट रोड, बम्बई-
26 में स्थित है (श्री इसने उपावद्वा अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269क्ष के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कायलिय में रजिस्ट्री है। दिनांक 25-9-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए रीप्रिस्ट्रिक्टर विलेज के अनुसार अंतरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान
प्रतिफल से, एसे इयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबत में वास्तविक रूप से कठित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय का किसी धन या बन्य आस्तियाँ
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
शास्त्रीय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहों किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मात्रा
वा छिप;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् :—

(1) श्री पंकज काचनलाल महा।

(अन्तरक)

(2) श्री राजीव शांतिनाल मोदी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावर में सभापत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनुभ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए था जाएँ।

प्रष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के जायाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस जायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 172 पुण्यक आपार्टमेंट इंद्रामन कोआप०
हाउसिंग सोमायटी निं० 31 अल्टामाउंट रोड बम्बई
26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/10811/
86-87 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-
9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
मक्षम प्राधिकारी
भारतीय आयकर आयकत (निर्दि क्षण)
अर्जन रेज-1 बम्बई

दिनांक: 28-4-1987

मोहर:

प्रकल्प नाइटौर्स एस.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-1/37-ई/12870/86-87—अतः मुझे,
पी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके प्रथमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थानीर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 11 3री मंजिल, अनुमति भाग्यन 22, पैडर रोड, बम्बई-400026 में स्थित (और उपांक अनुमति में और पूर्ण रूप वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क, ख्र के अधीन बम्बई स्थित भक्षण प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

(1) श्रीमती शीला गोविन्दराम करनानी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा किंगनचन्द रवानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्ड-प्राहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के बजेन के संबंध में कोई भी वास्तविकता—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीर सम्पत्ति में हितप्रदाय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा विभासनाशरी के रास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमति

प्लैट नं० 11, 3री मंजिल, अनुमति पैन्यन, 22, पैडर रोड, बम्बई 26 में स्थित है।

अनुगूणी जैमा कि क्र० म० अई-1/37-ई/10813/86
87 और जो सकाम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1,

दिनांक : 27-4-1987

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल 1987

निदेश मं० अर्ड-1/37-ई/12874/86-87-ग्रत :
मझे, पी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी मं० 4, नव माना में फ्लोर को० आप० हामिडिंग
सोसायटी, कारमायकेल रोड, बम्बई-400026 में स्थित है
(और इसमें उपायद्वारा अनुसूची में आंग और पूण रूप वर्णित है),
और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
219क, घ्र के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के काक यांत्रिय
में रजिस्ट्री है। दिनांक 25-9-1986

की पर्वतीय सम्भाल के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वाम
करने का कारण है कि प्रथम वौक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
उन्ह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
बन्दरिती (बन्दरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया
या प्रतिफल विस्तृतिवित उद्देश्य से उक्त बन्दरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीर्त नहीं किया था है—

(क) बन्दरण से हूर्दे किसी बाय की बाबत उक्त अधि-
नियम वौ वैयीक रूप से बन्दरुल की वायित्व वै-
की करने या उत्तरे बनने में सुविधा के निए;
और/वा

(1) श्री देवेन्द्र धीरजलाल शहा और सुगुन
देवेन्द्र शहा।

(अन्तरक)

(2) श्री याकूब कासम भाम और श्री मनी, नाव
याकूब भाम।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्मति है)

कि यह सूचना जारी करके प्रयुक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
बवाह काव में समाप्त होती हो, के भीतर पर्याप्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित ढंगे किए जा सकेंगे।

लक्षितरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही वर्ज होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(घ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध वास्तविकों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उक्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के निए;

फ्लैट नं० 4, नव माना में फरावर-रो० आउंपा
सोसायटी कारमायकेल रोड, बम्बई-400026 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० मं० अर्ड-1/37-ई/10815/

86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
25-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :- 2-4-1987

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री मती बीना आय० जे० सिंह।

(अन्तरक)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वाय० के शंकर दास और श्रीमती आगा
वाय० के शंकरदास।

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल 1987.

निदेश सं० अई-1/37-ई/12882/86-87--ग्रन्त: मुझे,
पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

को० आय० हार्डिंग सोमायटी निं०, 22, नागयण दाभोलकर
रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इसमें उत्तरद्वारा अनुमूल्यी में
श्रीर पूर्णस्वयं सर्वानन्द है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 कथ के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
दिनांक 25-9-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, इसके छयमान प्रतिफल सं० एसे छयमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत में अधिक है और (अंतरका०) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
यास्त्रिक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दनें के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

मृत्तृष्णी

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, १९८६, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

फ्लैट नं० 23 शेरमन इमारन, दि भक्तवार
को० आय० हार्डिंग सोमायटी निं०, 22, 22, नागयण
दाभोलकर रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुमूल्यी जैपाकि क्र० सं० अई-137-ई/10819/
86-87 और जो मशम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
25-9-1986 द्वा० रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
मशम प्राधिकारी

महाचक्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 28-4-1987
मोहर

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निवेश मं० आई-1/37-ई 12788/86-87—अतः
मुझे, पी० एन० बम्बई,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, रेवा अपार्टमेंट्स—बी,
महालक्ष्मी कपाऊड, भुवाभाई देसाई रोड, बम्बई-६ में स्थित
है। (और इसमें उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्णमूल्य से वर्णित
है), आंवा और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 25-9-1986

कां पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छठमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके छयगान प्रतिफल से एंसे छयमान प्रतिफल का
पढ़ह प्रतिशत से अधिक है और (अतरका०) और अन्तरिती
(अन्तरितायों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के क्षयित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा जे लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कुलसूम फकूददीन कुरेणी और श्री
फकूददीन बैकीरश्ली कुरेणी।

(अन्तरक)

(2) श्री तांडेर के० बनातवाला और श्रीमती खालिजा
टी० बनातवाला।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवौध बात में समाप्त हाना है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रथाधर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूल्य

फ्लैट नं० 303, 3रो, मंजिनारेवा अपार्टमेंट-बी, महालक्ष्मी
कपाऊड भुवाभाई देसाई रोड, बम्बई २६ में स्थित है।

अनुमूल्य जैमाकि क्र० गं० आई-1-37-ई/10820
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
25-9-1986 घो० रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बम्ब

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निदेश मं० प्रई-1 37-ई 12888/86-87-अतः
मुझे पी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 23-बी, सो गल को० आप०
हाउसिंग सोमायटी लि०, 4-ए, भुलाभाई देसाई रोड,
बम्बई-26 में स्थित है (और इसपे उपावद्र अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

दिनांक 25-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण विवरण से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती
(प्रतिरीतियों) के बीच एवं अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नीना राजेन्द्र मेहता।

(अन्तरक)

(2) प्राणनाल पा० दामानी और श्रीमती भागिरथी
बेन पी० दामानी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांग्रेस भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्या में दिया
गया है।

बम्बई

फ्लैट नं० 23-बी, गल अपार्टमेंट्स 4-ए, भुलाभाई
देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकि क्र० मं० प्रई-1/37-ई/10821/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक
25-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पा० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्रलूप आई.टो.एन.एस.-----

(1) श्री प्राननान ए. दामाना और भागिरथावेन पी।
दामानी।

(अन्तरक)

(2) दिनेश कातीलान दो श्री और मंजूला दिनेश दोषी।
(अन्तरित)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अप्रैल, 1987

निवेश मं. अई-1/37ई/12889/86-87-- अतः मुझे,
पी० एन० बंसल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-
रुपये से अधिक हैऔर जिसकी म० फ्लेट नं० ई-11, 6ठी मंजिल, बालकेश्वर लिंगेणी
को०-प्रा० हाउसिंग सोसाइटी नं०, 66. बालकेश्वर रोड, बम्बई-6
में स्थित है (श्रौर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णपूर्ण से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 कानून के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है। तारीख 25-9-1986,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूत्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पांा गया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।फ्लेट नं० ई-11, 6ठी मंजिल, बालकेश्वर लिंगेणी को०-प्रा०
हाउसिंग सोसाइटी नं०, 66. बालकेश्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित
है।अनुसूची जैमा कि क्र० म० अई-1/37ई/10822/86-87
और जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-86 को
रजिस्टर्ड किया गया है।पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बईअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--तारीख : 29-4-1987
मोहर :

प्रस्तुत वादः, दी. एच. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक बायकर आद्यकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 28 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-1/37ईई/12912/86-87--- अतः
मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी न्यौ, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 41, 4थी मंजिल, त्रीज कुटीर को०-
आप० हाउसिंग सोसाइटी नि०, 68-ए, स्टॉटा लेन, एल० जग-
मोहन दास मार्ग, नेपियन सी रोड, बम्बई-६ में स्थित है (ओर
इससे उत्तरवाद अनुसूची में और पूर्णसूची में दर्शित है), और जिसका
कागरनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का कार्यालय में रजिस्ट्री है।
तारीख 25-9-1986

को पूर्वोक्त मन्त्रित के उचित बाजार मूल्य एं कम के अधिकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्तरवाद संपत्ति के प्रतिफल सं० एंसे अधिक है अतः अन्तरित का पन्द्रह श्रेणी से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अनांतरको) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण एं द्वारा किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ल) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को उन्हें भारताय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ० अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविक्षा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरु एच० बंतपा ;।

(अन्तक)

(2) श्री मदेन्द्र कुमार एन० गांधी और श्रीमति वर्पविन एम० गांधी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामी से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद इसमाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त स्थावर संपत्ति के लिए किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वह अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लेट नं० 41, 4थी मंजिल, त्रीज कुटीर को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी नि०, 68-ए, स्टॉटा लेन, एल० जगमोहन दास मार्ग, नेपियन सी रोड, बम्बई-६ में स्थित है।

श्रायुची जैगा कि श्र० सं० अई-1/37ईई/10826/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 28-4-1987
मोहर :

प्रलूप आर्द्ध.टो.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अप्रैल 1987

निदेश में अर्ड-1/37ई/12915/86 87—अनु: मुझे
पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी म० फ्लेट नं० 701, 7वी मजिल, और 2 गैरेज
जो निर्माणीय इमारत में, स्पेन्टा को०-ग्रा० हाउसिंग सोमाहटी
बी० जी० खेर मार्ग, (गिल्जे रोड), बम्बई-6 में स्थित है (और
इसने उत्तरवद अनुसूची में और पूर्णकृपां वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 गव्हर्नर के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रखिया है।
तारीख 25-9-1986

को प्र्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्र्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपराना (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, असत् :—

(1) ट्रॉफ़ दि पार्सी पंशियत फण्डम एण्ड प्राप्टरी ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० एम० दरोगा और श्रीमति विग्रहन० दरोगा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
नार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्र्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 701, 7वी मजिल, और 2 गैरेज जो निर्माणीय
इमारत में, स्पेन्टा को०-ग्रा० हाउसिंग सोमाहटी, बी० जी० खेर
मार्ग (गिल्जे रोड), बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र.म० अर्ड-1/37ई/10828/ 86-87
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-86 को
रजिस्टर किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन अर्ड-1, बम्बई

तारीख : 29-4-1987
मोहर

प्रकल्प आई.टी.एन.एस.-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अप्रैल 1987

निक्षेप सं० आई-1/37जी/5441/86-87-- अतः मुझे,
पी० एन० बंसल,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संधर्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा जो डूबेलिंग हाउस के साथ
135-ए, गवालिया टैक रोड (अब आगस्ट कॉर्टी मार्ग), जिसका
सी० एस० नं० 568 (ग्रां), खंबाला एण्ड मालावार हिन्द
डिवीजन, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपांचल अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 8-9-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिवर्त से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया ग्राही प्रति-
कल प्रिमिलिष्ट उद्देश्य से उक्त अंतरण मिलिष्ट प० वास्त-
विक क्षमता के कठिन सार्वी किया गया है ।—

(क) अंतरण से हार्द किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक वा
हायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी इन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. वेम वन्द बी० कोठारी, 2. ग्यानचन्द्र एन०
कोठारी, और 3. राजेन्द्र के० कोठारी ।

(अन्तर्क)

(2) दि गोवालिया टन्क वर्धमान को०-आप० हाउसिंग
सोसाइटी लि० ।

(अन्तर्गती)

(3) सोसाइटी के सदस्य ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना भारी कारण पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के अन्य
कार्यवाहियों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
बायिध बायक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त बायकर समाप्ति में द्वितीय
व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के
पास सिलिष्ट में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विद्य-
पाया है ।

अनुसूची

खुला जमीन का हिस्सा जो डूबेलिंग हाउस के साथ, 135-ए
गवालिया टैक रोड (अब आगस्ट कॉर्टी मार्ग), जिसका सी० एस०
नं० 568 (ग्रां), खंबाला एण्ड मलवार हिन्द डिवीजन, बम्बई
में स्थित है ।

अनुगूची जैसा कि क्र० स० विलेख स० वाम-900/79, आप०
उा रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-9-86 को रजिस्टर्ड
किया गया है ।

पी० एन० बम्बई

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 2-6-1987

माहूर ६

प्रख्युप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1987

निवेश सं० आई-1ए/1बी/37ई/121/ 86-87— अत
मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० दुकान नं० 89, नल माला, अशोका शापिंग
सेंटर, एल० टी० मार्ग, बम्बई-400 001 से स्थित है (और
इसमें उपाख्य अनुमूल्यी में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथे
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

तारीख 18-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वर्तने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—96 GI/87

(1) पूरी कन्स्ट्रक्शन (बम्बई) प्रा०सि०।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स राधाकमल ट्रेनिंग कम्पनी, मेसर्स आनन्द टेक्स-
टाइल्स, और मेसर्स नरेश कुमार टेक्सटाइल्स आफ
कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही होना करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्यी

दुकान नं० 89, नल माला, अशोका शापिंग मेंटर, एल० टी० मार्ग, बम्बई-1 में स्थित है।

अनुमूल्यी जैसा कि क्र० सं० आई-1ए/1बी/37-ई/10801/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1ए/1बी०, बम्बई

तारीख : 5-5-1087

मोहर :

प्रकाश कार्यालय दीप एवं इस्तम्भ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (१) के विषय सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए/1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक ५ मई, १९८७

निदेश स० अई-1ए/1बी/37ईई/123/ ८६-८७— अत
मुझे, पी० एन० बसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (प्रिलैट इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट न० ७ई, हारबर हाईट्स-बी, सूसन डाक
कुलाबा के पास, बम्बई-५ मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
मे और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है। तारीख
18-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले
यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके अवधारन प्रतिफल द्वारा एवं उचित अवधार
प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
वाया या किया जाना चाहिए या कियाने में दुरीपा
को दिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् :—

(१) १. श्रीमति परविन पेसी शा, २ श्रीमति एच०
पी० शा, ३ जमशेद पेसी शा और ४ श्रीमति
वीरा पेसी शा।

(अन्तरक)

(२) केप्टन विजय रायचन्द।

(अन्तरिती)

(३) फरीयाज लोट्लम प्रा० लि०।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे
मम्पत्ति है)।

(४) अन्तरितियों और भाडूत।

(वह व्यक्ति जिसके बारे मे अधोहस्ता-
क्षरी जानता है कि वह मम्पत्ति मे
हितवद्ध है)।

को वह सूचना बाटी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवधार के लिए
वार्तायाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अवधार के सम्बन्ध में कोई भी जाहोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या उत्तममध्यी अवधियों द्वा०
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि या उत्तममध्यी होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वाया अधोहस्ताक्षरी के
पाय लिखित में किए या दर्खाएँ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
वाया है।

अनुसूची

फ्लैट न० ७-ई, हारबर हाईट्स, "बी" सूसन डाक कुलाबा के
पाम, बम्बई-५ मे स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० अई-1ए/1बी/37ईई/10794/
८६-८७ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
18-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बसल
सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1ए/1बी, बम्बई

तारीख 5-5-1987

मोहर :

प्रध्यक्ष वाहौः टी. एन. एस. -----

- (1) 1. श्रीमति मालेक सुलतान, इस्माईल सेमी की पत्नि
2. श्री सुलतान, इस्माईल सेमी के पुत्र, और 3. अकबर
इस्माईल सेमी के पुत्र।

(अन्तरक)

- (2) श्री दिनशां रस्तम द्वरानी (गिलानी), श्रीमति
परविन विडो आफ ए० तीरथनदारी और डॉक्टर
आफ दिनशां रस्तम गिलानी।

(अन्तरिती)

बाबबार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंथालय-1ए/1बी०, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निदेश सं० अर्ह-1ए/1बी०/37ई/120/10434/86-8/
अतः मझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, 1ली मंजिल, गुलमनोर प्रिमसेस
को०-ग्राप० सोसाइटी लि०, 8, रामचन्द्रानी रोड, कुलाबा, बम्बई-५
जिसका सी० एस० नं० 502, कुलाबा डिवीजन, में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपमें वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कब्र के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 11-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दण्डनाम
प्रतिफल के निए बंतरित की गई है और मूँहे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दण्डनाम प्रतिफल है, एसे दण्डनाम प्रतिफल का
पूर्वोक्त से अधिक है और बंतरक (बंतरित) बोर्ड बंतरिती
(बंतरितवाली) के बीच ऐसे असरण के निए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त असरण निश्चित न
पासदिक रूप से कठिन नहीं किया गया है ।—

(क) उक्तरण है हरू किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बदलने परे मुश्वित
की लिए; और/या

(क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तीन
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) मा उक्त अधिनियम द्वा
रा घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
हुक्मना के निए;

अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उचावारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के दिन
कार्यालयीय ग्रूप करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बदलने परे मुश्वित
की लिए; और/या

प्रनुसूची

फ्लैट नं० 5, 1ली मंजिल, गुल मनोर प्रिमायरेस को०-ग्राप
सोसाइटी लि० 8, रामचन्द्रानी रोड, कुलाबा, बम्बई जिसका
सी० एस० नं० 502, कुलाबा डिवीजन, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० नं० अर्ह-1ए/1बी०/37ई/10802/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-86
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथालय-1ए/1बी० बम्बई

तारीख : 5-5-1987

मोहर :

प्रकल्प नाइट टी. ए. एस.—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष के अधीन सूचना

(1) विं अहमदाबाद मेन्युफैक्चरिंग एण्ड कलिको प्रिटिंग
कम्पनी लि।

(अन्तरक)

(2) रूप ज्योति इंजिनियरिंग प्रा० लि।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निदेश सं० अर्झ-1ए/37/ई/93 10800. 86-87—

अतः मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सी० आॅफ कॉमर्स सेंटर नं० 1, कफ
परेड, बम्बई-5 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर
पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 का के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 25-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से एसे छयमान प्रतिफल का
प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाबत्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) दूसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुत्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट सी० आॅफ कॉमर्स सेंटर नं० 1, कफ परेड, बम्बई-5 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्झ-1ए/37-ई/10830/ 86-87
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1ए, बम्बई

तारीख : 5-5-1987

भोहर :

प्रस्तुप आई.डी.एन.एस. -----

(1) सी० जे० एक्सपोर्ट्स ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(अन्तरक)

की धारा 269 वा (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अशोक श्रलीमचन्द्र भारतवानी और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक ५ मई १९८७

निदेश सं० अई-१ए/३७-ईई/१२२/१११८०/८६-८७—

अतः मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह संबंध का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० १४५, विंग-सी, १४वी मंजिल,
मित्तल कोट, प्लाट सं० २२४, ब्लाक सं० ३, नरीमन पांडिंट,
बम्बई-२१ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा १६९ के के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक १८-९-
१९८६,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छूट्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरत की गई है और
मुझे यह विवाह संबंध का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छूट्यमान
प्रतिफल से, एसे छूट्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (मंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों)
के बीच एसे अन्तरण के लिए सब याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की गई
नहीं किया गया है—(क) अन्तरण ते है इसे किसी बाय के बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे अन्तरण में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

कार्यालय सं० १४५, विंग-सी, १४वी मंजिल, मित्तल
कोट, प्लाट सं० २२४, ब्लाक सं० २, बैंकबे रेक्लमेशन, नरीमन
पांडिंट, बम्बई-२१ में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-१ए/३७-ईई/१०७९६/
८६-८७ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक १८-
९-१९८६ को रजिस्टर्ड किया गया है।पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-१ए, बम्बई(ख) एसी किसी अय वा किसी भन वा अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आवकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रथमनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : ५-५-१९८७

माहर

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए/1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निर्देश सं० अई-1ए/1बी/37-ई/107/12535/86-

87—अतः मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 19, मिद चैबर्स को०-आ०प० हाउसिंग सोसायटी लि०, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है 'और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की की धारा 269 का के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी भून या वस्त्र वासियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाए प्रकल्प नहीं किया जाया था या किया जाना चाहिए या जिसमें में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, वर्तात :—

- (1) श्रीमती सकीनाबाई हमनगली जिवानी ।
(अन्तरक)
- (2) डि इंडियन हाटेल्स कम्पनी लिमिटेड ।
(अन्तरिती)
- (3) अन्तरक ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिसौग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 19, मिद चैबर्स को०-आ०प० हाउसिंग सोसायटी लि०, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि क्र० स० अई-1ए/1बी/37-ई/10707/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1986 क. रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए/1बी, बम्बई

दिनांक : 5-5-1987

मोहर :

प्रसंग बाइ, डॉ. एम. एच. विनोद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए/1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निदेश सं० अई-1ए/1बी/37-ई/109/86-87— अतः
मुझे, पी० एन० बंसल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 20, सिद्धेंवर्स को—ग्राम० हाउसिंग
सोसायटी लि० कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (और इसमें
उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है। दिनांक 1-9-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवयवान प्रतिफल से, ऐसे अवयवान प्रतिफल का
उन्हें प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अन्तरण लिखित में
आसन्निक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(1) श्री हमीद हसनश्री जिवानी ।

(अन्तरक)

(2) डि इण्डियन होटेल्स कम्पनी लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

मैं यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अवैतन के संबंध में कोई भी जाक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र द्वारा प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

अध्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

लक्षण

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के आविष्य में
कभी कहने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य कार्यालयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूची
में लिखा;

फ्लैट सं० 20, मिद्डेंवर्स को०—ग्राम० हाउसिंग मोसायटी
लि०, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1ए/1बी/37-ई/10708/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए/1बी/बम्बई

दिनांक : 5-5-1987

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व दी उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए/, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निदेश सं० अर्ह-1ए/37-ई/105/12538/86-87—

अतः भूमि, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय सं० 501, 5वीं मंजिल, मेकर
चॉबर -5, नरीमन पांडट, बम्बई-21 में स्थित है (और इसमें
उपायकर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)। और जिसका
करारानामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है। दिनांक 11-9-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से एसे दूसराना प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अतारकी (अतारितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० नाशिर अमहूद और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स यूनिट्रेक लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय सं० 501, 5वीं मंजिल, मेकर चॉबर -5,
नरीमन पांडट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्ह-1ए/37-ई/10710/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 01-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए/बम्बई

दिनांक : 5-5-1987

मोहर :

प्ररूप आर्द्ध-टी.एन.एस.-----

- (1) हरराम मिंग कुलदीर मिंग इस्ट शौर अन्य ।
(अन्तरक)
(2) मलदा लिमिंग निमिटेंड ।
(अन्तरिती)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बावृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

बिंदेश सं., अई-1ए/37-ई/104/12550/86-87—
अतः मुझे, पी० एन० बंसल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उद्दत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायपेम सं० 56, 5वीं मंजिल,
फीप्रेम, हाउस इमारत, नरीमन पांडट, बम्बई-21 में स्थित है
(श्री और इसमें उपाचार्य अनुसूची में श्रीरपूर्ण ज्ञप ने वर्णित है),
और जिसका करार भारा आयकर परिविधि, 1961 की धारा
269 काव्य के अन्तीः बम्बई निमिटेंड नाम प्राप्तिहारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत रो अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण भी लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

१३

(ख) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिहू भारतीय आदान अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयान्वयन करता है।

उक्त वार्तालाई के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आवांछ :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
दर्दात्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर भैपात में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
संस्कृत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याद 20-के में परिभाषित
है, वही अर्थ हैं जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 56, 5वीं मंजिल, फीप्रेम हाउस इमारत,
नरीमन पांडट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैगा कि क्र. मं० अई-1ए/37-ई/10713/
86-87 जौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल,
सक्षम प्राधिकारी
द्वारा आयकर बावृक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1ए/ बम्बई

दिनांक : 5-5-1987

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्राकृत जारी दी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निदेश सं० अई-1ए/37-ई/103/12559/86-87—

अतः मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' यहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, 12वीं मंजिल, मनप्लावर
अपार्टमेंट, कफ पेरेड, बम्बई-5 में स्थित है (ग्रीष्म उपावक्ता
अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है) और जिसका करारना मा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
1-9-1986,

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
व्यापारिक के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरांतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण
निम्निति में अन्तरिक्क कृपा भवित नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हुए दिसी आय को कावल, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शारीरिक में वयों कानून या उपासन वर्षन से सुनिश्चि
त है; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना भावित था, छिपावे में सूचित
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रेखा रमेश नारेकर।

(अन्तरक)

(2) श्री मोईश पंचा और श्रीमती मूरिता पाम० पंचा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, उही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनुसूची

"फ्लैट नं० 2, 12वीं मंजिल, मनप्लावर अपार्टमेंट,
कफ पेरेड, बम्बई-400 005 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1ए/37-ई/10719/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल,

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए बम्बई

दिनांक : 5-5-1987

मोहर :

प्राप्ति आई. टी. एन. एस.

(1) श्री भद्रकुमार मणिलाल शहा ।

(अन्तरक)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 प्र (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जगूभाई कालिदास शहा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनाक 5 मई 1987

निदेश स० अई-1ए/37-ईई/102/12571/86-87—

अतः मझे, पी० एन० बसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट स० 6-बी, दूसरी मजिल, न्यू शालिमार
को०-ग्राम० हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, 91, मरीन ड्राइव
बम्बई-2 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूली में और
पूर्ण स्प से बणित है) और जिसका करारा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 के अधीन; बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 1-9-

1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कोदश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिताओं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
सास्त्रिक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से छुट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किन्तु जाना चाहिए था उक्त प्रकार में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
दायर्घ्यानुसार सूचना देता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास
निहित भैं छिए जा सकेंगे।

सांदर्भिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट स० 6-बी, दूसरी मजिल, न्यू शालिमार को०-ग्राम०
हाउसिंग गोमायटी निं०, 91, मरीन ड्राइव, बम्बई-2 में
स्थित है।

अनुमूली जैसा कि क्र० स० अई-1ए/37-ईई/10721/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1ए, बम्बई

दिनाक : 5-5-1987
मोहर.

द्रष्टव्य लिखा । ह ..

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
वार्ता 269-क (1) का अन्तर्काल:

निवास संस्था ।

कार्यालय, सहायक व्यक्ति का आवृत्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए/ बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मे 1987

निदेश सं ० अई-१ए/३७-६५/१०१/१२८७२/८६-
४८—अत मुझे, पी० ए०, वस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (१) म इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' यहा गया ह), की धारा
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, गट रिवाउ करने वा
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं ० दुकान सं ० २७-ए, तल माला, मेकर आर्केंड
इमारत, मेकर टॉवस, लाट सं ७३ए, ७४, ८३, ८४ और
८५, ब्लाक ५, बक्के रेलमेंट, कफ परेंट, बम्बई-५, में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची म और पूर्ण स्तर से वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 कथ्व के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी वे
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-३-1986

को बुद्धिमत्ता संग्रहीत के 'वृत्त बाज' मूल्य से कम के अधिकान
प्रतिफल के लिए अन्तरोत्तर की भई है और
मूल्य यह विश्वास करने वा वरण है
कि यथार्थवाक्ता सम्पत्ति का दित नाम नया, उसके शब्दों
प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिमान प्राप्ति का दित प्रतिरित में लाभकारी
है और वा नाम (अन्तर्काल) को अन्तरोत्तर के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
ठिकाने सुनकर अनुरण लिखित में बास्तविक, रज्य दृष्टि
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में वसी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए,
और/या

(ख) इसे ५८-६५/३७-६५/१०१/१२८७२/८६-४८
के जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 दृ 11) या उसका अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 दृ 27)
के प्रबोधनार्थ सारोदृती हस्तांतरण के लिए
ग्राहा था या उसका जान चाहहे तो छिपा मा
सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम का वार्ता 269-क के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ का उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) श्री महमद अकबर महमद गूरुक ममालावाला।
(अन्तरक)
- (2) श्री गूरुक इब्राहीम रवंट।
(अन्तरिती)
- (3) अन्नरिती।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है।)

५.१ इस उक्त वार्ता कारके प्राप्ति का लिख
निवास सं ० ११ है।

उक्त अपील के अर्जन का सबूत ये गोरे भी बाक्सेप :—

(१) इस रुक्मा का निवास ये प्रकाशन की तारीख से
४०-५० दो उक्त दो त सम्मान, व्यक्तिगत पर
प्रतिफल के लिए अन्तरोत्तर की भई है
दृ ५ उक्त दो त सम्मान, या अप्रूप व्यक्ति
दृ ३३-३४ दो त सम्मान,

(२) इस बुद्धि का निवास की तारीख से
४० दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
है सौ लक्ष रुपयोगी अपार्टमेंट के पाल
दृ ५ उक्त दो त सम्मान,

तथा अन्तरण ... इसमें प्रयुक्त नदों और गहरों का, जो उक्त
प्राप्ति का दृ ५ दो त सम्मान, या अप्रूप व्यक्ति
है, या, "किंतु या दृ ५ दो त सम्मान,

अनुसूची

दुकान सं ० २७-ए, तल माला, मेकर आर्केंड इमारत,
मेकर नॉर्मर्स, लाट सं ७३ए, ७४, ८३, ८४ प्रोर ८५, ब्लाक
५, वक्के रेलमेंट कफ दरें, बम्बई-५ में स्थित है।

अनुसूची याजा कि के सं ० अई-१ए/३७-६५/१०७२२/
८६-८७ और जा नक्का प्राधिकारी बम्बई डारा दिनांक
१-३-१९८६ को रजिस्टर्ड फिया गया है।

पी० एन० वसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आय नर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१ए, बम्बई

दिनांक ५-५-१९८७

मोहर

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निदेश सं० आई-1ए/37-ई/112/12673/86-87--
श्र. मुमो, पी० एन० बृप्त,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी मं० प्लैट सं० 103, 10वी मजिल, मेहर-
नाश्च, कफ परेड, कुलाबा, बम्बई-5, श्रोपन कार पार्किंग रोड़
के गाथ में भित है (ओर इसे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण स्पष्ट से दर्शित है) और जिसका कगारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई रियल^१
रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
11-9-1986,ओ पूर्णोंकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि थथपूर्वोंकर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं० ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक अद्वितीय सं० अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक स्पष्ट से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के क्षायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
वीर/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर और और अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;अतः वह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा ८—(1) श्री किरीटबुमार जे० कोठारी और श्रीमती वर्षा
के० कोठारी ।

(अन्तरक)

(2) डा० हफीमुद्दीन एम० शेख और श्रीमती श्रायेशा
एच० शेख ।

(अन्तरिती)

(3) सेल्फ-आकुप-इड ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायदाहिया शूल करता है।

उक्ता सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर-
व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्तराकरी के पास
लिया जाए किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरण:—इसां प्रत्यक्त शब्दों और पदों वा, 'जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के ने परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट मं० 103, 10वी मजिल, मेहर-नाश्च, कफ परेड,
कुलाबा, बम्बई-5 और श्रोपन कार पार्किंग स्पेस के साथ
स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र मं० आई-1ए/37-ई/10744/
86-87 ओर जो रक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
11-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।पी० एन० बृप्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1ए, बम्बई

दिनांक : 5-5-1987

मोहर :

श्रृंग बाह०.टी.एन.एस.-----

**ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत उत्तरकाश

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनाक 5 मई 1987

निर्देश स० श्रद्ध-1ए/37-ईई/111/12694/86-87—

अत्र मुझे, पी० एन० बस्त,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
(सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० कार्यालय प्रिमायसेस जो 5वी मजिल पर,
रॅम्पार्ट हाउस, २३पार्ट प्रिमायसेस को०-आॅप० सोकायटी लि०,
रॅम्पार्ट रम, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में
श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका कारण नामा ग्रामकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित
रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक
11-9-1986,

मैं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिक्रिया से अधिक है और उत्तरक (उत्तरकाँ) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसी बन्तरण के जिए तर पाया गया प्रति-
क्रिया, जिसी तरीकत उद्देश्य में उक्त अन्तरण सिद्धि में बास्त-
विक क्षम से कठित रही किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी बाय की, बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहिता
के जिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध आस्तदों
को, जिसके भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम, या
ग्रामकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहों किया जाया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुचिता
के जिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अचान्तः :—

(1) श्री चिन्मार्डि हिमननाल शहा, राजेश सी० शहा,
धरमेश मी० शहा, प्रविणचन्द्र पी० मेहता, सजय
पी० मेहता और राजीव के० मेहता ।
(अन्तरक)

(2) एव्रेस फार्मास्युटीकल्स लिमिटेड

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघित के अचान्त के बिषय
कार्यालयमा शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अचान्त के सम्बन्ध में कोई भी बाध्यता :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते०
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अदर्श बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के बधाय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, उन्हीं के इसी जो उस बधाय में दिया
गया है।

बन्धुवी

कार्यालय प्रिमायसेस जो 5वी मजिल पर, हॉम्पार्ट हाउस,
रमपार्ट प्रिमायसेस को०-आॅप० सोकायटी लि०, रमपार्ट रा०,
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० स० श्रद्ध-1ए/37-ईई/10749/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक
11-9-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बस्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1ए, बम्बई

दिनाक : 5-5-1987

मोहर :

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस. -----

(1) श्री जावन्त गिंग ग्रहलवालिया ।

(अन्तरक)

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मुग्लीधर के० दोदानी, श्री हमूमल दे० दोदानी
और श्री नरीमन के० दोदानी ।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

आयातक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

श्री अर्जन रेज-१८, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निर्देश सं० अई-१०/३७-ईई/११०/८६-८७/१२६९७—
अतः मुझे, पी० एन० बंसल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आवार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० १४-ए, पहली भंजिल, इमारत
जाली मेकर अपार्टमेंट, नं० १, ९५-९६-८७, कफ परेड,
कुलावा, बम्बई-५ में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुमूल्य
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करानामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 कानून के अधीन बम्बई
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
11-9-86,

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित आवार मूल्य से कम के दृष्टिभाव
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित आवार
मूल्य, उसके दृष्टिभाव प्रतिफल से ऐसे दृष्टिभाव प्रतिफल के
पन्हाह प्रतिपत्ति से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरण
सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुरण में हूँ इ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरण के
दृष्टिभाव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुधार
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगभार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिणाने में सुधार
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जति :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्तर्गत सं० कोहै आधीप ८—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन दो अर्धांश या तलावान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्त्विक से 30 दिन की अवधि, जो अर्धांश
वर्षीय आवार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
निर्दिशन नैक्ट ग्रा मर्केंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूल्यी

फ्लैट नं० ११-ए, पहली भंजिल, इमारत जॉली मेकर
अपार्टमेंट नं० १, ९५-९६-९७, कफ परेड, कुलावा, बम्बई-५
में स्थित है ।

अनुमूल्यी जॉली कि क्र० स० अई-१०/३७-ईई-१०७५०/
८६-८७ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-१८, बम्बई

दिनांक : 5-5-1987

मोहर :

प्रकृष्ट प्राप्ति वर्ष ८२ ईम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1A, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निर्देश मा० अई-1A/37-ई/127/12706/86-87—

श्रत मुझे, पी० पन० बग्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्धति 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर भपति, जिनका उचित बाजार मूल 1,00,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मा० कमरा ना० 102, हिमालय हाउस, पलटन रोड, बम्बई-400 001 में स्थित है (और इसे उपापद्ध अनुमती में और पूर्ण रूप से वर्णित है) श्री॒ं जिपका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 वा० के अधीन बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है, दिनांक 18-9-1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरका) और अतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य वा० उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण वा० दूर्दृष्टि वित्ती वाय की व्यवस्था, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दौरान वा० व्यवस्था मूर्च्छी प्राप्त या नाप्राप्त वा० या० मौद्रिक के लिए; और/या

(ख) एग० अक्षमा वाय या किसी तरा० वा० अन्य वास्तविक के, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धा०-का० जोधानाम, 1951 (1951 का 7) वा० अन्याँ अतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा० किया जाय नाप्राप्त वा० लिखित में गविभा वे लिए,

अत अव्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम द्वी धारा 269-वा० की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमनी प्रविणा प्रविणचन्द्र श्राफ़।

(अन्तरक)

(2) श्री नरनोचनकिंग चौधरी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांदे भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि गा० सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त वा० जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूली

कमरा ना० 102, हिमालय हाउस, पलटन रोड, बम्बई-400 001 में स्थित है।

अनुमूली जैसा कि क्र० मा० अई-1A/37-ई/10760/86-87 और जो रक्षम प्राधिकारी वार्ड द्वारा दिनांक 18-9-1986 वा० रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० पन० वप्ल

रक्षम प्राधिकारी

ग्राहक आयकर आयुस्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1A, बम्बई

दिनांक 5-5-1987

मोहर .

प्रकल्प नाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन मुद्रण

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निवेश सं. अई-1ए/37-ईई/131/12779/86-87--

अतः मुझे, पी० एन० बंल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके उपधारे 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी मूल फ्लैट सं. 3, 16वीं मंजिल, मनफ्लावर
हमारत, कफ परेंड, बम्बई-5 में स्थित है (और इसमें उपाखड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) / और जिसका करारनामा,
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कावे के अधीन
बम्बई स्थित उक्त प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
19-9-86,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
करने के कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रख्यमान प्रतिफल से, ऐसे रख्यमान प्रतिफल का
पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया
गया प्रतिफल निर्मालित उदाहरण से उक्त अंतरण लिखित
राज्याधिकरण द्वारा किया गया है ।

(1) श्रीमती स्वरन कपूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आय० वि० पश्चिमकर और श्री विनोद आर०
पश्चिमकर ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के नियम
का अध्याहयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव ॥-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बदल किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के
पास लिलित में किए जा सकेंगे ।प्राप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्या 20-के में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।(क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बताए, व
साथसे भी करने वा दर्जन यज्ञ में संविधा
के नियम, और/या

अनुसूची

(ख) १९३८ वार्षिक आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अंतरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था फिर
उक्त अधिनियम के नियमफ्लैट सं. 3, 16वीं मंजिल, मनफ्लावर हमारत, कफ
परेंड, बम्बई-400 005 में स्थित है ।अनुसूची जै-ा कि क्र० मूल अई-1ए/37-ईई/10772/
86-87 और जो उक्त प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-
9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।पी० एन० बंल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1ए, बम्बई

दिनांक : 5-5-1987

मोहर .

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के उपरी, निर्मालित व्यक्तियों, अर्थात् :—

ग्रन्थ नाम : दी. पंडा. परम. १-२०२०-२१ नं०

(1) श्रीमती मन्दाकिनी कृष्णा आपटे ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नविणचन्द छविलदास शहा और अन्य।
 (अन्तरिती)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमदानी (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए, बम्बई

बस्बई, दिनांक 5 मई 1987

ନିଦେଶ ସ୍ତୋ ଅର୍ଦ୍ଦ-୧୯/୩୭-ଈର୍ଦ୍ଦୀ/୧୦୮/୧୨୫୮୮/୮୬--୮୭--

ਅਤ: ਮੁਸ਼ੇ, ਪੀ. ਏਨ. ਕਮਲ,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषय इसमें एम्पे प्रभारी 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ह के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का आवश्यकारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 25, 4थी मजिल, विष्णु महल, 59 चर्चगेट रेक्लमेशन, डी०-रोड, बम्बई-20 मे स्थित है (प्रौढ़ इपमे उपाख्य अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कब्ज़े के अधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्टर है, दिनांक 19-9-1986,

को पूर्वोंका सम्पत्ति के उभयत बाजार गूल्य से कम के दशरथान्त्र प्रतिष्ठान के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह लिखाने करने का काम है कि धर्मपूर्वक सम्पत्ति का उद्दिष्ट बाजार गूल्य, उच्चका अधिकार प्रतिष्ठान से ऐसे अधिकार प्रतिष्ठान का नमूना प्रतिष्ठान से विभिन्न है और बंदरगढ़ (बातरक) और बंदरिली (बंदरीलीठानी) वे बीज ऐसे कामरण के लिए तब आवा बाबा शहीद-कर्म गिरन्दिविरुद्ध उत्तरेक्षण हैं उक्त बंदरगढ़ लिखित है धर्मपूर्वक यह से कफिल नहीं किया जाना है ॥

को यह सुधारा आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए अपना धम्पत्ति करता है ।

उक्त संपत्ति के वर्जन को संबंध में कोइँ भी वाक्येष ;—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(iv) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानिक रण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

અનુષ્ઠાનિક

फ्लैट मं० 25, 4थी मजिल, विष्णु महल, 59, चर्चगेट
रेक्लमेशन, डी०-रोड, बम्बई-२० में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्री-१ए/३७६६/१०७७४-प/
८६-८७ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी व्यवर्ड द्वारा दिनांक १९-९-
१९८६ को रजिस्टर्ड किया गया है।

(ख) एंसी किसी गाय या किसी घन या अन्य आस्तियों
का, दिव्य वास्तवीक बाबकर संभिन्निकम्। १९२२
(1922 का 11) या उक्त विभिन्निकम्, हा प्र-
प्त विभिन्निकम्, १९५७ (१९५७ का २७) वे
प्रयोगनार्थ नन्तरीर्ही द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया गया थाहा थाही था, जिसमें वे दृष्टिया
गया है।

पी० गन० बैमल
वक्तम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१८, बस्वहड्डी

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए, 1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निर्देश सं. अई-1ए/1बी/37-ईई/119/86-87—अतः
मुझे, पी० एन० बंगल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट सं. 31, विना टावर, सी० एम०
टी० 51 और 1/51, शहीद भगतसिंह, कुलाबा पोष्ट आ॒फिस
के पास, बम्बई-5 में स्थित है (और इनमें उपावड अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित
सक्रम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
11-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हृश्यमान प्रतिफल से ऐसे हृश्यमान प्रतिफल का
पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरक) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृई किसी आय की बाबत उक्त
व्याधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1972) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दिलीप जी० मखिजानी और श्रीमती एल० डी०
मखिजानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मरस्वती बी० मसंद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापार;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
व्याधिनियम के नियम 20-क में यथा परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होते, जो उम अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं. 31, विना टावर, सी० एम० टी० 51 और
1/51, शहीद भगतसिंह, कुलाबा पोस्ट आ॒फिस के पास, बम्बई-
5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. सं. अई-1ए/1बी/37-ईई/10728/
86-87 और जो पक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
11-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए/1बी, बम्बई

दिनांक : 5-5-1987

सोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

आयकर वरदान

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए/1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निदेश सं० अई-1ए/1बी/37-ई/109/86-87—अर्जन:
मुमे, पी० एन० बंगल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसब०
तत्काले पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3, मेकर आकेड, प्लाट सं० 73ए,
74, 83 और 84, ब्लाक-5, बैंकबैंक रेक्लमेशन, कफ परेड, बम्बई-
5 में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण लिपि
से वर्णित है) /और जि का करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 कबूली अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्रॉ है, दिनांक 18-9-1986,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल स, एवं दस्यमान प्रतिफल स/
उसके प्रतिफल से अधिक है और बतरक (बतरको) और बतरिनी
(बतरीरीतमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(a) बम्बई से हुई किसी आय की बाजह उसके
अधिनियम की अधीन कर्त्तव्य के बम्बारक के
अधिक वे कर्त्तव्य द्वारा उसके बतरने में सूचित
के लिए; 300/वा

(b) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचित
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, एवं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तयों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लक्ष्मी पांडा मखिजानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कविता आर० कृपलानी और श्री राम जे०
कृपलानी ।

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती कविता आर० कृपलानी ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)(4) श्रीमती कविता आर० कृपलानी ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आयातित करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोर्ड भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के सारील से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिनियमों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजग्रन्थ में प्रकाशन की सारील से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास¹ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयोक्ता शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान सं० 3, मेकर आकेड, कफ परेड, बम्बई-400 005
में स्थित है।अनुसूची जैन कि कि सं० अई-1ए/1बी/37-ई/10798-
ए/86-87 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
18-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1ए/1बी, बम्बई

दिनांक : 5-5-1987

मोहर :

प्रकल्प काई.टी.ए.एस.

प्राथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वा
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

प्राप्तिकर्ता, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए/1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निवेश सं. ग्रांड-1ए/1बी/37-ई/118/12611-86-87

अतः मुझे, पी० एन० बंसल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पद वाले 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट में 5, 9वीं मंजिल, मतनाम अपार्टमेंट्स,
कफ परेड, कुलावा, बम्बई-5 में स्थित है (और इसमें उपावढ़
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) आंग जिसका वरार-
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269वाँ के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
11-9-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एंसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बातरक (बातरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से सकृत अंतरण कियित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ॥

(*) अन्तरण सं. हुए किसी आय की आवत, दस्यमान प्रतिफल के अधीन कर हमें के अन्तरक वायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बाँर/या

(**) एसी किसी याग या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ये सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री वल्लभदास जे० शहा।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मण रामसिंधानी।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 5 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गम निर्णय में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फ्लैट में 05, 9वीं मंजिल, मतनाम अपार्टमेंट्स, कफ परेड, कुलावा, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. ग्रांड-1ए/1बी/37-ई/10729/86-87 आंग जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए/1बी
बम्बई

दिनांक . 5-5-1987

मोहर :

प्रकल्प काहौं. टी. एव. एव. ---

(1) श्रीमती जमना देवी गोस्वामी ।

(अन्तरक)

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) लौ
धारा 269-व (1) के अधीन उच्चार

(2) मेसर्स प्रोटम इंजीनियरिंग कम्पनी प्राइवेट लि० ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निवेश सं० अर्द्ध-1ए/37-ई/117/12615/86-87—

अतः मुझे, पी० एन० बंसल,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'बाबकर अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी के मह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 7, पहली मंजिल, ठाकुर निवास
को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 173, जमशेटजी टाटा
रोड, बम्बई-20 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूरे रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
के अधीन बम्बई स्थित सक्रम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन धारा 269 का खेद है दिनांक
11-9-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्राप्तिकरण के लिए अन्तरित की गई है और मृके यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का
प्राप्ति प्रतिक्रिया से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हैर किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य जास्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922
पर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

को मह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दर्जे के लिए
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के दृष्टपत्र में प्रकाशन की तारीख 14
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की दामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इह सूचना के दृष्टपत्र में द्रष्टव्य की तारीख 14
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बधाइस्तानी के
पास लिखित में लिख जा सकते हैं।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयोक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त सूचिः-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं,
वही अर्थ द्वारा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 7, पहली मंजिल, ठाकुर निवास को०-आप०
हाउसिंग सोसायटी लि०, 173, जमशेटजी टाटा रोड, बम्बई-
20 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्द्ध-1ए/37-ई/10731/
86-87 और जो सक्रम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1ए०, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 5-5-1987

मोहर :

प्रकृत्य बाई०टी०एन०एस० -----

(1) श्रीमती लीला एम० चन्द्रीगामानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) हिन्दुस्तान लिवर लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निवेदा सं० प्रई-1ए/37-ई/116/12625/86-87—
ग्रतः मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 7, मिस्ट्री कोर्ट, गुलशियाना को०-
आप० हाउसिंग मोसायटी नि�०, 208, दिनशो वाच्छा गोड,
बम्बई-20 में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और
अंतर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 11-9-
1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसी अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक है से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दबने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के व्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहों
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या नस्पत्तमी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में भी किसी अर्द्धता द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हित-
बक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, मिस्ट्री कोर्ट गुलशियाना को०- १५० हाउसिंग
मोसायटी नि�०, 208, दिनशो वाच्छा गोड, बम्बई-20 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० प्रई-1ए/1बी/37-ई/10733/
86-87 ओर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

दिनांक : 5-5-1987

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकृष्ट वाहन, टी. पत्र, पत्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन

भारत चरकार

कार्यसिध्द . महाराज आयकर आयुर्वद (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१ए/१बी, बम्बई

ਕੁਰਬਾਈ, ਦਿਨਾਂ 5 ਮਈ 1987

ନିଦେଶ ମୁଖ୍ୟ-୧୯/୧ବି/୩୭-୯୯/୧୧୪/୮୬-୮୭—ଅନ୍ତର୍ଗତ
ମୁଖ୍ୟ ପାଠୀ ଏନ୍ୟ ବସଲ,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सभी प्राप्तिकारों को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर उम्मति, जिसका उचित आवार मूल्य
1,00,000/- रु में अधिक है

और जिसकी न० फ्लैट सं० 902, 9वी मजिल, जमुना सागर इमारत, कुलाबा पोरट आफिस के सामने, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (आँग इसमें उपावद्ध अनुसूची में शार्प पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयवर अधिनियम, 1961 की धारा 269 वाले के अधीन वर्ष्वर्ष मित्र भवन प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर है, विनाम 11-9-1986,

को पूर्वोंका सम्पर्क के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास करने का अग्रण है कि यथापूर्वोंका सम्पर्क का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तविक रूप से की थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की आवात, उसका निषिद्धाय के अभीन कर इनके व परके रायित्व में कमी करने या उससे बचने में समिक्षा के लिए, और /या

(म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जारीनयं
को जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
शब्दोंनार्थ अन्तर्गत द्वारा एकल नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) मेसर्स पेर्सी एण्ड कमांड रोडलाइन्स प्राइवेट लिमिटेड
(अन्तर्राष्ट्रीय)

(२) श्री रिहंजी बी० आलब्लेस, श्रीमती रोशनांच० आलब्लेस, श्रीमती अभी वाय० अवारा और श्री इडी वाय० एवारा ।

(अन्तरिक्षी)

का यह सूचना जारी करक पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन का सम्बन्ध मा कोइ भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तटसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद से सभा से हाते हा, के भोग्य द्वारा व्यक्तियों में तंत्र किसी व्यक्ति द्वारा,

(स) इस मूल्यना के गणपत्र मा प्रकाशन की सारीख से 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर भवानि भूमि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास लिखित भूमि किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्जों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

三

फ्लैट नं 902, 9वी मजिला, जमुना मार्ग इमारत,
कुलाबा पोस्ट आफिस के सामने कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।
अनुसूची जैसा फ़िक्र सं ० अर्ड-1ए/1वी/37-ई/10739/
86-87 अंग जो सबम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-
1986 को गजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बसल
मक्षम प्राधिकारी

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, सौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपराठ (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निवेश सं० आई-1ए/37-ई/113/12657/86-87—

अतः मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 70 6ठी मंजिल, भारत महल,
86, मरीन ड्राइव, बम्बई-2 में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, दिनांक 11-9-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ह ह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्ननिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या, धन या अन्य आमिलयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, * या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19-96 GI/87

(1) श्री अर्जन आर० टड़न और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकांत टी० वोग और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 70, 6ठी मंजिल, भारती महल, 86, मरीन
ड्राइव, बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ई/10741/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए, बम्बई

दिनांक : 5-5-1987

मोहर :

प्राप्ति आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की
धारा 269-ष के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए, /1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निवेद स० आई-1ए/1बी/37-ई/98ए/86-87—अत
मुझे, पी० एन० बसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट स० 8बी, 8बी मजिन, नालेम को०—
ग्राम० हाउसिंग सोसायटी लिं०, कुलाबा, बम्बई-5 से स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूरी रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 कदम के; अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 11-9-1986

के पब्लिक सम्पत्ति के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उमक दृश्यमान प्रतिफल से, 100 दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति
समिक्षा से अधिक 100 और अंतरक (असंक्षीण) और अतिरिक्त¹
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे प्रतरण के लिए यथा पाया गया प्रातःनृग
निर्मलित उद्देश्य से उक्त अतरण का न्यूनतमा 100 दृश्यमान
है ये कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हैर्स किसी आय के बाबन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बाबन में गविभा
के लिए; ग्रांट/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, शिखाने वाली
के लिए;

अस्त्रै अवै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, प्राप्ति विवित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भास आर० वी० पृ० ३० इन्वेस्टमेंट एण्ड ट्रैडिंग कम्पनी
प्रा० वि०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला बलराम नागपाल।

(अन्तरिती)

कि यह सूचना जारी करके प्रबोच्च सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त एर्सन के लिए मन्त्रम में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्ति इस में समाप्त होती हो, के तहर प्रबोच्च
मन्त्रम से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के तहत उक्त स्थावर अपार्टमेंट में हितदृश्य
किसी एवं अन्य द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखा गया जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया

अनुमूल्य

फैट म० 8बी, 8बी मजिन, नालेम को०—ग्राम० हाउसिंग
सोसायटी लिं०, कुलाबा, बम्बई-6 में स्थित है।

ग्रामूल्य जैमा कि क्र. म० आई-1ए/1बी/37-ई/10736/36-87 और जा० सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
11-9-1986 को निर्दिष्ट द्वारा दिया गया है।

पी० एन० बसल
पक्षम प्राधिकारी
महाप्रक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1ए/1बी, बम्बई

दिनांक 5-5-1987
माहौ

प्रस्तुत लाइन, टॉय इंड. एस. २०१८-१९
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-घ (1) के वर्वीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1ए/1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निदेश सं० अई-१ए/ १वी/ ३७-ईई/ ११५/ ८६-८७—अत मुझे, पी० एन० बंसल,
आयकर अधिनियम, १९६१. (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
१,००,०००/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट सं० ४८, ४वी मजिल, नौप्लेस को०—ग्रा

हाउसिंग सोसायटी लि०, कुलावा, बम्बई
-6 मे स्थित है (ग्रीर इसमे उगाबढ़ अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से गणित ह) और जिवका नामांगन: आपहर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कब्र के ग्रीवी, बम्बई देश सक्षम प्राधिकारी के नामांगन मे रजिस्ट्री है, दिनांक 11-9-1986, क्यों पूर्पोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य स कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल भे एसे उद्यमान प्राप्तिफल का अनुह्य प्रतिशत रे अधिक है और अंतरिक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिये इस पद्धा गया प्रतिफल निर्नालिखित उद्देश्य से उद्देश्य नहीं भूल्य स कमीकृत रूप से कठित हो किया गया है:-

(१) मैसर्स आर० व०१० एस इन्वेस्टमेंट्स एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्रा० लि० ।

(2) श्री बलराज डी० नागपाल ।

(अन्तर्क)

(अन्तरिक्षी)

का वह सूखना बारे करके पूर्वानुसार सम्मति के बर्बन के लिए कार्यवाहीयां शुरू करता है ।

उमरा · सम्प्राप्ति के बर्दन के सम्बन्ध में कोई शी वास्तव न—

(क) इन दुर्घटना के घटपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 15 दिन की अवधि या उसमेंबढ़ी व्यक्तियों पर सुदूरना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अर्थात् लाइ से समस्त होती हो, के भीतर एकोल्स अर्डरहस्तांचे वे से विद्यमान व्यक्तिय द्वारा ये

स्वतंत्रता: इसके प्रबुद्धत लक्ष्य और कार्य का, जो उत्तम विभिन्नतम के बधाय 20-क में परिभाषित हैं, और इसके अन्तर्गत एवं इस अन्तर्गत वर्ग दिवा वर्ग है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
दृष्टिकोण से भारतीय आवकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
दृष्टिकोण से विधम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ ली गया था या
किया जाना चाहिए था, हिपाते में सुविधा
के लिए;

अनसाची

पृष्ठ । , ४५, ४३ मंजिन, लाप्लेस को०-आप हाउर्सिंग सोसायटी पि., कलाबा, बम्बई-६ में स्थित है ।

अत्र सूची त्रैसा कि क० स० ग्रई-1ए/ फ्री/ 37-ईई/ 10787
 86-87 और ज० सक्षम प्राधिकारी बम्बईद्वारा दिनांक 11-9-
 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1ए/1बी, बम्बई

दिनांक 5-5-1987

मोहर :

प्रमुख बाहुदारी पत्र संस्करण

(1) श्रीमती लक्ष्मी आरो हिरानन्दानी और अन्य
(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) गोविंद महल को-आपा० हाउर्सिंग सोसायटी
लिमिटेड ।
(अन्तरिती)

बायकर अधिनियम

सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

श्रीमती अर्जन रेज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निवेश सं० अई-1ए/37-ईई/130/124712/86-87--

अतः मुझे, पी० एन० बंसल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पदबात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट जो 6ठी० मंजिल पर, 61, गोविंद
महल, 86-बी०, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-2 में स्थित है (आंदर
इससे उपाख्य अनुसूची, में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
269 कल्प के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-9-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामात्र प्रतिफल से ऐसे दूसरामात्र प्रतिफल का
मुक्त प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्घोषण से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ इसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बाहरक के दार्शनिक
हो करी बताने वा उससे बदलने में शुद्धिका के लिए;
आर/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी अन्य वासिताओं
को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा वा किसी बाना चाहिए वा, किसाने में शुद्धिका
हो दिया;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
वै, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अवधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहिणी करता है।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
राज्य की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवैध बाव म समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
वरा है।

निम्नसूची

फ्लैट जो 6ठी० मंजिल पर, 61, गोविंद महल, 86-बी०,
नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1ए/37-ईई/10753/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए, बम्बई

दिनांक : 5-5-1987

मोहर ।

प्रलेप आईटी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए, बी बम्बई
बम्बई :दिनांक 5 मई 1987

निर्देश सं० आई-1ए/1बी/37-ईई/129/86-87—अतः मुझे
मझे, पी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 19, तम माला, श्रोका शार्पिंग
सेटर, जी० टी० हास्पीटल, काम्पलैक्स, एल० टी०
मार्ग, बम्बई-1 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में
श्रीर पूर्ण रु० में वर्णित है), और जिसका करानामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक
18-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रार्थित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का
पंचवाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य 'से' उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृ० किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कर्ती करने या उससे बचने में सविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिस्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बास्टे) प्राइवेट लिमिटेड।
(अन्तरक)

(2) श्री राजू डी० शहा, ताराबेन डी० शहा, हरनिश
जे० शहा, बिजल पी० शहा, रमणिकभाई एल०
भसाली, राजेण आर० भसाली और आनंदी बेन
पी० ठाकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमध्ये
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नमूना

इकान नं० 19, तम माला, श्रोका शार्पिंग सेटर, जी०
टी० हास्पीटल काम्पलैक्स, एल० टी० मार्ग, बम्बई-1 में
स्थित है।

अनुसूची जैमा कि क्र० सं० आई-1ए/1बी/37-ईई/10754/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
18-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 ए, बम्बई

दिनांक : 5-5-1987

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती मुमताज बेगम यू० मुकरी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष के अधीन सूचना

(2) प्रा. नारो वल्ल रमल गमचदानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यपालीय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1987

निदेश सं० अई-१ए/३७-ई/१२८/१२७४०/८६-८७—अतः
मुझे, पी० एन० वंसन्आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट न० 5, तम माला, चर्चगेट मैन्यून,
चर्चगेट को-प्राप्त हाउसिंग सोसायटी लि०, १७ए, रोड, चर्चगेट
बम्बई-२० में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक
18-९-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथ्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इथ्यमान प्रतिफल से एसे इथ्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्य में
कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा
के लिए;फ्लैट न० 5, तम माला, चर्चगेट मैन्यून, चर्चगेट को-
प्राप्त हाउसिंग सोसायटी लि०, १७ए, रोड, चर्चगेट, बम्बई-
२० में स्थित है।प्राप्तुवी ऐसा कि क्र. सं. अई-१/३७-ई/१०७५६/
८६-८७ और जो सन्तम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
18-९-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० वंसन्

गक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-ए, बम्बई

दिनांक: 5-५-1987

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्त्ति :—

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) व अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनाक 5 मई, 1987

निदेश सं. अर्द्ध-1ए/37-ईडी/126/12750/86-87—

मुझे, पी० एन० बसौ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसमें फैटेट नं. 26, 4थी मजिल, श्रेयस इमारत
180, मादाग कामा गोड, बम्बई में स्थित है (श्रौत इसमें
उत्तराबद्ध अनुग्रही में प्रौढ़ पूर्ण रूप व्यवस्था है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, खंड
के अधीन बम्बई नियम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है दिनाक 18-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने, का कारण है कि ५ ग्राहन्ति संग्रहीत, ५ अन्तर्गत
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल वा
प्रभ्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में चक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) जगारण रोहर्द किसी आय की बाबत, उक्त
आधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायरेव में कमी करने या उसमें बदलने में संविधा
के लिए; वार/गा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनाथे अतारती इनारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया गाना आदित् था, छिपाने से मर्विधा
के लिए;

अत गब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपलब्ध (1)
के अंतर, मृत्युनोन्नीवा योग्यता, इसे

(1) मीमनी उमिंग जे० कपूर और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री नववरदान पी० शहा और अन्य।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के लिए
अर्पणादियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अर्पणियों व उन्हें किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात
नियमित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसुची

फैटेट नं. 26, 4थी मजिल, श्रेयस इमारत, 180, मवाम
कामा गोड, बम्बई-20 में स्थित है।

मनूसुची जैसा कि क्र० नं. अर्द्ध-1ए/37-ईडी/10763/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक
18-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बसल
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1ए, बम्बई

दिनाक : 5-5-1987
मोहर.

इकाउंड टी. एम्. पुरु. २२२

(1) मैसर्स रेकार्ड्स बिजनेस सिस्टम्स।

(अन्तरक)

(2) बाम्बे चार्टर्ड एकाउंट्स मोसायटी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, वाहनक बाबकर बाजार (विवरीकान)

अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1987

निदेश सं. अई-1ए/37-ईई/125/12762/80-87— अतः
मुझे, पी० एन० बसल;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं. 9, तथा जो चर्चेट मैनेजन, 17 "ए" रोड,
चर्चेट, बम्बई-20 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारामा आयकर
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
दिनांक 19-9-1986

कि पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उच्चवेश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना आहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारस्थाकारी के पास
लिखित में लिए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

9, चर्चेट मैनेजन 17-ए रोड, चर्चेट, बम्बई-20
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. अई-1ए/37-ईई/10768/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
19-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

दिनांक : 5-5-1987

मोहर :

जहां: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकाशन का दौरा प्रति दृश्यम् ॥ ॥ ॥

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
परा 269 वा(1) की वधीय बदलाव

नाम संस्करण

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निदेश सं. अई-1ए/37ई/124 2811/86-87— अतः,
मुझे, पी० एन० बंसल,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की भाग
269-वा की वधीय बदलाव प्राधिकारी को, यह विवरात् करने
का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार भूम्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर-जिसकी संख्या कार्यालय नं. 111, 1ली मंजिल, दालामल
चैंबर्स इमारत न्यू मारीन लाईन, बम्बई-20 में स्थित है
(ग्रीर इससे उपाधि अनुसूची में ग्रीर पूर्ण हप से बर्णित है)
ग्रीर जिसका करारामामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 का, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 19-9-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार भूम्य से कम की व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरात्
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार
भूम्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है वार अन्तरक (अन्तरकों) वार अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप
में है की अधिक नहीं किया जाया है—

(अ) अन्तरण से है किसी जाय की वापर उक्त
अधिनियम की वधीय कर देने के अन्तरक के व्यवस्था
में कमी करने या उससे करने में सुविधा के लिए;
ग्रीर/पा

(ब) ऐसी किसी जाय का किसी भव या अन्य वास्तवियों
को, जिसे भारतीय आवकर अधिनियम, 1922
(1922 का ११) या उक्त अधिनियम, या
एवं-ठर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सविधा के लिए;

बाट: बाट, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा वी व्यवस्था
में, दू०, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की व्यवस्था (1)
में वधीय, निम्नलिखित व्यवितयों, अधीतः—

(1) के० पी० प्रन्थोनी जाय हिज कन्टीट्युटेड मटनी
के० टी० फास्सी०

(अन्तरक)

(2) ज्योत्स्ना वालिया द्रुष्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित की लिए
कार्यवास्तुयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तिभा पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में है०-
वहूँ किसी अन्य व्यक्ति द्वाया अपाहस्ताक्षरी या
पाय लिखित में किय जा सकते हैं।

संक्षेप :—इसने प्रयोक्त संबद्धों और परा का, जो उक्त
अधिनियम, या अध्याय 20-के में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय पर दिया
जाय है।

अनुसूची

कार्यालय नं. 111, 1ली, भंजिल, दालामल चैंबर्स
इमारत, न्यू मारीन लाईन, बम्बई-20 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकि क्र० सं. अई-1/37-ई/10783/
86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक
19-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए, बम्बई

दिनांक : 5-5-1987

सोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निर्देश सं. अई-ए/बी/37-ई/100/12852/86-87—

अस: मुझे पी० एन० बंगल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. ५ लेट नं. ३, जो १३वीं, मंजिल, बसंत अपार्टमेंट, १०१, कफ़ परेड, कुलाबा बम्बई-५ में स्थित है।

(और इससे उपाबड अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

और जिसका करारतनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर है। दिनांक 25-९-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मृक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के सायद्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगेनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वर: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुन्दरी उर्फ नीता एन० गुलराजानी।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्र टा० भाटिया और श्री हरेण्ठाल टी० भाटिया।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों ले रहा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षेत्राधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानिक रूप:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नूसूची

फ्लैट नं. ३, १३वीं, मंजिल, बसंत अपार्टमेंट, १०१, कफ़ परेड कुलाबा, बम्बई-५ में स्थित है।

अनुमूली जैशाकि श० सं. अई-ए/बी/37-ई/10807/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 25-९-1986 को रजिस्टर किया गया है।

पी० एन० बंगल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :— 5-5-1987

मोहर :

प्रस्तुत दाईं, टौ एन. एवं

(1) श्री मती दीपा जनक हाथी रामानी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) आशा प्रकाश तलरेजा और प्रकाश सितल दास
तलरेजा।

(अन्तरितज)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

सारलय, सहायक बाबूदार बाजार (पिरोडी)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई; दिनांक 5 मई 1987

निदेश सं० अई-ए/1961/37-ई/99/86-87—

मुझे पी० एन० बसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशेष इसके अधीन अनुसूचित 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 20 2री, मंजिल, बेला कार्ट नं० 2, कुलाबा काजवे, बम्बई - 5 में स्थित है। (और इससे उपावड अनुसूची और पूण् शप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1962 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित लक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है' दिनांक 25-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि विश्वास करना अनुसूचित अनुसूची अनुसूची अनुसूची (अन्तरितरी) के बीच ऐसे अनुसूची के लिए तक दोनों गया प्रतिफल, निम्नान्तरित उद्देश्य में 3-ए अनुसूची विविध में अनुसूचित रुप से '... नहीं' जाऊ बाहर है ॥

(क) अनुसूची द्वारा दिलाई गयी वाय की वार्षत, उक्त अधिनियम के अधीन कर रहे अनुसूची के वायित वे कहाँ हैं कहाँ जा रहे हैं, जो उक्त अनुसूची के लिए बातें हैं।

(ख) दोनों किसी वाय या किसी धन या अन्य वास्तव्य के विश्वास भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उक्त कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ अनुसूची द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया गया था या उक्त अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

जो वह सूचना आरौ करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वार्षन के लिए कार्यालय करता है।

उक्त सूचना के अर्थन के संबंध वे कोइ भी आवेदन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लाभान्वय या किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में 'पौरीभाषित' है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 20, 2री, मंजिल, बेला कार्ट नं० 2, कुलाबा काजवे, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैराफ़ि क० सं० अई-ए/37-ई/10808/86-87 और जो लक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-1986। को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7,

अत. अब, उक्त अधिनियम का वाय 209-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

दिनांक :— 5-5-1987

मोहर.—

प्रस्तुत आइ. टी. एन. एस.-----

(1) प्रशान्त नाथमल सोमानी और अन्य।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-क (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

(2) कोमेट स्टेल्स लिमिटेड।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निवेश सं. अई-1ए/37-ई/96/12881-86-87

अतः मुझे पी० एन. बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-क के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थाकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति जिसका विम्बार 3310 चौरस फुट है।
जो 10वीं, मंजिल दक्षिण पूर्व विंग, चन्द्र मुखी इमारत, बी-
ब्लाक, प्लाट नं० 10 नया प्लाट नं० 316 बक्बे, रेक्लमेशन,
बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारानामा आयकर अधिनियम 1961 श्री धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्रम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है। दिनांक
25-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से एंसे इयमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन रेंज-1ए, बम्बई :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममृसूची

ममृसूची जिसका विम्बार 3310 चौरस फुट है जो 10 वीं, मंजिल, दक्षिण पूर्व विंग, चन्द्र मुखी इमारत बी-ब्लाक प्लाट नं० 10, नया प्लाट नं० 316, बक्बे, रेक्लमेशन, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकि श्र० स० अई-1ए/37-ई/10818/86-87 और जो सक्रम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

तारीख 5-5-1987

मोहर :—

संक्षेप वाइरेस्ट द्वारा प्राप्त सूचना

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आवृत्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निदेश सं. अर्ह-1ए/37-ई/973-1287/86-87—

अत मुझे पी० एन० बसल

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उक्त के पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. कार्यालय प्रिमायसेस नं. 108, 10वी, मंजिल
जाली, मेकर चेमर्स नं. 2, डमारत प्लाट नं. 225 बॉक्से
रेक्सलमेशन, नरीमन पाइट बम्बई-21 में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका
करारनामा आवकर अधिनियम 1961 द्वी धारा 269 का
क. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है। दिनांक 25-9-1986

की प्रावेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि वाधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अव्याप्ति प्रतिफल से, ऐसे अव्याप्ति प्रतिफल का
गद्दह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती
(अतरितिदों) के बीच एवं बन्धारण के लिए सूच दाया क्या
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है—

(क) बन्धारण से हुई किसी बाय की शावत, उक्त
अधिनियम की अधीन वरदाने के अतरक
वायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) एकी किसी बाय या किसी धन या बन्ध सास्त्रियों
को, बिल्कुल भारतीय आवकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगवार्ष अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था वा किसी आमा जाहिए था छिपाने में
कानूनी था लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की अनुमति
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिसि—

(1) भारत कामर्स इण्डस्ट्रिज लिमिटेड।

(अतरक)

(2) केसवोरमा इण्डस्ट्रिज लिं. (पहले केसोराम
इण्डस्ट्रिज एण्ड काटन मिल्स लिं.) से पहचानी
जावी ही।

(अन्तरिती)

को मह सूचना भारी करके प्रावेक्त सम्पत्ति के अवन के लिए
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवन के संबंध में कोई भी वाक्येप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दाव में समाप्त होती है, के भीतर प्रावेक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति, में हिस-
वद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोक्षेत्रकारी के पात
निवेदित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण—इसमें प्रयुक्त साम्बों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है,
वही वर्ष होता है जो उस अध्याय में किया गया है।

ननूस्त्री

कार्यालय नं. 108, 10वी, मंजिल जाली मेकर चेवर
नं. 2 डमारत, प्लाट नं. 225, बॉक्से रेक्सलमेशन, नरीमन पाइट
बम्बई-21 में स्थित है।

अनुमूल्यी जसाकि श्र० सं. अर्ह-1ए/37-ई/10814/
86-88 और जो भक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
25-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक — 5-5-1987

मोहर T

प्रकाश नाईंदी. पुस्तक. एवं. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
भारा 269-ए (1) से वधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निवेद सं० अर्द्ध-1ए/37-ई/1/6ए 12908/86-87-

अस्त: मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के वधीन संभव प्राधिकारी को यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 30 प्रतिशत हिस्सा जो कार्यालय प्रिमायसेस नं० 707, में, जो 7वीं, मंजिल रहेजा मेटर, 214 नगीमन पाइट बम्बई-21 में स्थित है (और इसमें उपावड अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के खंड के अधीन बम्बई स्थित संभव प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 25-9-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभै यह विवाह करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अवधार प्रतिफल से, एसे इष्टवाल प्रतिफल का पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तराल) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच ऐसे वस्तुरण के बिए वधाया गया प्रतिफल, विनालिंगित उपचारों से उचित बनाए गिरित में वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :—

(क) वस्तुरण से हटे किसी बाय की वापर, उपचार अन्तरितम के व्यापक रूप हरे वे सम्बन्ध अविवरण से कमी करने वा उपचार उपचार से अधिकारों के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, विशेष आरोप वाल-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा वाल-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के व्यावधार्म अन्तरिती व्यापार प्रकट गहरी किया गया था कि वा जाता चाहिए था, किपाने के लाभों के लिए;

वधायक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, विनालिंगित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रेणिक जयंतीलाल जैन।

(अन्तरक)

(2) मेसंस किशना इन्हेस्टमेंट एण्ड ट्रेडिंग कंपनी प्राइवेट लिं.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों द्वारा करता है।

उक्त संघित के अर्जन कोइ भी आपेक्षा

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वधीय या उसके अंतीम व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की वधीय, जो भी वधीय वाल में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राष्ट्रपति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवधू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमति

30 प्रतिशत हिस्सा जो कार्यालय प्रिमायसेस नं० 707 में जो 7वीं, मंजिल रहेजा मेटर, 24 नगीमन पाइट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुमति जैमाकि श० स० अर्द्ध-1ए/37-ई/10823/ 86-87 और जो संभव प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल
संभव प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

दिनांक: 5-5-1987

मोहर:

प्रस्तुत आठ० टी. एन. एस.—

(1) मेरमं जे० एम० इंटरनेशनल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) मिडिस्ट कल्सलन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निवेदा मं० आई-1ए/37-ई/95/12911/86-87—अत मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० कार्यालय प्रिमायसेस नं० 144, 14वी मंजिल, अटलाटा नगरीमन पाइट, बम्बई-21 में स्थित है (और इसे उपायकर अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका कागरनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के व्य के अधीन बम्बई स्थित सम्भव प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर है दिनांक 25-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरिक्ती (अतिरितीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकारी नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थी अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तायों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भी में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 144, 14वी, मंजिल, अटलाटा, नगरीमन पाइट, बम्बई-21 में स्थित है।
अनुमूल्य जैमाकि क्र० स० आई-1ए/37-ई/10825/
86-87 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
25-9-1986 को रजिस्टर किया गया है।

पी० एन० बंसल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1ए, बम्बई

दिनांक 5-5-1987

मोहूः—

प्रधान वाइ. टी., एन. एस., बृहदीश्वर
प्रधान वाइ. टी., एन. एस., बृहदीश्वर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
भारा 269-व (1) को अधीन सूचना

भारत प्रांत

अधीन संकेत, आयकर अधीन सूचना (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1987

निवेश सं० प्रई-1ए37-ईई/94/12914/86-87—

प्रतः मुझे, पी० एन० बसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा जाया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
प्रयत्न है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार बृद्धि
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट न 102, 10वी, मजिल, मेहर दाद
को० आप० हाउसिंग सोसायटी कफ परेड बम्बई-5 में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में भर पूर्ण रूप से वर्णित है)

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की भारा
269-व, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-
लय में रजिस्ट्री है। दिनांक 25-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गूँथ से कम के उत्तमान
प्रतिफल की लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उत्तमान प्रतिफल से एसे उत्तमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिक्षीय (अंतरिक्षियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) एकी किसी बाय का किसी भन या बन्ध आसेतायी
को बिहु भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रतिवर्ती अन्तरिक्षीय सूचना प्रकट नहीं किया गया
या या किसी बाना काहिए था, जिसने में सुविधा
के लिए

बहु बच, उक्त अधिनियम को भारा 269-व के अनुसूचणा
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्पीत—

(1) श्री नोब्सर मोराक्जी और श्रीमती विरा नोब्सर
दरोगा।

(अन्तरक)

(2) श्री मती सुहासिनी केकी श्राफ और श्री केकी
आर० श्राफ।

(अन्तरिक्षीय)

(3) अन्तरिक्षीय।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यान्वयन करता है।

उक्त संपत्ति की वर्तमान वै वर्तमान में बार्ड भी बाजार में

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा उत्तमानी अविकल्पी 19
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो वे भीतर पूर्वोक्त
अविकल्पी में से किसी अविकल द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धुभ
किसी अन्य अविकल द्वारा अभोहस्ताकारी के पास
सिविक्षण में किए जा सकते।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-व में पर्याप्तिक
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 102, 10 वी, मजिल, मेहर-दाद को०-आप०

हाउसिंग सोसायटी, कफ परेड बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० स० प्रई-1ए37-ईई/10827
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
25-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बसल

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए, बम्बई

दिनांक 5-5-1987

मोहर :

इसमें शाही दी.एन.एच.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक व्यायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निवेद सं. आई.ए.ए. सी.ए/एक्यू.०/३/ए आर.०३/९-८६/
16—अतः मुझे, सुभाष कुमार,

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1/8 अविभाज्य शेयर 74, जनपथ, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सितम्बर, 1986

नो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
मनुष्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तड़
गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदादेश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिये के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
शक्ति के लिए; और/या

(ख) एसी किसी भाव या किसी भन या अन्य वास्तवियों
के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इतारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, इत्यादि में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

21—96 GI/87

(1) कंवर सेन साहनी के० यू०-९९, कवि नगर, गाजियाबाद
(अन्तरक)(2) श्री एम० एल० खन्ना, 74-जन पथ, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वे विषय
कार्यवाहीयां पूछ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्वाक्षरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृतसूची

1/8 अविभाज्य शेयर, 74 जनपथ, नई दिल्ली ।

सुभाष कुमार
मक्कम प्राधिकारी
महायक व्यायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्य०० /३/एस० आर०-३/

9-86/17—अतः मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्राप्टी बीयरिंग नं० 17, सुन्दर नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से ह्रौद्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दी विवेणी हंजीतियरिंग वर्क्स लि०, कैलाश, दूसर
खण्ड, 26-कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली द्वारा
आर० ए० ल० माहनी कम्पनी मेकेटरी।

(अन्तरक)

(2) कामिनी उपास्कर लि०, कैलाश दूसर खण्ड, 26-
कम्प्ट्ररबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सुभाष कुमार

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)*

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/ 3/37जे/9-86/

18—अतः मुझे, सुभाष कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० 1/8 भाग अविभाज्य शेयर 74, जनपथ, नई
दिल्ली में स्थित है (श्रौत इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), निस्त्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

मो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से एसे छयमान प्रतिफल का
बहुत अतिशय से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण को जिए तय काया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिमित में
प्रास्ताविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्य में
कमी करने या उससे बचने में तुलिधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
भा या किया जाना आहिए था, छिपाते में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

(1) सतीश कुमार साहनी, सी-51, निजामुद्दीन ईस्ट,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मदन लाल खन्ना, 74, जनपथ नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में दीर्घावित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

1/8 भाग अविभाज्य शेयर 74 जनपथ, नई दिल्ली।

सुभाष कुमार
सभम प्राधिकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
 नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /ए.क्य०/३/ एम० आर०/०
 37-जी/१८६/१९—ग्रतः मुझे, सुभाष कुमार,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 1/8 अविभाज्य शेयर 74, जनपथ, नई दिल्ली
 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 तारीख मितम्बर, 1986

को पूर्वोंत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
 प्रतिफल है लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा
 ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
 रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए।

गतः आब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारार (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) अनिल कुमार माहनी, सी-565, न्यू फ्रेडम कालोनी
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मदन लाल खन्ना, 74, जनपथ, नई दिल्ली।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यालयों करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/8, अविभाज्य शेयर 74, जनपथ, नई दिल्ली।

सुभाष कुमार
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंजबर्ग, 4/14 आसफ़ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निर्देश मा० आई० ए० सी०/एक्य०-7/3/एस० आर०-3/

986/20—अत मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संकेत अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सा० 1/8 अविभाज्य घोयर 74, जनपथ नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचांग प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अहरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(ए) बल्लरन वे हूँ जिसी बाब की बायत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में बाही करने पा सक्ते वा ऐसे में भवित्व के सिए;
लौ/का

(ब) एतो जिसी बाब का जिसी रूप का बाब बासितवा
का, जिन्हे भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, बा
ब-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा वा किया जाना चाहिए वा, कियाजे में दृष्टिभा
व निहं;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) प्रेम कुमार साहनी बी-425, न्यू फ्रेड्स कालानी
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मदन नाल खन्ना 74, जनपथ, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्बनाहियों द्वारा कराया गया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, वो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
है, वही वर्ष होगा जो उस व्यापार में विद्या
रक्षा है।

नमूदः

1/8 अभिवभाग तादादी 972 वर्ग गज 74, जनपथ, नई
दिल्ली ।

सुभाष कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-119002

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्रधन मासू.टौ.एस.एस. ——————
 वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्री रे ज-१ ज 13 ग्राउंड इलोर सी; आर बिल्डिंग हॉल्ड प्रस्थान
 स्टेडन ई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/३/ एस० आर०/३/
 ९-८६/२२—अतः मुझे, सुभाष कुमार,
 वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु. 1,00,000/- से अधिक है।
 और जिसकी सं० 52-सुन्दर नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीब मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और जूँके यह विवास करने का कारण है कि शापूर्वोक्सि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके छव्यमान प्रतिफल से ऐसे छव्यमान प्रतिफल के पांचवें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरम से हूँ इसी किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वामिक्ष में कभी करने या उससे बचने से 'सूचिभा के लिए; और/या

अनुसूची

52-सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(घ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाय इष्ट महों किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जिनमें से सूचिता हो लिए;

प्रधन मंत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के दस्तरम में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मोटर एंड जनरल फायरेंस लिंग, एम० ज० एफ० हाउस, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।
 (अन्तरक)
 (2) अश्विनी शंकर, 53-बी, गोल्फ लिंग, नई दिल्ली।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना बाती करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित अधिकारी को भूक करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित जै संबंध में कोई भी आधेप :—

- (क) इस सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्संबंधी व्यक्तियों पर अपना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद वे बाबत होती है, वे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से ते किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा व्याय व्यापक अन्तराली के पाल निवारण में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यानुसार :—इसमें प्रयुक्त वाक्यों वार पढ़ो जा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित हैं, वही वर्ष क्षेत्र, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

सुभाष कुमार
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली 119002

तारीख : 12-5-1987
 पोहर :

प्रलूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, 4 14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं 0 आई-ए० सी०/एक्य०/3/एस० आर०-3/9-86/

57—अतः मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० सी०, तादादी 927 वर्ग फिट चौथा खण्ड, प्राप्टी नं० 10203 खसरा नं० 1473/1257 एस० नई बाला, स्कीम करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णलूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 86

कों पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंसर्टित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिक्ती (अन्तरिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रोत्तफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण सं हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम और अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्दरण में, मैं, गवर्नर अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेमर्म निर्कारी पलांर और वेजिटेवल आईल इण्ड-स्ट्रीज, पंजीकृत बी-1, लारेंस रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) रवि कुमार बंसल सुपुत्र नाम भल बंसल निवासी-एल० 26, कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिक्ती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सदी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किरी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उद्देश्यकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गृ. १ परिभास्त हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

फ्लेट नं० सी०, तादादी 927 वर्ग फिट। चौथा खण्ड, प्राप्टी बियरिंग नं० 10203 खसरा नं० 1473/1257, ब्लाक एस०, नई बाला स्कीम, करोल बाग, नई दिल्ली ।

सुभाष कुमार
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्लीनई दिल्ली 2110002

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्रकरण नामः ई.टी.एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत उच्चार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

4/14ए, आमफ अलो रोड, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए क्य०/३/एम० आर०/३/
९-८६/५८—अत् मुझे, मुभाष कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1.00,000/- रु. ने अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक एस० नाई बाला स्कीम, गुरुद्वारा रोड,
करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूल्य
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इथमान प्रतिफल से, एसे इथमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रती (अंतरितायों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए यह पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ इ किसी आव की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अतरक के बायित्व में
कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आव या किसी भन या बन्ध बास्तवों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया था, छिपाने में सुविधा के लिए,

बतः बद, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुभवण
में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) निरकारी फ्लोर एण्ड वेजीटेबल आयल इण्डस्ट्रीज
प्रा० लि०, बी-१, लारे स रोड, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) प्रवीण कुमार बमल सुपुत्र राज भानु गुप्ता निवासी—
एल० 26, कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अचन के संबंध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताधरी के पास लिखित में
लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

फ्लेट न० बी, नादादी 1631 वर्ड फीट चौशा ब्लॉक, रापटी
बियरिंग न० 10203, खसरा न० 1437/1257/ब्लाक एम०
नाई बाला स्कीम, गुरुद्वारा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली ।

मुभाष कुमार
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002
तारीख : 12-5-1987
मोहर :

प्रकाश आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारत 269-प (1) के अधीन दृष्टि

भारत वरकर

कार्यालय, बहुयक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज 3, 4/14ए प्रामाण अमों रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/ग्रूप०/3/प्रम आर-३/
१४६३/५९—अतः मुझे, सुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवर इसमें
दृष्टि वरकर 'उत्तर अधिनियम' कहा जाय है), की भारत
269-प के अधीन दृष्टि प्राधिकारी के वह विषयात्मक कानून
है कि स्थावर सम्पत्ति; विसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो फैलैट नं० ए०
तादादी 1594 वर्ग फीट औथा खंड प्राप्ती विवरिंग नं०
10203 खासरा नं० 1473/1257 छालक एस नाई बाजा
स्कीम, नई दिल्ली करोल बाग, नई दिल्ली (गुरुद्वारा रोड)
में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण न्यू
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का
16) के अधीन तारीख मितम्बर 1986

वह पूर्वोक्त दृष्टित के उचित बाजार मूल्य से कम के वस्त्राल
प्रतिक्रिया के लिए अंतरित की गई है और मुझे वह विषयात्मक कानून
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
इसके वस्त्राल प्रतिक्रिया से, दोसों वस्त्राल प्रतिक्रिया का वस्त्र
शीठित है और वस्त्राल (वस्त्ररक्षा) और अंतरिती
(वस्त्रालिहिती) को दोनों दोसों वस्त्ररक्षा के लिए उभयं वापा वया
प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित हैं
प्राप्तिकरण कर से कठिन नहीं किया जाय है।

(क) अन्तरण से हृदृ किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्य
में कभी करने या उससे बचने में सूचिभा के लिए;
और/या

(ख) दोसों किसी जाय का किसी दो या अन्य आस्तीयों
को विद्यु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उक्त
कर अधिनियम, 1957 (1957 का २७) वे
इकोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया जाय
का या किया जाना आविष्ट या, विषय ते परिचा
है किया।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिकृत :—
22-96 GI/87

(1) निरकार फलोर एंड वेजिटेबल आइल इंडस्ट्रीज
प्रा० लि०, बी०-१, लारेंस रोड, दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेम लता पत्नी श्री राजभान गुप्ता एल-
26, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
हार्डवाइरों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या सप्ताहांशी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
प्रियसी वस्त्र अविक्त द्वारा अभोहस्ताकरी के बारे
मिहित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जाय है।

मन्त्रसूची

फैलैट नं० ए, तादादी 1594, वर्ग फीट औथा खंड,
प्राप्ती विवरिंग नं० 10203, खासरा नं० 1473/अलाक
नं० एस०, नाइवाला स्कीम गुरुद्वारा रोड, करोल बाग, नई
दिल्ली।

सुभाष कुमार

मन्त्रम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-3, 4/14ए, आम स्ट्रीट, रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निकेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/एस आर-२/

९-८६/६०—अतः मुझे मुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ह तथा जो 1/5 भाग 9, नार्थ
एविन्यू, वेस्ट एवेन्यू, पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
मितम्बर 1986

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ह्रदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में संविधा के
आर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना आहिए था, छिपाने में संविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रघुबीर सिंह ७३, सहकारी अपार्टमेंट, दिल्ली
(अन्तरक),

(2) श्री सत्यावती हीरा लाल अरोडा अमीता अरोडा,
वर्षा अरोडा, और मास्टर सचीन अरोडा ९
नार्थ वेस्ट एविन्यू, पंजाबी बाग, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कार्ड भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी तथा व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/5 भाग, प्राप्टी नं० नार्थ एवेन्यू, वेस्ट, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

मुभाष कुमार
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
श्रजन रेंज 3, दिल्ली-110002

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज-3, 4/14ए अमंक अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, विनांक 12 भई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस आर-३/
९-८६/६१—अतः मुझे सुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० है तथा जो 1/5 भाग प्राप्ती
नं०, नार्थ वेस्ट एविन्यू, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित
है (प्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से एसे छयमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रविन्द्र सिंह, ए-20, स्वास्थ्य विहार, नई
दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमति सत्यावती 2 हीरालाल 3 अमीता अरोड़ा
4 श्रीमति वर्षा 5 मास्टर सचिन, 6 निवासी-9,
एन डब्ल्यू ए, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी त्य के व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/5 शेयर प्राप्ती नं० ९, एन० डब्ल्यू ए, पंजाबी
बाग नई दिल्ली।

मुझे सुभाष कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली-110002

तारीख : 12-5-1987

मंहर :

प्रस्तुत आर्द्ध-टी.एन.एस.-----

(1) श्री श्यामपूर्णा सिंह 92 माधवन नई दिल्ली-93
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा)
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, 4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली दिनांक 12 मई 1987

निवेश आर्द्ध० ए० सी०/एक्य००/३/एस आर-२/९-८६/
६२—अतः मुझे मुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ५ भाग प्राप्ती है तथा जो 1/5 भाग प्राप्ती
नं० ९ पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपादान अनुपूर्वी में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से एसे छयमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-दर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(2) श्रीमति सत्यावती 2 हीरा लाल 3 अमीता
अरोड़ा 4 वर्षा अरोड़ा 5 मास्टर सचिन अरोड़ा
निवासी-९ पंजाबी बाग नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्वध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृत्यु

1/5 अविभाष्य शेयर प्राप्ती नं० ९ एन डब्ल्यू ए,
पंजाबी बाग नई दिल्ली।

मुभाष कुमार
मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-5-1987
मोहर :

राज्य वादें वीच पत्र एवं चुनाव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज 3, 4/14ए आमक्र मली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निवेश सं 3 आई० ए० मी०/इच्छ्य०/3/एस आर-2/9-86/63—

अतः मुझे, सुभाष कुमार,

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा-
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि उक्त समाप्ति, जिसका उचित बाजार प्रदान
 1,00,000/- रु. से अधिक है**

और जिसकी संज्ञा है तथा जो 1/5 भाग नं०
 9, पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद
 अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड न्यौ
 अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीर्ड रजिस्ट्रीर्ड
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
 मुझे यह निश्चास करने का कारण है
 कि यह पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान
 प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक
 है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितीयों) के बीच
 ऐसे अंतरण के लिए हाय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
 से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से की भित्ति नहीं किया
 गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी वाय की वायत, उक्त
 अधिनियम के वीच लाउ एवं वे बहुत वे
 वायित्व वे कामे वा उचित वर्तने में सुविधा
 वे लिए; और/वा-

अनुसूची

(ब) किसी किसी वाय या किसी भन वा अन्य आंसूसयों
 वा जिन्हे भारतीय आब-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा
 अब-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के अनुपरार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया
 गया वा वा किया गया चाहिए वा, जिन्हे वे
 दूरित्वा के लिए;

सुभाष कुमार
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-3, दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. महिन्द्र सिंह,
 126, डिकेम कालोनी,
 नई दिल्ली।

2. सत्यावनी, हीरा लाल, अमीता सकीच
 9, नार्थ वेस्ट एवेन्यू, दिल्ली।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येषु :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस दृष्टि के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ये
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 दूष किसी वन्य अविक्षित द्वारा, ज्ञाहेस्तानी वा
 शास्त्रिक भौतिक भौतिक वा सूक्ष्मों

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, पहीं वर्ष होते हो जस अध्याय में दिये
 गया हैं।

1/5, शेयर प्राप्ती नं० 9, नार्थ एवेन्यू (वेस्ट),
 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

दिनांक : 12-5-1986
 मोहर :

प्रख्युप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेज 3 4/14ए प्रामाण ब्रली रोड, नई दिल्ली,
नई दिल्ली, विनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई ए० सी०/डब्ल्यू०/३/एस० आर-२/९-८६/

६४—अतः मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्राप्ती नं० 4/78 है तथा जो
पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (अर इससे उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप 'से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आयी या किसी भत या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. एस० हन्द्रजीत सिंह, और
एस० प्रीतपाल सिंह
सुपुत्र एस० दौलत सिंह,
4/78 पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री श्रीमप्रकाश जजोदिया
स्वर्गीय मदनलाल जजोदिया
निवासी-निवास्वर ब्रिंहिंग, 28 बी थियेटर रोड,
कलकत्ता-17।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छिपावद्ध
किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 अविभाज्य शेयर प्राप्ती नं० 4/78, पंजाबी
बाग, नई दिल्ली।

सुभाष कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, दिल्ली

विनांक: 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

4/14ए, आसफ अली रोड, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
नई विल्सी, दिनांक 12 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस०/३/एस आर-२/९-८६/

६५—अतः मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो प्राप्ती नं० 4/78,
पंजाबी बाग नई विल्सी। 1/4 भाग में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध आनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
ररी प्रोटोकॉल के अधीन अधिकार अधिकारी के कार्यालय
मदारा प्राप्त आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रयोग, नारीब मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिक्ती
(अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ अक्षर किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;—

1. एस० इन्दरजीत सिंह और
प्रीतपाल सिंह सुपुत्र एम० द्वौलस मिह
4/78 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. कैलाश जजोदिया

सुपुत्र स्वर्गीय श्री मदन लाल
निवासी—निलम्बर विल्डिंग, 28/बी, थियेटर रोड,
कलकत्ता-17।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 अविभाज्य शेयर 1 प्राप्ती नं० 4/78, पंजाबी
बाग, नई दिल्ली।

सुभाष कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

चोहर घ.

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश मं० आर्हा० ए० एस०/डब्ल्यू०/३/एस आर-२/८-८६/

६६:—अतः मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या 4/73, है तथा जो पंजाबी वाग नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय नई विल्ली में रजिस्टर करण आधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पम्पा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. एस० इन्वर जीत सिंह और
एम० प्रतिपाल सिंह सुपुत्र
स्वर्गीय एस० दीलत सिंह
निवासी 4/78, पंजाबी वाग, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. सुशील कुमार जजोदिया
सुपुत्र स्वर्गीय मदन लाल जजोदिया
निवासी-निलाम्बर विल्डिंग, 26 सी, थियेटर रोड,
कलकत्ता-17।
(अन्तरिती)

मैं यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विकास के लिए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

1/4 अविभाज्य शेयर प्राप्ती नं० 4/78, पंजाबी वाग, नई दिल्ली।

सुभाष कुमार
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर निरीक्षण
अर्जन रेंज-3, दिल्ली-110002

दिनांक 12-5-1987
मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं ० आई० प० सी०/एवू०/३/एस० आर-२/७-
८६/६७— अत. मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संष्करण है तथा जो 1/4 अविभाज्य शेयर प्राप्ती नं ० 4/78, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (आंदेर इसमें उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीड रजिस्ट्रीबल अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीबल अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंचव ग्रन्थि अधिक है और आरक (अंतर्गत) और अंतरिती अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रक्रिया नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, इष्याने में सुविधा के लिए;

1 इन्दर जीत मिह और प्रीतपाल मिह,
सुपुत्र स्वर्गीय एम० दोलत मिह,
निवासी ४/७२, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती दुर्गा देवी जोजिदिया

पहनी स्वर्गीय मदन लाल
निवासी—निलाम्बर बिल्डिंग, 28 बी, थियेटर रोड,
कलकत्ता।

(ग्रन्तरक्ति)

को यह सूचना जारी करने के पूर्वोक्त समातित अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

दूसरा पर्यावरण अन्तर्गत संवधन में काह भी बाध्य —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी उचित बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(प) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संपर्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 अविभाज्य शेयर 1 प्राप्ती नं ० 4/78, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

सुभाष कुमार,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

माहूर :

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित वक्तियों, अर्थ है :—

23—96 GI/87

प्रस्तुत भाई. डॉ. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर वायूकर्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निर्देश सं० आई० प० सी०/एक्यू-७/३ एस० आर०-२/
९-८६/७०—अतः मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो प्राप्ती नं० 37/44 तादादी 275.44 वर्ग गज में स्थित है और इसमें उपाखद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण

अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम ले छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का अन्तर अतिशय से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक रूप में कार्यकृत नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से ही किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा में लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी घन या अन्य बास्तियों को, जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहुए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की जणधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सत्य पाल नारंग पुत्र श्री चमन लाल
47/44 पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. एस० जमबीर सिंह, सुपुत्र एस० मेहर सिंह
42/52 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आधार :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससे अधिकतमों पहुंचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के ग्राम भौजारा में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पूर्ण ग्राउण्ड खण्ड साथ में अविभाज्य क्षेत्र प्राप्ती नं० 37/44 तादादी 275.44 वर्ग गज पंजाबी बाग नई दिल्ली।

सुभाष कुमार

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-7, नई दिल्ली 110002

दिनांक: 12-5-1987

माहेश :

प्रस्तुत वाइ', टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
'69 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

सं० आई० ए० सी०/एक्यू-7/3/एस आर-2/9-86/

71—अन्: मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीव जिसकी संख्या प्रो० नं० 37/44 है, तथा जो पंजाबी
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (प्रीव इसमें उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मिलम्बर,
1986।

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वासांशक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कहु देने के अन्तरक और
वासांश दो कमी कहुने या उससे बचने में सूचित
करने का;

(घ) ऐसे किसी आय या किसी भत्ता या अन्य कास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उससे अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
की लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपेक्षा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सम्पादन नारंग पुत्र श्री चमन लाल,
निवासी 37/44, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. सरदार गुरबचन सिंह पुत्र सरदार मेहर मिह
निवासी-42/52, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से विस्तीर्ण व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के द्वारा
तिलित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृदुली

पूर्ण ग्राउण्ड खण्ड साथ में अविभाज्य क्षेत्र व प्रो०
नं० 37/44, तादादी 275.44 वर्ग गज, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

सुभाष कुमार,
सभी प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-7 नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

मोहर:

प्रकृष्ट बाईंटी पर. ५४

**आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भाग 269-ए (1) के अधीन सूचना**

आवकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आवकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

मं. आई० प० सी०/एक्य०/३—एम० आर—२/९—८६/

७२—अतः मुझे, सुभाष कुमार,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें उक्ते पदावात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), को भाग 269-ए के अधीन समाप्त प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या 1/6 भाग 4/12 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली तावादी 227 .58 वर्ग गज में स्थित है (और इससे उपावाह अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया जाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण दिल्ली वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाता है :—

(अ) अन्तरण पुँ हुए किसी वाय की वाय, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वा लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चरन मिह सुपुत्र श्री बी० एम० राम
निवासी 4/12, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. एस० क० गुप्ता सुपुत्र श्री काली राम
4/12, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए जारीकरिया करसा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांड़ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उपरपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाल वा समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरण :—इसमें प्रदूषित सब्दों और पर्याप्त को उक्त अधिनियम, के व्याय 20-क में पर्याप्त है, वही वर्त्त हाया है उस प्रधान में दिया गया है।

अमृसूची

1/6 शेपर प्राप्टी नं० 4/12, तावादी 2247.58
वर्ग गज पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

सुभाष कुमार,
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

मोहर: ।

प्राप्ति बाई.टी.ए.एस

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत वरदान

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर (विवरण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

सं. आई.ए.ए.सी.एन.पृष्ठ/3/एस.आर.2/9-86/

74—अतः मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विवाद करने का
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंडगा नं. 4/12 1/6, शार प्राप्ती है तथा जो
पंजाबी बाग, दिल्ली 2247.58 वर्ग गज में
स्थित है (और इसमें ड्यावद्व अनुसूची में पूर्ण रूप में
बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बायलिय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष को गई है और मूल्य यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
मानक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उन
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्री प्रीतम सिंह सुपुत्र श्री बी. एस. राम
4/12, पंजाबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. बिमला कुमारी पत्नी श्री जी. बी. गुप्ता,
4/12, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तर्स्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
र 45 दिन की अवधि गा तत्सम्बन्धी व्याकृतयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियां इसे किसी व्यक्ति द्वारा;

(द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रक्रियाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, उन्हीं अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर होने के अन्तरक व
वायिक्ति में कठी करने या उससे इच्छने पर संशिष्ट
हो चिए; और/या

(द) एसी किसी आय या किसी भन या वय जास्तीयों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;

सुभाष कुमार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली/दिल्ली:

दिनांक: 12-5-1987

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अन्तरण
में भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, तिमालिनिकृत व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक: 12 मई 1987

सं. आई.टी.एन.एस. 1987/3/एस.आर.2/9-86/

74—ग्रन्त: मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्राप्ती नं. 4/12, 1/6 शेयर है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली तादादी

2247.58 वर्ग गज में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त्रों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदादेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त:—

1. श्री कृष्ण मिह सुपुत्र श्री वा.० एन० राम
4/12 पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री वनरंग लाल सुपुत्र श्री काली राम
4/12, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयित्व करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/6 शेयर प्राप्ती नं. 4/12, पंजाबी बाग, नई दिल्ली

सुभाष कुमार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली/दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

मोहर:

प्रकल्प काहौँ, डॉ. इम. एवं

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ष (1) के विवेचन सूचना

भारत का राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1987

सं. आई० ए सी०/एक्य०/३/एम आर-२/९-८६/

७५—श्रतः मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन तत्काल प्राप्तिकारी को यह विवरण करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उपीकृत बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी माल्या 1/6 शेयर प्राप्ती नं. 4/12 है तथा जो पंजाबी बाग, लोट 2247.58 वर्ग गज में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपीकृत बाजार मूल्य से अधिक से उपर्याप्त अनुसूची की गई है और मुझे यह विवरण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगति का उपीकृत बाजार मूल्य, रु. ५ लाखांन अतिकाल से, ऐसे अपेक्षान तिफ्ल का अन्तर्भूत है अधिक है और बाजारक (बाजारकों) और बन्तीरती (बन्तीरिताया) १ वीच ऐसे कन्तरण के लिए तथा गया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चतरपद से उच्चत बाजारण निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

1. श्री निर्मल मिह सुपुत्र श्री बी० एम० राम
4/12 पंजाबी बाग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुशीला देवी
पत्नी रतन लाल
4/12, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उच्चत बाजारण के अधन के सम्बन्ध में कोइँ भी आशंका :—

(क) इस सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकरणी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकरणों में है किसी अविकरण नहीं;

(ख) इस सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख से किसी वन्य अविकरण बोहोस्तानी के पाल विकार में किए जा सकेंगे ;

विवरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम के अधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ण होगा जो उस अधाय से हिस्सा गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधन में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोगनार्थ अन्तरिती बाजार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा उन्निति,

1/6 शेयर प्राप्ती नं. 4/12, पंजाबी बाग, दिल्ली
तादादी 2247.58 वर्ग गज।

सुभाष कुमार,
क्षम प्राधिकारी
महापत्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

मोहर

पत्र: अन्त बाजारण की धारा 269-ष के अनुसरण में, सौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारों/अधीक्षा/—

प्ररूप आर्श. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
धारा २६९-ष (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

गोप्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-३, दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक १२ मई १९८७

मं० आर्श० ग० मी०/ग्र००/३/प०/ आर०-२/९-८६/

७६—अन् मृगे, सुभाष कुमार,
शाहकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का १.) (इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा २६९-ष के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ५,००,०००/- रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या १/६, प्राप्ती नं० ४/१२ है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली क्षेत्र २२४७. ५८ वर्ग गज में स्थित है और इसमें उपावड़ अनुमूली में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख मितम्बर १९८६ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृगे यह विश्वास करने का बारज है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अधिमान प्रतिफल से, ऐसे अधिमान प्रतिफल का दन्तव्य प्रतिक्षेप से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ग्राही प्रतिपत्ति, निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) उत्तरदेश या हृष्ट [किसी बाय या बायल, ३ अन्य अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में] करने का उससे बायन घूमन्वत्व: ५ ; या, वाय/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आमित्यों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) पा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में संविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. कुमारी बलजीत कीर सुपूर्ण बी० एस० गम
४/१२ पंजाबी बाग,
दिल्ली।

(अन्तरक)

२. शारदा देवी पत्नी श्री महावीर प्रसाद
४/१२ पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्तन के सम्बन्ध में कोई भी वापर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से ४५ दिन की अवधि या उससे अधिकारी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से ४० दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, वभोहस्ताक्षरी वा पात्र लिखित में किये जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यात्म २०-क में वर्णित नहीं, वही वर्त होंगा जो उक्त व्यक्ति में दिया जाये है।

मन्त्री

१/६ शेरर प्राप्ती नं० ४/१२, पंजाबी बाग, दिल्ली
क्षेत्र २२४७.५८ वर्ग ।

सुभार कुमार,
मन्त्री प्राप्तिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-३ नई, दिल्ली

दिमांक: १२-५-१९४
मोहर.

प्रृष्ठ प. छाई-११, एवं पृष्ठ प. सम्पूर्ण

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की

१९६१-११ (१) के अधीन सूचना

भारत सड़काइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजनरेज-३, नई दिल्ली

विल्ली, दिनांक १२ मई १९८७

निदेशमं० आई-११ प० मी०/एक्य०/३/एम०आर०-२/९-८६/

७७—प्रत: मुझे सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य
५.००,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० १/६ भाग ४/१२ है तथा जो पंजाबी बाग,
दिल्ली नई नादादी २२४७.५८ वर्ग गज में स्थित है (और इसमें
उत्तरवाह अनुमूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-
कारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
१९०८ (१९०८ का १६) के अधीन तारीख सितम्बर १९८६
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिशत के निए अंतरिक्ष की गई है और भूमि यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार
रूप, उसके इयमान अंतरिक्ष से, एवं इयमान प्रतिफल का
एन्हर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
छारिती (छारितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
उस गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
प्रतिशत में वातिवाक रूप में स्थित नहीं किया गया है :—

(अ) इरादे से हूँह किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा
के निए, और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोजनार्थ अंतरिक्षी इवाय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

बहु: आय, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ब के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ब की अपेक्षा (१)
मैं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्जन ३—

24—९६ GT/87

(१) श्री ईशावर सिंह सुपुत्र श्री बी० एम० राम
४/१२ पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(२) एस०के० गर्ग सुपुत्र श्री काली राम ४/१२, पंजाबी
बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्रवाईयां करता है।

इस सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में 'हूँह' भी आवश्यक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अधीि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पार
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय २०-के में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

१/६ भाग, प्रापर्टी नं० ४/१२, पंजाबी बाग, विल्ली।
नदादी २२४७.५८ वर्ग गज।

सुभाष कुमार
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजनरेज-३ नई दिल्ली/दिल्ली

तारीख : १२-५-१९८७

मोहर :

प्रस्तुप बाई० टो० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयदूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 12 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/ एक्य०, 3/एम० आर०-२/
9-८६/७८—प्रतः मुझे, मुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिमकी मं० 1/4 शेयर 18/42 हैं नया जो वार्डी बाग नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित हैरजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना आवृद्धि था, छिपाने में संविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1) श्री शावी लाल सुपुत्र सुन्दर दाम ए-1, 2 पश्चिम बिहार/
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति रंजना नैयर पत्नी श्री बूज नैयर, 18/42,
पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्राविभाज्य शेयर 1/4 प्रार्टी नं० 18/42, पंजाबी बाग,
नई विन्जी क्षेत्र मादीपुर नई, दिल्ली। 283.84 वर्ग गज।
कुल भेत्र तादादी 1135.35 वर्ग गज।

मुभाष कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयदूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली/दिल्ली

तारीख : 12-5-1987
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं. आई. ए० सी० /एक्यू० /3/एस० आर०-2/
9-86/79-अतः मुझे, सुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसमें 1/4 विभाज्य शेयर, 18/42 पंजाबी बाग,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख सितम्बर 1986

को प्रवार्तन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवार्तन संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायत्ति में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्ता:—

(1) श्री यादीनाल सुपुत्र श्री सुन्दर दास ए-1/2 पञ्चम
बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति प्रेम कुन्द्रा सुरिन्दर पत्नी, कुमार 18/42
पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवार्तन सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रवार्तन
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी त्रिय व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

प्रविभाज्य शेयर 1/4, प्राप्टी नं. 18/42 पंजाबी बाग,
नई दिल्ली। क्षेत्र मादीपुर दिल्ली। क्षेत्र तादादी 283.84
वर्ग ग ज आउट आफ क्षेत्र तादादी 1135.35 वर्ग गज।

सुभाष कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.; -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली दिनांक 12 मई 1987

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्य० /३/एस० आर० २१
९-८६/८०—अतः मुझे सुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 1/4 शेयर 18/42/पंजाबी बाग नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपायदृध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारील
ज्ञानाई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे से यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़ी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के, अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बेजने में सुविधा के लिए;
आं/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शादीनाल सुपुत्र श्री मुन्दर दास निवास—ए-
1/2 पश्चिम बिहार नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मास्टर रंजन नैयर और मास्टर विपुल नव्यर 'छोटा'
सुपुत्र वृज मोहन नव्यर द्वारा पिता बृज नाल नव्यर
और अभिभावक 18/42 पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्यां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ;—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहम्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संख्योकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्तिष
है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 अविभाज्य शेयर प्राप्ती न० 18/42 पंजाबी बाग,
नई दिल्ली, थेन नालीपुर दिल्ली । थेन तादादी 283.84 वर्ग
गज कुल तादादी 1135.35 वर्ग गज ।

सुभाष कुमार
सक्षम प्राधिकारी
मंडपक प्राधिकार आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3 नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्रधान आई. डी. पर. एस. २६९-३

आयकर अधिनियम, 1961 (1901 का 43) की धारा
269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/३-एस० आर०-२/
९-८६/८१—अत. मुझे, सुभाष कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा यादा है) की धारा 269-
व के अधीन सूचना प्राप्तकर्ता को, यह विवाद करने का कारण
है कि इसके अन्तर्गत १,००,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० १/४ शेयर, 18/42, पजाबी वाग, नई दिल्ली
में स्थित है (ग्राह इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम ५. रुपान
प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और भूमूल यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से ऐसे ऐसे वश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से काथत नहीं बाया जाता है :—

(क) अन्तरण संहृष्टि किसी बाय की शब्दत, उक्त
अधिनियम के वधीन कर दने के अन्तरक के
विवित में कमी करने वा उक्त संवचने में सुविधा
भूलिए, और/था

(ख) एसी किसी बाय दा किसी रूप वा वस्त्र जारीनीय
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वा
प्रयोजनार्थ वन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया जाया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाना वा दूरित
हो लिया

जहाँ बव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसूचि
में, वे उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा १, १
के अन्तर्गत प्रियमां प्रियमां वार्षिक वार्षिक वार्षिक

(1) शादी लाल सुपुत्र सुन्दरदास, ए-१/२, पश्चिम विहार
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर जुगाज केशार और मिस प्रीति सुपुत्र व सुपुत्री
सुरिन्द्र कुमार (छोटा), द्वारा अभिभावक सुरिन्द्र
कुमार, निवासी—१८/४२, पजाबी वाग
दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति की वर्तन के लिए
अद्यातः लिया जरता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
४५ दिन के भीतर उक्त सम्बन्धी व्यक्ति में हित-
वहथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखितरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम की वायाय २०-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होंगा जो उस वायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

अविभाज्य शेयर १/४, प्राप्ती न० १८/४२, पजाबी वाग,
नई दिल्ली। क्षेत्र मादीपुर दिल्ली। तादादी २८३.८४ वर्ग
गज संपूर्ण क्षेत्र ११३५.३५ वर्ग गज।

मुभाष कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : १२-५-१९८७

मोहर :

प्रकृत बाई^२ टी. एन इस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निवेदन सं. श्राई० ए० मी० /एक्य० /१/एस० आर०-३/
९-८६/८२—अत मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- में अधिक है

और जिसकी म० प्लाट न० ७९, क्लास "सी" बेस्ट एक्यू, रोड,
पजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मित्स्वर, 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल के
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण वे हैं किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे करने में सुविधा
न हिना अ०/दा

(घ) ऐसी किसी बाब या किसी भग या कम्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविध
के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

(1) विपन चौपडा, कृविनाश बहल, स्वय और अभि-
भावक एटोरनी श्री सुलभ बहल निवासी—पान-
गढ़, जिला—बड़वान, बेस्ट बगाल।

(अन्तरक)

(2) १ सुरिन्दर सिंह २ इन्दर सिंह एण्ड ३
राजिन्दर सिंह निवासी—एफ-15, निजामुद्दीन
वेस्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

ताजीकरण:—इसमें प्रकृत सम्बों और पदों का,, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
जवा है।

सुभाष कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-3, नई दिल्ली

तारीख 12-5-1987
मोहर.

प्राकृति कीमत² है, एवं एवं । १०५

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-प (1) के अन्तर्गत संख्या

卷之三

क्षेत्रीयिक वायुकर वायुवस्तु (प्रदूषक)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० ग्राही० ए० मी० /एक्य० 7/3/ एस०ग्राही०-2/
9-86/83—ग्रतः मुझे, सुभाष कुमार

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने एमओ पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की भारा 269-के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवास करने का लाभ है कि स्थानीय संपत्ति, जिसका उपर बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी भूमि प्रौद्योगिकी नं० 40, है नथा जो रोड नं० 43, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रींगर इसमे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख सितम्बर, 1986

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हम गया था प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अन्तिम आस्तीनिक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के शायद में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/या

(क) पांसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिहैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भै, उक्स अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् .--

- (1) 1. श्री प्रीतम सिंह 2. श्री दर्शन सिंह पुत्र स्व०
 श्री मरदार मनगारा सिंह निवासी—४०/४३,
 पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(श्रावन रक्षा)

- (2) 1. श्री अमरीक मिह लाल 2. श्री हरवन्धा राय और
 3. श्री हरमोहन मिह पुत्र श्री लश्मन दास, निवासी
 2995/2, चना मण्डी, पहाड़ गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

ਕੀ ਯਹ ਦੁਆਰਾ ਬਾਈ ਵਲੋਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਸਮਝੀਤ ਨੇ ਮਹਿਸੂਨ ਲੇ ਰਿਹਾ
ਕਾਰਘਵੀਹਿਣੇ ਕਰਤਾ ਹੈ।

लक्षण सम्बन्धित वर्णन के सम्बन्ध में हालाँकि भी अस्तियाँ :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हार्दिकता तथा
 45 दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकाल
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बाबारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हार्दिकता तथा
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति बाबारा अधेहस्ताक्षरी ये वास
 निवास में किया जा सकेंगे।

त्रिव्युक्ति करण—इसमें प्रयुक्त सब्जों और पदों का, जो उसका अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिचयित है, वही वर्ज होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसारी

प्र० नं० 40, रोड, नं० 43, नादादी 561.11 वर्ग गज,
एक मंजिला, मकान पंजाबी भाग, नई दिल्ली।

सुभाष कुमार
मधेम प्राधिकारी

तारीख : १२-५-१९८७

मोहर :

प्राप्ति आर्द्ध. टी. पै. पै. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1986

निदेश मं० आर्द्ध० ए० मी० /एक्य० /३/पै० आर०-२/

9-86/84—अन्तः मुझे, सुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिस बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 16/78, पंजाबी बाग, बसायी धारा पुर,
दिल्ली में स्थित है (ग्राम इससे उपावड़ अनुसूची में आंग पूर्णरूप
से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्तालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 ए०

16) के अधीन, नारीब सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से ऐसे इयमान प्रतिफल के
दन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और
अंतरिती (अंतरितायों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यायाम में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बाबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सविधा
के लिए;

अस: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) चन्द्र मोहन मिहू पुत्र श्री स्व० डा० उधम मिहू
श्रीमति अमरजीत कौर घ्य० उधम सिहू एटार्नी
श्री गंगा मोहन मिहू पुत्र श्री घ्य० उधम मिहू निवासी
16/78, पंजाबी बाग।

(प्रत्यक्ष)

(2) राम त्रिलोक दुआ, बहादुर चन्द दुआ, श्रीपति चन्दर
कान्ता दुआ पति श्रीमति श्याम स्वरूप दुआ,
निवासी—16/78, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
मूचना की ताकिल रो 30 दिन की अवधि, और भी
अनिधि थाद एवं समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी त्यो व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

16/78, नादारी 2275.92 वर्ग गज, पंजाबी बाग,
क्षेत्र जम्हूं धारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

मुमार कुमार
मध्यम प्राधिकारी
महानक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
पर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नारीब 12-5-1987

पौर्ण:

प्ररूप आई. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निवेश स० आई० ए० सी० /एक्य० 3/एस० आर०-2/
9-86/85—अतः मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसमें ३०/७५, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से ऐसे उद्यमान प्रतिफल का
पेंड्रह प्रतिशत से अधिक है और आरक (अंतरक) और अतिरिक्त
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी आय की बाबत, उक्त
नियम हे अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कभी नहीं या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त इवाग प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
ने लिए;

अतः अज उक्त अधिनियम की धारा २०९-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २५३-ए वी उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित घोषितयों, अर्थात् :—

25—96 GI/87

(1) श्रीमति विमला देवी पत्नी नन्द किशोर, प्रकान नं.
5 बी, राजशेखर मन्डलियर रोड, सामने कल्याणी
अस्पताल, मयूल पुरा, मद्रास।

(अन्तरक)

(2) नन्द लाल बंसल, सुपुत्र श्री ओम प्रकाश, श्रीमति
कमलेश बंसल, पत्नी नन्द लाल बंसल, निवासी—
३०/७५, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वार सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-ए में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तर्भूमि

प्लाट नं० 30, रोड, नं० ७५, पंजाबी बाग, बेस्ट, दिल्ली।
तावादी ५२५ वर्ग गज।

सुभाष कुमार
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्रकृष्ट शादी की एवं एवं ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 12 मई 1987

निवेश स० आई० ए० सी०/एक्य०/३/एम०आ००२/
९-८६/८६—०८ मुझे, सुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है
और जिसकी स० 4/56, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपावह अनुसूची में भी, पूर्णरूप में दर्ज है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरेण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख मितम्बर, 1980

के प्रार्थना सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए जन्तरित की यह है और यह निवास करने
का कारण है कि यथा पर्वक्षत संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल गे, तारीख
नियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है
और अतरक (असरकों) और अतरिती (अतरितियों) के
बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप में नीतिः
न्द्रा किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आज की बाबत, तक्षण
बाधिनियम के बधीम कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बदने में मूल्यित
के लिए; और/या

(घ) एसी किसी आज वा किसी भव या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गंभीर
के लिए,

अत जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री तिलाक मिह पुत्र श्री प्रताप मिह, निवासी—
56/34, पंजाबी बाग, नई दिल्ली और राजमोहन
मिह पुत्र श्री तिलाक मिह।

(अन्तरक)

(2) श्री पृथ्वी पाल मिह पुत्र श्री स्व० श्री गापी चन्द,
मिथन, मकान न० 191, स्ट्रीट न० 3, न्यू टाहन,
मार्ग।

(अन्तरिती)

ओ यह सूचना बारी करके पर्वक्षत सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कायदाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्बन के सबध में कहाँ भी नामोप .—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्त्वावधि अधिकतया पर
सूचना की तामील गे 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त हो। तो भीतर पूर्वक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(घ) इन सूचना के राजपत्र में प्रत्येक तारीख से
45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में विलबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उपायम् । तो ८५
लिहित में किए जा सकें।

व्यक्तिगत:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
बाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होंगा जो उस अध्याय पर विद्या
गम है।

सुभाष कुमार

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

4/56, पंजाबी बाग, दिल्ली ५५५.५५ वर्ग गज।

तारीख 12-5-1987
मोहर

प्रस्तुप आर्द्ध टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं 0 आई० ए० सी० /एम० /3/एस० आ००-३/
9-86/87—अतः मुझे, सुभाष कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थादर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं प्रो० 3347-48, 24 है तथा जा खमा न
513/2, चूता मण्डी, पहाड़ गज, नई दिल्ली में स्थित है (और
इसमें उपादान अनुमूली में और पूर्णमप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मित्सवीर
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थिरमान
प्रतिफल के लिए जन्तारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण
है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
स्थिरमानप्रतिफल में, एस इश्यमान एफल के पद्धति प्रतिश
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया रया प्रतिफल, निम्नलिखित
उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथित
नहीं किया गया है—

(क) अस्त्रण से हूँड़ किसी बाद जी राबत, उड़ान अधि-
कारी की अधीन कर हटने के बमरक के दायित्व
में कभी करने गा उसके बचते में संविभा के लिए
बाई रया

(ख) एसी किसी आय रा, धन या अन्य अस्त्रणों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ बन्निती बाबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सदिन
के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति सुषील की पत्नि सरदार मोहिन्दा मिह
निवासी—3347-48/2, 467, नालवा गली,
पहाड़ गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बना सी लाल पुत्र श्री मेला राम, निवासी—
1763, लश्मी नागयण गली, चूता मण्डी, पहाड़
गज, नई दिल्ली।

(अन्तिमी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहास्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या शतसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
ही टाईन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
दोष से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्यकित व्यापार अभोहम्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तस्थी

प्रो० बैंग एम० सी० डी० न० 3347-48/2467,
तादाटी-157 वर्ग गज, वार्ड न० 15, खमा न० 513/2, गली
नालवा, चूता मण्डी, पहाड़ गज, नई दिल्ली।

सुभाष कुमार
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 12-5-1987

ोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय, महाराष्ट्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 3/एस० आर०-३/
९-८६/८८—प्रतः मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘उक्त इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है। क स्थावर गणना, विवरों का उन्नित बाजार भूत्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रो० नं० 56/32 है तथा जो 56/32 पार्क
एग्जिया, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय नियमित अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूत्य से कम के दूषमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का बारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
भूत्य, उसके दूषमान प्रतिफल सं, प्रेसे दूषमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिपत्ति में अधिक है और बंतक (बंतरकी) और बंत-
रिती (बंतरीतरी) के बीच एसे बंतरण के सिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतर्ण विविह में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) बंतरण स हुई किसी वाय की शब्द, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व
में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ब) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य वास्तवियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया थाहिए था, जिसने ये सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभाषा (1)
जे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ८—

(1) मोहिनी लाल कालरा और पृथ्वी राज कालरा पुत्र
श्री भगवान दाम कालरा पुत्र श्री मनोहर लाल
कालरा, निवासी—१२/१२, डब्ल्यू०-ई-५५,
करोल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैं कनसो-टियम होलिङ प्रा० लि०, बी-२,
जनक पुरी, नई दिल्ली ।

(प्रत्यक्षित)

को यह सूचना आरा करके उक्त सम्पत्ति के आकार के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बारे में सम्बन्ध में कोह भी जाक्षोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यावर्त्यों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब वा समाप्त होती है, के भीतर प्राप्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर लंपटित में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सुभाष कुमार

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्रस्तुत दो एवं एवं - - -

आयबद्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार,

कार्यालय, सहायक आवकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-३/ग्र० आर०-३/
९-८६/९०--अतः मुझे, सुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10159 है तथा जो ब्लाक टी खसगा नं० 1471/
1158 और नाइवाला, पदमसिंह रोड़, करोलबाग में स्थित है
(और इसमें उपावट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कायलिय नई दिल्ली में, भारतीय निस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रवीन, नई दिल्ली में
तारीख सितम्बर, 1986

कर्ते पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्व्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अध्यान प्रतिफल से एसे अध्यान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अंतरितीयों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण वं है किसी वाय की वाता, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वं
वाचित में करी करने वा उससे बदलने में सुविधा
वं दिए; और/या

(घ) दोस्री किसी वाय वा किसी भू वा अन्य आविष्यों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा
भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 1/
के प्रयोजनाधृत अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुनिभा
वं दिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स पूरण एण्ड संस, 174-डी, कमला नगर, नई
दिल्ली द्वाना अनिल जैन, श्रीमती रीतू जैन और श्रीमत/
रजनी जैन एच-33, अशोक बिहार, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मिस मोना वर्मा, मिस लुई वर्मा मास्टर अरुण वर्मा
सुपुत्री नंद लाल वर्मा 2906/44 बीड़नपुर करोल
बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति व अर्जन के अन्तर्गत —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्राप्ती नं० 10159 ब्लाक टी खसगा नं० 1471/1158
और 1472/1158 तावादी 150 वर्ग गज नाइवाला, पदमसिंह
रोड़, करोलबाग, नई दिल्ली ।

सुभाष कुमार
सक्षम प्रधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-5-1987.

मोहर :

ਵਿਸ਼ਵ ਆਰੰਧ ਸੀ ਗੁਰ ਏਥੁ - ੨੦੯ -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन स्वत्ता

धार्म संस्कार

कार्यालय, सहायता आयोग शायदन (प्रिवेट)

प्रज्ञन रेज - ३

ਨਵੀਂ ਦਿਲਜੀ ਦਿਨਾਕ 12 ਮਈ 1987

निर्देश सं. आई. ए० सी०/प्रक०/३ एस/गा. ११३-८३/

91.—अत मुझे, सुभाष कुमा,
आयकर अधिकारीम, 1961 (1961 का 44) (इन्हें इस
दस्तके पश्चात् “का जोधनिया वा दा २५, हो १००
260-ए के उद्दीप संक्षम प्राप्तिकाला वा उड़ानाम के ले १
कारण है कि स्थान लग्जोट, क्रियक अभियान और १००
1,00,000/ रु मेरी अभिक है।

और जिसकी म० नथा का स्लाइट नं. 16 प
पजाबी बाग नई दिल्ली में प्यन्डे (भौ डमस उपाय शत्रुघ्नी, भौ
मे और पूर्ण रूप में वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता द्रृष्टिकरों के काम थे
नई दिल्ली में भा तीय जिस्ट्रीक ए अधिनियम 1908 (1918
का 16) के अधीन, तारोंव सिनम्ब 1986

का पूर्वकाम दृष्टि
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत है औ इसके अन्तर्गत यहीं प्रक्रम
करने का कारण है कि यथापूर्वकाम सम्मति का उचित बाजार मूल्य उसके व्यवसाय
प्रतिफल से, एम लेयर डाक्टर ने १९५४-१९५५ में इधर, और अतिरिक्ती (लिंगोरीना) के
बीच एम बॉर्टल के लिए यात्रा नहीं पोर्टद (एम्पोरियम) से सुन
उद्देश्य के कानून के अन्तर्गत यहीं लिया गया है।

(क) अन्तरण है हाइ किमी वाले को दाखल, जल्दी अधिनियम के अधीन कर दिए जे अन्तरक को शायित्व में कमो बरन या सभी बचने में सहायता की जाएगी।

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिनाय
 (1922 म 11) इ उत्तर विवरण दें।

अत अब उक्त अधिनियम को धारा २६९-ए के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

- १) श्रीमति सुभिन्ना ठाकुर पत्नो श्री कविराज मत्तामचद
२९ सातुरात नना नई दिल्ली ।

(अंत क)

- (2) श्री ग्राइंड के० गोयल ली० का प्रति सुपुत्र के० टी० गोयल 173 सिरिल 113 म 'नर्व', मुजफ्फरनगर, पर्सी।

(अन्तरिती)

को रह न चाहा आर। राम ॥५॥ श्रीमति वड्डन ६ श्रीमद्
गुरु ॥६॥ राम ॥७॥

એ ગીત ને તેવું કરીન્હો કે એ દુષ્પાત્ર માટે અધ્યાત્મ

- १५) ग्राम सुचना वे अधिक म प्रकाशन की तारीख हैं
 ४५ दिन का इर्दगिर्द २३ तारसम्बद्धी व्यक्तियां पर
 ३ घण्टा की तारीख म ३६ दिन २१ अवधि, जो मी
 १५। ३ दिन का समाप्त हाली है के भीतर पहुँचता
 व्यक्तियां मेरे लिही व्यक्त उत्तर

- (ख) इस संक्षिका के राजपत्र में प्रदान की तारीख से पूर्व भौतिक और धैर्य व्यक्ति द्वारा अधोलिखित विवरण के पास लिखित में लिए जा सकते हैं।

स्पष्टशास्त्रीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यय 20-क में परिभ्राषित हैं।

二三

प्लाट नं० 16-ए, क्षेत्र 279 75 ~। जि पश्चाता वाग नर्दि
दिल्ली।

प्राप्ति

सरस - रामगी,

महायक आयक आरुडा (निरोक्षण)
प्रज्ञन रज-३ नं० दिल्ली-110001

तारोग 12-5-1997
मोहृ

प्रस्तुप आहे टी एन एम -----

(१) श्री वी० चन्द्र शेखरन पुत्र श्री स्व० वी० मास्त्री
निवासी ग्रीन लौप्पम डुनालुसन स्ट्रीट आस्ट्रेलिया
द्वारा मुद्रण संशोधनयम ।

(अन्त रक्त)

(2) ਸ਼੍ਰੀ ਝੀਂ ਅਨੁ ਸਠ ਪੁਤ੍ਰ ਸ਼੍ਰੀ ਜੀਂ ਸੀਂ ਸਠ, ਸੀ-37,
ਇੰਡਪੁਰੀ, ਦਿੱਲੀ।

(अन्तरिक्षी)

आष्टकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अभीन प्रचलना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक व्यवस्था अधिकारी (नियोजन)

ਅਰਜਨ ਰੇਜ- ੩ , ਨਵੀਂ ਦਿਲਲੀ

नई दिल्ली दिनांक 12 मई 1987

निर्देश म० आई० ए० सी०/एस०-7/3/एस० आ०-2/
 9-86/92 --अत मुझे सुभाष कुमार,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 वर्तमान के गठबाट २६१ अधिनियम कहा गया है) प। १३
 १८७ व के व्यधीन गठबाट प्राधिकारी को यह विषयावधि करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति विषय किंवा न आए ५ व्य

और जिसकी म० है तथा जो यी०-३७, इन्द्र पुरी दिल्ली में स्थित है (और इसमें उत्तर द्व अनुसूची में जौर पूर्ण रूप से वर्णित है) , जिस्टीकरण श्रविकारी के कागलिय नई दिल्ली में मार्गीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सक्षम श्रविकारी वे कार्यालय में भारतीय आयक अधिनियम 1961 की धारा 1 269 के खंड के प्रधीन, नारीख सितम्बर 1986 का प्रवक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान गतिफल के लिए अनियत की गई है और मुझे यह विवाह संकरने का कारण है कि यथापूर्वक उसपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान गतिफल में, गंभीर दृश्यमान गतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधीक है और २८० (एक लाख) और (अतिरितियों) के बीच ऐसे बतारण के लिए तथा पाला गया परिमाण मिनीमलिंग इक्वेश्य में ८०० ग्रामलाई डिफ़ॉल्ट ५००, यस से कमित नहीं किया जाता है:-

को यह सूचना पारी के व पृष्ठोंके सम्मति के मर्गदर्शन के लिए
शर्यवाहिणी करता है ।

ANNUAL REPORT OF THE STATE BOARD OF EDUCATION FOR THE YEAR

(क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील म 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध दाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा,

(८) इस भूचना के गणपत म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदंष्ट्र किए अन्य व्यक्त द्वारा अभास्ताधरी के पास लिखित प्रे किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण - इसमें प्रथमत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, रही अर्थ लगा है तभी ताकि यह विधा लग जा।

लापिदियम् वा वर्धीय कर दें एवं उत्तराक वै
शायिष्व वा लक्ष्मी करने या रुप वर्धने इति विज्ञा
ई लिख और/या

四

सी०-३७ इन्द्रपुरी, दिल्ली तदादी ५०० वर्ग गज ।

प्रसा की भाष्य कि वह एक अधिनियम का, जिन्हे भारतीय भाष्य कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगशास्त्र बनाई गई दुवारा प्रकृत नहा त्रयी गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सविधा के लिए,

मुभाप कुमार
मक्षम अधिकारी

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण प्र०, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख 12-5-1987
मोहर.

प्रस्तुप शाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयत्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अप्रैल 1987

निदेश सं. पी० आर० नं० 4440/I:—अतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी० पी० एस० 29, एफ० पी० 174, सर्व० नं०

74 हिस्मा नं० 6, जमीन है तथा जो ऐव्रफल 517 वर्गमीटर कंस्ट्रक्शन के साथ 205 वर्ग मीटर में स्थित है (और इस से उपाबूद्ध अनुमती में और पूर्ण रूप से अर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-10-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से एंसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

(ख) एंसे किसी आयी या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

(1) श्री चन्द्रभाई डासाभाई पटेल और 5 प्रत्य. भारीवार—मेसर्जी लॉ कोर्पोरेशन, 4 ज्योति जनाराम सोसायटी वेजलपुर, जीव राजपार्क, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री ओमकार एमोसिंग्शन, प्रमुख—श्री गौरगंगभाई बी० दवे, न. जनाराम सोसायटी, चालडी, अहमदाबाद, सेफेटी—श्री विश्वभाई प्रस० पटेल, लावण्य सोसायटी, चांदलोडीया, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसंघी

टी० पी० एस० 29, एफ० पी० 174, सर्व० नं० 74, हिस्मा नं० 6, जमीन 517 वर्ग मीटर प्लॉट तक वांधफार्म के साथ 205 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन नं० 15798/4-10-86।

ए० के० मिन्हा,

संस्था प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 21-4-1987.

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अप्रैल 1987

निर्देश सं. पी० आर० नं० 4441/1—अतः मुझे, ए०
के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. पी० एस०-3 है तथा जो एफ० पी० 233,
एस० पी० 121 जमीन और मकान है तथा जो स्वास्तिक
को० ओ० हाउसिंग सोमायटी में जमीं; 674 वर्गमीटर,
मकान 135 वर्गमीटर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-
मूल्य में और गूण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 1, दिनांक फरवरी, 1987
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
दास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने को अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहित
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

26—96 GI/87

(1) श्रीमती रमाबेन केशवलाल वारिया गंगाजडा
विद्यालय, अलीगढ़ा (सौराष्ट्र) (अन्तरक)

(2) श्रीमती गीताबेन नरगभाई सुनरिया 121,
स्वास्तिक को० ओ० हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड
नवरंगपुरा अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय घरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में कोई भी वालों

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
उर्द्धव बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
में सं किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वार सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
प्रिवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

टी० पी० एस० 3, एफ० पी० 233, एस० पी० 121,
जमीन 674 वर्ग मीटर और मकान 135 वर्ग मीटर स्वास्तिक
को० ओ० हाँ० सोमायटी लिमिटेड में स्थित है। रजिस्ट्रेशन नं०
861/87 दिनांक फरवरी, 1987।

ए० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 21-4-1987

मोहर :

प्रकाश बाई, टी. पर. पर. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन प्रकाश

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर विभाग (पिरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अप्रैल 1987

निवेश सं० पी० आर० नं० 4442/I—अतः मुझे, ए० के०
सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सभीम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 1002 वर्ग मीटर प्लॉन्ट तक
व्याधिकाम है। तथा जो अहमदाबाद में टी० पी० एस०-3,
एफ० पी० नं० 623, एस० पी० नं० 10 में स्थित है (और
इसमें उपचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 17-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के राजपत्र
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य,
इसके दृष्टमान प्रतिक्रिया में, या दृष्टमान प्रतिक्रिया का अनुकूल प्रतित
से प्रधिकृत और अधिकृत (अधिकृतों) और अन्तरित (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अनुरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अनुरण लिखित में बास्तुतिक रूप से सुनित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की व्यवस्था, उक्त
अधिनियम के मध्यीन सर दों के अन्तरक
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भद्र-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया गया
या जो किया जाना चाहिए था, छिपाने में भवित्वा की
दिल्ली; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विनुभाई हरीभाई पंचाल श्रीमती ताराबेन
विनुभाई पंचाल, श्री विक्रम विनुभाई पंचाल
सगीर नीरब विनुभाई पंचाल, अहमदाबाद।
(सिन्हा)

(2) श्री शिवालय अपाटमेंट्स ओनर्स एरिस्मिशन
चैयरमैन—श्री अशिभाई के० पटेल, 1-फ्रिमै-
चम्बर्म, आश्रमरोड, अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

(4) मैमर्स उमा कार्पोरेशन, भागीदार, श्रीमती संघ्या
मरुण पटेल, अहमदाबाद।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए
कार्यवाहिणी शुरू करता है।

अन्तर्गत सम्पत्ति के बजेन वे सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्ति बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में दे किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास जिवित में विए जा सकेंगे।

लक्षण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्याय 20-के में परिभ्रान्ति
हैं, वही वर्ग होंगा जो उस अन्याय में दिया
जाये हैं।

अनुसूची

जमीन अहमदाबाद में, टी० पी० एस०-3, एफ० पी० नं०
623, एस० पी० नं० 10, लोकाल, 1002 वर्ग मीटर
+ प्लॉन्ट लैवल तक धोधकाम के साथ।

ए० के० सिन्हा
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (पिरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 23-4-1987 .

मोहर:

भाग III—बण्ड ।]

प्रधान बाई, डी. एव. एव.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जीन रेज-1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 23 अप्रैल 1987
निदेश सं. पी० आर० नं० 4443/I—अतः मुझे, ए० के०
सिन्हा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अन्तर्गत 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि राष्ट्रवर सम्पर्क, जिसका उचित बाहर भूम्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे नं० 4, केस नं० 3/2005 जमीन क्षेत्रफल
1294.11 वर्ग मीटर है तथा जो पुराना मकान वेरावल में
जूनागढ़ क्षारचे वेरावल में स्थित है (अंतर्गत इससे उपा-
वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी का कार्यालय, पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 का (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-12-86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक समाजिक के उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
प्राप्त हुआ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उच्च
बायकर प्रतिफल निम्नलिखित उपरोक्त से उक्त अन्तरक
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कार्यक्रम ही किया गया है:—

(ए) अन्तरण से उत्तर लेकर सी बायकर की बाबत तथा अन्तरक
निम्नलिखित में वर्णित कर देने के अन्तरक के विविध दो
कमी करने का उक्त उपरोक्त में दीविता के लिए;
वा० पा

(इ) दोहरी कियी बायकर का किया गया या उच्च बासितपा
को, विन्हूं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या यह कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोच-
नार्थ अन्तरकी इवाय प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए या लिखाने में सविधा के

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, भूत अधिनियम की भारा 269-ए की ज्युभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वा० पा—

(1) सोनेचा आयल मिल्स, रजिस्टर्ड पार्टनरशिप फर्म
मैनेजिंग पार्टनर श्री गिरीशचन्द्र नारानदास
सोनेचा और अन्य, सोनेचा आयल मिल्स, जूनागढ़
वेरावल हाईवे, वेरावल, जिला जूनागढ़।
(अन्तरक)

(2) श्री लीहाना झोड़ीगं, एस० डी० बस स्टेशन के
न्मने, वेरावल।
(अन्तरिती)

(3).

म।

राजीन के अर्जीन के लिए

की यह सूचना भारी करके पूर्णकस्तु
कर्यालयाहाँ करवा है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षण के सम्बन्ध में कोई भी वास्तवेष

(क) इस सूचना के उक्तवत्त में प्रकाशन की तारीख से 43
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूल्यांकन
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के अंतर पूर्णकस्तु
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा दिया;

(ख) इस सूचना के उक्तवत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अंतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताकारी के पास
प्रिवित में किया जा रहे हैं।

प्रकाशन:—इसमें प्रदर्शित सूचनाएँ और वर्ती का, जो उक्त
व्यक्तिविवरण के अध्याय 20-के वर्तीकाशित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में विद्या
पाया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 4, केस नं० 3/2005, जमीन क्षेत्रफल 1294.11
वर्ग मीटर साथ में पुराना मकान उन पर, वेरावल में,
जूनागढ़ हाईवे, वेरावल, जिला जूनागढ़।

ए० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जीन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 23-4-1987

मोहर:

उक्त वाइ दी एवं एस

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर, आश्रमस्थ (मिरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 23 अप्रैल 1987

निवेश स० पी० आर० न० 4444/— अत मुझे, ए० के०
सिन्हा,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन संधर्म प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विवास का उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।
जिसकी स० घेरी न० 24, विजय प्लाट, बोर्ड न० 7, शीट न०
181, सीटी मर्व न० 235 और 240, जमीन 736-1-0 वर्ग
वाई साथ मकान है तथा जो राजकोट में स्थित है (और
इसमें उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण स्वप्न में वर्णित है), जिस्टी-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-10-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वक उचित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्तके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, गिर्मानिकियत उद्योगस्थ से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक कृप से कीचित नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हुए किसी वाय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क
दायित्व में कमी करने या उससे बचन का सुविधा
के लिए, और ये

(ख) दसी किसी वाय या किसी भूमि या अन्य आस्तिया
को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ कहतरिती बुझारा प्रक्रिया नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा
के लिए,

वक्तव्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, गिर्मानिकियत व्यक्तियों, अधो

(1) श्री रमिकलाल लीलाधर भाई शेठ, 60/1, चौरागी
राण, कलकत्ता-20।

(अन्तरक)

(2) स्वामी बिल्डर्स, भागीदार—श्री प्रेमजीभाई और
हंजीवनदास पुजारी एवं य० एम० श्रीमती पुष्पांबे,
प्रेमजीभाई पुजारा, एम-81, गुजरात डॉउसिंग
बोर्ड, कलायड राड, राजकोट।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरी कारक पूर्वोक्त सम्पादित के अधीन के तिप्प
कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पादित के अर्जन के सम्बन्ध में रोइ भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक आव में समाप्त होती है, वे भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी उन्न व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के दोस
लिखित में रिक्य जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त होता जा उस अध्याय में दिय
गया है ।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 736-1-0 वर्ग याई और मकान राजकोट
में, बोर्ड न० 7, शीट न० 181, मर्व न० 235, और 240,
मब प्लाट न० 1 और 2।

ए० के० मिन्हा
सम्म प्राधिकारी
सहायक आचकर आयुक्त (मिरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक 23-4 1987
मोहर

प्रस्तुत आई.टी.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1987

निदेश मं. पी० आर० नं० 4445/।—अत मुझे, पा०
के० सिन्हा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने या
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक हैऔर जिसकी मं. टी० पी० एस० 21, एफ० पी०
521, 547 से 550 जमीन क्षेत्रफल 974 वर्ग यार्ड है तथा
जो नवयुग को० आप० हाउसिंग सोसायटी में, आबाबाडी
अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावन्ध अनुमति में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीशन अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अवीन दिनांक 7-10-86को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल या उससे बचने में सुधिधा
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(1) श्रीमती मोतू देवी उफचंदभाई जैन बी-9, नोर्थब्यू
फ्लॉट्स, मेट जेवियर्स कॉलेज के नजदीक नवरंगपुरा,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहनराज मिसरीमल सीनी, वीमा मोहन-
राज सिधी, 2-11, स्पेश विहार सोसायटी, पा०
पी० एस० भारा०, वस्त्रावुर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के निए
कार्यालयांशुष्टु घरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबूत में कोई भी वाक्योप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तिशासन में किसी व्यक्ति द्वारा,(द) इस मूल्यांकन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयदृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
प्राप्ति में किया जा सकेग।प्रतीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

समस्ती

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुधिधा के निए, गो०/मा०टी० पी० एस० 21, एफ० पी० 521, 547 से 550 जमीन
क्षेत्रफल 974 वर्ग यार्ड, नवयुग को० आप० हाउसिंग सोसा-
यटी में अहमदाबाद, रजिस्ट्रेशन नं० 15392/7-10-86।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्ती को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट होई किया गया था या किया गया था, जिसने में सुधिधा के मिल;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

ए० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 24-4-1987

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1987

निदेश सं. पी० आर० नं० 4446/I—अतः मुझे, ए०
के० सिन्हा

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शेखपुर-बानपुर टी० पी० ए० न० 19,
ए० पी० 323 पैक। एम पी० न० 9, जमीन क्षेत्रफल
475 वर्ग मीटर बाधकाम के साथ है तथा जो मेलर ए०
ए० और ए० ए० ए० अहमदाबाद में स्थित है (आर इसमें
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण सूच से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-10-86

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिभा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगेनार्थ अन्तरिती दूवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शरदचन्द्र इन्द्रगलाल मिश्नी और दो अन्य
प्रतिमा सोसायटी के नजदीक, दादा साहेब के बंगला
के सामने, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीनती सुशीला बेन अरविन्दकुमार और 4 अन्य
मानिकराम एपार्टमेंट, सरवार पटेल नगर, एलिस-
ब्रिज, अहमदाबाद-9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शेखपुर-बानपुर टी० पी० ए० 19, ए० पी० 323
चैफी ए० पी० न० 9, जमीन 475 वर्ग मीटर मंकान के साथ
जी० ए० और ए० ए० पर रजिस्ट्रेशन नं० 15685/
दिनांक 23-10-1986।

ए० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 24-4-1987

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. १९८७

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ४७

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायदा, महायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1987

निदेश सं० पी० आर० नं० 4447/—अतः मुझे, ए० कैल सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाय 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि भाया अन्तर्भूत, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹ 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० मेम नगर सर्वे नं० 82-83-1, 83-2, 83-3, 84, 99 पक्षी० है तथा जो ए० पी० नं० 42 जमीन क्षेत्रफल 849 वर्ग यार्ड से विश्वास किया है (अतः इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-10-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अंतर्भूत, को गहर है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का एन्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है इसी किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक को वायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; वाइ/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वासितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1917 (1917 नं० 77) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबाव प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए.

अतः नव, उक्त अधिनियम को धारा 269-प के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनुभाई गोपाल दास शेठ आर 4 अन्य, पुष्प-कुज एपार्टमेंट्स, अप्सरा सिनेमा के सामने, कांकिरिया रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश आत्माराम, राजू एसोसिएशन, 8 विजय विहार सोसायटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या अनंतरधी व्यक्तियों पर सूचना या तापील में 30 दिन की अवधि, जो भी अर्थीय ढांचे में समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त दोनों अवधियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के ग्राहण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास 10-15 दिन में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

जमीन मेमनगर में 82, 83-1, 83-2, 83-3, 84, 99 पक्षी० ए० पी० नं० 42, जमीन क्षेत्रफल 849 वर्ग यार्ड, 777 वर्ग भीटर रजिस्ट्रेशन नं० 18970/29-10-1986।

ए. न. मिठा
महायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

दिनांक: 24-4-87

माहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 अप्रैल, 1987

निदेश सं० पी०ग्रा० नं० 4448/।—अत्. मुझे, ए०
के० मिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है।

आंदर जिसकी मं० जमीन क्षेत्रफल 794 वर्ग मीटर आंदर मकान
194 वर्ग मीटर है तथा जो टी० पी० ए० 75 ए० ५० नं०
56, ए० १० नं० 12, अहमदाबाद में स्थित है। (आंदर
इससे उपाबृ० अनुमूली गें आंदर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्री-
कर्ना अधिकारी के नायालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-1-87
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दूर्घात प्रतिफल से, ऐसे दूर्घात प्रतिफल का
पन्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी आप की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तयों
को, जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर)
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
असरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीनान्त नरेन्द्रमदाम जवेरी, श्री आशीन
जीनेन्द्र जवेरी, जवेरी पांक, वाडज, अहमदाबाद-
380013।

(अन्तररु)

(2) नाराबाई आयजी मिदांत ट्रस्ट, शांति चैम्बर्स,
दिनेश हैंल के सामने, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-
380009।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्य भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—दूसरे प्रयोग शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

जमीन क्षेत्रफल 794 वर्ग मीटर आंदर मकान क्षेत्रफल
194. 11 वर्ग मीटर, अहमदाबाद में स्थित है। टी० पी०
ए० 15, ए० ५० पी० नं० 56, ए० १० पी० नं० 12, मर्व
नं० 26, अहमदाबाद, रजिस्ट्रेशन नं० 588/15-1-1987

ग० के० मिन्हा
मनप्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 28-4-1987

मोटर:

उच्च अधिनियम, पुस्तकालय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 अप्रैल 1987

निदेश मं० पी० आर० नं० 4449/—अतः मुझे, ए०
के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सकारा प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं० प्लाट नं० 19, क्षेत्रफल 421 वर्ग यार्ड
और मकान क्षेत्रफल 130 वर्ग यार्ड है तथा जो पथिक को०
आप० हा० मो० लिमिटेड टी० पी० एम० 19 एफ० पी०
नं० 28-29, अहमदाबाद में स्थित है (और उससे उपाख्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-11-86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(द) ऐसी किसी आय मा किसी धन या बन्ध आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहुए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

. अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
27-96 GI/87

(1) श्रीमती टी० एस० आयर, 2-बी, बैस्ट वुड, वीन
गेट गार्डन, आर० के० मुहू रोड, मध्यास-600028
(अन्तरक)

(2) श्री टाटा आयरन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी,
लिमिटेड, 24, होमी मोटी स्ट्रीट, फोर्ट, बोम्बे-23।
(अन्तर्भिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्य —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबूष
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रदूषित शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के बधाय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस बधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 19 टी० पी० एम० 19, एफ० पी० नं० 28-
29, अहमदाबाद, जमीन क्षेत्रफल 421 वर्ग यार्ड और मकान
क्षेत्रफल 130 वर्ग यार्ड, पथिक को०आ० हा० सोसायटी लिमि-
टेड, अहमदाबाद, रजिस्ट्रेशन नं० 19544/17-11-86

ए० के० सिन्हा
मकान प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 28-4-1987

मोहर :

प्रस्तुत बाइ.टी.एन.एस.—*****

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायूक्ति. (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 अप्रैल 1987

निदेश सं० पी० आर० 4450/I—अतः मुझे, ए० के०
सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 1330-7-9 वर्ग यार्ड
और मकान है तथा जो पोरबन्दर में स्थित है (और इससे
उपावड्ड ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोरबन्दर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-
1-87

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)- और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भंग
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, आयकर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ष के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः :—

(1) श्री जगजीवन का कुमार राडिया, 26, मदभव
सोमायटी, योगाश्रम सोमायटी के पीछे, मैटेलाइट
रोड, अहमदाबाद-15

(अन्तर्का)

(2) श्री गणेश बाबूलाल सीधव, श्री अनिल बाबूलाल
सीधव, श्री हरीश कुमार बाबूलाल सीधव, श्री
अशोक कुमार बाबूलाल सीधव, वाडिया रोड,
पोरबन्दर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायदावाहियाँ करसा हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्स्वरूपी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मृत्यु

जमीन क्षेत्रफल 1330-7-9 वर्ग यार्ड और मकान उन
पर पोरबन्दर में स्थित है। बोर्ड 3, घोड़ नं० 151, नोम
नं० 1713, रजिस्ट्रेशन नं० 140/15-1-87

ए० के० सिन्हा
मकान प्राधिकारी
महायक आयकर वायूक्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 28-4-1987
मोहर:

प्रसूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आवक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 अप्रैल 1987

निवेश सं० पी० आर० नं० 4451/।—अतः मुझे, ए०
के० सिन्हा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० आफिस दूसरी मंजिल पर है तथा जो क्षेत्रफल
3701-89 वर्ग फिट है जो सरजानन्द शोपिंग सेंटर, शाहीबाग
रोड, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाब वा अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, 37ई फाइल किया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-1-1987को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूँहे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्त्व
में कमी करने या उससे बोनने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;(1) श्री जी० कार्पेरिशन, "आशय" हाउस, शाहीबाग,
रोड, अहमदाबाद-4
(ग्रन्त रक्त)
(2) चारसन्ध ट्रेडर्स लिमिटेड, 5-सी, चक्र वारिया
रोड, कलकत्ता।
(ग्रन्तिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस दूसरी मंजिल पर, क्षेत्र फल 3701-89 वर्ग
फिट, सरजानन्द, शोपिंग सेंटर, टी० पी० एस०-14, एफ०
पी० नं० 105, अहमदाबाद 37ई दिनांक 7-1-87 को
फाइल किया।ए० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 28-4-87

मोहर :

अतः जबकि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भौतिक अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 8th May 1987

No. 3/5/87-AD.V.—The President is pleased to appoint Sh. R. Balasubramaniam, Deputy Superintendent of Police to officiate as Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the forenoon of 27th April, 1987 and until further orders.

The 15th May 1987

No. R-14/72-AD.V.—On repatriation from the Cabinet Secretariat, Shri R. K. Verma, Public Prosecutor reported for duty in the Central Bureau of Investigation wef. 27-4-1987.

No. 3/1/86-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri M. D. Sharma, IPS (MP : 1962) as Joint Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 7th May, 1987 and until further orders.

D. P. BHALLA
Administrative Officer (E), CBI.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE OF COORDINATION
(POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 6th May 1987

No. A.12011/5/86-Ad.II.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Malhotra, Extra Assistant Director of Directorate of Coordination (Police Wireless) as Assistant Director in the Directorate of Coordination (Police Wireless) in the scale of pay of Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/- in an officiating capacity wef. the forenoon of 20th April, 1987 until further orders.

B. K. DUBE
Director Police Telecommunications.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL

New Delhi, the 8th May 1987

No. 11/5/84-Ad.I.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint the following Assistant Directors of Census Operations/Assistant Directors of Census Operations (Technical) by promotion on a regular basis in a temporary capacity, as Deputy Director of Census Operations with effect from the date(s) they have taken over the charge of the post of Deputy Director of Census Operations on regular basis as mentioned against their names in column 3, until further orders.

Sl. No.	Name/Present post held	Date of assuming the charge	Office to which posted and Headquarters
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Shri S. Jayashankar, Assistant Director of Census Operations (Technical) Kerala, Trivandrum	13-3-87 (FN)	Directorate of Census Operations, Kerala, Trivandrum.
2.	Shri K. V. Ramaswamy, Assistant Director of Census Operations, Kerala, Trivandrum.	8-4-87(FN)	Directorate of Census Operations, Maharashtra, Bombay.
3.	Shri Y.G. Krishnamurthy, ad hoc Deputy Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad.	13-3-87(FN)	Directorate of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad.
4.	Shri R.K. Singh, ad hoc Deputy Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow.	10-3-87(FN)	Directorate of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow.
5.	Shri S.P. Grover, ad hoc Deputy Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal.	17-3-87(FN)	Directorate of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi, the 12th May 1987

No. O.II-4/85-Adm-3.—Consequent on his retirement from Government service, Shri R. D. Sharma, Section Officer, of Directorate General, CRPF relinquished charge of the post of Section Officer (Prov) on the afternoon of 30-4-1987.

No. P.VII-6/86-Adm-3.—Shri P. C. Jain, Subedar Major (Office Supdt.) on promotion as Section Officer has taken over charge on 1-5-87 forenoon in Directorate General, CRPF, New Delhi.

No. D-I-13/85-86-Adm.3.—Consequent on his appointment to the post of JAD(A/Cs)/Audit Officer in CRPF on deputation basis, Shri N. Bhomic Audit Officer of Accountant General (Audit) Shillong, Meghalaya has taken over as Audit Officer, IAP, NEZ, CRPF, Shillong on the forenoon of 1st May 1987.

Sd/- illegible
Dy. Director (Adm).

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 7th May 1987

No. E-16013(2)/9/87-Pers.I.—On appointment on deputation, Shri M. Mohan Raj, IPS (A&M : 75) assumed charge of the post of Commandant, CISF Unit, BCCL Jharia with effect from the forenoon of 18th April, 1987.

The 8th May 1987

No. E-32015(4)/1/87-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri S. Subramaniam, Inspector (Exe), on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit, SPM Hoshangabad with effect from the forenoon of 14th February, 1987 on purely ad hoc basis and temporary upto 18th August, 1987 or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

Sd/- illegible
Director General/CJSF

(1)	(2)	(3)	(4)
6.	Shri S.C. Saxona, ad hoc Deputy Director of Census Operations, Bihar, Patna.	13-3-87(FN)	Directorate of Census Operations, Bihar, Patna.
7.	Shri Phool Singh, ad hoc Deputy Director of Census Operations, Office of the Registrar General, India, New Delhi.	12-3-87(FN)	Office of the Registrar General, India, New Delhi.
8.	Shri R.K. Bhatia, ad hoc Deputy Director of Census Operations Andaman and Nicobar Islands, Port Blair.	13-3-87(FN)	Directorate of Census Operations Andaman and Nicobar Islands Port Blair.
9.	Shri A.K. Dutta, ad hoc Deputy Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta.	13-3-87(FN)	Directorates of Census Operations, West Bengal, Calcutta.
10.	Shri K.K. Kalla, ad hoc Deputy Director of Census Operations, Jammu and Kashmir, Srinagar.	16-3-87(FN)	Directorate of Census Operations, Jammu and Kashmir, Srinagar.
11.	Dr. K.S. Dey, ad hoc Deputy Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta.	13-3-87(FN)	Directorate of Census Operations, West Bengal, Calcutta.
12.	Shri S.K. Swain, ad hoc Deputy Director of Census Operations, Orissa, Bhubaneswar.	17-3-87(FN)	Directorate of Census Operations, Orissa, Bhubaneswar.
13.	Shri Aurelius Pyrtuh, ad hoc Deputy Director of Census Operations, Arunachal Pradesh, Shillong.	13-3-87(FN)	Directorate of Census Operations, Arunachal Pradesh, Shillong.
14.	Shri Ram Singh, ad hoc Deputy Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal.	13-3-87(FN)	Directorate of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal.
15.	Shri Ajit Singh, ad hoc Deputy Director of Census Operations, Punjab, Chandigarh.	12-3-87(FN)	Directorate of Census Operations, Punjab, Chandigarh.

V.S. VERMA
Registrar General

MINISTRY OF FINANCE
(DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)
SECURITY PAPER MILL

Hoshanabad-461 005, the 28th April 1987

No. 7(66)/1012.—In continuation to this Office Notification No. 7(66)/7230 dated 3-1-1987, the ad-hoc appointment of Sh. C. P. Bhatia as Asstt. Works Manager in the pay scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500/- is extended for the period from 1-2-1987 to 31-7-1987 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

The 29th April 1987

No. C/1/1017.—In continuation to this Office Notification No. C/1/7323 dated 6-1-1987, the ad-hoc appointment of Shri Jagdish Prasad as Assistant Chief Control Officer in the scale of pay Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- is extended for a period of 3 months from 1-4-1987 or till the post is filled upon regular basis whichever is earlier.

S. R. PATHAK
Dy. General Manager.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES-I

New Delhi, 8th May 1987

No. Admn.I/O.O.No 39.—The Director of Audit, Central Revenues-I, hereby appoints Shri O. P. Pruthi, an officiating

Audit Officer of this office, in a substantive capacity against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 2375-3500/- with effect from 1-5-1987 (F/N).

Sd/- illegible
Dy. Director of Audit (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL AUDIT,
J & K

Srinagar, the 30th April 1987

No. Admn.I/Audit/6.—Accountant General has been pleased to order that Shri Bushan Lal Jotshi, Section Officer (Date of birth : 1-9-1947) presently on deputation to Royal Government of Bhutan be deemed to be promoted in an officiating capacity as Assistant Audit Officer in the scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200/- under 'Next Below Rule' with effect from 27-4-1987 (F/N). The benefit of actual promotion will, however, be admissible to him only from the date he joins his duties in the parent office.

2. Accountant General has also been pleased to promote Shri Daya Krishen Sharma, Section Officer (Date of birth : 1-1-1947) as Assistant Audit Officer (Group-B Gazetted) in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200/- with effect from 27-4-1987 (F/N).

Shri Bushan Lal Jotshi will rank Senior to Shri Daya Krishen Sharma in the Assistant Audit Officers Grade.

The 4th May 1987

No. Admn.I/Audit/9.—The Accountant General has been pleased to order appointment of the following Section Officers as Assistant Audit Officers (Group-B Gazetted) in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200/- with effect from 1-5-1987 (F/N).

S. No., Name and Date of Birth

S/Shri

1. Ashok Kumar Raina.—14-6-1945.
2. Chaman Lal Bhat.—21-12-1947.

The 7th May 1987

No. Admn.I/Audit/12.—The Accountant General (Audit) J&K has been pleased to appoint the following Assistant Audit Officers as Audit Officers (Group-B Gazetted) in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500/- with effect from 8-5-1987 (F/N).

S. No., Name and Date of birth

S/Shri

1. Makhan Lal Koul-II.—22-6-1933.
2. Ujagar Ram Dogra (SC).—20-3-1943.
3. Pran Nath Tutoo.—8-9-1935.

Seniority in respect of S. No. 2 will be fixed separately.

The 8th May 1987

No. Admn.I/Audit/13.—The Accountant General has been pleased to order appointment of the following Section Officers as Assistant Audit Officers (Group B Gazetted) in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200/- with effect from 8-5-1987 (A/N).

S. No., Name and Date of Birth

S/Shri

1. Autar Krishen Munshi.—2-10-1950.
2. Abdul Majid Shah.—7-8-1949.
3. Surinder Singh Jamwal.—15-6-1951.

BALVINDER SINGH
Dy. Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E)-I
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 5th May 1987

No. Admn.I/GOs/PFVN/53/226.—Shri V. Narayana (01/121) a permanent Accounts Officer o/o the Accountant General (A&E)-I. M.P., Bhopal shall retire from Central Government service w.e.f. 31.12.87 afternoon after attaining the age of superannuation.

(Authority-Accountant General (A&E)-I's order dt. 5-5-87).

NIRANJAN PANT
Sr. Dy. Accountant General (A).

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 8th May 1987

No. 9/G/87.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. N. Chatterjee, Offg. Asstt. Director (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 30th April, 1987 (A/N).

M. A. ALAHAN
Jt. Director/G
for Director General, Ordnance Factories.

Calcutta-700001, the 11th May 1987

No. 6/87/A/E-1(NG).—On attaining the age of superannuation, Shri Sunil Kumar Bhattacharyya, officiating Assistant Staff Officer (Substantive and Permanent Assistant) retired from service w.e.f. 30-4-1987 (A.N.).

2. Shri Bhattacharyya has been transferred to the Pension Establishment with effect from the same date.

S. DASGUPTA
DDGOF/ADMIN.
for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 29th April 1987

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1250/78-Admn(G)/2308.—On attaining the age of superannuation, Shri Balwant Singh, Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, (CLA), New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st March, 1987.

The 7th May 1987

No. 6/II1009/73-Admn.(G)/2422.—On attaining the age of superannuation, Shri N. D. Tuteja, Dy. Chief Controller of Imports and Exports in this Office retired from Government Service with effect from the afternoon of the 30th April, 1987.

The 11th May 1987

No. 6/1641/85-Admn(G)/2393.—On attaining the age of superannuation Shri N. R. Pabrikar, Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 28th February, 1987.

SHANKAR CHAND
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF TEXTILES

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
HANDICRAFTS

New Delhi-110066, the 13th April 1987

No. 10/1/87-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri Gyan Prakash, Grade I Officer of Indian Economic Service and presently working as Joint Development Commissioner (Handicrafts) in the Office of the Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles, stands retired from government services with effect from 30th April 1987 (afternoon).

PRAKIR K. DATTA
Development Commissioner (Handicrafts)

New Delhi-110066, the 6th May 1987

No. 1/6/86/Admn.I.—Shri Mukesh Chand Permanent Cost Accounts Officer and presently officiating as Deputy

Director (Budget & Accounts) on ad-hoc basis in the Office of the Development Commissioner (Handicrafts), New Delhi, has been appointed as officiating Deputy Director (Budget & Accounts) in the same office in the pay scale of Rs. 3000-100-3500-EB-125-4500 in a regular capacity with effect from 6-5-1987 (F/N) and until further orders.

He will continue to draw pay, already being drawn by him as Deputy Director (Budget & Accounts) in the said scale of pay.

NEERA YADAV
Additional Development Commissioner
(Handicrafts)

MINISTRY OF INDUSTRY

**DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)**

New Delhi, the 5th May 1987

No. 12(364)/62-Admn.(G)Vol.II.—On attaining the age of superannuation Shri K. S. Krishna Rao, Deputy Director (Mechanical) Small Industries Service Institute, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 31-3-1987.

The 7th May 1987

No. A-19018(777)/85-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri Ajay Kumar Seth, Small Industry Promotion Officer (Food) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi as Assistant Director (Grade II) (Food Preservation) at Branch Small Industries Service Institute, Amlapatti, Dipha under Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 8-7-1986 until further orders.

The 11th May 1987

No. 12(347)/62-Admn(G).—The President is pleased to compulsorily retire Shri M. A. Bari, Director (Grade II) (GAD) SISI, Gauhati from Government Service w.e.f. the afternoon of 4th April, 1987.

No. A-19018(813)/87-Admn.(G)—The President is pleased to appoint Shri Pranab Das, A.S.W., Office of the Executive Engineer, Central Division, Dandekaranya Project, Kondagaon (M.P.) as Assistant Director (Grade I) (Industrial Management and Training) at Small Industries Service Institute, Srinagar with effect from the afternoon of 13-4-1987 until further orders.

The 14th May 1987

No. A-19018(30)/73-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to com-

pulsorily retire Shri V. Gopalakrishnan, Assistant Director (Gr. II) (Mechanical) Branch Small Industries Service Institute, Silchar under Small Industries Service Institute, Gauhati from Government service with effect from the afternoon of 6th April, 1987.

C. C. ROY
Dy. Director (Admn.)

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS**

(ADMINISTRATION SECTION : A-6)

New Delhi-110 001, the 5th May 1987

No. A-6/247(224).—Shri T. N. Uboveja, a permanent Assistant Inspecting Officer (Engineering) and officiating Assistant Director of Inspection (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A', Engineering Branch) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi retired from Government service on the afternoon of 30th April, 1987 on attaining the age of superannuation.

R. P. SHAH
Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

**DEPARTMENT OF MINES
(INDIAN BUREAU OF MINES)**

Nagpur, the 15th May 1987

No. A-19011/104/87-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri S. C. Jaitly, Editor, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Senior Editor the pay scale of Rs. 3000-100-3500-125-4500/- in the Indian Bureau of Mines w.e.f. 16-4-1987 (F/N).

No. A-19012/233/87-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri M. S. Ramachandra, Supdt. Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Administrative Officer in the Indian Bureau of Mines, Bangalore with effect from the 30th March, 87 (F.N.).

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer,
for Controller General,
Indian Bureau of Mines

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 14th May 1987

No. F.8-15/86-Estt.—On the nomination by the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri M. S. Tahlan, Asstt. Director, in the Department of Company Affairs, as Hindi Officer (Group 'B' Gazetted) (Ministerial) in the National Archives of India, New Delhi, on regular basis with effect from the forenoon of 24th April, 1987.

DR. R. K. PERTI
Director of Archives

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
(FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 12th May 1987

No. A-20012/16/76-Estt.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri R. S. Kashid, Asstt. Cameraman in the Films Division, Bombay to officiate as Cameraman in the same office with effect from 6th May, 1987 vice Shri A. S. Patil, Officiating Cameraman, granted leave.

V. R. PESWANI
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

MINISTRY OF AGRICULTURE
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 15th May 1987

No. A-19025/10/83.A-III/A-I.—The resignation tendered by Shri Sentan Singh Phakliyal, Assistant Marketing Officer (Group-II) of this Directorate has been accepted by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India with effect from 14-4-87 (After Noon).

BAKSHISH RAM
Director of Administration

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
(NARORA ATOMIC POWER PROJECT)

NAPP Township, the 12th May 1987

No. NAPP/Recrt/11(6)/87/S/5097.A.—Project Director, Narora Atomic Power Project, hereby appoints Shri Om Prakash, permanent Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer on *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 in the Narora Atomic Power Project with effect from forenoon of 1-4-87 until further orders vice Shri R. N. Shukla, Assistant Personnel Officer transferred to Nuclear Fuel Complex, Hyderabad.

SAMIR HUKKU
Chief Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE
(INSAT-1 MASTER CONTROL FACILITY)

Hassan-573 201, the 21st April 1987

No. MCF : ADM : EST : GN : 34.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri P. Muralidhara as Scientist/

Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan with effect from the 1st April, 1987 and until further orders.

M. P. KUMARAN
Administrative Officer
for Project Director

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 15th May 1987

No. 3-791/87-CH(Estt).—Shri Laxmi Narayan Mathur is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at Western Region, Jaipur w.e.f. 10-4-1987 (FN) till further orders.

No. 3-795/87-CH(Estt).—Shri Madhira Venkata Gopal is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at North Central Region, Bhopal w.e.f. 1-4-1987 (FN) till further orders.

B. P. C. SINHA
Chief Hydrogeologist & Member

CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION

P.O. KHADAKWASLA RESEARCH STATION

Pune-411 024, the 12th May 1987

No. 608/191/87-Adm.—In continuation of this office Notification of even No. dated 19/9/83, 25/8/84, 22/2/1985, 25/11/1985 and dated 12/3/1987, the Director, Central Water and Power Research Station, Pune, hereby extends the appointment of Smt. Rohini Vijaykumar Karkhanis, Hindi Translator, CWPRS, as Hindi Officer, on deputation basis for the fifth year i.e. from 17-3-1987 to 16-3-1988 or until further orders, whichever is earlier in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500. Further, Smt. Karkhanis will not be entitled to draw any deputation (duty) allowance for the fifth year of her deputation as Hindi Officer, C.W. & P.R.S., Pune-24.

(Authority :—Ministry of Water Resources, New Delhi's letter No. 5/3/86-E.II dated 28th April, 1987.)

D. N. JAGADE
Administrative Officer
for Director

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Delhi-U.P. Film Chambers of Commerce*

New Delhi, the 1st May 1987

No. 11987/13737.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Delhi U.P. Film Chambers of Commerce, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

T. P. SHAMI
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

FORM ITNS

(Transferor)

(1) Mr K V Vaidyanathan
 (2) Mrs Vibala Mafatlal Patrwan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I C
BOMBAY-20R NO 261A, 2ND FLOOR
AAYAKAR BHAVAN

Bombay, the 1st May 1987

Ref No AR III 37FH/S 6/86 87 —Whereas I,
G P GUJRATI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 10000/- and bearing Flat No 12/274, Vrindavan, Matunga Co op Hsg Socy Ltd, Sion Road, (E), Bombay 22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19/9/86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

at No 12/274, Vrindavan Matunga Co op Hsg Socy Ltd, Sion Road, (E), Bombay 22

The agreement has been registered by the Competent

G P GUJRATI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 R No 261A, 2nd floor
 Aayakar Bhavan, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby intitute proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

28—96 GI/87

Date 1/5/1987

Seal

FORM ITNS

(1) Mr. Shashank Prabhakar Wartti.

(Transferor)

(2) Jamburao Dada Thote & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/C
BOMBAY-20
R. NO. 261A, 2ND FLOOR
AAYAKAR BHAVAN

Bombay, the 1st May 1987

Ref. No. AR.III.37FE/M 15/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority, under sec. 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Mangalya, Bal Govinddas Road, Matunga (W), Bombay-6. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19/9/86. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Mangalya, Bal Govinddas Road, Matunga (W), Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr No. AR.III/37FE/39940/85-86 dated 14/11/86.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/C
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 1/5/1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Galaxy Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Subhash Shankarrao Koske.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I/C
R. NO. 261A, 2ND FLOOR
AAYAKAR BHAVAN
BOMBAY-20

Bombay, the 1st May 1987

Ref. No. AR.IIL37EE/Mt.16/86-87.—Whereas, I,
G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 674, 5th floor No. 506 B wing in Galaxy Apt., F.P.
No. 231, of TPS Mahim Near Jhaveri Hospital, 102, Off.
T. H. Kataria Marg, Matunga (W), Bombay-16
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority
at Bombay on 20/11/86.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable
property within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 674, 5th floor, 'B' Wing, Galaxy Apt., No. 506
on Plot bearing F. P. No. 231 of T.P.S. Mahim Near Jhaveri
Hospital, 102, off. T. H. Kataria Marg, Matunga (W),
Bombay-16).

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/40218/85-86
dated 20/11/86.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/C
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 1/5/1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Charusheela R. Vichare & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Chandulal B. Kubadia & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE I/C
 BOMBAY-20
 AAYAKAR BHAVAN
 R. NO. 261A, 2ND FLOOR
 Bombay, the 1st May 1987

Ref. No. AR.III.37EE/D.28/86-87.—Whereas I,
 G. P. GUJRATI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5th Floor, Purandare Wadi, Gokhale Road, (N), Dadar, Bombay-28, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2/9/86.
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 501, 5th floor, Purandare Wadi, Gokhale Road, (N) Dadar, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/37938/85-86 dated 2/9/1986.

G. P. GUJRATI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I/C
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 1/5/1987
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Jal F. H. Daruwalla & Ors.

(Transferor)

(2) Framroz Court Tenants Co-op. Hs. Socy Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/C
BOMBAY-20
R. NO. 261A, 2ND FLOOR
AAYAKAR BHAVAN

Bombay, the 1st May 1987

Ref. No. AR.III.37EE/D.29/86-87.—Whereas, I,

G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Framroz Court Tenants Co-op. Housing Socy. Ltd., 60, Dadasaheb Phalke Road, Bombay-14
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority
at Bombay on 18/11/86.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 15% of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Framroz Court Tenants Co-op. Housing Socy Ltd., 60 Dadasaheb Phalke Road, Bombay-14.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/40732/85-86 dated 18/11/86.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/C
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 1/5/1987
Seal:

FORM ITNS

(1) M/s. Bharat Warehousing Co.

(Transferor)

(2) M/s. Sunny Const. Company.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I/C,
ROOM NO. 261 A,
AAYAKAR BHAVAN
BOMBAY-20.

Bombay-400 020, the 1st May 1987

Ref. No. AR.III.37EE/D.30/86-87.—Whereas, I,
G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs.
1,00,000/- and bearing
2005 sq yds. (Govt. Toka) Land), C.S.T. No. 16, Matunga
Division Dadar, Bombay-400014
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority
at Bombay on 1-9-86.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
~~45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,~~
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

2005 sq. yds. (Govt. Toka Land) C.S.T. No. 16. Matunga
Division, Dadar, Bombay-400 014.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. 10704/37EE/85-86 dt.
1/9/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been of
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/C
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 1/5/1987

Seal :

FORM ITNS

- (1) Mr. Rohinton Rustom Engineer & Ors.
(Transferor)
(2) Mr. Dosabhai Khershedji Bhathena.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I/C
R. NO. 261A, 2ND FLOOR
AAYAKAR BHAVAN
BOMBAY-20

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.III.37EE/D.31/86-87.—Whereas, I,
G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. B-I, 1st Floor, Rusmehar Bldg., Dadar N. J. Wadia,
Co. op. Hsg. Socy. Ltd., 629AB, Homavasir Road, Parsi
Colony, Dadar, Bombay-14,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office
of the Competent Authority

at Bombay on 11/9/86.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Flat No. B-I, 1st floor, Rusmehar Bldg., Dadar N. J. Wadia,
Co-op. Housing Socy. Ltd., 629AB Homavasir Road, Parsi
Colony, Dadar, Bombay-14.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. 10747/37EE/85-86 dated
11/9/1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/C
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Dated : 1/5/1987

Seal ;

FORM ITNS

(1) M/s. Regency Construction Pvt. Ltd.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Gool Soli Moos.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I/C
 BOMBAY

Bombay, the 1st May 1987

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 12 of Palm-Spring at Cadel Road, Prabhadevi, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/C/37EE/10705/85-86 dated 1-9-86.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I/C, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 1/5/1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Regency Construction P. Ltd.

(Transferor)

(2) Soli Ardesir Moos & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 261 A, 2ND FLOOR,
AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 1st May 1987

No. AR.III.37EE/P.18, 86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 11, 1st floor, Palm Spring, Cadel Rd., Prabhadevi, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 1st floor, Palm-Spring, Cadel Road, Prabhadevi, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. 10706 dated 1-9-1986.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29—96 GI/87

Date : 1-5-1987

Seal :

FORM IIINS

(1) Kalpataru Indosaigon Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Surendra Taxman Kulkarni.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 261 A, 2ND FLOOR,
AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 1st May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. AR.III.37EE/P-19/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 191, 19th Floor, Antariksha, Kakasaheb Gadfil Marg, Prabhadevi, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

G. P. GUJRALI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC,
Bombay

Date : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Keshari S. Shah & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-IC,
 R. NO. 261 A, 2ND FLOOR,
 AAYAKAR BHAVAN,
 BOMBAY-20

Bombay-20, the 1st May 1987

No. AR.U1.37EE/P-20/85-86.—Whereas, I,

G. P. GUJRATI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. N6, 6th floor, Prathmesh Co-op. Hsg. Socy., Prabhadevi, Bombay-25 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. N6, 6th floor, Prathmesh Co-op. Hsg. Socy., Off. Veer Savarkar Marg, Prabhadevi, Bombay-400025.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.U1/37EE/10724/85-86 dated 11-9-1986.

G. P. GUJRATI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IC,
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1987
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Kalpataru Indosaigon Constructions
 (Transferor)
 (2) Mrs. Mehrunisa Serajul Haq Khan
 (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 261 A, 2ND FLOOR,
AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20**

Bombay-20, the 1st May 1987

No. AR/37EE/P-21/85-86.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 181, 'ANTARIKSHA' Prabhadevi, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 181, 'ANTARIKSHA' Kakashaheb Gadgil Marg, Prabhadevi, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.I-C/37E/E/10740/85-86 dated 11-9-86.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IC,
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1987
 Seal :

FORM ITNB

(1) Mohini Jayant Sewe

(Transferor)

(2) Mr. Subhash Chandra Kedia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 261 A, 2ND FLOOR,
AYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 1st May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

No. AR.III.37EE/P.22/86-87.—Whereas, I,
G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 63, 6th floor, Prabharamdir Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Prabhadevi, Bombay-25 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 63, 6th floor, Prabharamdir Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. 10817 dated 25-9-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Lilabai Raghubath Kore &
Smt. Malini Bhaurao Patil

(Transferor)

(2) Mahendra Chhottalal Shiroff

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 261 A, 2ND FLOOR,
AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 1st May 1987

No. AR.II.37EE/P-38, 12788/85-86.—Whereas, I,
G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 32, Kamna, Bldg. No. 4, Prabhadevi, Bombay-28 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 10th floor, Bldg. No. 4, Kamna Co. H. So. Ltd., Gajanand Puri Wadi, Prabhadevi, Behind Sidhi Vinayak, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.IC/37EE, 12788/85-86 dated 19-9-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1987
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Yusuf Abdulla Patel

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IC
R. NO. 261 A, 2ND FLOOR,
AYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 1st May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. AR.III.37EF/W.99, 86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Jaygee Premises Co-op. Socy. Ltd., Flat No. 8, 4th Floor, Maulana Abdul Gaffar Khan Road, Plot No. 22, Scheme No. 52 of Worli Estate, Bombay-18 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Jaygee Premises Co-op. Socy. Ltd., Flat No. 8, 4th floor, Maulana Abdul Gaffarkhan Road, Plot No. 22, Scheme No. 52, Worli Estate, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. 10800 dated 18-9-86.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Bharati D. Dalal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dinesh D. Dalal & Mr. Dhirajlal H. Dalal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IC
R. NO. 261 A, 2ND FLOOR,
AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bombay-20, the 1st May 1987

No. AR.III.37EE, W.101/86-87.—Whereas, I,

G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

B/708, Poonam Apartments, Worli, Bombay-18 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

B/708, Poonam Apartments, Worli, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. 10701 dated 1-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Pentagon Builders P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) PSB Construction Co. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC
 R. NO. 261 A, 2ND FLOOR,
 AAYAKAR BHAVAN,
 BOMBAY-20

Bombay-20, the 1st May 1987

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 2, 2nd floor, Bldg. No. 9, PSB Apartments, B. G. Kher, R. Road, Worli Naka, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. 10706A dated 1-9-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IC
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

30—96 GT/87

Date : 1-5-1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Jagdish Verma

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr. Govind Narayan Rathi &
Shri Kamal Narayan Rathi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC
R. NO. 261 A, 2ND FLOOR,
AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 1st May 1987

No. AR.III.37EE/W.102/86-87.—Whereas, I,
G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 5,000,000/- and bearing No.

Shiv Sagar Bldg., Plot No. 19, Worli Seaface, Bombay-25
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority at
Bombay on 1-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Shiv Sagar Building, Plot No. 19, Worli Seaface, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. 10711 dated 1-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1987
S. 11 ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nimu R. Thadani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 1st May 1987

Ref. No. AR.III/37EE/W.103/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. N-4, 14th Floor, Eden Hill, Dr. A. B. Road, Worli, Bombay-18, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. N-4, 14th Floor, Eden Hill, Dr. A. B. Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/10715/37EE/85-86 dt. 1-9-1986.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (C), Bombay

Date : 1-5-87
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Mrs. Pushpa Asandas Kewalramani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Sunil Kumar Gopinath Seksaria &
Shri Gopalaswamy Seksaria.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 1st May 1987

Ref. No. AR.III/37EE/W.104/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. A/16, Venus Apartments, Worli Seaface South, Bombay-400018, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No A/16, Venus Apartments, Worli Seaface South, Bombay-400018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. 10727 dated 11-9-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any ~~means~~ or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957).

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I(C), Bombar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the ~~use~~ of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-87
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Mahomed Jaffer Mansodri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ram U. Thadani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—ACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 1st May 1987

Rei. No. AR.III 37EE W.105/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. M-4, 13th Floor, 'Eden Hall' Dr. A. B. Road, Worli, Bombay-18, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. M-4, 13th Floor, 'Eden Hall' Dr. A. B. Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II, 10732 dated 11-9-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I(C), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-87
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Jiji Cavas Dastur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohamed Jaffer Mansoori.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 1st May 1987

Ref. No. AR.III/37EE/W.106/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No 6B, 6th floor, 71, Pochkhanawala Road, Saker Apartments, Worli, Bombay-25, situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No 6B, 6th floor, 71, Pochkhanawala Road, Saker Apartments, Worli, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/10715/37EE/85-86 dt. 11-9-1986.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I(C), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-87
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Kamla Lalchand Pubjabli.

(Transferor)

(2) Mrs. Navaz Khushroo Dastur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 1st May 1987

Ref. No. III/37EE/W.107/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 58, 15th Floor, 'F' Wing, Venus Building, Dr. R. G. Thadani Marg, Worli, Bombay-18, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay 18-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 58, 15th Floor, 'F' Wing, Venus Building, Dr. R. G. Thadani Marg, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/10715/37EE/85-86 dt 18-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC (C) Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-87
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Usha V. Nachane & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Gayatrivedi G. Tibrewal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC,
R. NO 261A 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN.
BOMBAY-20

Bombay-20, the 1st May 1987

Ref. No. AR.III 37EE/W.108/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. D-23, The Sagar Darshan Co-operative Housing Society Ltd., 106, Sea Face Road, Worli, Bombay-18, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D-23, The Sagar Darshan Co-operative Housing Society Ltd., 106, Sea Face Road, Worli, Bombay-18.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/10715/37EE on 1-9-1986.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I(C), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-87
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. S. A. Ramchandani.

(Transferor)

(2) Mrs. Pushpa A. Kewalramani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-JC,
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 1st May 1987

Ref. No. AR.III/37EE/W.109/86-87.—Whereas, I,
G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing No.
G-50, Venus Co-operative Housing Society Ltd., Flat No. 47,
12th Floor, Worli Seaface, Bombay-18,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-50, Venus Co-operative Housing Society Ltd., Flat No. 47,
12th Floor, Worli Seaface, Bombay-18.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/10715/37EE/85-86 dt.
18-9-1986.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I(C), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
31-96 GT/87

Date : 1-5-87
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Sohini M. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mony V. Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20**

Bombay-20, the 1st May 1987

Ref. No. AR.III/37EE/W110/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing A/603, Poonam Apartments, Worli, Bombay-18, situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A/603, Poonam Apartments, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under St. No. 10774 dated 19-9-1986.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I(C), Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-87
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Chimanlal Manilal Sheth.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IC,
R NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 1st May 1987

Ref. No. III/37EE/W.113/86-87—Whereas, I,
G. P. GUJRATI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 3, 4th floor, Bldg. No 3, B. Y. Apartments, B. G. Kher Road, Bombay-18.

situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19.9.1986
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1947);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 4th floor, Bldg. No. 3, B. Y. Apartments, B. G. Kher Road, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/10715/37EE/85-19.9.1986.

G. P. GUJRATI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I(C), Bom'

Date : 1-5-87
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Mr. Clarence Alphonso Rodericks.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Voltas International Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 1st May 1987

Ref. No. AR.III/37EE/W114/86-87.—Whereas, I,
G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing

Flat No. 5, 1st Floor, Sea Breeze Co-operative Housing Socy.
Ltd., 27, Worli Estate, Bombay-18.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at Bombay on 19-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, Sea Breeze Co-operative Housing
Socy. Ltd., 27, Worli Estate, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/10715/37EE 85-86 dt.
19-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I(C), Bombe

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 1-5-1987

Seal :

FORMS ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IC
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN
BOMBAY-20

Bombay, the 1st May 1987

No. R. III. 37. EE/W. 116/86-87.—Whereas, I,
G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing
Flat No. 5, New Pushpa Milan Co-op. Housing Socy. Ltd.,
67, Worli Hills, Bombay-18
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at Bombay on 19-9-86.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (1) Mrs. Avinash Rani Ram Prakash Khosla
(Transferor)
(2) Mr. Vijay Ravindra Bhandare &
Mrs. Uttara Ajay Bhandare.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

THE SCHEDULE

Flat No. 5, New Pushpa Milan Co-op. Hsg. Socy. Ltd.,
67, Worli Hills, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. 10787 dated 19/9/86.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (C), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforementioned property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Dated : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Sudhaben C. Pandya

(Transferor)

(2) Mrs. Harshada Suhas Rege

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN
BOMBAY-20

Bombay, the 1st May 1987

No. AR. III. 37. EE/M-55/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJARATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 1, 2nd floor, Bldg. 'E', Plot C.S. No. 507 of Mahim Divn. V. Savarkar Marg, Bombay-16 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 12-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2nd Floor, Building 'E', Plot C. S. No. 507 of Mahim Divn. situated at V. Savarkar Marg, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37. EE. 38135/85-86 dated 12-9-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (C), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) Mr. Jagdish Chandra Rasiklal Desai & Ors.
(Transferor)
(2) M/s. Coloroid Instasystems (I) P. Ltd.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IC
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN
BOMBAY-20Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. AR. III. 37.EE/M-57/86-87.—Whereas, I,
G. P. GUJRATTI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Gala No. 10 (Gr. Flr.), Owner's Industrial Estate, 505, Pitamber Lane, Mahim, Bombay-16 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Gala No. 10 (Gr. Flr.), Owners Industrial Estate, 505, Pitamber Lane, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37.EE.38571/85-86 dated 26-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATTI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) Mrs. Indubai Gajanan Vaiude & Ors.
(Transferor)
(2) Mrs. Gloria Colaco &
Mr. Hairian Colaco.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY-20
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN

Bombay, the 1st May 1987

No. AR. II.37.EE/M-58/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. B-6/3rd floor, Dignity Co-op. Society Ltd., Mogal Lane, Mahim, Bombay-16 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

B/6/3rd floor, Dignity Co-op. Society Ltd, Mogal Lane, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37EE/38599/85-86 dated 26-9-86.

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Bandu V. Shimpri

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vidya Basant Jham

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY-20
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN

Bombay, the 1st May 1987

No. AR. II/37.EE/M-59/86-87.—Whereas, I,
G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.
Flat No D-Ratan Priya, 216, Veer Savarkar Marg, Bombay-
16 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 7-11-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
of property;

Flat No. D-t Ratan Priya, 216, Veer Savarkar Marg,
Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37.EE.397748/
85-86 dated 7-11-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferor
for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923
(11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

32—96 GI/87

Dated : 1-5-1987
S. No. :

FORM ITNS

(1) M/s. Ideal Properties P. Ltd.

(Transferor)

(2) Vijaysingh S. Chawan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-IC
 BOMBAY-20
 R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN

Bombay, the 1st May 1987

No. AR. III.37.EE/M-60/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 302, 3rd floor, Property bearing Cadastral Survey No. 315 (pt.) of Mahim Division, H. M. Patil Marg, Off. Ranade Road, Mahim, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, Property bearing Cadastral Survey No. 315 (pt.) of Mahim Division, H. M. Patil Marg, Off. Ranade Road, Mahim, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37.EE.39782/85-86 dated 7-11-86

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jaico Press P. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Corona Sahu Co. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-IC
 BOMBAY-20
 R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Bombay, the 1st May 1987

No. AR. II.37.EE/M. 61/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Gala No. 9, Gr. Floor, New Udyog Mandir Co-op. Socy. Ltd. 7C, Pitamber Lane, Mahim, Bombay-16 situated at Bombay on 7-11-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Gala No. 9, Gr. Floor, New Udyog Mandir Co-op. Socy. Ltd. 7-C, Pitamber Lane, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/77.EE.39800/85-86 dated 7-11-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IC, Bombay

Dated : 1-5-1987
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Rita Developers

(Transferor)

(2) Mr. Chandiahasa P. Shetty &
Smt. Sharda C. Shetty

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY-20
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN

Bombay, the 1st May 1987

No. AR.III.37/M.6286-87 Whereas, I,
G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing

Flat No. 402, 4th floor, Bluebird, T. P. No. 761 of TPS 4
(Mahim), V. S. Marg, Dadar (W), Bombay-28, situated at
Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 10-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons;
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publl-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th Floor, Bluebird, T.P. No. 761 of TPS
4 (Mahim), V.S. Marg, Dadar (W), Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37.EE.39906/85-
86 dated 10-11-1986.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Rita Developers

(Transferor)

(2) Mrs. Leena Navin Desai &
Dr. (Mrs.) Aruna Asvin Desai

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY-20

R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN

Bombay, the 1st May 1987

No. AR. II/37.LE/M. 63/86-87.—Whereas, I,
G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 502/5th Flr., Blue Bird, T.P. No. 761, of TPS 4
(Mahim), V. S. Marg, C.S. No. 4/106 of Mahim Div.
Dadar (W), Bombay-28 situated at Bombay
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 20-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Flat No. 502/5th Flr. Blue Bird, T.P. No. 761, of TPS 4
(Mahim), V. S. Marg, C.E. No. 4/106 of Mahim Div.
Dadar (W), Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37.EE.40112/85-
86 dated 20-11-86.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Dated : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Rita Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC, BOMBAY-20
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN
Bombay, the 1st May 1987

No. AR. II/37.EE/M. 64/86-87.—Whereas, I,
G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102/1st floor, Blue Bird, T.P. No. 761 of T.P.S. 4 (Mahim), V. S. Marg, C.S. No. 4/106 of Mahim Div. Dadar (W), Bombay-28 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

Flat No. 102/1st Flr., Blue Bird, T.P. No. 761 of T.P. Scheme 4 (Mahim) V. S. Marg, C.S. No. 4/106 of Mahim Div. Dadar (W), Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37.EE.40113/85-86 dated 20-11-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 1-5-1987

Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. B. H. K. Hegde.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. S. Bhave & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-JI,
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20.

Bombay-20, the 1st May 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. AR.III.37-EE/M-65/86/87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

One flat in Prasad Co-op. Hsg. Soc. Ltd. at Mahim, Bombay on 1st floor, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 21-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

One flat in Prasad Co-op. Hsg. Soc. Ltd., at Mahim, Bombay on 1st floor.

The agreement has been registered by the Competent Authority under Sr. No. AR II/37-FF/40258/85-86 dated 21-11-86.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (C), Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 1-5-87.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Maryland Construction Co. (P) Ltd.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Thomas Rajan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAXR. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20.

Bombay-20, the 1st May 1987

Ref. No. AR.IC/37EE/M.66/86-87.—Whereas, I,
G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 494C and 494E of T.P.S. III and Cadastral Survey
No. 840, Mahim Division,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 21-11-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in it.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Final Plot No. 494C and 494E of TPS.III and Cadastral
Survey No. 840 of Mahim Division.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/40347/85-86
dated 21-11-86.

(G. P. GUJRATI)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (C), Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 1-5-87.
Seal :

FORM ITNB

(1) Mrs. Uttara Shrikant Natu.

(Transferor)

(2) Mr. B. H. K. Hegde & Mrs. Avanthi K. Hegde.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I.C.
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20.

Bombay-20, the 1st May 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. AR.III.37.EE/M67/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Asawari 'A' Bldg., Mrutyunjaya Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Plot No. 214, V. S. Marg, Mahim, Bombay-16, Bombay on 24-11-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bombay on 24-11-86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. A-4 in Asawari 'A' Bldg., Mrutyunjaya Coop. Hsg. Socy. Ltd., Plot No. 214, V. S. Marg, Mahib, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II, 37EE '40402/85-86 dated 24-11-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (C), Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

33—96 GI/87

Dated : 1-5-87.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Philip Lobo.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/S. Via Investments (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20.

Bombay-20, the 1st May 1987

No. AR.III.37.EE|W.115/86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Eden Hall, Flat No. L-2, 12th floor, Worli, Bombay-18, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Bombay on 19-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

Eden Hall, Flat No. L-2, 12th floor, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Sr. No. 10785/37EE/86-87, dated 19-9-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (C), Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 1-5-87,
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Razia Shiraz Siamwala.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20.

Bombay-20, the 1st May 1987

No. AR.III/37EE/W. 111/86-87.—Whereas, I,
G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing B/606, Poonam Apartments, Worli, Bombay-18 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-86.
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B/606, Poonam Apartments, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under St. No. 10755 dated 19-9-86.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons, namely :—

Dated : 1-5-87.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Aspi D. Kotwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Chandrakant Kantilal Shah & Mrs. Hansa C. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I
R. NO. 261A, 2ND FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20.

Bombay-20, the 1st May 1987

No. AR.III.37.H.E/W.112.86-87.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. B-605, Poonam Apartments, Worli, Bombay-18, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B-605, Poonam Apartments, Worli, Bombay-18

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. 10778 dated 19-9-86.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (C), Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 1-5-87.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M. S. Sony Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. M. Poojary.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 14th April 1987

No. AR.III.37.EF.42465/86-87.—Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Shop No. 37, Bharat Nagar, Near Sarita Estate, A. K. Road, Bombay-72, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 37, Bharat Nagar, Near Sarita Estate, A. K. Road, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sl. No. AR III/37EF/42465/86-87 dated 1-9-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-4-87.
Seal :

FORM ITNS

(1) Yeshbirsingh Makkad & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhagatsingh Pratapsingh & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th May 1987

Ref. No. AR-III/37.EE/42277/86-87.—Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Bungalow with Plot No. 6, Green Garden Apartments, C.H.S. Ltd., Deonar, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Bungalow with Plot No. 6, Green Garden Apartments Co-operative Housing Society Limited, Deonar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/42277/86-87 on 1-9-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 4-5-1987

Seal :

FORM JTNS

(1) Shri K. R. D. Dayanand Rao

(Transferor)

(2) M/s. K. R. Mistry & Associates.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY**

Bombay, the 14th April 1987

No. AR.III/37-EE/42077/86-87—Whereas, I,
A PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Piece or parcel of land hereditaments and premises bearing CTS No 1513 together with Bungalow "Sandhya Jyoti" plot No. 12, S. No. 85, Hissa No. 2(p), CTS No. 1513, Sainagar Housing Colony, Off Saint Anthony Road, Chembur, Bombay-71 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Piece or parcels of land hereditaments and premises bearing plot No. 12, S. No. 85, Hissa No. 2 (pt) and CTS No. 1513, together with Bungalow structure known as "Sandya Jyoti" Sainagar Housing Colony, Off Saint Anthony Road, Chembur, Bombay-400 071

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/42257/86-87 dated 1-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-4-87.
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. Chamanlal Gupta, and others

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(2) Smt. Chunidevi S. Kothari.

(Transferee)

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 14th April 1987

No. AR.III.37 EF/42285/86-87.—Whereas, I,
A PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

Row House No. 4, Runwal Shopping Centre, Plot No. 42, 15th Rd. Chembur, Bombay,
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Row House No. 4, Runwal Shopping Centre, Plot No. 42, 15th Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/42285/86-87 dated 1-9-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-4-87

Signed :

FORM ITNS—

(1) Dr. Lakhi Sitaldas Khemani

(Transferor)

(2) Mrs Muktha Chandrashekhar Rao

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1987

No. AR-III-37-EE/41940/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeds Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 11, Madhuban Deonar C.H.S. Ltd. Govandi Station Road, Deonar, Bombay 400 088 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 11, Madhuban Deonar C. H. S. Ltd., Govandi Station Road, Deonar, Bombay 400 088

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
34—96 GI/87

Dated : 14-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Jaglivan Lalubhai Patel

(Transferor)

(2) M/s Accord Builders

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1987

No. AR-III-37EE/42204/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land in village Pahadi near Goregoan (E), bearing S. No. 71 Hissa No. 5, C.T.S. No. 174(P), Goregoan (E), Bombay-63, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land bearing S. No. 71, Hissa No. 5, C.T.S. No. 174(p) Village Pahadi, Near Goregoan (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/42204/86-87 dated 1-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-4 1987
Seal :

FORM LT.N.S.

(1) Lakshmibai Amarshi Mistry & Ors.

(Transferor)

(2) M/s Suresh Enterprises

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1987

No. AR-III-37EE/42150/86-87.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.
 piece or parcel of land bearing S. No. 334, Hissa No. 6(p)
 C.T.S. No. 4486, Village Kole Kalyan, Santacruz, Bombay
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the same is registered under Section
 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
 Competent Authority at
 Bombay on 1-9-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Piece or parcel of land bearing Survey No. 334, Hissa No. 6 (part), C.T.S. No. 4486, Village Kole Kalyan, Santacruz Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No AR-III/37EP/42150/86-87 dated 1-9-1986.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14 4-1987
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. R. Dayanand Rao

(Transferor)

(2) Smt. Kiran Rajendra Vijan & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1987

No. AR-III-37EE/42138/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bungalow known as "Sandhya Jyoti" on plot No. 12 Sai Nagar Housing Colony, Off Saint Anthony Road, Chembur, Bombay-71 along with land CTS No. 1513, Hissa No. 2(p) situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

Piece or plot of land, hereditaments and premises bearing plot No. 12, S. No. 85, Hissa No. 2(p) and CTS No. 1513 together with Bungalow standing thereon known as "Sandhya Jyoti" on plot No. 12, Sai Nagar Housing colony, Off Saint Anthony Road Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III-37EE/42138/86-87 dated 1-9-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-4-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Mahijibhai Gulabbhai Patel & Ois.
(Transferor)
(2) M/s Stay-wel Enterprises
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1987

No. AR-III-37EE/41926/86-87.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
land with structures standing thereon bearing C.T.S. No. 512,
to 523 & 530 (p), Pipe Line Road, Village Vakola, Saptacruz (E),
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under Section
1908, (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 1-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Land with structure standing thereon bearing C.T.S. No.
512 to 523 & 530 (p), Vakola Pipe Line Road, Narlevaldi,
Saptacruz (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/41926/86-87
dated 1-9-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 14-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Avadh Pandey & Ors.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY**

Bombay, the 14th April 1987

No. AR-III-37EE/41997/86-87.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece or parcel of land bearing S. No. 312, Hissa Nos. 24, 28, and 23, C.T.S. Nos. 4883, 4884, and 4905 of Kalina, Kole-kalyan, Santacruz (E), Bombay-98 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Piece or parcel of land bearing S. No. 312, Hissa No. 24, 28 and 23, C.T.S. Nos. 4883, 4884 and 4905 of Kalina Kole-kalyan, Santacruz (E), Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/41997/86-87 dated 1-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-4-1987

Seal :

FORM IIMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Ramesh Kumar Chouthmal Jain & Ors.
(Transferor)
(2) Shri Amarsi Hardhor Shah (Koria) & Ors.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1987

No. AR-III-37-EE/42033/86-87.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs.
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Entire shop premises on Gr. Fl. Udaybhanu Aptt., M. G. Rd.
Ghatkopar, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-
mobile property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of this said Act,
shall have the same meaning as given in this
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Entire shop premises on Gr. Fl. Udaybhanu Aptt., M. G. Rd.
Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/42033/86-87
dated 1-9-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Dated : 14-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Eric Stanley Martyres

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Vasu Shetty sole prop of
M/s Charisma Builders

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Bombay, the 14th April 1987

No. AR-III-37EE/42233/86-87.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the
 immovable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Plot No. 111(p) Central Avenue Road, known as Sunnyside
 16th Rd. Chembur, Bombay-71.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the same is registered under Section
 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
 Competent Authority at
 Bombay on 1-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration and
 that the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

Plot No. 111(p) Central Avenue Road, known as Sunnyside
 16th Rd. Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/42233/86-87
 dated 1-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
 ing persons, namely :—

Dated : 14-4-1987
 Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s Maryland Construction Co. Pvt. Ltd.
(Transferor)
- (2) M/s Goodwill Construction
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of this said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1987

No. AR-III-37EE/42077/86-87.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing
land together with messuages, tenements dwelling house,
building and structure being S. S. III N. A. Plot Nos. 411,
564, N. A. 18, 412, 387, 386, 385 N. A. 1937 CTS No. 1311,
Sion Trombay Rd, Chembur, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under Section
269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 1-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Land together with messuages, tenements dwelling house,
building and structure being S. S. III N. A. Plot Nos. 411,
564, N. A. 18, 412, 387, 386, 385 N. A. 1937 CTS No. 1311,
Sion Trombay Rd, Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR-II/37EE/42077/86-87
dated 1-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
35—96 GI/87

Dated : 14-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1987

Ref. No. AR-I/37EE/10750/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 28 on 2nd floor in the building Spenta Co-op. Housing Society (proposed) B. G. Kher Marg (Gibbs Road) Bomombay-400 006. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Trustees of the Parsi Punchayat Funds & Properties (Transferor)
- (2) Dr. Keki Rustomji Hathi & Mrs. Nargis Keki Hathi (Transferee)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 28 on 2nd floor in the building Spenta Co-op. Housing Society (proposed) B. G. Kher Marg (Gibbs Road) Bomombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombo~~C~~ under No. AR-I/37EE/10793/86-87 on 17-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acqn. Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 1-5-87
Seal :

FORM ITNS

(1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds & Properties.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs. Perin Minoo Mehta,
Miss Navaz Minoo Mehta,
Miss Benaifer Minoo Mehta,
Mrs. Meher Kersi Gazdar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor

(Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1987

Ref. No. AR-I/37EE/10753/86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing No.
Flat No. G-2 on the ground floor in the building Spenta
CHS proposed) B. G. Kher Marg (Gibbs Road) Bombay-6
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority
at Bombay on 18-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-2 on the ground floor in the building Spenta
Co-op. Housing Society (proposed) B. G. Kher Marg (Gibbs
Road) Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10795/86-87 on
18-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Seal :
Date : 1-5-1987

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 1st May 1987

Ref. No. AR-I37EE/10767/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 66 on 6th floor and Garage in the building Spenta Co-op. Housing Society (proposed) B. G. Kher Marg (Gibbs Road) Bombay-400 006 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Trustee of the Parsi Panchayt Funds & Properties (Transferor)
- (2) Mr. Jimmy Jehangir Marker
Mrs. Farida Jimmy Marker.
(Transferee)
- (3) Transferor
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 66 on the 6th floor and Garage, in the building Spenta Co-op. Housing Society (proposed) at B. G. Kher Marg (Gibbs Road) Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10804/86-87 on 18-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Seal :
Date : 1-5-1987

FORM ITNS

- (1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds &
(Transferor)
Properties.
(2) Mr. Firoze Darasha Damania,
Mrs. Dinoo Firoze Damaia.
(3) Transferor
(Transferee)
(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1987

Ref. No. AR-I/37EE/10770/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 54 on 5th floor and Garage in the building Spenta Co-op. Housing Society (proposed) B. G. Kher Marg (Gibbs Road), Bombay-400 006 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 54 on the 5th floor and Garage in the building Spenta Co-op. Housing Society (proposed) B. G. Kher Marg (Gibbs Road), Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10792/86-87 on 17-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Seal :
Date : 1-5-1987

FORM ITNS—

(1) Shri Vinodkumar Gajanand Lath.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant T. Khatau,
Shri Dhruv C. Khatau,
Smt. Purnima D. Khatau.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property).

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 27th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/11135/86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 10, Sunbeam, May Flower CHSL, 3A Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-400 026 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Sunbeam, May Flower Co-op. Society Ltd., 3A, Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10797/86-87 on 18-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 27-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/11136/86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/-
and bearing
Flat No. 27, 4th floor, Sunbeam, May Flower CHSL, 3A,
Dr. G. D. Marg, Bombay-400 026
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority
at Bombay on 18-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Chandrakant T. Khatau,
Smt. Indu C. Khatau,
Shri Dhruv C. Khatau.
(Transferor)
- (2) Shri Vinod Kumar G. Lath,
Smt. Saroj V. Lath,
Master Laxmikant V. Lath (Minor).
(Transferee)
- (3) Transferors.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 27, 4th floor, Sunbeam, May Flower CHSL, 3A,
Dr. G. D. Marg, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10798/86-87 on
18-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 27-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Grand Foundry Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dhirajlal Babulal Jangla,
Smt. Lilawati Babulal Jangla.

(Transferee)

(3) Transferor
(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/11175/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

Flat No. B2 on 15th floor, New Woodlands CHSL, G. D. Deshmukh Marg, Bombay-26 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on

18-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-2, 15th floor, New Woodlands CHSL, D. G. Deshmukh Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10789/86-87 on 18-9-1987.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Seal :
Date : 27-4-1987

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Malabar Industries Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Chakor L. Doshi and
Mrs. Champa C. Doshi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :-OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/11273/86 87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing
Flat No. 344 in D Building Petit Hall, C.S. No. 356, of
Malabar and Cumballa Hill Divn. Bombay
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority
at Bombay on 18-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Flat No. 344 in D building, Petit Hall, C.S. No. 356 of
Malabar & Cumballa Hill Division, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37F-E/10799/86-87 on
18-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 29-4-1987

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

36—96 GI/87

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th April 1987

Ref. No. AR-I/37EF/12418&12360/86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as "the said Act"), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing
Flat No. 301 at B. B. Block Simla House, Simla Housing
CHSL, Bombay-36 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority
at Bombay on 1-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Dalpatram Revashankar Bhatt.
(Transferor)
- (2) Shri Valerian Lawrence Pinto,
Shri Pius Lawrence Pinto.
(Transferee)
- (3) Transferees.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 301 at B. B. Block, Simla House, Simla Housing
CHSL, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EF/10702-A/86-87 on
1-9-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 29-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Mohanlal Moolchand Tejuja,
Smt Mohini Mohanlal Tejuja.
(Transferor)
- (2) M/s Toya Engineering India Limited.
(Transferee)
- (3) Toya Engineering India Limited.
(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12461/86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing
Flat No. 62-64, 6th floor, Vijay Apartment, 16 Carnichael
Road, Bombay-400 026
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority

at Bombay on 5-9-1986

for apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 62-64, 6th floor, Vijay Apartment, 16, Carnichael
Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10722-A on
5-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 28-4-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt Sachlata Prataprai Shingala.
 (Transferor)
 (2) 1. Shri Mohanlal K Jain,
 2. Smt Saroj Rajendra Padhiya and
 3. Shri Anil Mohanlal Padhiya.
 (Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12512/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 95, Matru Mandir Co-op Hsg Soc Ltd., 278, Tardeo Road, Bombay-400007 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 95, Matru Mandir Co-op Hsg Soc. Ltd., 278, Tardeo Road, Bombay-400007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10700/86-87 on 1-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Seal :
 Date : 28-4-1987

FORM ITNS

(1) Shantilal Shamji Thakhar,
Shardaben Shantilal Thakhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Samir Manharlal Shah &
Pallavi Samir Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 27th April 1987

Rct. No. AR-I/37EE/12516/86-87.—Whereas,
I, P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, 1st floor, Sukh Shanti-2, 19, Peddar Road, Bombay—and car parking space situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor, Sukh Shanti-2, 19, Peddar Road, Bombay and car parking space.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10702/86-87 on 1-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Pranlal A Damani,
Bbagirathiben P Damani.

(Transferor)

(2) Dinesh Kantilal Doshi,
Manjula D Doshi.

(Transferee)

(3) Transferee
(Person in occupation of the property)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 28th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter

Ref. No. AR-I/37EE/12555/86-87.—Whereas,
I, P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. E-11, 6th floor, Walkeshwar Triveni CHSL, 66,
Walkeshwar Road, Bombay-400 006.
situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the
Competent Authority
at Bombay on 1-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. E-11, 6th floor, 66, Walkeshwar Road, Triveni
Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Bombay-400 006.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/16716/86-87 on
1-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 28-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 27th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12556/86-87.—Whereas,
J. P. N. BANSAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing

Flat No. 18A with Garage in Woodland Apartments,
 Peddar Road, Bombay-400 026.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) SLM Maneklal Industries Limited. (Transferor)
- (2) Smt. Lina Y Maneklal, Natural Guardian of Master Ashutosh Y Maneklal & Master Madhav Y Maneklal and Bithana Trading Company. (Transferee)
- (3) Mrs. Lina Y. Maneklal & Mr. Y. T. Maneklal & Family. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18A, with Garage, Woodland Apartments,
 Peddar, Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10717/86-87 on 1-9-1986.

P. N. BANSAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1987
 Seal :

FORM ITNS—

(1) SLM Maneklal Industries Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 27th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12557 86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 17-B on 17th floor, Woodland Apartments, Peddar Road, Bombay-400 026, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Miss Parul S. Maneklal & Mamta Investments & Share Trading Company Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Mrs. Induben S. Maneklal & family.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 17-B, 17th floor, Woodland Apartments, Peddar Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10718/86-87 on 1-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1987
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 28th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12560/86-87.—Whereas,
 I, P. N. BANSAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value
 exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing
 Flat No. 2, Vithal Court, Vithal Court Premises Co-op. Hsg.
 Soc. Ltd., Cumballa Hill, near Kemps Corner, Bombay-
 400 036.
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the same is registered under section
 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
 Competent Authority
 at Bombay on 1-9-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said instru-
 ment of transfer with the object of :—

- (1) 1. Ahmed Munjee,
 2. Arif Munjee & Zareena Munjee.
 (Transferor)
- (2) 1. M/s. NVI Engineering Co. Pvt. Ltd.
 Nuki Investment Pvt. Ltd.
 (Transferee)
- (3) Ahmed Munjee, Arif Munjee &
 Zareena Munjee.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Ahmed Munjee, Arif Munjee &
 Zareena Munjee.
 (Person whom the undersigned knows to
 be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transfer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Vithal Court, Vithal Court Apartments Co-op.
 Housing Soc. Ltd. Cumballa Hill, near Kemps Corner,
 Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10720/86-87 on
 1-9-1986.

P. N. BANSAL
 Competent Authority
 Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—
 37-96 GI/87

Date : 28-4-1987

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 28th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12565/86-87.—Whereas, I
P. N. SANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/-
and bearing Flat No. 86, Darya Mahal A, Sagar Teer CHSL,
80 Napean Sea Road, Bombay-6
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the
Competent Authority
at Bombay on 1-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Farang K. Ataie &
Farah F. Ataie.
(Transferor)
- (2) Dymo Electrical Inds. Pvt. Ltd.
(Transferee)
- (3) Farang K. Ataie &
Farah F. Ataie.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 86, Darya Mahal A, Sagar Teer CHSL, 80,
Napean Sea Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10718-A/86-87
on 1-9-86.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act. to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 28-4-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Navinchandra Anandji Shah.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 GOVERNMENT OF INDIA
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-ACQUISITION RANGE-I
 BOMBAY

(2) Smt. Puriben M Patel,
 Shri Rameshchandra G Patel,
 Smt. Ambaben G Patel.

(Transferees)

(3) Transferor.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 28th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12589/86-87.—Whereas, I,
 P. N. BANSAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 17, Varsha CHSL, 69/B, Napean Sea Road, Bombay-6, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 17, Varsha Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Napean Sea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/10723/86-87 on 11-9-86.

P. N. BANSAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1987
 Seal :

FORM IENB

(1) Bhupendra Rasiklal Shah.

(Transferor)

(2) Vallabhdas Jamnadas Ashar & Malti Vallabhdas Ashar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 28th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12602/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 14-D, Crystal, 36, Altamont Road, Bombay-400 026,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14-D, Crystal, 36, Altamont Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10725/86-87 on 11-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 28-4-1987

Seal :

FORM, ITNS

- (1) Chaitanya S Mehta, (Transferor)
Devanshu S Mehta.
(2) S. D. S. Trading & Agencies Pvt. Ltd. (Transferee)
(3) Transferors. (Person in occupation of the property)
(4) Transferors. (Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 28th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12612/86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing
Flat No. 21, Summer Ville, New Summer Ville Premises Co-
op. Society Ltd., Bhulabhai Desai Road, Mahalaxmi,
Bombay-400 026

Bombay-400 026.
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, in the Office of the
Competent Authority
at Bombay, on 11.9.1986.

at Bombay on 11-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

'THE SCHEDULE.'

Flat No. 21, Summer Ville, New Summer Ville Premises
Co-op. Society Ltd., Bhulabhai Desai Road, Mahalaxmi,
Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10730/86-87 on 11-9-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 28-4-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Satyanarayan C Agarwal.
(Transferor)
(2) The Moraijee Goculdas Spg. & Wvg. Co. Ltd.
(Transferee)
(3) Transferor.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 28th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12626/86-87—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing
Flat No. 30, 5th floor, Nav Darya Mahal CHSL, 80 Napean
Sea Road, Bombay-6,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority
at Bombay on 11-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 30, 5th floor, Dariya Mahal, Nav Daryamahal
CHSI, 80 Napean Sea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10746-A/86-87
on 11-9-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transfer for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 28-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Diopadi Devi Satischander Agarwal,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 28th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12627/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 25 on 5th floor, Nav Daryamahal CHSL, 80, Napeau Sea Road, Bombay-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 26⁹ AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) The Morarjee Goculdas Spg. & Wvg Co. Ltd.
(Transferee)
(3) Transferor.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 25 on 5th floor, Nav Daryamahal, Nav Dary Mahal CHSL, 80 Napeau Sea Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10738-A/86-87 on 11-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1987
Seal:-

FORM ITNS

(1) Lyka Labs Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-I
 BOMBAY

Bombay, the 29th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12632/86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing

Flat No. 802 & Garage No. 3 at CITADEL CHSL, 18/B, L.D. Ruparel Marg, Malabar Hill, Bombay 400 006 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Chandrakant Ishwarlal Gandhi,
 Karta of CI Gandhi, HUF
 Hasmukh Ishwarlal Gandhi
 Karta H.I. Gandhi, HUF
 Narendra Ishwarlal Gandhi,
 Karta H.I. Gandhi, HUF

(Transferee)

(3) H. I. Gandhi & Family.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 802 and Garage No. 3 at CIRADEL, CHSL, 18/B, L.D. Ruparel Marg, Malabar Hill, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10735/86-87 on 11-9-1986.

P. N. BANSAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1987

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Gool Jehangir Engineer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Farhang K Irani & Mrs. Farah F Ataie.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay the 1st May 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12648/86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 24, Somerset House, Taiyabji Baug CHSL, 61G, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No 24, Somerset House, Taiyabji Baug CHSL, 61-G, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No AR-I/37EE/10738/86-87 on 11-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Sheela Harabaden Majumdar,
Shri Haravachan Navintiam Majumdar.
(Transferor)
- (2) Smt. Indira Dilip Thakar,
Shri Dilip J Thakkar (HUF).
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 29th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR-I/37FE/12683/86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs 5,00,000/- and bearing Flat No. 22-B on 2nd floor, Acropolis CHSL, Little Gibbs Road, Bombay-6.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 22-B on 2nd floor, Acropolis CHSL, Little Gibbs Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10745/86-87 on 11-9-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 29-4-1987
Seal:-

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 28th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12687/86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 5,00,000/- and being
Flat No. D/9, Crystal Co-op. Hsg. Soc. Ltd.,
36, Alamount Road, Bombay-400 026
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office
of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with object of :—

(1) Smt. Betia Menezes Braganca,
Claudio Menezes Braganca,
Luis Menexes Braganca,
Mrs. Akila Shrinivas Raje,
Mrs. Geeta Anil Raje and
Mrs. Analia Menezes Misquitta.

(Transferor)

(2) Suresh V. Shah &
Vallabhdas Juthabhai Shah.

(Transferee)

(3) Transferees. (Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. D/9, Crystal Co-op. Housing Society Ltd., 36,
Alamount Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10746/86-87, on 11-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 28-4-1987
Seal:-

FORM ITNS

(1) Smt. Kanchan Kishanlal Jain.

(Transferor)

(2) Mr. Bharat Hiralal Parikh
Mrs. Prabhavati Kanayalal Parikh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

BOMBAY

Bombay, the 27th April 1987

Ref. No. AR-1/37EE/12691/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and being Flat No. 5, India House No. 4, 76 Pedder Road, Kemp's Corner, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 5, India House No. 4, 76 Pedder Road, Kemp's corner, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR I/37EE/10748/86-87 on 11-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1987
Seal

FORM ITNS—

(1) Keshari S. Shahi & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. Prafull Mohanlal Dharia,
Mrs. Purnima Prafull Dharia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 1st May 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12703/86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 48, 7th floor, Sagar Tarang,
New Sagar Tarang CHSL, Bhulabhai Desai Road,
Bombay-36

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 48, 7th floor, Sagar Tarang, New Sagar Tarang CHSL, Bhulabhai Desai Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10751/86-87 on 11-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Manjula Amratlal.

(Transferor)

(2) Shri Girish Dharamsi Goradia
Shri Shankarlal Narsinghmal Shah.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 29th April 1987

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603 on 6th floor of Jamuna Niketan CHSL,
Malabar Hill, Bombay-6

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10752/86-87 on 18-9-1986.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Deepika Rajesh Shah.

(Transferor)

(2) Dinesh Pratapchand Shah,
Jayesh P Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 29th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12720/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102 on 1st floor Samrat Ashok CHSL Ratilal R Thakker Marg, Malabar Hill, Bombay-6 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 102 on the 1st floor of Samrat Ashok CHSL, Ratilal R Thakker Marg, Malabar Hill, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10761/86-87 on 18-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1987

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Pushpaben R. Bhalakia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

(2) Shri Ramankant V Doshi
Smt Jayaben R Doshi
Smt Varsha V Doshi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bombay, the 28th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12743/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 46, 6th floor, Om Dariya Mahal CHSL, 80 Napean Sea Road, Bombay 6 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 46, 6th floor, Om Dariya Mahal CHSL, 80 Napean Sea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/10757/86-87 on 18-9-1986.

Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1987
Seal :

FORM FIVE

(1) Smt. Sabita Chowdhary.

(Transferor)

(2) Shri Pravir D. Gandhi,
Smt. Aruna P. Gandhi.

(Transferee)

(3) Transferor.
(Person in occupation of the property)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 27th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12744/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as "the said Act"), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, 1st floor, HIMGIRI Co-op. Hsg. Society Ltd., 755/6, Pedder Road, Bombay-400026 situated at Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Himgiri Co-op. Housing Society Ltd., 755/6 Pedder Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10758/86-87 on 18-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1987
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 27th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12746/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 26, 1st floor, Vimla Mahal, Pedder Road, Bombay-26 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Amit Alloys Private Limited. (Transferor)
- (2) Mrs. Nina Rajendra Mehta. (Transferee)
- (3) S. Bhattacharya. (Person in occupation of the property)
- (4) S. Bhattacharya & Transferor. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 26, 1st floor, Vimla Mahal, Pedder Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10759/86-87 on 18-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Arif Adamji Peerbhoy.

(Transferor)

(2) Mrs. Sugankumari Jain & Mrs. Sarita Jain.

(Transferee)

(3) Mr. Arif A. Peerbhoy.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12753/86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.
 Flat No. 5A in Taher Mansion CHSL, 8/10 Napean Sea Road, Bombay-6 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 5-A, Taher Mansion, Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 8/10 Napean Sea Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/12753/86-87 on 18-9-86.

P. N. BANSAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay

Dato : 28-4-1987
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th April 1987

- (1) The Morarjee Goculdas Spg. & Wvg. Co. Ltd.
(Transferor)
- (2) Mr. Mankaran Deokaran Lakhota,
Mrs. Ratnadevi M. Lakhota.
(Transferee)
- (3) Transferor.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR-I/37EE/12754/86-87.—Whereas, 1, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 25, 5th floor, Nav Darya Mahal CHSL, 80, Napean Sea Road, Bombay-6 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 25, on 5th floor, Nav Daryamahal CHSL, 80, Napean Sea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10766/86-87 on 18-9-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) Bombay Market Apts. Co-op. Society Ltd.
(Transferor)
(2) M/s. Kutchins.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-I. 37EE/12756/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

F.S.I. to the extent of 650 sq. ft. in property known as Bombay Market, Tardeo Road, Bombay, bearing C. S. No. 730 and 1/731 of Malabar and Cumballa Hill Division situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

F.S.I. to the extent of 650 sq. ft. in property known as Bombay Market at Tardeo Road, Bombay, bearing C. S. No. 730 and 1/731 of Malabar and Cumballa Hill Division.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10767/86-87 on 18-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12772/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 93, 9th floor, Ashoka Apartment, Roongta Lane, Napean Sea Road, Bombay-6 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19.9.1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

- (1) Mrs. Kuldip Kaur Bedi. (Transferor)
- (2) Mr. Jitendra H. Kothari, Mrs. Rekha J. Kothari, Master Nikunj J. Kothari. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 93, 9th floor, Ashoka Apartment, Roongta Lane, Napean Sea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10770/86-87 on 19.9.86.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12781/86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing No.
Flat No. 62, on 6th floor of Khatau Apartment, Walkeshwar
Khatau CHSL, Walkeshwar Road, Banganga, Bombay-6
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 19-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Mr. Mahendra Khamji Khatau,
Father & Natural Guardian of
Master Haren Mahendra Khatau.
(Transferor)

(2) Mrs. Freny Nariman Pardiwalla,
Mr. Rajendra Kisanrao Shinde.
(Transferee)

(3) Transferor with his parents.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 62 on 6th floor of Khatau Apartment, Walkeshwar
Khatau CHSL, 243, Walkeshwar Road, Banganga, Bombay-
400 006.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10773/86-87 on
19-9-86.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 29-4-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Lily Dhirajlal Bhansali
(Transferor)
(2) Smt. Indumati Manoharlal Bhansali.
(Transferee)
(3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12790/86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the "Said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing No.,
50% share in flat No. A/2, 3rd floor, Matru Ashish, Napean
Sea Road, Bombay-400 036 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269A-B of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 19-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

50% share in flat No. A/2, 3rd floor, Matru Ashish, Napean
Sea Road, Bombay-400 036.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No AR-I/37EE/10777/86-87 on
19-9-86.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 28-4-1987
Seal :

FORM ITN—

(1) Bharat K. Sheth,
Ravi K. Sheth.

(Transferor)

(2) The Great Eastern Shipping Co. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/12801/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 1-B 1st floor the Bldg. known as "Jiwan" in the Great Eastern CHSI, L. D. Ruparel Marg, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1-B on 1st floor of the building known as 'Jiwan' in the Great Eastern Co-op. Hsg. Soc. Ltd., L. D. Ruparel Marg, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10779/86-87 on 19-9-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
40—96 GI/87

Date : 29-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) The Great Eastern Shipping Co. Ltd.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Bharat K. Sheth &
(3) Ravi K. Sheth.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/12802/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 12B on the 12th fl. of the building known as 'Manek' in the Great Eastern CHSL, L. D. Ruparel Marg, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 12-B, on 12th floor of the building known as MANEK in the Great Eastern Co-op. Housing Society Ltd., L. D. Ruparel Marg, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10780/86-87 on 19-9-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) S. Jagjit Singh Chawla

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st May 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12805/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 101 on 1st floor, Deejay Apartment, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 006 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 19-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Deejay Apartment, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/10782/86-87 on 19-9-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Lakhi Kitchen Wares Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Maya Bansilal Pherwani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/12836/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Shop No. 105, Heera Panna Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Heera Panna Shopping Centre, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400026 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 105, Heera Panna Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Heera Panna Shopping Centre, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10786/86-87 on 19-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS.—

- (1) Suresh R. Khemlani (Transferor)
 (2) Hindustan Lever Limited (Transferee)
 (3) Hindustan Lever Limited (Person in occupation of the property)
 (4) Hindustan Lever Limited (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 28th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12849/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the competent authority Under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 12-A, Gulmarg CHSL, Napean Sea Road, Bombay-400 006 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-9-1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 12-A, Gulmarg Co-op. Housing Society Ltd., Napean Sea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10806/86-87 on 25-9-86.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 28-4-1987
Seal :

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Shri Himatlal Prabhudas Shah.
 (Transferor)
- (2) Hema R Jariwala &
 Suresh M Jariwala.
 (Transferee)
- (3) Transferor.
 (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st May 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12862/86-87.—Whereas, I,
 P. N. BANSAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 5,00,000/- and bearing No.
 Flat No. 404 on 4th floor, Ashish C Building, Tirupati-Mahalaxmi Co-op. Housing Soc. Ltd., Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026,
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the same is registered under section
 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
 Competent Authority at
 Bombay on 25-9-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 404 on 4th floor, Ashish C Building, Tirupati Mahalaxmi Co-op. Housing Society Ltd., Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10810/86-87 on
 25-9-1986.

P. N. BANSAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
 Acquisition Range-I,
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Pankaj Kanchanlal Shah.

(Transferor)

(2) Mr. Rajiv Shantilal Modi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 28th April 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ret. No. AR-I/37EE/12864/86-87.—Whereas, I,
 P. N. BANSAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.
 Flat No. 172, Pushpak Apartment, Indrasan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 31, Altamont Road, Bombay-26.
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at
 Bombay on 25-9-1986
 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Flat No. 172, Pushpak Apartment, Indrasan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 31, Altamont Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10811/86-87 on 25-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I,
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sons, namely :—

Date : 28-4-1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Sheela Gobindram Karnani.

(Transferor)

(2) Mrs. Pushpa Kishinchand Rupani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
 BOMBAY

Bombay, the 27th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12870/86-87.—Whereas, I,
 P. N. BANSAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
 movable property having a fair market value exceeding
 Rs. 5,00,000/- and bearing No.
 Flat No. 11, 3rd floor, Ajoomal Mansion, 22, Pedder Road,
 Bombay-400 026,
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the same is registered under section
 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
 Competent Authority at
 Bombay on 25-9-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the publi-
 cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor, Ajoomal Mansion, 22, Pedder Rd.,
 Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10813/86-87 on
 25-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I,
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 27-4-1987
 Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Devendra Dhirajlal Shah
Smt. Sugun Devendra Shah.
(Transferor)
- (2) Mr. Yacoob Cassim Bham,
Mrs. Zainab Yacoob Bham.
(Transferee)
- (3) Transferors.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 28th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12874/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Ground floor, May Flower Co-op. Housing Society, Carmichael Road, Bombay-400 026, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground floor, May Flower Co-op. Housing Sec. Carmichael Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10815/86-87 on 25-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 28-4-1987
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

41—96 GI/87

FORM ITNS

(1) Mrs. Veena I. J. Singh.

(Transferor)

(2) Mr. Y. K. Shankardass & Mrs. Asha Y. K. Shankardass.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 28th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/12882/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 23, Sherman bldg., The Bhaktawar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 22, Narayan Dabholkar Road, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

Flat No. 23, Sherman Building, The Bhaktawar Co-op. Housing Society Ltd., 22, Narayan Dabholkar Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10819/86-87 on 25-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 28-4-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) Mrs. Kulsum Fakhruddin Qurishi
Mr. Fakhruddin Bakirah Qureishi.
(Transferor)
- (2) Mr. Taher K Banatwala
(Transferee)
- (3) Transferor.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st May 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12887/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 303, Rewa Apartment B, Mahalaxmi Compound, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 on 3rd floor, Rewa Apartment-B, Mahalaxmi Compound, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10820/86-87 on 25-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 1-5-1987
Seal :

FORMS ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Nina Rajendra Mehta, (Transferor)
 (2) Pranlal A. Damani,
 Smt. Bhagirathiben P. Damani. (Transferee)
 (3) Transferor.
 (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st May 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12888/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 23-B, Sea Gull Co-op. Housing Society Ltd., 4-A, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 23-B, Sea Gull Apartments, 4-A, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10821/86-87 on 25-9-1986.

P. N. BANSAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.,
BOMBAY

Bombay, the 29th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12889/86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing No.
Flat No. E-11, 6th floor, Walkeshwar Triveni CHSL, 66
Walkeshwar Road, Bombay-6,
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 25-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(1) Pranlal A. Damani &
Bhagirathiben P. Damani.

(Transferor)

(2) Dinesh Kantilal Doshi
Manjula Dinesh Doshi.

(Transferee)

(3) Transferees.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. E. 11, 6th floor, Walkeshwar Triveni CHSL,

66, Walkeshwar Road, Bombay-400 006.
The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10822/86-87 on
25-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 29-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Gul H Setpal.

(Transferor)

(2) Mr. Mahendrakumar N. Gandhi & Mrs. Varshaben M Gandhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12912/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

Flat No. 41, 4th floor, Brij Kutir CHSL, 68-A, Rungta Lane, L. Jagmohandas Marg, Napean Sea Road, Bombay-400006 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 41, 4th floor, Brij Kutir CHSL, 68-A, Rungta Lane, L. Jagmohandas Marg, Napean Sea Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10826/86-87 on 25-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds & Properties. (Transferor)
- (2) Mr. Nozer S. Daroga & Mrs. Veera N. Daroga. (Transferee)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 29th April 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12915/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 701 on 7th floor, and 2 Garages in the proposed building Spenta Co-op. Hsg. Society, B. G. Kher Marg (Gibbs Road) Bombay-400 006, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Flat No. 701 on 7th floor and 2 Garages in the proposed building 'Spenta Co-operative Housing Society, B. G. Kher Marg (Gibbs Road) Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10328/86-87 on 25-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I A,
Bombay

Date : 29-4-1987
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Khemchand B. Kothari,
Gyanchand N. Kothari,
Rajendra K. Kothari.

(Transferor)

(2) M/s The Govalatank Vardhan Co-op. Hsg. Soc Ltd.
(Transferee)

(3) Members of the Society.
(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th April 1987

Ref. No. AR-I/37-G/5411/86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
All that piece or parcel of land with dwelling house standing
thereon situated at 135-A Gowalia Tank Road (now known as
August Kranti Marg), bearing C.S. No. 568 (Part) or Cum-
balla & Malabar Hill Divn.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the Office of the Com-
petent Authority
at Bombay on 8-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece or parcel of land with dwelling house stand-
ing therein situated at 135-A, Gowalia Tank Road (now
known as August Kranti Marg) bearing C.S. No. 568 (part)
of Cumballa & Malabar Hill Division. Schedule as mentioned
in the Registered Deed No. Bom. 900/79 and registered on
8-9-1986 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 29-4-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s Puri Constructions (Bombay) Pvt. Ltd.
(Transferor)
- (2) M/s Radhakamal Trading Co. & Ors.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/121/5463/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing

Shop No. 89, Ground floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Marg, Bombay-1
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 89, Ground floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Marg, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10801/86-87 on 18-9-1986.

P. N. BANSAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Date : 5-5-1987
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s Pervin Pesi Shaw & Others.

(Transferor)

(2) Capt. Vijay Raichand.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY**

Bombay, the 5th May 1987

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-IA/37EE/123/10415/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 7E in Harbour Heights 'B' near Sasoon Docks, Colaba, Bombay-400 005 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 7E in Harbour Heights 'B' near Sasoon Docks, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10794/86-87 on 18-9-1986

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1987

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Malek Sultana & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. Dinshaw Rustum Irani (Gilani) & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1A, BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/120/10434/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 5, 1st floor, Gul Manor Premises CHSI, 8, Ramchandani Road, Colaba, Bombay-5 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, Gulmanor in Gulmanor Premises Co-operative Society Ltd., 8, Ramchandani Road, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10802/86-87 on 18-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1A, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s Ahmedabad Manufacturing and Calico Printing Co. Ltd.
(Transferor)
- (2) Roopjyot Engineering Pvt. Ltd.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IIA, BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR.I/37EE/93/10800/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- Rs. 5,00,000/- and bearing Unit C of Commerce Centic No 1, Cuffe Parade, Bombay-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit C of Commerce Centic No. 1, Cuffe Parade, Bombay-5. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR.I/37EE/10830/86-87 on 25-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Acquisition Range-IIA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s C. J. Exporters.

(Transferor)

(2) Ashok Alimchand Bhaiwani & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/122/11180/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Office No. 145, Wing 'C' 14th floor, Mittal Court, Plot No. 224, Block No. III, Nariman Pt, Bombay-400 021 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office No. 145, Wing 'C' 14th floor, Mittal Court, Plot No. 224, Block No. II, Backbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.I/37EE/10796/86-87 on 18-9-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1987
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Mrs. Sakinabai Hasanali Tiwani.

(Transferor)

(2) M/s. The Indian Hotels Company Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA /37EE/107/12535/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 19 in Sindh Chambers, Colaba, Bombay-400005, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 19 in Sindh Chambers, Colaba, Bombay-400005. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.IA/37EE/10707/86-87 on 1-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Date : 5-5-1987
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Hamid Ifasanali Jiwani.

(Transferor)

(2) M/s. The Indian Hotels Company Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No AR-IA /37EE/109/12536./86-87—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 20 of the Sind Chambers, Colaba, Bombay-400005.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 20 of the Sind Chambers, Colaba, Bombay-400005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.IA/37EE/10708/86-87 on 1-9-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IA, Bombay

Date : 5-5-1987

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM II(NS)

(1) Mr. Nazir Ahmed & Anr.

(Transferor)

(2) M/s. UNITECH Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/105/37EF/86-87/12538.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5.00,000/- and bearing Office No. 501, 5th floor, Market Chamber-V, Nariman Point, Bombay-400021.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Office No. 501, 5th floor, Maker Chamber-V, Nariman Point, Bombay-400021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.IA/37EF/10710/86-87 on 1-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) Harnam Singh Kulbir Singh Trust & Ors.
 (Transferor)
 (2) M/s. Mazda Leasing Ltd.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1A
BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/104/37EE/86-87/12550.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Office Premises No 56 on the 5th floor of building known as Free Press House, Nariman Point, Bombay-21, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-1A, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 43 -96 GI/87

Date : 5-5-1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Rekha Ramesh Narvekar.

(Transferor)

(2) Mr. Moiz Pancha and
Mrs. Munira M. Pancha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-IA/37EE/103/12550 '86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 2 on 12th floor, Sunflower Apartment, Cuffe Parade, Bombay-400005. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 12th floor, Sunflower Apartment, Cuffe Parade, Bombay-400005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IA/37EE/10719/86-87 on 1-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IV/37EE/102/12571/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 6-B, 2nd floor, New Shalimar CHSL, 91, Marine Drive, Bombay-400002.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Bhadrakumar Manilal Shah.

(Transferor)

(2) Shri Jasubhai Kalidas Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 6-B, 2nd floor, New Shalimar CHSL, 91, Marine Drive, Bombay-400002

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.IV/37EE/10721/86-87 on 1-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Mohamed Afzal Mohamed Yusuf Masalawala.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M₁. Yusuf Ebrahim Merchant.
(Transferee)
(3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay the 5th May 1987

Ref. No. ARI/37EE101/86-87/12572.—Whereas, I,
 P. N. BANSAL
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
 Shop No. 27-A on ground floor in the building known as Market Arcade in the complex known as market Towers on plot Nos. 73A, 74, 83, 84 & 85 Block V, Backbay Reclamation, Cuffe Parade, Bombay-5 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 27-A on the ground floor in the building known as Maker Arcade, in the complex known as Maker Towers Plot Nos. 73A, 74, 83, 84 & 85, Block V, Backbay Reclamation, Cuffe Parade, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. ARI/37EE/10722/86-87 on 1-9-1986.

P. N. BANSAL
 Competent Authority
 Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1987
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY(1) Shri Kiritkumar J. Kothari,
Smt. Varsha K. Kothari.

(Transferor)

(2) Dr. Hafizuddin S. Shaikh,
Smt. Ayesha H. Shaikh.

(Transferee)

(3) Self-occupied.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/112/86-87/12673.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103, 10th floor, Mehr Naz, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5 with open car parking space, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 103, 10th floor, Mehr-Naz, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5 and open car parking space.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR I/37EE/10744/86-87 on 11-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY**

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/37EE 111/86-87/12694.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office premises on 5th floor Rampart House, Rampart
Premises CSL, Rampart Row, Bombay
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the same is registered under Sect.
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 11-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(1) Shri Chinubhai Himatlal Shah,
Shri Rajesh C. Shah,
Shri Dharmesh C. Shah,
Shri Pravinchandra P. Mehta,
Shri Sanjay P. Mehta,
Shri Rajiv K. Mehta.

(Transferor)

(1) M/s. Ebers Pharmaceuticals Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Office premises on 5th floor, Rampart House, Rampart
Premises Co-operative Society Ltd., Rampart Row, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No AR.I/37EE/10749/86-87 on
11-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-5-1987
Seal :

FORM IT.N.S.—

(1) Mr. Jaswant Singh Ahluwalia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr. Murlidhar K. Dodani,
Mr. Hasoomal K. Dodani,
Mr. Nariman K. Dodani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 14-A on the 1st floor of the building Jolly Maker Apartments No. 1 situated at 95-96-97, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No AR.IA/37EE/10707/86-87 on 1-9-1986.

P. N. BANSAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1987

Seal :

FORM ITNS

- (1) Mrs. Pravina Pravinchand Shroff. (Transferor)
 (2) Mr. Tarlochansingh Choudhary. (Transferee)
 (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/127/86-87/12706.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Room No. 102 102, Himalaya House, Palton Road, Bombay-
400001.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under Section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 1-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Room No. 102, Himalaya House, Palton Road, Bombay-
400001.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR.IA/37EE/10707/86-87 on
1-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Date : 5-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Swaran Kapoor.

(Transferor)

(2) Mrs. Iyonna V. Panikker &
Mr. Vinod R. Panikker,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA 37EE/131/86-87/12779.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No 3 on the 16th floor, Sunflower Building Cuffe Parade,
Bombay-400005.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under Section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 1-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No 3 on the 16th floor, Sunflower Building, Cuffe Parade,
Bombay 400005.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10707/86-87 on
19-9-1986.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

44—96 GI/87

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Date : 5-5-1987

Seal :

FORM NO. LT.N.S.—

(1) Mrs. Mandakini Krishna Apte

(Transferor)

(2) Navinchandra Chabildas Shah & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA|37EE|108|12588|86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 25, 4th floor, Vishnu Mahal, 59, Churchgate D-Road, Bombay-20 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 25, 4th floor, Vishnu Mahal 59, Churchgate Reclamation, D-Road, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bomboay, under No. AR.I|37EE|10774-A|86-87 on 19-9-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1987

Seal :

FORM ITN8

(1) Mr. Dilip G. Makhijani & Anr.

(Transferor)

(2) Smt. Saraswati B. Masand

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA|119|12608|86-87.—Whereas, I,
 P. N. BANSAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Fl. tNo. 31, Veena Tower Situated at SCT 51 & 1/51, Shahid Bhagatsingh, Near Colaba Post Office, Bombay-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 31, Veena Tower, situated at C.S.T. 51 & 1/51 at Shahid Bhagatsingh, Near Colaba Post Office, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-IA|37EE|10728|86-87 on 11-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

P. N. BANSAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Laxmi H. Makhijani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/109/12069/86-87.—Wheeras, I.,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 3, Maker Arcade, Plot No. 73A, 74, 83 & 84,
Block 5, Backbay Reclamation, Cuffe Parade, Bombay-5
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 18/9/1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Kavita R. Kripalani

(Transferee)

(3) Smt. Kavita R. Kripalani

(Person in occupation of the property)

(4) Smt. Kavita R. Kripalani

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Maker Arcade, Plot No 73A, 74, 83 & 84,
Block-5, Backby Reclamation, Cuffe Parade, Bombay-400005.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-IA/37EE/10798A/86-87 on 18/9/1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Vall Abhlas J. Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Laxman Ramsinghani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/118/12611/86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 5 on 9th floor, in Satnam Apartments, Cuffe Parade,
Colaba, Bombay-5 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 11-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5 on the 9th floor in Satnam Apartments, Cuffe
Parade, Colaba, Bombay-400005.

The agreement has been registered by the Competent Authority
Bombay, under No. AR-IA/37EE-10729/86-87 on
11-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-5-1987

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Mrs. Jamna Devi Goswami

(Transferor)

(2) M/s. Protos Engineering Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/117/M2615/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 7 on 1st floor, Thakur Niwas CHSL, 173, Jamshedji Tata Road, Bombay-20, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 7 on 1st floor, Thakur Niwas Co-operative Housing Society Ltd., 173, Jamshedji Tata Road, Bombay-400020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IA/37HE/10731/86-87 on 11-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1987
Seal:

FORM ITNS

(1) Mrs. Leela M. Chandiramani

(Transferor)

(2) Hindustan Lever Limited

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-1A|37FE|116|12625|86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 7, 'Mistry Court' Gulshiana CHSL, 208, Dinshaw Wachha Road, Bombay 400020, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent authority at Bombay on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 7, 'Mistry Court' Gulshiana Co-operative Housing Society Limited 208, Dinshaw Wachha Road, Bombay 400020.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-1A|37EE|10733|86-87 on 11-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s Percy & Kaizad Poadlines Pvt. Ltd.
(Transferor)
(2) Mr. Hirji B. Allbless & Others
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA|37EE|I'14|12652|86-87.—Whereas, J. P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 902, 9th floor, Jamuna Sagar Building Opp. Colaba Post Office Bombay-400005 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 902, 9th floor, Jamuna Sagar Building Opp. Colaba Post Office, Bombay-400005.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR. IA|37FF|10739|86-87 on 11-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Arjan R. Tandon & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant T. Vora & Anr.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/113|12657|86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.
Flat No. 70, 6th floor, Bharat Mahal, 86, Marine Drive, Bombay-2, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority
at Bombay on 11-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 70 on 6th floor of 'Bharat Mahal' 86, Marine Drive, Bombay-400002.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-IA/37EE-10741|86-87 on 11-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

FORMS ITNS

(1) M/s RVS. Investment Trading Co. Pvt. Ltd.
(Transferor)
(2) Smt. Vimla Balram Nagpal
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR-IA|37EE|98A|12646|86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 8-B, 8th floor in 'Naples' CHSL, Colaba, Bombay-400005, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 8B, 8th floor in building known as 'Naples' at Naples Co-op. Housing Society Ltd., Colaba, Bombay-400005.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-IA|37EE|10736|86-87 on 11-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. RVS. Investments & Trading Co. Pvt. Ltd.
(Transferor)
(2) Shri Balram D. Nagpal
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/115/12647/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 8A, 8th floor in 'Naples' CHSL, Colaba, Bombay-400005 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 8A, 8th floor, in building known as 'Naples' at Naples Co-op. Housing Society Ltd., Colaba, Bombay-400005.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-IA/37EE-10737/86-87 on 11-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Ruki R. Hiranandani & Ans.

(Transferor)

(2) Gobind Mahal Co-op. Housing Society Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA|37EE|130|12712|86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 6th floor, 61, Gobind Mahal, 86B, Netaji Subhash Road, Bombay-2 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat on 6th floor, 61, Gobind Mahal 86-B, Netaji Subhash Road, Bombay-400002.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I|37EE-10753|86-87 on 18-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.
(Transferor)
(2) Raju D. Shah & Others
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA|37EE|129|12713|86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000 - and bearing No.

Shop No. 19 on Ground floor Ashoka Shopping Centre, G.T.
Hospital Complex L.T. Marg, Bombay-1 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under Section
269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority
at Bombay on 18-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Shop No 19 on ground floor of Ashoka Shopping Centre
G T. Hospital Complex, L. T. Marg, Bombay-400001.

The agreement has been registered by the Competent Authority
Bombay, under No. AR.IA|37EE-10754|86-87 on
18-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 5-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Mumtaz Begum U. Mukri.

(Transferor)

(2) Mr. Taro Vazirmal Ramchandani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/128/12740/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority, under sec. 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5 on Ground floor, Churchgate Mansion Churchgate CHSL, 17 A Road, Churchgate Bombay-400020, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18/9/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on the ground floor, Churchgate Mansion, Churchgate Co-op. Housing Society Ltd, 17A Road, Churchgate, Bombay-400020.

The amentee has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IA/37EE-10756/86-87 on 18/9/1986.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 5/5/1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Urmila J. Kapoor & Others,

(Transferor)

(2) Mr. Natwarlal P. Shah & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-1A
BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/126/12750/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 26 on the 4th floor, of the building known as 'Shreyas' at 180, Madame Cama Road, Bombay-400020, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18/9/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 26, on the 4th floor of the building known as 'Shreyas' situated at 180, Madam Cama Road, Bombay-400020.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR. IA/37EE/10763/86-87 on 18-9-1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1A, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 5/5/1987

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Recordex Business Systems.

(Transferor)

(2) Bombay Chartered Accountants' Society.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/125/12762/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9, Churchgate Mansion 17 'A' Road, Churchgate, Bombay-400020, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19/9/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

9, Churchgate Mansion 17-A Road, Churchgate, Bombay-400020.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR.IA/37EE-10768/86-87 on 19/9/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 5/5/1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) K. P. Anthony by his constituted Attorney
K. T. Frances (Transferor)
(2) Jyotsna Valia Trust.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/124/12811/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 111 on 1st floor, of the building known as Dalamal Chambers, New Marine Lines, Bombay-400020. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19/9/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 111 on the 1st floor of the building known as Dalamal Chambers, New Marine Lines, Bombay-400020.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR.IA/37EE-10783/86-87 on 19/9/1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

16—96 GI/87

Dated : 5/5/1987
Seal.

FORM ITNS

- (1) Smt. Sundri Alias Nita N. Gulrajani. (Transferor)
 (2) Mr. Chander T. Bhatia & Ans. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref. No. AR-IA/37EE/100/12852/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, on 13th floor, Basant Apartments, 101, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/9/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 13th floor, Basant Apartments, 101, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IA/37EE-10807/86-87 on 25/9/1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 5/5/1987

Seal :

FORM IINS

(1) Smt. Deepa Janak Hathiramani.

(Transferor)

(2) Asha Prakash Tatreja & Anr

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/99/12857/86-87--Whereas, I,
P. N. BANSAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 20, 2nd floor, 'Bela Court No. 2' at Colaba Causeway, Bombay 400005.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under Section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 25/9/1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 20, 2nd floor, 'Bela Court No. 2' at Colaba Causeway, Bombay 400005.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. ARIA/37EE-10808/86-87 on 25/9/86.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 5/5/1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Prashant Nathmal Somani & Ors.

(Transferor)

(2) Comet Steels Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-IA/96/12881/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property admeasuring 310 sq ft. on 10th floor in the South/East Wing of the building known as Chander Mukhi, B-Block Plot No. 10, New plot No. 316, Backway Recl. Bombay-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/9/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property admeasuring 3310 sq. ft. on 10th floor, South/East Wing of Chander Mukhi, Block 'B' Plot No. 10, New Plot No. 316, Backway Reclamation, Bombay 400021.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. ARI/37HE/10818/86-87 on 25/9/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 5/5/1987

Seal :

FORM ITNS

(1) Bharat Commerce & Industries Ltd.

(Transferor)

(2) Kesoram Industries Ltd. (Formerly known as Kesar-ram Ind. & Cotton Mills Ltd.).

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-IA
 BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/97/12873/86-87.—Whereas, I,
 P. N. BANSAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value
 exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
 Office premises No. 108 on 10th floor of the building Maker
 Chambers No. II on plot No. 225, Backbay Reclamation,
 Nariman Point Bombay-400 021.
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the same is registered under Section
 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
 Competent Authority at
 Bombay on 25/9/1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as afore-
 said exceeds the apparent consideration therefor by more
 the consideration for such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of :—

Objection, if any to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publications of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
 vable property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

Office No. 108 on 10th floor of the building known as
 Jolly Maker Chamber No. II on plot No. 225, Backbay Rec-
 lamation, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority Bombay, under No. AR-IA/37EE/10814/86-87 on
 25/9/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. BANSAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Dated : 5/5/1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shrenik Jayantilal Jain.

(Transferor)

(2) M/s. Kinkala Investment & Trading Co.
Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of this said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-IA/116A/12908/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 30% share in the office premises No. 707 on 7th floor 'Raheja Centre' 214, Nariman Point, Bombay-400 021, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/9/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

30% share in the office premises No. 707 on 7th floor Raheja Centre, 214, Nariman Point, Bombay-400 021. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR.IA/37EE-10823/86-87 on 25/9/1986.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 5/5/1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. J. S. International.

(Transferor)

(2) Midcast Consultants Private Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/95/12911/86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,
 being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.
 Office premises at 144, 14th floor 'Atlanta' Nariman Point Bombay-400021.
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/9/1986
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office premises at 144, 14th floor 'Atlanta' Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-IA/37EE-10825/86-87 on 25/9/1986.

P. N. BANSAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 5/5/1987
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Nozer Sorabji Daroga.
Mrs. Veera Nozer Daroga.

(Transferor)

(2) Mrs. Suhasini Keki Shroff.
Mr. Keki Ruttonji Shroff.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-IA
 BOMBAY

Bombay, the 5th May 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/94/12914/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 102, 10th floor Mehr. dad Co. op. Housing Soc. Cuffe Parade, Bombay-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25/9/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 10th floor, Mehr. dad Co-op. Housing Society, Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR.I/37EE-10827/86-87 on 25/9/1986.

P. N. BANSAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range-IA, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 5/5/1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Kanwar Sen Sahni
KU-99, Kavi Nagar,
Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Sh. M. L. Khanna
74, Janpath,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFAI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq) Range-III/Sr-III/9 86/16.—

Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

1/8th share of prop. No. 74, Janpath situated at New Delhi Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned . . .

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/8th share of prop. No. 74, Janpath, New Delhi. Area 972 sq. mtr.

SUBASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 12-5-1987
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-III/SR-III/9-96/17.—
Whereas, I, SUBHASH KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Property No. 17 situated at Sunder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. The Trivani Engineering Works Ltd.
at Kailash, 2nd floor,
26, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi-1,
through Sh. R. L. Sawhney,
Co. Secretary.

(Transferor)

(2) M/s. Kamenji Upaskar Ltd.
at Kailash, 2nd floor,
26, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Property bearing No. 17, constructed the plot measuring 866.36 sq. or thereabout, situated Sunder Nagar, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq.) / Range-III\$SR-JII '9-86/18.—
 Whereas, I, SUBHASH KUMAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 5,00,000/- and bearing No.
 1/8th share of prop. No. 74, Janpath situated at New
 Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the Office of the Registering Officer at
 New Delhi in September 1986.
 for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent
 consideration and that the consideration for such transfer
 as agreed to between the parties has not been truly stated in
 the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Satish Kumar Sahni
 C-51, Nizamuddin East,
 New Delhi.

(Transferee)

(2) Sh. Madan Lal Khanna
 74, Janpath,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days, from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

1/8th share of property No. 74, Janpath, New Delhi.
 Area 972 sq. mtrs.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 12-5-1987

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Sh. Anil Kumar Sahni
C-565, New Friends Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Madan Lal Khanna
74, Janpath,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq) Range-III/SR-III/9-86/19.—
 Whereas, I, SUBHASH KUMAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
 moveable property, having a fair market value
 exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.
 1/8th share of prop. No. 74, Janpath situated at New
 Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the Office of the Registering Officer at
 New Delhi in September, 1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the applicant consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration of such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax
 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

1/8th share of property No. 74, Janpath, New Delhi.
 Area 972 sq. mtrs.

SUBHASH KUMAR
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
 namely :—

Date : 12-5-1987
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Prem Kumar Sahni
B-425, New Friends Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Madan Lal Khanna
74, Janpath,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

Ref. No. I.A.C.(Acq) Range-III/SR-III/9-86/20.—
Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 1/8th share of prop. No. 74, Janpath situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/8th share of property No. 74, Janpath, New Delhi.
Area 800 sq. mtrs.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1987
Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C./Acq-III/SR-III/9-86/22.—

Whereas, I, SUBHASH KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing No.

52, Sunder Nagar situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said Instrument of Transfer with the object of :—

(1) M.s. Motor & General Finance Ltd.
M.G.F. House,
Asaf Ali Road,
Delhi.

(2) Shri Ashwani Shanker
53, Golf Links,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are dened in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

52, Sunder Nagar, New Delhi, 866 sq. yds.

- 'b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-III/9-86/SR-III/57.—

Whereas, I, SUBHASH KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding

Rs. 5,00,000/- and bearing
flat No. 'C' Prop. No. 10203, Kh. No. 1473/1257 situated
at Block 'S' Naiwala Scheme, Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) M/s. Nirankari Flour &
Vegetable Oil Ind. (P) Ltd.,
Office at B-1,
Lawrence Road,
Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Ravi Kumar Bansal
L-26, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in the
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No.'C' measuring 927 sq. ft. on forth floor of pro-
perty bearing No. 10203, Khas No. 1473/1257, Block 'S'
Naiwala Scheme, Karol Bagh, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 12-5-1987
Seal ;

FORM ITNS

(1) M/s Nirankari Flour & Vegetable Oil Ind (P) Ltd,
Office at B 1,
Lawrance Road,
Delhi.

(2) Sh Perveen Kumar Bansal
L 26, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref No IAC(Acq)/Range-III/SR III/9-86/58 —
 Whereas, I, SUBHASH KUMAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 5,00,000/- and bearing No Flat No 'B' Prop No 10203, Kh No 1437/1257 situated at Block 'S', Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No 'B' measuring 1631 sq ft on forth floor of property No 10203 Khasra No 1437/1257 Block 'S', Nalwala Scheme, Gurdwara Road, Karol Bagh, New Delhi,

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date 12 5 1987
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Nirankari Flour & Vegetable Oil Ind. (P) Ltd., Office at B-1, Lawrence Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Piem Lata L-26, Kuti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAFT ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No I.A.C.(Acq)/Range-III/SR-III/9 86/59.—
Whereas, I, SUBHASH KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No A, Prop No 10203, Block 'S' Naiwala situated at Gurudwara Road, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—
No 1/2 share in property No. C-85, NDSE Part-III situated at New Delhi

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. A, measuring 1594 sq ft on fourth floor of property bearing 10203 Khasia No. 1473/1257 Block 'S' Naiwala Scheme, Gurudwara Road, Karol Bagh, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
48-96 GI/87

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/9-86/60.—

Whereas I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 1/5th share situated at Prop. No. 9, NWA Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Raghbir Singh
93, Shakshara Apartments,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Satyawati
Hira Lal,
Amit Arora
Varsha Arora and
Master Sechin Arora
R/o 9, North West Avenue,
Punjabi Bagh,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/5th of property No. 9, North West Avenue, Punjabi Bagh, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Rajinder Singh
R/o A-20, Swastha Vihar,
Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Satyawati
2. Hira Lal
3. Amrita Arora
4. Smt. Varsha Arora
5. Master Sachin Arora
R/o 9, NWA, Punjabi Bagh,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/9-86/61.—

Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 1/5th share Prop. No. 9 situated at NWA, Punjabi Bagh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/5th share of property No. 9, NWA, Punjabi Bagh, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No IAC / Acq III SR-II/9 86/62 —
 Whereas, I, SUBHASH KUMAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 1/5th share situated at Prop No 9, North West Avenue,
 Punjabi Bagh, Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under Registration Act,
 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
 New Delhi in September, 1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Sampuran Singh
 R/o 92, Madhuwan,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Satyawati
 2. Hira Lal
 3. Amita Arora
 4. Smt. Varsha Arora
 5. Master Sachin Arora
 R/o 9, Punjabi Bagh,
 Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/5th share of property No. 9, NWA, Punjabi Bagh, New
 Delhi

SUBHASH KUMAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 12-5-1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohinder Singh
126, Defence Colony,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Satyawati, Shri Hiralal & Amit Sachin,
109, North West Avenue,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14 A, ASAFAU ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/9-86/63.—Whereas, I,
SUBHASH KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/-
and bearing
1/5th share situated at Prop. No. 9, North West Avenue
Punjabi Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred/regrd. under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in September, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

1/5th share of property 9, North West Avenue Punjabi
Bagh, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4, 14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/9-86/64.—Whereas, I,
SUBHASH KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing
1/4th share situated at 4/78, Punjabi Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred/regd. under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in September, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) S. Inderjit Singh and
S. Pritpal Singh, S/o
S. Daulat Singh, R/o
4/78, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash Jojodia
S/o late Sh. Madan Lal Jojodia,
R/o Nilamber Building, 28-B, Theatre Road,
Calcutta-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of property No. 4/78, Punjabi
Bagh, New Delhi.

SUBHASH KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 12-5-1987
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI**

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/9-86/65.—Whereas, I,
SUBHASH KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
1/4th share situated at 4/78, Punjabi Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred/regd. under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in September, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(1) S. Indejeet Singh and
S. Pratpal Singh, S/o
late S. Daulat Singh, R/o
4/78, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kailash Jojodia
S/o late Sh. Madan Lal
R/o Nilamber Bldg. 28-B, Theater Road,
Calcutta-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

1/4th undivided share of property No. 4/78, Punjabi
Bagh, New Delhi.

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/9-86/66.—Whereas, I,
SUBHASH KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
1/4th share situated at 4/78, Punjabi Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred/regrd. under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in September, 1986.

To late Sh. Madan Lal Jojodia,
R/o Nilamber Bldg, 28-B, Theater Road,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor, to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of property No. 4/78, Punjabi
Bagh, New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-5-1987
Seal :

(1) S. Inderjit Singh and
S. Pritpal Singh, S/o
late S. Daulat Singh, R/o
4/78, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)
(2) Shri Sushil Kumar Jojodia
S/o late Shri Madan Lal Jojodia,
R/o Nilamber Bldg. 28-B, Theater Road,
Calcutta-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/9-86/67.—Whereas, I,
SUBHASH KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
1/4th share situated at 4/78, Punjabi Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred regd. under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in September, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(1) S. Inderjit Singh and
S. Pritpal Singh, S/o
late S. Daulat Singh, R/o
4/78, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Durga Devi Jojodia
W/o late Sh. Madan Lal
R/o Nilamber Bldg, 28-B, Theater Road,
Calcutta-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of property No. 4/78, Punjabi
Bagh, New Delhi.

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
49—96 GI/87

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM JTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/(Acq)/Range-III/SR-II/9-86/70.—
Whereas, I, SUBHASH KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 37/74, Punjabi Bagh, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred/regd. under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Entire ground floor, alongwith the undivided proportionate land of property No. 37/44, Punjabi Bagh, New Delhi.

Area 275.44 sq. yds.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Satya Pal Narang, R/o
37/74, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Jasbir Singh, R/o
42/52, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Satya Pal Narang, S/o
Shri Chaman Lal R/o
37/74, Punjabi Bagh,
New Delhi

(Transferor)

(2) S. Guibachan Singh, S/o
S. Mehar Singh, R/o
42/52, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC(Acq)/Range-III/SR-II/9-86/71 —
Whereas, I, SUBHASH KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 37/74, Punjabi Bagh, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/regrd. under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Entire first and the second floor alongwith un-divided proportionate land and un-restricted right of the passage out of property No. 37/44, Mg. 275.44 sq. yds. Punjabi Bagh, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/9-86/72.—Whereas, I,
SUBHASH KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
1/6th share in Property No. 4/12 situated at
Punjabi Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred/regd. under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in September, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Charan Singh, S/o
Shri B. S. Ram, R/o
4/12, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. K. Gupta, S/o
Shri Kali Ram, R/o
4/12 Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in property No. 4/12 area 2247.58 sq. yards
Punjabi Bagh, New Delhi.

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pritam Singh
S/o Shri B S Ram,
4/12, Punjabi Bagh,
New Delhi

(Transferor)

(2) Smt Bimla Kumari
W/o Shri G B Gupta,
4/12, Punjabi Bagh,
New Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4 14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref No IAC/Acq III/SR-II/9-86/73 —Whereas, 1, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing 1/6th share property No 4/12 situated at Panjab Bagh New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred/redeemed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

1/6th share of property No 4/12 Punjabi Bagh, New Delhi Area 2247 58 sq yds

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date, 12-5-1987
Seal

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Kirpal Singh
S/o Shri B. S. Ram,
4/12, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Bajrang Lal
S/o Shri Kali Ram
4/12, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4, 14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/9-86/74.—Whereas, I,
SUBHASII KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
1/6th share property No. 4/12, situated at
Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred, regd. under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in September, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/6th share of property No. 4/12 Punjabi Bagh, New
Delhi. Area 2247.58 sq. yds.

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Re: No IAC Acq III/SR-II/9-86/85 —Whereas, I,
SUBHASH KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearing No
1/6th share of property No 4/12, situated at
Punjabi Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and regd under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in September, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of each apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Nirmal Singh
S/o Shri B S Ram,
112 Punjabi Bagh
New Delhi
(Transferor)
- (2) Smt Sushila Devi
W/o Shri Rattan Lal
4/12 Punjabi Bagh
New Delhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of this said Act,
shall have the same meaning as given in this
Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

1/6th share of property No 4/12 Punjabi Bagh, New
Delhi Area 2247 58 sq yds

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date 12-5 1987
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/9-86/76.—Whereas, I,
SUBHASH KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1/6th share property No. 4/12, situated at
Punjabi Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and regd. under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in September, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Baljit Kaur
D/o Shri B. S. Ram
4/12, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sharda Devi
W/o Shri Mahavir Prasad,
4/12, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share of property No. 4/12 Punjabi Bagh, New
Delhi. Area 2247.58 sq. yds.

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Ishar Singh
s/o Shri B. S. Ram
r/o 4/12 Punjabi Bagh,
Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri S. K. Garg
s/o Sh. Kali Ram
r/o 4/12 Punjabi Bagh,
Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

1/6th share of property No. 4/12 Punjabi Bagh, Delhi.
Area 2247.58 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi- 110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
0—96 GI/87

Date : 12-5-1987
Seal .

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4 14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq.) Range-III/SR-II/9-86/78.—
Whereas, I, SUBHASH KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1/4th share of property no. 18/42, Punjabi Bagh
situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering
Officer at
New Delhi on September 1986
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(1) Shri Shadi Lal
s/o Sh. Sunder Dass,
r/o A-1/2, Paschim Vihar,
New Delhi.

(2) Smt. Ranjna Nayar
w/o Sh. Brij Mohan Nayar,
r/o 18-42, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Undivided 1/4th share of property no. 18/42, Punjabi
Bagh, New Delhi are of Vill. Madipur, Delhi area
measuring 283.84 sq. yds. out of total area measuring
1135.35 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of Indian Income-Tax Act 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi- 1100

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4, 14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq.)/Range-III, SR-II/9-86/79.—

Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/4th share of property no. 18, 42, Punjabi Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shadi Lal
s/o Sh. Sunder Dass,
r/o A-1/2, Paschim Vihar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Prem Kundia
w/o Sh. Surinder Kumar,
r/o 18-42, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Undivided 1/4th share of property no. 18/42, Punjabi Bagh, New Delhi are of Vill. Madipur, Delhi area measuring 283.84 sq. yds. out of total area measuring 1135.35 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
Acquisition Range-III,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House,
4, 14-A, Asaf Ali Road
New Delhi- 110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM I.T.N.3**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4 14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. J.A.C.(Acq.), Range-III/SR-II/9-86/80.—
 Whereas, I, SUBHASH KUMAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 No. 1/4th share of property no 18,42, Punjabi Bagh,
 situated at New Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and registered under the Registration
 Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering
 Officer, at
 New Delhi on September 1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

(1) Shakti Lal
 s/o Sh. Sunder adass,
 1/o A-1/2, Paschim Vihar,
 New Delhi.

(Transferee)

(2) Master Rajan Nayar &
 Master Vipul Nayar,
 r/o 18-42, Punjabi Bagh,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share of property no 18 42, Punjabi
 Bagh, New Delhi of Vill Madipur, Delhi area measuring
 283 84 sq. yds out of total area measuring 1135 35 sq. yds.

SUBHASH KUMAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III,
 Aggarwal House,
 4,14-A, Asaf Ali Road
 New Delhi- 110002

Date : 12-5-1987
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq.)/Range-III/SR-II/9-86/81.—
Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/4th share of property no. 18/42, Punjabi Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shadi Lal
s/o Sh. Sunder adss,
r/o A-1/2, Paschim Vihar,
New Delhi.

(Transferor)
(2) Master Jugal Kishore and
Miss Preeti
r/o 18-42, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Undivided 1/4th share of property no. 18/42, Punjabi Bagh, New Delhi are of Vill. Madipur, Delhi area measuring 283.84 sq. yds. out of total area measuring 1135.35 sq. yds:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/9-86/82.—Whereas, I,
SUBHASH KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 79, in Class 'C' West Avenue Road, Punjabi Bagh,
Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering
Officer at
New Delhi in September 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Sh. Vipin Chopra,
Sh. Avinash Bahl,
for self as well as general attorney of his real
brother Sh. Subhash Bahl,
all r/o Panagarh, Distt. Burdwan,
West Bengal.

(Transferor)

(2) 1. S. Sunder Singh
2. S. Inder Singh &
3. S. Rajinder Singh,
all r/o F-15, Nizam-Ud-Din West,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 79, in Class 'C' Mg. 555.55 sq. yds. West Avenue
Road, Punjabi Bagh, New Delhi.

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

- (1) 1. Sh. Pritam Singh,
2. Sh. Darshan Singh,
r/o 40/43, Punjabi Bagh,
Delhi,

(Transferor)

- (2) 1. Sh. Amrik Lal
2. Sh. Harbans Bai
3. Sh. Harmohan Singh,
r/o 2995/2, Chuna Mandi, Pahar Ganj,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. I.A.C.(Acq.)/Range-III/SR-II/9-86/83.—
Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. 40, Rd. No. 43, Punjabi Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property No. 40 on Road No. 43, mg. 561.11 sq. yds., single storeyed house, situated at Punjabi Bagh, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq.), Range-III/SR-II/9-86/84.—
 Whereas, I, SUBHASH KUMAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 16/78, Vill. Bassai Darapur, Punjabi Bagh, situated at
 Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and registered under the Registration
 Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering
 Officer at

New Delhi in September 1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(1) Sh. Chander Mohan Singh,
 Smt. Amrit Kaur
 for and as attorney of hei Sh. Man Mohan Singh
 16/78, Punjabi Bagh,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sham Swarup Dua and
 Smt. Chander Kanta Dua,
 16/78, Punjabi Bagh,
 Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

House No. 16/78, measuring 2275.92 sq. yds. situated
 at Punjabi Bagh, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi state,
 Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed, by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 Aggarwal House,
 4/14-A, Asaf Ali Road
 New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 12-5-1987
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/9-86/85.—Whereas, I,
SUBHASH KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeds Rs.
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
30/75, situated at Punjabi Bagh, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on September 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(1) Smt. Bimla Devi
W/o Shri Nand Kishore,
R/o No. 5, Rajshukhar, Mondial Road,
Opp. Kalyani Hospital, Munalapore,
Madras.

(Transferor)

(2) 1 Shri Nand Lal Bansal,
2. Smt. Kamlesh Bansal,
R/o 38/75, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Half portion built on Plot No. 30 on road No. 75, Punjabi
Bagh West, Delhi. Mg. 525 sq. yards.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

51—96 GI/87

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

Bombay, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq. Range-III/SR-II/9-86/86.—Whereas, I,
SUBHASH KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

4/56, Punjabi Bagh, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on September 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object :—

(1) Shri Tarlok Singh
R/o 56/34, Punjabi Bagh,
New Delhi and
Shri Raj Mohan Singh,
R/o 56/34, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(2) Shri Pirthi Pal Singh
R/o H. No. 191, Street No 3,
New Town Monga.

(Transferor.)

(Transferee.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

4/56, at Punjabi Bagh, Delhi. Area 555.55 sq. yds.

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4 14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq. Range-III/SR-III/9-86/87.—Whereas, I
SUBHASH KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
MCD No 3347-48, 2467, Khasra No. 513/2, Chuna Mandi
Pahar Ganj, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on September 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefore by more than 15% of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the instrument of transfer with the object
of :—

- (2) Smt. Sushil Kaur,
R/o. 3347/48/2467, Nalwa Street,
Pahar Ganj,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Banarsi Lal
R/o 1763, Laxmi Narain Street, Chuna Mandi,
Pahar Ganj,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property bearing MCD No. 3347-48/2467 Mg. 157 sq. yds.
situated in Ward No. XV Khasara No. 513/2 situated at
Nalwa Street, Chuna Mandi, Paharganj, New Delhi.

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1987

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref No. IAC/Acq. Range-III/SR-III/9-86/88.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 56/32 Khastha No. 723/21, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Manohar Lal Kalra and
Prithvi Raj Kalra and
Shri Vijay Kumar
R/o 12/12 W.E.A. Karol Bagh,
New Delhi.

(2) M/s. Consortium Holdings Pvt. Ltd.,
B-2, Janakpuri,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 56/32 measuring 1288.2 sq. yards Khastha No. 723/21, Karol Bagh, New Delhi.

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Puran & Sons,
174-D, Kamla Nagar, N. Delhi,
through partners
Shri Anil Jain & Others,
H-33, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Mona Verma & Others, R/o
290644, Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi.
(Transference)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq.)/Range-III/9-86/SR-III/90.—
Whereas, I, SUBHASH KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 10159 in Block I Kh. No. 1471/1158 & 1472/1158
situated at Naiwala, Padam Singh Road, Karol Bagh, New
Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of
the Registering Officer
at New Delhi in September, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 10159 in Block T, Khasra No. 1471/
1158 and 1472/1158 measuring 150 sq. yds. Naiwala Padam
Singh Road, Karol Bagh, New Delhi.

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi-110002

Date : 12-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX .ACQUISITION RANGE-III
AGRAWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFTI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq.) /Range-III/SR-II/9-86/91.—
 Whereas, I, SUBHASH KUMAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 16-A, situated at Punjabi Bagh New Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the same is registered under section
 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
 Competent Authority at Bombay on 14-7-1986
 at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(1) Shrimati Sunita Thakur, R/o
 29, South Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri D. K. Goel & Shri Pankaj Goel
 176, Civil Lines (North) Muzaffarnagar, U.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property within 45 days from the date of the publi-
 cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act 1957 (27 of 1957);

Plot No. 16-A, area 279.75 sq. yards, Punjabi Bagh, Delhi.

SUBHASH KUMAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 12-5-1987
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/9-86/92.—

Whereas, I, SUBHASH KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immo-
vable property having a fair market value exceeding
₹ 1,00,000/- and bearing

No. C-37, Inderpuri situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer of I.T. Act,
1961 IAC Range.

New Delhi on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property or
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of:—

(1) Shri V. Chander Shekhern S/o
Shri V. Shastri, R/o
Greens Lanes Donanldson Street Brasbave Australia
through attorney Sunder Sub ramaniam.
(Transferor)

(2) Shri D. N. Sethi S/o
Shri G. C. Sethi, R/o
C-37, Inderpuri, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

C-37, Inderpuri, Delhi, Area 500 sq. yards.

SUBHASH KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-5-1987

Seal :

FORM IFNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st April 1987

Ref. No. P.R. No. 4440 Acq.23/1/87-88.—

Whereas, I, A. K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.P.S.-29, F.P. 174, S. No. 74, Hissa No. 6 land adm. 517 sq. mtrs. with construction upto 205 sq. mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 4-10-86
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandubhai Dahyabhai Patel and five others, Partner of M/s. Hiral Corporation, 4, Jyotijalaram Society, Vejalpur, Jivrajpark, Ahmedabad.

(Transferee)

(2) Omkar Association,
President

1. Shri Gaurangbhai B. Dave,
Narnarayan Society,
Paldi, Ahmedabad.

2. Shri Vishnubhai S. Patel,
Secretary of Omkar Association,
Lavanya Society,
Chandodiya,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

T.P.S. 29, F.P. 174, S. No. 74, Hissa No. 6, land 517 sq. mtrs. with construction upto plinth 205 sq. mtrs. R. No. 15798 Dt. 4-10-86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Ahmedabad

Date : 21-4-1987
Seal :

FORM ITN8

(1) Smt. Ramaben Keshavlal Varia,
Gangajada Vidyalaya,
Aliabada (Saurashtra).

(Transferor)

(2) Smt. Geetaben Tarangbhai Sutaria,
121, Swastik Co-op. Hsg Society Ltd.,
Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st April 1987

Ref. No. P.R. No. 4441 Acq.23/I/87-88.—

Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

T.P.S. 3, F.P. 233, SP 121, Land and building in Swastik Co-op Hsg Socy, Land 674 sq mtrs, Bldg. 135 sq. mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on February, 1987.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

T.P.S.-3, F.P. 233, SP 121, land 674 sq. mtrs. and building 135 sq. mtrs. in Swastik Co-op. Hsg. Socy, Ltd. R. No. 861/87 dated February, 1987.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

J2-96 GJ/87

Date : 21-4-1987
Seal :

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd April 1987

Ref. No. P.R. No. 4442 Acq.23 / 1/87-88.—

Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land adm. 1002 sq. mtrs. + constn. upto plinth level at Ahmedabad TPS.3 FP No. 623 SP No. 10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 17-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vinubhai Haribhai Panchal,
 Smt. Taraben Vinubhai Panchal,
 Shri Vikram Vinubhai Panchal,
 Minor Nirav Vinubhai Panchal,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Shivalaya Apartment Owner's Association,
 Chairman Ashwinbhai K. Patel,
 1, Vikram Chambers,
 Ashram Road, Ahmedabad-9.

(Transferee)

(3) M/s. Uma Corporation,
 Partner : Smt. Sandhya Arun Patel,
 Ahmedabad.

(Person whom the undersigned
 knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) facilitating the concealment of any income or any property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Ahmedabad T.P.S. 3, F.P. No. 623, S.P. No. 10, Adm. 1002 sq. mtr. + constn. upto plinth level.

A. K. SINHA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23-4-1987
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd April 1987

Ref. No P.R. No. 4443 Acq.23/I/87-88.—

Whereas, I, A. K. SINHA,
being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 4, Case No. 3/2005 Land Adm. 1294.11 sq. mt. + Old bldg. at Veraval Junagadh High Way, Veraval (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Porbandar on 13-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sonecha Oil Mills,
Registered Partnership Firm
Managing Partner,
Shri Girishchandra Narandas Sonecha & Others,
Sonecha Oil Mills,
Junagadh-Veraval Highway,
Veraval, Dist. : Junagadh.

(Transferor)

(2) Shri Lohana Boarding,
Opp : S. T. Bus Station,
Veraval.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S. No. 4, Case No. 3/2005, Land Adm. 1294.11 sq. m. + Old Bldg. thereon at Veraval-Junagadh High Way, Veraval, Dist. : Junagadh.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 23-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd April 1987

Ref. No. P.R. No. 4444 Acq.23/I/87-88.—

Whereas, I, A. K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said 'Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
at Rajkot
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Sheet No. 24, Vijay Plot Wd. No. 7, Sheet No. 181, City S.
No. 235 & 240 Land adm. 736-1-0 sq. yard + Bldg. thereon
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer
at Rajkot on 15-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Rasiklal Liladharbhai Seth,
60/1, Chorangi Road,
Calcutta-20.

(Transferor)

(2) Swami Builders, Partner :
Premjibhai Harjivandas Pujara-HUF
Smt. Pushpaben Premjibhai Pujara,
M-81, Gujarat Housing Board,
Khalawad Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 736-1-0 sq. yard, + Bldg. (Structure) thereon
at Rajkot Wd. No. 7, Sheet No. 181, S No. 235 and 240,
Sub Plot No. 1 & 2.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 23-4-1987
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th April 1987

Ref. No. P.R. No. 4445 Acq23/I/87-88.—

Whereas, I, A. K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.P.S. 21, FP 521, 547 to 550, Land adm. 974 sq. yds in Navyug Co-op. Hsg. Society, Ambawadi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 7-10-86
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mitradevi Ukchandbhai Jain,
B-9, Northview Flats,
Nr. St. Xavier's College,
Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Mohanraj Misarimal Singhji,
2. Vcena Mohanraj Singhji,
2-11, Swair Vihar Society,
Dr. V. S. Marg, Vastrapur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

TPS-21, FP 521, 547 to 550, land adm. 974 sq. yds. in Navyug Co-op. Hsg. Socy. Ahmedabad, R. No. 15392 dt. : 7-10-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th April 1987

Ref. No. P.R. No. 4446 Acq.23/I/87-88.—

Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shekhpur-Khanpur TPS-19, FP 323, paiki SP No. 9 adm. 475 sq. mtrs. with construction on cellar GF & FF (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-10-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sharadchandra Ishwarlal Mistri and two others
Near Pratima Society,
Opp : Dadashen Pagala,
Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sushilaben Avindkumar and 4 others.
Manikyam Apartment,
Sardar Patel Nagar, E.B.
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shekhpur-Khanpur TPS-19, FP-323 paiki SP No. 9, Land 475 sq. mtrs. with Bldg. on cellar G.F. and F.F. R. No. 15685/23-10-86.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-4-1987
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th April 1987

Ref. No. P R. No. 4447 Acq 23/I.—

Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

S. No. Memnagar S. No. 82, 83-1, 83-2, 83-3, 84, 99 paiki SP No. 42 land adm. 849 sq. yds.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 29-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Manubhai Gopaldas Sheth and 4 others,
Pushpakunj Apartment,
Opp : Apsara Cinema, Kankaria Road,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Mahesh Atmaram,
Raju Association
8, Vijay Vihar Society,
Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Memnagar S. Nos. 82, 83-1, 83-2, 83-3, 84, 99 paiki SP No. 42 land adm. 849 sq. yds.=777 sq. mttrs. R. No. 18970 dt. 29-10-86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-4-1987

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th April 1987

Ref. No. P.R. No. 4448 Acq.23/I.—

Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land adm. 794 sq. m. + Bldg. adm. 194 sq. mt. TPS. 15, FP No. 56, SP No. 12, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 15-1-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrikant Narottamdas Zaveri,
Ashit Jitendra Zaveri.
Zaveri Park, Wadaj, Ahmedabad-380 013.
(Transferor)
- (2) Tarabai Aryaji Siddhant Trust,
Shanti Chambers,
Opp : Dinesh Hall,
Navrangpura, Ahmedabad-380 009.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land adm. 794 sq. m. + Bldg. 194.11 sq. mt. as Ahmedabad TPS 15 FP No. 56 SP No. 12 R. No. 588 dated 15-01-87.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1987
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Smt. J. S. Iyar,
2-B, West Wood, Wingate Gardens,
R. K. Mutt Road, Madras-600 028.
(Transferor)
- (2) The Tata Iron & Steel Co. Ltd.
24, Homi Modi Street, Fort, Bombay-23.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 28th April 1987

Rcf. No. P.R. No. 4449 Acq.23/I.—

Whereas, I, A. K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 19 Adm. 421 sq. yd. + Bldg. Adm. 130 sq. yd.
Pathik Co.op. Hsg. Socy. TPS.19, F.P. No. 28-29 Ahmedabad
at Ahmedabad on 17-11-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer
at Ahmedabad on 17-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 19, T.P.S. 19 FP No. 28-29 A'bad, Land Adm.
421 sq. yard. + Bldg. Adm. 130 sq. yard. Pathik Co.op. H.
Socy. Ltd. Ahmedabad R. No. 19544 dt. 17-11-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
consideration for such transfer as agreed to between the
persons, namely :—

Date : 28-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th April 1987

Ref. No. P.R. No. 4450 Acq.23/I.—

Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Adm. 1330-7-9 sq. yard. + Bldg. thereon at Porbandar Wd. 3-Sheet 151 Nondh-1713 Porbandar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Porbandar on 15-1-1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Jagjiyan Kakubhai Radiya,
26-Sad Bhav Society,
Behind Yogasram Society,
Setelight Road, Ahmedabad-15.

(Transferor)

(2) Ashwin Babulal Singhav,
Anil Babulal Singhav,
Harishkumar Babulal Singhav,
Ashokkumar Babulal Singhav,
Wadia Road, Porbandar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Adm 1330-7 9 sq. yard + Bldg. thereon at Porbandar Wd-3 She : No. 151 Nondh No 1713—R. No. 340 dt : 15-1-87.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th April 1987

Act No. P.R. No. 4451 Acq 23/1.—

Whereas, I, A K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office on 2nd floor—Adm. 3701-89 sq. ft. Sahjanand Shopping Centre—Shahibag Road—Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer
at 37EE filed on 7-1-1987

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shreeji Corporation,
'Asya' House, Shahibag Road, Ahmedabad-4.
(Transferor)

(2) Parsons Traders Limited,
SC Chhakerberia Road,
Calcutta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of publication
of this notice in the official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning to given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Office on 2nd floor—Adm. 3701-89 sq. ft. Sahjanand Shopping Centre—TPS-14, FP No. 105, Ahmedabad-37EE filed on 7-1-87.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 28.4.1987
Seal :

